



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 52। नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 27, 1986 (पौष 6, 1908)

No. 52] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 27, 1986 (PAUSA 6, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और
भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएँ

[Notifications issued by the High Courts, the Controller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

प्रवर्तन निदेशालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 अक्टूबर 1986

विदेशी मंदा विनियमन अधिनियम

नई दिल्ली-110003, दिनांक 3 दिसम्बर 1986

सं० ३० ३५०१२/१/८५-प्रशा०-२—ग्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग, द्वारा प्रधान नेत्रा कार्यालय, पाति विभाग, नई दिल्ली के भगतान पर्वत नेत्रा ग्रधिकारी श्री जै० एन० वहन को प्रतिनियुक्ति के आधार पर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में वितर्वं वचन अधिकारी + पदपर 30 अक्टूबर 1986 (पूर्वाह्न) से 31 जुलाई 1989 तक पा आगामी आदेशों तक तो भी पहुँच हो, नियुक्त किया जाना है ।

सं० ३०-११/१/८६—इस निदेशालय के मद्दाग स्थित क्षेत्रीय कार्यालय के प्रवर्तन अधिकारी श्री प० डी० नाथयन को पत्रद्वारा उसी क्षेत्रीय कार्यालय में अगले आदेशों तक 30-10-1986 (पूर्वाह्न) से स्थानापन मुद्रण प्रवर्तन अधिकारी के द्वारा नियुक्त किया जाना है ।

काली चरण

मुख्य प्रवर्तन अधिकारी (प्रशासन)

गृह निदेशक, प्रवर्तन

प्रतिनियुक्ति ने दोगन उनका देनन क्रित मंत्रालय (व्यव विभाग) के अमय-अमय पर यथा मंगोलियन कार्यालय ज्ञापन सं० प्रक० १(२) ई०-३ (बी०) ७५ दिनांक ७-११-१९७५ द्वारा निनियमित होगा ।

गृह मंत्रालय
केन्द्रीय अन्वेषण अयोग

केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला,
नई दिल्ली-३, दिनांक 28 नवम्बर 1986

एम० पा० डैन
गविन (प्रशा०)
संघ लोक सेवा आयोग

सं० १-२७/८१-सी० प्रक० ए०७० ए०१०—२२-५-१९८६
की अधिसूचना मंग्या १-२७/८१-सी० प्रक० ए०७० ए०१० के
क्रम में गान्धूपति दा० ए०७० के० लहरी, वरिष्ठ वैज्ञानिक
(27273)

महायक केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, के० अ० ब्यूरो, नई दिल्ली को 1-10-1986 (पूर्वाह्न) में तीन माह की और अवधि अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, के लिए तदर्थ आधार पर केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, के० अ० ब्यूरो, नई दिल्ली में वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (ग्रेड-2), (बृह अभिज्ञापक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

धर्मपाल भल्ला
प्रशासन अधिकारी (स्थान)
के० अ० ब्यूरो

महानिदेशालय, के० रि० पु० बल

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर 1986

सं० डी० 1-39/86-स्थापना-I—श्री पी० बी० गुरंग, पुलिस उप अधीक्षक, 10 बटा० के० रि० पु० बल, की सेवाएँ, दिल्ली भिल्क स्कॉम, कृषि मंत्रालय के अधीन, छिपार्टमेंट आफ प्रैग्निकलचर प्रैण्ड कारपोरेशन, नई दिल्ली को प्रतिनियुक्त आधार पर दिनांक 17-11-1986 (अपग्रह्त) से सौंपी जाती है।

दिनांक 28 नवम्बर 1986

सं० अ० दो०-1495/80-स्थापना-I—सरकारी सेवा में निवृत्ति होने के फलस्वरूप श्री आर्द० एम० मिथा ने पुनिम उप-अधीक्षक, 35 बटा० के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार दिनांक 30-4-1986 अपग्रह्त से त्याग दिया।

सं० अ० दो०-2310/86-स्थापना—गण्डपति जी ने डाक्टर मुरोजीत साहा को अस्थायी रूप में आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-II (डी० एम० पी०/कम्पनी कमाण्डर) के पद पर 15 अक्टूबर 1986 पूर्वाह्न में सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 1 दिसम्बर 1986

सं० अ० दो० 2312/86-स्थापना—गण्डपति जी ने डाक्टर एम० गोविन्दा स्वामी को अस्थायी रूप में आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुनिम बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-II (डी० एम० पी०/कम्पनी कमाण्डर)

के पद पर 15 नवम्बर 1986 पूर्वाह्न से इर्ही नियुक्त किया है।

एम० अणोक राज
महायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय

केन्द्रीय अधिकारीका सुगक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 दिसम्बर 1986

सं० ई-16013(2)/2/79-कार्मिक-I—उड़ीसा सरकार में प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण के आधार पर नियुक्ति होने के फलस्वरूप, श्री एन० आर० दाम, भा० पु० मे० (प० वं०: 73) ने दिनांक 1 नवम्बर, 1986 के पूर्वाह्न में के० अ० मु० ब० य० य० निट, पी० पी० टी० पागढ़ीप के कमाण्डर के पद का कार्यभार छोड़ दिया है। (ह०) अपठनीय

महानिदेशक/के० अ० मु०

भारत के महाराजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 नवम्बर 1986

सं० 10/16/81-प्रशा० I—इस कार्यालय की तारीख 18-8-1986 की समसंबंधीक अधिसूचना का अधिक्रमण करते हुए, राष्ट्रपति, भारतीय संघियकी सेवा के ग्रेड-IV के अधिकारी श्री के० नारायणन् उक्ती को भारत के महाराजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 22-7-83 के पूर्वाह्न से अगले आदिशों तक वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री उक्ती का सम्बुद्धालय नई दिल्ली में होगा।

दिनांक 4 दिसम्बर 1986

सं० 10/22/84-प्रशा० I—इस कार्यालय की तारीख 13-8-85 की अधिसूचना सं० 11/1/85-प्रशा० I के अनुक्रम में राष्ट्रपति, निम्नलिखित अन्वेषकों/अन्वेषकों (भा० अ०) की कालम 3 में दर्शित कार्यालयों में महायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ नियुक्तियों को उनके सामने दर्शित आगे अंग्रेजी अवधि के लिए उन्ही शर्तों पर, महर्ष बढ़ाते हैं :—

के० सं० कर्मचारी का नाम

कार्यालय का नाम

जारी तदर्थ नियुक्ति की अवधि

म तक

1. श्री के० बी० गोहतगी	भारत के महाराजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली।	1-3-86	19-8-86
2. श्रीमती रेनू सभरवाल	—तदैव—	1-3-86	14-7-86
3. श्री आर० के० सक्षेना	जनगणना निदेशालय महाराष्ट्र, धम्बई	1-3-86	7-10-86

उनकी उपरोक्त जारी तदर्थ नियुक्तियों की अवधि की समाप्ति पर उपरोक्त 3 कर्मचारियों को उनके अनुग्रह पर भारत के महाराजिस्ट्रार के कार्यालय में अन्वेषक/अन्वेषक (भा० अ०) के पद पर प्रत्यावर्तित किया गया।

मं० 10/22/84—प्रश्ना० 1—प्रत्येक कर्मचारी के सामने दर्शित इस कार्यालय की अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, निम्नलिखित अन्वेषकों/अन्वेषकों (मा० द०) की सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ नियुक्तियों को, उसी कार्यालय में जहाँ वे हस्त समय नैनात हैं, 28 फरवरी, 1987 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, विद्यमान गतौं पर महूर्ष बढ़ाते हैं :—

क्र० सं०	कर्मचारी का नाम	अधिसूचना सं० और तारीख	जिग कार्यालय में नैनात किए गए और मुख्यालय
1	2	3	4
संघीयता—			
1.	एम० तेजकिंशुर गिहू	मं० 11/37/80—प्रश्ना० 1 दिनांक 2-6-84	जनगणना निदेशालय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता ।
2.	अन्सर अहमद	मं० 11/1/85—प्रश्ना० 1 दिं० 13-8-85	जनगणना निदेशालय, तमिलनाडू, भद्राम ।
3.	एम० एल० शर्मा	मं० 11/37/80—प्रश्ना० 1 दिं० 2-6-84	जनगणना निदेशालय, पंजाब, चण्डीगढ़ ।
4.	डी० कै० चौधर्णी	"	जनगणना निदेशालय, त्रिपुरा, अगरतला ।
5.	आर० पी० भट्टनगर	"	जनगणना निदेशालय, हरियाणा, चण्डीगढ़ ।
6.	जे० कै० नन्दा	मं० 11/1/82—प्रश्ना० 1 दिं० 13-10-83	जनगणना निदेशालय, चण्डीगढ़ ।
7.	जी० एम० डी० लोत	मं० 11/1/82—प्रश्ना० 1 दिं० 21-7-84	जनगणना निदेशालय, महाराष्ट्र, बम्बई ।
8.	ए० जी० ओक	सं० 11/1/85—प्रश्ना० 1 दिं० 13-8-85	जनगणना निदेशालय, मध्य प्रदेश, भोपाल ।
9.	आर० एम० मौर्य	सं० 11/37/80—प्रश्ना० 1 दिं० 2-6-84	जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ ।
10.	पी० वी० जेम्स	मं० 11/11/82—प्रश्ना० 1 दिं० 21-7-84	जनगणना निदेशालय, नक्षीप, लक्ष्मीप ।
11.	एम० पीथाम्बरन	मं० 11/1/85—प्रश्ना० 1 दिं० 13-8-85	जनगणना निदेशालय, केरल, विवेन्द्रम ।
12.	एम० एम० गमाचन्द्रा	मं० 11/37/80—प्रश्ना० 1 दिं० 2-6-84	जनगणना निदेशालय, कर्नाटक, बंगलौर ।
13.	जी० एन० गोवडा	मं० 11/1/85—प्रश्ना० 1 दिं० 13-8-85	जनगणना निदेशालय, कर्नाटक, बंगलौर ।
14.	श्रीमती वी० वार्ड० जाणी	मं० 11/37/80—प्रश्ना० 1 दिं० 2-6-84	जनगणना निदेशालय, महाराष्ट्र, बम्बई ।
15.	पी० कै० रात्त	मं० 11/1/85—प्रश्ना० 1 दिं० 13-8-85	जनगणना निदेशालय, उड़ीसा, भुवनेश्वर ।
16.	एम० आर० राधेन्द्र राव	"	जनगणना निदेशालय, उड़ीसा, भुवनेश्वर ।
17.	जी० एम० गित	मं० 11/37/80—प्रश्ना० 1 दिं० 2-6-84	जनगणना निदेशालय, विहार, भुवनेश्वर ।
18.	एन० मी० सेन	मं० 11/11/82—प्रश्ना० 1 दिं० 21-7-84	जनगणना निदेशालय, उड़ीसा, भुवनेश्वर ।
19.	एम० एम० ए० बेग	सं० 11/1/85—प्रश्ना० 1 दिं० 13-8-85	जनगणना निदेशालय, विहार, भुवनेश्वर ।
20.	कै० कै० शर्मा	"	जनगणना निदेशालय, विहार, भुवनेश्वर ।
21.	सी० एम० बोम	मं० 11/37/80—प्रश्ना० 1 दिं० 2-6-84	जनगणना निदेशालय, विहार, भुवनेश्वर ।
22.	जे० सी० दना	"	जनगणना निदेशालय, विहार, भुवनेश्वर ।
23.	सी० आर० मोहने	"	भारत के महाराजस्तार का कार्यालय, भाषा प्रभाग, कलकत्ता
24.	एम० कै० मुखर्जी	मं० 11/11/82—प्रश्ना० 1 दिं० 21-7-84	जनगणना निदेशालय, उड़ीसा, भुवनेश्वर ।
25.	जे० एम० सुरी	मं० 11/1/85—प्रश्ना० 1 दिं० 13-8-85	जनगणना निदेशालय, उड़ीसा, भुवनेश्वर ।
26.	वी० एल० शर्मा	मं० 11/11/82—प्रश्ना० 1 दिं० 21-7-84	जनगणना निदेशालय, चण्डीगढ़, चण्डीगढ़ ।
27.	डी० पी० जैन	मं० 11/11/82—प्रश्ना० 1 दिं० 21-7-84	जनगणना निदेशालय, श्रमम, गोहाटी ।
28.	जी० सी० मिश्रा	मं० 11/1/85—प्रश्ना० 1 दिं० 13-8-85	जनगणना निदेशालय, चण्डीगढ़, चण्डीगढ़ ।
29.	एम० पी० झाला	मं० 11/37/80—प्रश्ना० 1 दिं० 2-6-84	जनगणना निदेशालय, बिहार, पटना ।
30.	आर० एम० पाण्डे	मं० 11/11/82—प्रश्ना० 1	जनगणना निदेशालय, गुजरात, अहमदाबाद ।
31.	वी० एम० पटेल	मं० 11/1/85—प्रश्ना० 1 दिं० 13-8-85	जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ ।
32.	एम० एम० निहाल दुमेन	सं० 11/11/82—प्रश्ना० 1 दिं० 13-8-85	जनगणना निदेशालय, गुजरात, अहमदाबाद ।
33.	पी० एन० मिहा	मं० 11/11/82—प्रश्ना० 1 दिं० 21-7-84	जनगणना निदेशालय, विहार, पटना ।
34.	एम० पी० देमाई	मं० 11/37/80—प्रश्ना० 1 दिं० 2-6-84	जनगणना निदेशालय, विहार, पटना ।
35.	डी० आर० खस्ता	मं० 11/11/82—प्रश्ना० 1 दिं० 21-7-84	जनगणना निदेशालय, विहार, पटना ।
36.	एम० कै० मिहा	मं० 11/1/85—प्रश्ना० 1 दिं० 13-8-85	जनगणना निदेशालय, मध्य प्रदेश, भोपाल ।
37.	वी० एम० जाणी	मं० 11/1/85—प्रश्ना० 1 दिं० 13-8-85	जनगणना निदेशालय, मध्य प्रदेश, भोपाल ।
38.	जी० वी० पाण्डा	मं० 11/1/85—प्रश्ना० 1 दिं० 13-8-85	जनगणना निदेशालय, कर्नाटक, बंगलौर ।
39.	डा० ए० वी० अराजी	मं० 11/1/85—प्रश्ना० 1 दिं० 3-10-85	जनगणना निदेशालय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता ।
40.	कु० जैफाली चक्रवर्ती	मं० 11/1/85—प्रश्ना० 1 दिं० 13-8-85	

(1)	(2)	(3)	(4)
सर्वश्री—			
41. प० मंदी	सं० 11/1/85-प्रशा० 1 दि० 13-8-85	जनगणना निर्देशालय, पश्चिम बंगाल करकना।	
42. राजेन्द्र प्रसाद	सं० 11/1/85-प्रशा० 1 दि० 3-10-85	जनगणना निर्देशालय, बिहार, पटना।	
43. खाजा मोयमुद्दीन	सं० 11/1/85-प्रशा० 1 दि० 13-8-85	जनगणना निर्देशालय, आनंद प्रदेश, हैदरगाबाद।	
44. क० सं० उपाध्याय	सं० 11/1/85-प्रशा० 1 दि० 13-8-85	जनगणना निर्देशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।	

बी० प० सं० वर्षा

भारत के महाराजस्थार

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 दिसंबर 1986

सं० 30-वा० ल० प० 1/328-69—सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड पूर्व पर्दन नियंत्रक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा-1, नई दिल्ली के कार्यालय में कार्यगत श्री बी० डी० अग्रवाल, लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) अपनी अधिवर्पिता आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-10-1986 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

डी० प० आनंद,
सहायक नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वा०)

महालेखाकार का कार्यालय (ल० पूर्व० ह०) आनंद प्रदेश

हैदरगाबाद-500463, दिनांक 5 दिसंबर 1986

म० प्रशा० 1/प० आर ई०/1/8-88/86-87/2614—महालेखाकार (ल० पूर्व० ह०) ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को पदोन्नति स्थानापन लेखा अधिकारी के रूप में 2375-75-3200 ई० बी०-100-3500 के बेतन-मान में महूप किया है। यह पदोन्नति उनके कार्य ग्रहण करने की निधि, जो कि उनके नाम के आगे दर्शायी गई है, से प्रभावी है।

नाम	कार्य	ग्रहण करने की तिथि
श्री प० क० जकारियाम	19-11-86	पूर्वाह्नि
श्री प० गंगाराव	12-11-86	पूर्वाह्नि

यह पदोन्नति उनके वरिष्ठों के दावों पर, बिना कोई प्रतिकूल प्रभाव डाने, अगर कोई हो तो, दी गई है तथा आनंद प्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय कन्द में दर्दीय प्रशासन अधिकरण में लंबित रिट याचिकाओं के निर्णयों पर आधारित है।

टा० क० बालसुश्रमण्यम्,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय लेखा परीक्षा केन्द्र, तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 4 दिसंबर 1986

म० हकदारी/1/10-3/86-87/674—महालेखाकार (लेखापरीक्षा) का कार्यालय, करना, तिरुवनन्तपुरम के निम्नलिखित लेखापरीक्षा अधिकारी अधिविधिता के कारण उनके नाम के गामते लिखित तारीख से सेवा निवृत हो गए हैं—

- | | |
|--------------------------------|--------------------|
| 1. श्री आर० परमेश्वर प्रस्ताव | 30-11-1986 अपराह्न |
| 2. श्री एम० माहस्यद प्रस्ताव | 30-11-1986 " |
| 3. श्रीमती एनियाम्मा प्रव्रहाम | 30-11-1986 " |

बी० लक्ष्मीनारायण
महालेखाकार (लेखापरीक्षा)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम, म० प०

ग्रामियर, दिनांक 27 नवम्बर 1986

ऋगंक/प्रशा० 11/भप०-11//म० ल० प० अ०-ल० प० अ०/पदोन्नति/25-209/101—महालेखाकार (लेखापरीक्षा) प्रथम म० प्र० ग्रामियर ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन महालेखापरीक्षा अधिकारी के पद पर बेतनमान ५०६५०-३०-७४०-३५-८४०-८० रु०-४०-१०-१० में उनके नाम के मामते दर्शाया गया दिनांक से पदोन्नत किया है—

ऋगंक	नाम	स्थाई ऋगंक	पदोन्नति दिनांक
1	2	3	4
(सर्वश्री)			
1.	क० जी० श्रीवास्तव	02/1743	24-7-86
2.	सी० क० त्रिपाठी	1776	24-7-86
3.	एस० सी० जैन	1863	26-7-86
4.	डी० श० पाण्डे	1898	28-7-86
5.	ज० री० रमा	1035	26-7-86
6.	आर० प्रार० पी० मर्सेना	1310	24-7-86
7.	एम० एन० वस्मभट्ट	1793	28-7-86
8.	प०० एस० यादव	1809	28-7-86
9.	क० सी० जैन	1838	24-7-86

1	2	3	4	1	2	3	4
सर्वश्री—				14.	आर० पी० गोतम	1339	24-7-86
10. आर० पी० गोतम	1855	29-7-86		15.	बी० एल० अग्रवाल	585	14-10-86
11. एस० एम० त्रिपाठी	2010	24-7-86					
12. जै० पी० बाजेलिया	1415	24-7-86					
13. कै० ई० दहापाले	1691	28-7-86 (भोपाल)					
							(ह०) अपटनीय उपमहालेखाकार (ग्रामसन)

महालेखाकार का कार्यालय, (लेखा पर्गीका) प्रथम, उत्तर प्रदेश

इलाहाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1986

मं० ए० जौ० (लेखा-1) प्रशा० / 13-7/1330—निम्नलिखित पर्गीका अधिकारी निवास की श्रायु प्राप्त कर उनके नाम से लिखित तिथि से पर्गीकारी मेवा से निवृत हो गए हैं :—

नाम	तिथि	कार्यालय	
सर्वश्री—			
1. पी० लाल	31-8-86 (अपग्रह)	महालेखाकार (आईटी) 13० प्र०
2. बी० पी० अग्रवाल	31-8-86 ("")	महालेखाकार (आईटी) 2 उ० प्र०
3. उ० प्र० मिह०	30-9-86 ("")	महालेखाकार (आईटी) 1 उ० प्र०
4. पी० एन० खर०	30-9-86 ("")	तदैव
5. ई० एम० एल० मिला	30-9-86 ("")	महालेखाकार (आईटी) 2 उ० प्र० 2
6. एच०क० एन० वर्मा	31-10-86 ("")	महालेखाकार (आईटी) 1 उ० प्र०
7. आर० एम० श्रीवास्तव	31-10-86 ("")	—तदैव—
8. पी० एन० शर्मा	31-10-86 ("")	महालेखाकार (आईटी) 2 उ० प्र०

मं० ए० जौ० (लेखा)। प्रशा० / 13-7/1330 निम्नलिखित महालेखा पर्गीकारी को स्थानापन्न लेखा पर्गीका अधिकारी के पद पर उनके नाम से लिखित तिथि से नियुक्त किया है।

नाम	नियुक्ति की तिथि
सर्वश्री—	
1. पशुपति भड़ा	1-9-1986
2. चन्द्र भूषण श्रीवास्तव	नियुक्ति अस्वीकार किया है
3. रवीदत्त भट्ट	8-9-1986
4. तमला प्रभाद दुवे	3-9-1986
5. राम बुन्दर दास लाल चन्दानी	1-9-1986
6. टी० एम० झण्झूरि	1-9-1986
7. सिद्ध गोपाल मिशा	26-9-1986
8. सत्यवान श्रीवास्तव	30-9-1986
9. सैयद आविद हृषीन नक्की	7-10-1986
10. भीम सैन	6-10-1986
11. विनोद चन्द्र जौहरी	6-10-1986
12. महेन्द्र नाथ कश्यप	26-9-1986
13. गिरजा शंकर	30-10-1986
14. रामकिशोर तिवारी	30-10-1986
15. कौरंगी प्रभाद श्रीवास्तव	10-11-1986
16. अब्दुल शर्मा भवां	11-11-1986

मं० ए० जौ० (लेखा) प्रशा० / 13-7/1330 4— निम्नलिखित कार्यालय लेखा पर्गीका अधिकारी को उनके नाम के आगे उल्लिखित तिथियों से स्थायी लेखा पर्गीका अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

नाम	स्थायी होने की तिथि
सर्वश्री—	
1. बुजेश कुमार सर्मेता	1-9-1986
2. वारदेव मिशा नरदा	1-9-1986
3. सत्येन्द्र नाथ मिला	1-10-1986
4. प्रीतम मिह	1-10-1986

पी० कौ० मुख्योपाध्याय
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई इलाली-110066, दिनांक 28 नवम्बर 1986

मं० प्रशा० / 1/1171/1/जिल्द-11—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा मेवा के निम्नलिखित अधिकारीयों को उक्त मेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक प्रेड के स्तर 1 (मान (रु 2500-125/2-2750) (सशोधन पूर्व) में स्थानापन्न रूप में कार्य कर

के लिए नामों के समक्ष दर्शाई गई नामों से, आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

- | | |
|---------------------------|----------------------|
| 1. श्री उमा शंकर प्रमाद | 18-11-86 (पूर्वाह्न) |
| 2. श्री वी० राधाकृष्णन | 18-11-86 (पूर्वाह्न) |
| 3. श्री डी० के० चंद्रसिंह | 20-11-86 (पूर्वाह्न) |

एस० स्वामीनाथन
रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 27 नवम्बर 1986

मं० प्रश्ना० I/1/1150/1/जिल्द VI—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1984 में आयोजित मिलियन सेवा (मुख्य) परीक्षा के परिणाम के आधार पर श्री राकेश कुमार शर्मा को भारतीय रक्षा लेखा सेवा में परिवीक्षार्थी के रूप में 30 जुलाई 1986 पूर्वाह्न से, महर्ष नियुक्त करते हैं।

राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री राकेश कुमार शर्मा का 22 मितम्बर 1986 अपग्रह में त्याग पद भी, सहर्ष स्वीकार करते हैं।

दिनांक 28 नवम्बर 1986

सं० प्रश्ना० /1/1171/1/जिल्द-11—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री अमिय कुमार धोष, जो रक्षा मंत्रालय के वित्त प्रभाग में अपर वित्तीय सलाहकार तथा संयुक्त सचिव के रूप में प्रतिनियुक्ति पर है, को उक्त सेवा के विशिष्ट प्रशासनिक ग्रेड के स्तर 1 (मात्र रु 2500-125/2-2750) (संशोधन पूर्व) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए 'अनुक्रम नियम के अधीन' 18 नवम्बर 1986 में आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

डी० के० चंद्रसिंह
रक्षा लेखा अपर महानियन्त्रक (प्रशासन)

भारत का प्रधान कौमलावास

न्यूयार्क 21, एन० वाई०, दिनांक 4 जून 1986

सं० एन० वाई० सी० जी०/1/86—गृह अवकाश और विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली के मुख्यालय में परामर्श इयूटी पर जाने के फलस्वरूप श्री पी० एस० हेयर ने 21 मार्च, 1986 के अपराह्न को भारत के प्रमुख कौमलावास, न्यूयार्क में उप प्रमुख कौमुल के पद का कार्यभार त्याग दिया और 8 मई, 1986 के अपराह्न को भारत के प्रमुख कौमलावास न्यूयार्क में उप प्रमुख कौमल के पद का कार्यभार संभाल लिया।

श्रीमती नीतिभा मिश्र
कृते चांसरी प्रमुख

वाणिज्यिक ज्ञानकारी एवं अक्सेक्लन महानियन्त्रक
वाणिज्य मंत्रालय

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1986

मं० एस्ट-1/1(1) 85—इस नियन्त्रक को अधिगृहनना मं० एस्ट-1/1(1)/85/2772-2777, दिनांक 3-6-86 को अनुबर्ती में वाणिज्यिक ज्ञानकारी एवं अक्सेक्लन महानियन्त्रक, कलकत्ता के स्थायी अधीक्षक श्री कुमुद रंजन विश्वास को 15-11-86 से गाहे दो महीने (2 1/2) को अगली अवधि के लिए मणीन मार्गीयन अधिकारी के पद पर नदर्ये आधार पर बते रहने की अनुमति दी जाती है।

नियुक्ति की शर्ते पूर्वतः बनी रहेंगी।

एस० आर० सेनगुप्ता
वर्षिट उपमहानियन्त्रक

उद्योग मंत्रालय

आंदोलिक विकास विभाग

विकास प्रायुक्ति (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1986

मं० ए-19018(256)/76—प्रश्ना० (राजपत्रित) —

राष्ट्रपति, खेद के नाथ सूचित करते हैं कि लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास के उपनियन्त्रक (द्वेष्ट्रानिक्षि), श्री के० वी० एम० गास्ट्री का दिनांक 13-11-1986 को निधन हो गया।

दिनांक 28 नवम्बर 1986

मं० 12(27)/61—प्रश्ना० (राज०)—राष्ट्रपति, विकास प्रायुक्ति (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली के उपनियन्त्रक (आंदोलिक प्रबन्ध प्रशिक्षण) डा० एम० बी० श्रीवास्तव को दिनांक 3-11-1986 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, इम्फाल में नियन्त्रक, ग्रेड-2 (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के पद पर, तदर्ये आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 12(269)/61—प्रश्ना० (राज०)/खण्ड-II—सेवा-निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर, श्री क० ए० कृष्णन-उपनियन्त्रक (आ० प्र० प्र०) लघु उद्योग सेवा संस्थान, व्रंगलार ने 31 अक्टूबर, 1986 (अपग्रह) गे अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

मं० ए-19018(77)/73—प्रश्ना० (राज०)—सेवा-निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर, श्री पी० गी० दिता सहायक नियन्त्रक, ग्रेड-1 (आर्थिक अन्वेषण), लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता ने 31 अक्टूबर, 86 (अपग्रह) में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए० 19018(748)/84—प्रश्ना० (राज०)—राष्ट्रपति, श्री आर०डी० बोप्सेन का दिनांक 30-9-86 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता के अधीन शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, सूरी में महायक नियन्त्रक, ग्रेड-1 (चमड़ा/पादुका) के पद पर नियुक्त करते हैं।

मं० ए-19018(808)/86-प्रश्ना० (गज०)---विकास आयुक्त (लघु उद्योग), श्री आर० ए८० अरोड़ा, लघु उद्योग संबंधन अधिकारी (हौजकरी) की नियुक्ति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, करनाल में, 28-7-86 (अपराह्न) से महायक निदेशक, ग्रेड-2 (हौजकरी) के पद पर, अगले आदेश जारी होने तक, तदर्थे आधार पर कर्मते हैं।

सी० सी० राय
उप निदेशक (प्रश्ना०)

कार्यालय, महानियन्त्रक
एकम्ब, रूपांचल एवं व्यापार चिन्ह
बम्बई-20, दिनांक 26 नवम्बर 1986

सं० सी० जी०/ए०/5/1(6)/86/141---श्री जी० ए८० वर्मा को दिनांक 30-9-86 पूर्वाह्नि से परीक्षक, व्यापार चिन्ह (धृप 'व' राजपत्रित) के पद पर वेतनमान ₹० 650-1200/-पर व्यापार चिन्ह रजिस्ट्री, बम्बई में नियुक्त किया जाता है। वे उपरोक्त दिनांक से 2 वर्ष की अवधि तक परीक्षाधीन रहेंगे।

आर० ए० आचार्य
महानियन्त्रक,
एकम्ब, रूपांचल एवं व्यापार चिन्ह

पूर्ति तथा निपटान महानियन्त्रक

(प्रश्नामन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 नवम्बर 1986

मं० ए० 17011/313/86-ए-6---संघ लोक गेवा आयोग द्वारा ली गयी अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा, 1984 के परिणाम के आधार पर, राष्ट्रपति श्री कुमार चन्द्रहास ज्ञा को 15 अक्टूबर, 1986 के पूर्वाह्नि से और अगला आदेश दिनांक तक भारतीय नियोक्ताने द्वारा ग्रुप "ए" के ग्रेड-III की अभियांत्रिकी जाखा में नियुक्त करते हैं।

2. श्री ज्ञा ने दिनांक 15-10-86 के पूर्वाह्नि से नियोक्ताने नियुक्ति के कार्यालय में महायक निदेशक नियोक्ताने नियोक्ताने अधिकारी (परिवीक्षाधीन आरक्षित) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है वे उन तारीख में 2 वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।

आर० पी० शाही
उपनिदेशक (प्रश्नामन)

इम्पान और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 28 नवम्बर 1986

मं० 8181बी/ए-300011/2/86-19 मी---भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के नियन्त्रित अस्थायी अधिकारियों को

महायक भूवैज्ञानिक के श्रेणी में प्रत्येक के भास्ते दर्शायी गई तिथि से स्थायीवत् घोषित किया जा रहा है :—

क्र० मं०	नाम	स्थायीवत् घोषित किए जाने की तिथि
1.	श्रीमती जयली बोग (दत्त)	21-10-1978
2.	श्री ममीर चौधुरी	1-6-1984
3.	श्रीमती शिखा घोष (मंडल)	16-12-1984
4.	मो० फैज अहमद	17-7-1984
5.	श्री हेम चन्द्र खांडुरी	26-9-1984
6.	श्री कमल मिह गधव	2-6-1984
7.	श्री ममीर कुमार घोष	20-1-1985
8.	कु० के० एस० गोदावरी	4-10-1985

एम० के० मुख्यर्जी
महानिदेशक

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 28 नवम्बर 1986

सं० 8128बी/19012(2-एम० आर० एम०)/85-19वी---भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक श्री मुख्यर्जी सम्भार को महायक भूभौतिकीविद् के रूप में ₹० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान के व्युत्तम वेतन पर, अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक 29-9-86 के पूर्वाह्नि से नियुक्त कर रहे हैं।

स० 8139बी/ए-32012(2-जी० एम०)/83-19वी---राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूभौतिकीविद् (कनिष्ठ) श्री के० बेंकट चाव को भूभौतिकीविद् (वरिष्ठ) के पद पर उसी विभाग में नियमानुसार 1100-50-1600 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के भास्ते दर्शायी गयी तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

स० 8150बी/ए-32013(2-जी० एम०)/83-19वी---राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के नियन्त्रित भूभौतिकीविदों (कनिष्ठ) का भूभौतिकीविद् (वरिष्ठ) के पद पर उसी विभाग में नियमानुसार 1100-50-1600 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के भास्ते दर्शायी गयी तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं :—

1. श्री आर० पी० राय, 10-9-86 (अपराह्न)
2. " जी० पी० एम० चौहान, 11-9-86 (पूर्वाह्न)
3. " के० परमानन्द, 15-9-86 (पूर्वाह्न)

मं० 8166बी/ए-19011 (3-आर० के० एम०)/85-19 बी---राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के

वरिष्ठ तकनीकी सहायक (सायन) डॉ. आर० के० मूर्ति
को स्थानापन्न (कनिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में नियमा-
नुसार 700-1300 रु० के वेतनमान के वेतन पर,
स्थानापन्न अमल में आगामी आदेश होने तक 22-9-86
के पूर्वाह्न में नियमित कर रहे हैं।

श्रमित कुणारी
निदेशक (कार्मिक)
भारतीय भौवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान छपारो
नागपुर, दिनांक 3 दिसम्बर 1986

सं० प० 19012/16/86-स्था० प० पीरी--ग्रन्थन खेद
के साथ सूचित किया जाना है कि श्री दौ० दौ० अब्दून,
सहायक निदेशक (गजभाषा) का दिनांक 26 नवम्बर
1986 के अपशाल्ल में दुष्कद नियम हो गया है। अतः ये
भारतीय खान छपारो के अधिकारीयों की मूर्ति में स उनका
नाम निकाल दिया गया है।

जी० सी० शर्मा
सहायक प्रशासन अधिकारी
कृते महानियन्त्रक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

इहगद्दा, दिनांक 18 नवम्बर 1986

सं० सी० 88/718-ए—निम्नलिखित अधिकारी को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में स्थापना एवं नेत्रा अधिकारी (रा० मि०
नेत्रा द्रूप "बी") के पद पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपया (मासाधित वेतनमान 2375-75-3200-द० रो०-160-
3500 रुपया) के वेतनमान में उनके नाम के गामने शी गयी तारीख से स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर नियमित किया जाता है :—

क्र० सं०	नाम और पदनाम	यूनिट/कार्यालय	तारीख
1.	श्री अजीत कुमार दना, ग्रवीश्वर, महानवेक्षक का कार्यालय।	सं० 102 (फोटो लिथो आर्किव) मुद्रण वर्ग (पूर्वी भूक्ति), भारतीय सर्वेक्षण विभाग, कलकत्ता।	1-9-1986 (पूर्वाह्न)

दिनांक 27 नवम्बर 1986

सं० सी० 90/707—निम्नलिखित अधिकारी, जो ग्रधिकारों सर्वेक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप में पूर्णतया तदर्थ अनन्तिम आधार
पर नियमित किया गया थे, ग्रवीश्वर के नाम के गामने शी गयी तारीख से उसी पद पर स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर नियमित
किया जाते हैं :—

क्र० सं०	नाम	ग्रधिमूचना की सं० और तारीख जिस के अन्तर्गत तदर्थ अनन्तिम आधार पर नियमित की गयी थी।	यूनिट/कार्यालय जिसमें नैनात किया गया पदांतरण की तारीख
----------	-----	--	---

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	श्री भूपाल चिह्न गवत	दिनांक 28-9-83 की ग्रधिमूचना सं० सी० 49 पार्टी (द० म० म०), सी०-6002/707 हैदराबाद।	सं० 49 पार्टी (द० म० म०), हैदराबाद।	15-2-85 (पूर्वाह्न)
2.	श्री दया कृष्ण	दिनांक 6-4-83 की ग्रधिमूचना सं० सी० 81 पार्टी (पूर्वीतर सं०), सी०-5934/707 शिलांग।	सं० 81 पार्टी (पूर्वीतर सं०), शिलांग।	2-3-85 (पूर्वाह्न)
3.	श्री कीमती लाल चड्ढा	दिनांक 5-3-83 की ग्रधिमूचना सं० सी० 85 पार्टी (द० म० क०), सी०-5919/707 नागपुर।	सं० 85 पार्टी (द० म० क०), नागपुर।	15-2-85 (पूर्वाह्न)
4.	श्री केण्टम० भट्टनागर	दिनांक 3-5-82 की ग्रधिमूचना सं० सी० 43 पार्टी (प्र० प्र० मा० उ० क०) सी०-5810/707 हैदराबाद।	सं० 43 पार्टी (प्र० प्र० मा० उ० क०) हैदराबाद।	24-5-85 (पूर्वाह्न)
5.	श्री हब लाल (अनु० जाति)	दिनांक 28-9-83 की ग्रधिमूचना सं० सी० 69 (संगणक) पार्टी (ज्यो० सी०-6002/707 एवं अनु० ज्या०) देहरादून	सं० 69 (संगणक) पार्टी (ज्यो० एवं अनु० ज्या०) देहरादून	10-6-85 (पूर्वाह्न)

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
6.	श्री राजू कुलन	दिनांक 17-7-84 की अधिसूचना सं० सं० 86 पार्टी (द० म० स०), सी-6099/707 विशाखापटनम		15-2-85 (पूर्वाह्नि)
7.	श्री आर० एल० वैद्य	दिनांक 6-4-83 की अधिसूचना सं० सं० 51 पार्टी (द० म० स०), सी-5934/707 हैदराबाद।		15-2-85 (पूर्वाह्नि)
8.	श्री हरकिशन देव	दिनांक 6-4-83 की अधिसूचना सं० पश्चिमोत्तर सर्किल आफिन, चण्डीगढ़ 3-5-85 (पूर्वाह्नि) सी-5934/707		
9.	श्री ए० अब्दुलमानन	दिनांक 13-9-82 की अधिसूचना सं० सं० 54 पार्टी (द० म० स०), सी-5859/707 हैदराबाद		15-2-85 (पूर्वाह्नि)
10.	श्री नानक चन्द्र बल्हार (अनुसूचित जाति)	दिनांक 17-8-78 की अधिसूचना सं० सं० 78 पार्टी (द० म० स०), सी-5403/707 हैदराबाद		4-2-85 (पूर्वाह्नि)
11.	श्री एच० के० खरवडे (अनु० जनजाति)	दिनांक 12-4-83 की अधिसूचना सं० सं० 52 पार्टी (द० म० स०), पटना सी-5939/707		15-2-85 (पूर्वाह्नि)
12.	श्री एस० बी० ममगांई	दिनांक 19-3-79 की अधिसूचना सं० सं० 75 पार्टी (पूर्वी सर्किल), पटना सी-5474/707		3-3-86 (पूर्वाह्नि)
13.	सनत कुमार दास	दिनांक 3-9-82 की अधिसूचना सं० सं० 89 (फोटो) पार्टी (म० म०), सी-5859/707 भोपाल		13-5-85 (पूर्वाह्नि)

2. निम्नलिखित अधिकारी जो अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप "बी") के पद पर स्थानापन्न रूप में पूर्णतया तदर्थं अनन्तिम आधार पर नियुक्त किए गए थे, उनके नाम के सामने दी गयी तारीख से उनके मौलिक ग्रुप "सी" डिवीजन-1 के पद पर पदावनत किया जाता है:—

क्र० सं०	नाम तथा पद	अधिसूचना की सं० और तारीख जिस के अन्तर्गत तदर्थं अनन्तिम आधार पर नियुक्ति की गयी थी	यूनिट/कार्यालय जिसमें तैनात किए गए	पदावनत की तारीख
----------	------------	--	------------------------------------	-----------------

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	श्री बी० शिवानन्दन, (अनुसूचित जाति), सर्वेक्षक (सलेक्शन ग्रेड)	दिनांक 28-9-83 की अधिसूचना सं० सं० 59 पार्टी (द० म० स०), सं० सी-6002/707		हैदराबाद 31-8-85 (अपराह्नि) 22-5-86
2.	श्री मुख्य राम सिंह, (अनुसूचित जाति), सर्वेक्षक (सलेक्शन ग्रेड)	दिनांक 22-8-83 की अधिसूचना सं० सं० 91 पार्टी (उ० सं०) लखनऊ		(अपराह्नि)

3. इस कार्यालय की दिनांक 7-5-1986 की अधिसूचना सं० सी-36/707 में निम्न संशोधन कीजिए :—

क्र० सं० नाम

3. श्री जैड केरकेटा (I) "सं० 75 पार्टी (पूर्वी सर्किल) पटना" के स्थान पर "सं० 74 पार्टी (द० प० स०), रांची" पढ़ें।
(अनु० जनजाति) (II) "दिनांक 11-2-85 (पूर्वाह्नि)" के स्थान पर 12-5-86 (पूर्वाह्नि) पढ़ें।

सं० सी-91/707—श्री जै० के० एल० साहनी
सर्वेक्षक, सिलेक्शन ग्रेड की भारतीय सर्वेक्षण विभाग में
अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप बी) के पद पर रु० 650-30-740-
35-810-30-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200
के वेतनमान में दिनांक 31-1-1986 (पूर्वाह्नि) से नियमित
2-38601/86

आधार पर नियुक्ति की जाती है व सं० 40 पार्टी (द० म० स०)
में तैनात किया जाता है।

गिरिश चन्द्र अग्रवाल
मेजर जनरल
भारत के महासर्वेक्षक
(नियुक्ति प्राधिकारी)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1986

सं० ए० 12025/2/84—एन० आई० सी० डी०/पी० एच० (सी० डी० एण्ड एल०)—राष्ट्रपति ने श्री डी० एस० रावत को राष्ट्रीय जन संचारी रोग संस्थान दिल्ली में 18 नवम्बर 1986 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक उपसहायक निदेशक (जीव रसायनज) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त कर दिया है।

श्रीमती जैसी फांसिस
उप निदेशक प्रशासन (पी० एच०)

परमाणु ऊर्जा विभाग

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद—16, दिनांक 28 नवम्बर 1986

सं० पखप्र—16/8/85—भर्ती—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्वारा खरमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी सहायक लेखापाल श्री के० यू० के० नायर को उसी प्रभाग में 27 अक्टूबर, 1986 (अपराह्न) से तदर्थं आधार पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

अ० व० खान
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर—560 009, दिनांक 12 नवम्बर 1986

सं० 6/39/84—सी० ई० डी० (एच)—मुख्य इंजीनियर सिविल इंजीनियरी अन्तरिक्ष विभाग श्री एस० बसी रेण्डी को सिविल इंजीनियरी प्रभाग अन्तरिक्ष विभाग श्रीहरिकोटा में इंजीनियर—एस० बी के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 1—10—1986 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक प्रोत्तत करते हैं।

के० ई० रविन्द्रनाथन
प्रशासन अधिकारी—II
कृत मुख्य इंजीनियर

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर 1986

सं० ए० 38013/1/86—ई० ए० 1—श्री गोपालै लिंग विमान क्षेत्र अधिकारी जो कि राष्ट्रीय विमानपत्तम प्राधिकरण प्रतिनियुक्त पर थे और विमान क्षेत्र निदेशालय दिल्ली में तैनात थे निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31—8—1986 से सरकारी सेवा से निवृत हो गए हैं।

दिनांक 24 अक्टूबर 1986

सं० ए० 32013/4/84—ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित उपनिदेशक/नियंत्रक विमान क्षेत्र की तदर्थं नियुक्ति

को प्रत्येक के नाम के सामने दी गयी अवधि तक अथवा पद (पदों) के नियमित आधार पर भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति दी है :—

नाम जिस तारीख तक नियुक्त जारी रखने का अनुमोदन किया गया है

सर्वश्री—

- | | |
|------------------|-----------|
| 1. एम एस० सैनी | 31—5—1986 |
| 2. ए० सी० जाने | 31—5—1986 |
| 3. एस० महालिंगम | 26—3—1986 |
| 4. एस० के० ठाकुर | 26—3—1986 |

दिनांक 13 नवम्बर 1986

सं० ए० 32013/6/84—ई०—राष्ट्रपति निम्नलिखित विमान क्षेत्र अधिकारियों की तदर्थं नियुक्ति दिनांक 1—4—1986 से 31—5—1986 तक की अवधि के लिए जारी रखने की अनुमति प्रदान करते हैं :—

क्र० सं० नाम

सर्वश्री—

1. एन० के० जी० राव
2. एस० सेन गुप्ता
3. एच बी० राय
4. बी० बी० दास
5. पी० सी० जी० दोराईराज
6. जे० बी० सुब्रा राव
7. एस० के० सेन गुप्ता
8. पी० एस० जयसवाल
9. के० एस० हजारे
10. एन० जे० फेमवाला
11. बी० पी० सेनी
12. साबू नन्दन
13. ए० के० देव मोण्डल
14. अमर चन्द
15. एन० आर० चौधरी
16. आर० वर्मा० पाल
17. तिलोक सिंह
18. पी० के० विश्वास
19. जी० बी० प्रोहित
20. एम० सी० भट्टाचार्यजी
21. आर० डी० वर्जपेटी
22. जी० बी० कालगिरी
23. हरबंस लाल

सीमा, शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय
सीमा शुल्क एवं

कलकत्ता—700001, दिनांक 10 नवम्बर 1986

विषय: अधीक्षक ग्रुप "बी" में पदोन्नति, स्थानान्तरण एवं
पदस्थापना ।
पदोन्नति

सं० 277/86—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय,
कलकत्ता—I/II/बोलपुर के सम्मिलित संवर्ग के निम्नलिखित
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निरीक्षकों को पदोन्नति के उपरान्त
इसके द्वारा अनन्तिम रूप से केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक, ग्रेड "बी" के रूप में नियुक्त किए जाते हैं जिनका समय मात्र
वेतन रूपया 650-30-740-35-810-द० रो०-35-
880-40-1000-द० रो०-40-1200 के साथ नियमा-
नुसार समान्य मात्रा भत्ता पद उच्च पद (अधीक्षक, के० उ०
शुल्क, ग्रेड "बी") का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू
होगा। अन्य आदेश आने तक उनकी पदस्थापना निम्न प्रकार
होगी ।

क्र० सं०	नाम	वर्तमान पदस्थापना
सर्वथ्री—		
1. सम्भू नाथ मैती	कल० "डी" प्रमण्डल केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, कलकत्ता—1	
2. भरत चन्द्र मुखर्जी	निदेशालय, कलकत्ता आंचलिक इकाई का शुल्क अपवंचन रोध ।	

स्थानान्तरण एवं पदस्थापना

निम्नलिखित स्थानान्तरण एवं पदस्थापना अन्य आदेश आने तक इसके द्वारा तत्काल लागू की जाती है :—

क्र०सं० अधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापना	पदोन्नति/स्थानान्तरण के बाद पदस्थापना
सर्वथ्री—		
1. सम्भू नाथ मैती	कल० "डी" प्रमण्डल कलकत्ता—1	बोलपुर समाहर्तालय के सेवा निवृत्ति श्री एम० एन० मनेन, अधीक्षक के स्थान पर
2. भरत चन्द्र मुखर्जी	निदेशालय, कलकत्ता आंचलिक एकाई का शुल्क अपवंचन रोध ।	श्री ए० बी० बसु, बोलपुर सभा० के निरीक्षण निदेशालय के ई० आर० य० में प्रतिनियुक्ति के स्थान पर ।
3. रविन्द्र चन्द्र कर	स्थापना आदेश सं० 48/86 दि० 27-2- 86 के अनुसार अधीक्षक ग्रेड "बी" के रूप में पदोन्नति के साथ बोलपुर ।	स्थानान्तरण स्थान पर (कल० "ए" प्रम०, के० उ० श०; कल०—1) (समेन्द्र सुन्दर मजुमदार, अधी० को पोर्ट ब्लेयर अन्डमान में स्थानान्तरण स्थान पर (कल० "ए" प्रम०, के० उ० श०; कल०—1)

पदोन्नति/स्थानान्तरित अधिकारी द्वारा अधीक्षक ग्रुप
"बी" केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
के साथ कार्यभार स्थानान्तरण प्रमाण पत्र की प्रति उप समा-
हर्ता (का० व स्था०) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, कलकत्ता—I/
II/बोलपुर को प्रेषित किया जाए ।

गृह मंत्रालय कार्यालय ज्ञापन सं० ई० /87/80/स्था०/
पार्ट-1 दिनांक 26-9-81 अनुसार अपने वेतन नियतन के

ऊपर लिखित पदोन्नति अधिकारियों को चेतावनी दी जाती
है कि ग्रेड "बी" में उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी है और
सीधी भर्ती या अन्य अधिकारियों के लिए निर्धारित पद के
अनुरूप पुररीक्षण/परिवर्तन योग्य है जिससे अवंटन का निर्णय
सरकार अन्तिम रूप से ले सकती है ।

इससे शब्दों में अनन्तिम रूप से पदोन्नति अधिकारी को गृह
मंत्रालय के आदेश सं० 9/11/55 एस० आर० भी०
एस० दिनांक 22-12-59 को निदेशानुसार सीधी भर्ती के
अधिकारी के साथ रोस्टर्स में लाया जायेगा (जब वे उपलब्ध
होंगे) और जब वे स्थापना के लिए अधिक होंगे तब उन्हें
वापस लौटा दिया जायेगा ।

उनकी पदोन्नति श्री गौर कुमार दे, निरीक्षक (एस० जी०)
द्वारा दायर की गई 1984 की रिट याचिका सी०
आर० सं० 8496 (डब्ल्यू०) के अन्तिम निर्णय के अनुसार
होगी और अवमानना आवेदन के आदेशानुसार एक पद
रिक्त रखा गया है ।

यह पदोन्नति श्री एस० आर० दत्त शर्मा, निरीक्षक और
अन्य द्वारा आरक्षण पर फाईल की गयी रिट याचिका के
निर्णय पर भी निर्भर करेगी ।

सम्बन्ध में पदोन्नति अधिकारी पदोन्नति तिथि से एक माह के
अन्दर अपना आशय प्रकट करेंगे ।

स्थानीय व्यवस्था करके अधिकारी को शीघ्र कार्यमुक्त
करें ।

सी० भुजंगस्वामी
प्रधान समाहर्ता

उद्योग तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं सोसायटी आफ एडवरटाइजिंग
प्रैविशनर लिमिटेड के लिये में।

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1986

सं० 709/11059/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सोसायटी आफ एडवरटाइजिंग प्रैविशनर लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया हो तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं अल्वीन होल्डिंग आन
इंजीनियर्स लिं. के विषय में।

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1986

सं० 717/31116/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि अल्वीन होल्डिंग एण्ड इंजीनियर्स लिं. का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं बेल्टबैन्ड्स प्रा० लिमिटेड
के विषय में।

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1986

सं० 700/8923/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बेल्टबैन्ड्स प्रा० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया हो तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं एस० बी० प्रोसेस एण्ड प्रोडक्ट इंजीनियरिंग कन्सल्टेंट्सी प्रा० लिं. के विषय में।

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1986

सं० 705/19165/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एस० बी० प्रोसेस एण्ड प्रोडक्ट इंजीनियरिंग कन्सल्टेंट्सी प्रा० लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं स्पार्क सिंडीकेट प्रा० लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1986

सं० 706/10620/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस इस तारीख से तीन मास के अवसान पर स्पार्क सिंडीकेट प्रा० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया हो तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं सीमेंट कन्स्ट्रक्शन कं० लिं.
के विषय में।

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1986

सं० 718/31206/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सीमेंट कन्स्ट्रक्शन कम्पनी लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

बी० राधाकृष्णन
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र, बम्बई

इक्षुप बाइ^१, टौरे पर्स —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) में अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 नवम्बर 1986

निदेश सं० एम०-1105/86-87—अतः भुजे, एच०
आर० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिवं इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ५ है तथा जो दादरी गाजियाबाद में स्थित है
(और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

15 मार्च, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पृष्ठ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उक्तदेश से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वापर, उक्त
अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक और
अंतरित में करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/मा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वारा उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रशोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकल्प नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः वह, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की आय 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित हूँ—

(1) श्री महेश चन्द्र पुन्न लेट श्री गोपीराम,
गोयल निवासी स्कूल रोड,
रानी गंगा, बर्दमान
बेस्ट बगांल।

(2) जौधरी त्रिलोक चन्द्र पुन्न जौधरी नाथा सिंह,
गांव चियाना बुजुर्ग,
वादरी, गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि वा सर्वानुभवी व्यक्तियों द्वारा
गृचना की समीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो ऐसी
अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधानीकरण:—इसने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही वर्त्त होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्रालयी

खेती भूमि—खसरा नं० 77, गांव चियाना बुजुर्ग,
वादरी, गाजियाबाद।

एच० आर० दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज; कानपुर

तारीख : 6-11-1986
मोहूर :

मारत वाद् टी. एच. शुभे

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
भारा २६९-ए (१) के अधीन सूचना

वारत छात्रकार
कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक ६ नवम्बर १९८६

निदेश सं० एम०-११०६/८६-८७—अतः मुझे, एच०

आर० दास,

**आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
 उल्लेख प्रथमत 'उक्त अधिनियम' यहा दिया है), की भारा २६९-
 ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विवाह करने का कारण
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 १,००,०००/- रु. से अधिक है**

और जिसकी सं० के० ए० १३१ है तथा जो कवि नगर,
 गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
 और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
 गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८
 का १६) के अधीन तारीख ३१ मार्च, १९८६

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधारण
 प्रतिवधि के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विवाह करने का आदेश दिया है कि इधर उक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उक्त कार्यालय प्रतिफल से ऐसे कार्यालय प्रतिफल के
 अनुभव अदिवाय है और बठक (बैठक) और बंडीरी
 (बंडीरीसंघीय) जो वीच द्वारा बन्दरगत के लिए उक्त बाजार मूल्य
 का विविधता उक्त संघीय कार्यालय के उक्त बन्दरगत के वास्तवीकृत
 मूल्य से कमिह नहीं किया जाया है ॥—

(ए) कन्दरण दू दूर्दू लियो बाद यह आदह उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर देने के बंदरगत के दायित्व में
 कमी करने या उक्त उक्त उक्त दायित्व में हुदिधा के लिए
 अधिकारी

(इ) हर्दी लियो बाद या लियो भव या कन्द लालियो
 जो, हर्दी लालियो लालिकर अधिनियम, १९२२
 (१९२२ का ११) दा उक्त अधिनियम, इ उक-
 तर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) दे
 शोलार्स अन्तरियो इतरय उक्त नहीं किया जाया
 जा य किया जाया चाहिए जा, लियार्द दू दूर्दू
 के लिए;

अतः नद, उक्त अधिनियम की भारा २६९-ए के अनुसरण
 में, ये, उक्त अधिनियम की भारा २६९-ए की उपर्याहा (१)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षित :—

(१) श्री विनोद कुमार पुत्र श्री शिवराम,
 निवासी के० ए० /३१, कविनगर,
 गाजियाबाद ।

(अन्तरक)

(२) मै० द विविग एण्ड वैल्टिंग फैक्टरी,
 प्राइवेट लिमिटेड, जी० टी० रोड,
 गाजियाबाद रजि० आफिस :
 निकल्सन रोड, दिल्ली द्वारा
 श्री रत्न कौल पुत्र हर प्रसाद कौल
 मैनेजिंग डायरेक्टर ।

(अन्तरिती)

(३) तथैव ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
 में सम्पत्ति है)

(४) तथैव ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
 अधोहस्ताक्षरी जानता है ।
 वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

जो वह सूचना आदी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिये
 कार्यवाहिया शुरू करता है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के लिये एच० श्री आर० दास

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 ४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त
 अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित
 है, वही वर्त्त होगा जो उस अध्याय में विद्या गया
 है।

अनुसूची

एक गोदाम

गांव—मासरपुर ।

परगना—लोनी ।

जिला—गाजियाबाद ।

एच० श्री आर० दास
 सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : ६-११-१९८६

मोहर :

प्रकल्प नं. ८८१, टी. एम्. एस्. —————

उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

1. श्री टी० वाई० दोर्जि,
2. श्री पी० दोर्जि,
3. श्री के० दोर्जि,
4. श्री टी० दोर्जि,
5. श्री एल० दोर्जि।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरिता मारदा।

(अन्तरिती)

बालक संघर्ष

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1986

निदेश सं० ए० सी० १३/एक्वी० आर०-४/कलकत्ता/
८६-८७—आठ: मुझे, आई० के० गायेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो कालिमपं में स्थित है (और
इससे उपावद्ध ग्रन्तिसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालिमपं में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 27-३-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अवधान
प्रतिफल से, एसे अवधान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कार्यत नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हर्दै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के धार्यात्म
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी भन या अन्य आस्तियों
में, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोचनार्थ अन्तरिती बाजार प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा
वाले विलेख

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वालेख—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित भौं किए जा सकें।

ग्रन्तिसूची

जमीन—०. २४, ०. ७७, ०. २३ एकड़ जमीन का साथ
मकान ।

पता—कलिमपं, जिला दार्जिलिंग।

दलील सं०—१९८६ का I-108 ।

आई० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख : ५-११-१९८६

मोहर :

उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) में अधिनियम

(1) मै० के० पी० डेवलपर्स ।

(प्रत्यक्ष)

(2) श्रीमती पारुल ए० शहा ।

(प्रत्यक्षिती)

आदेश अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) में अधिनियम

लक्ष्मण लक्ष्मण
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1986

निवेश सं० अई०-४/३७-ई०/२५७७८/८५-८६—अतः
मूँगे, लक्ष्मण दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उक्त अधिनियम 'उक्त अधिनियम' भी कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बंगलोरे नं० 5, बेनहूर, सुनिता पार्क, चन्द्रावरकर
लेन, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और
इससे उपावर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
भारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्बन्धित के उचित बाजार मूल्य से कम के उक्तमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँगे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उपयोग प्रतिफल से ऐसे उपयोग प्रतिफल का
प्राकृतिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और
बन्तरिसी (बन्तरिसियों) के बीच ऐसे बन्दरगाह के किए तर
जाना या प्रतिफल, विनाशित रहनेवाले हैं उक्त बन्तरक
क्षिपित या प्राकृतिक रूप से कीमत नहीं किया जाता है ।—

(क) बन्तरक ते हुए किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दर्ते के बन्तरक की
वाचन भौं कमी करने पा उक्त बन्दर के सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बावत का किसी भौं या बन्दर वास्तवी
के चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ बन्दरार्थी इकारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना आहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के बन्दरण
में, गैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अंकितार्थ, अधितः :—

कि वह उक्ता आरी करके पूर्वोक्त सम्बन्धित के उचित
कार्यालयीयों द्वारा कराया है ।

उक्त सम्बन्धित के उचित के सम्बन्ध में कोई भी वाजेप ॥—

(१) इस उक्ता के उपयोग में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(२) इस उक्ता के उपयोग में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी लाल अंकित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

लक्ष्मण

बंगला सं० 5, बेनहूर, सुनिता पार्क, चन्द्रावरकर लेन,
बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-४/३७-ई०/२५७८/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4, बम्बई

तारीख : 12-11-1986
मोहर :

प्रकृष्ट नाई. टी. ए. एस. —

(1) मैं को पी० उत्तरपर्स।

(अन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मैंकर्स विशाल उद्योग।

(अन्तरिती)

सारथ बरामद

कार्यालय सहायक आयकर बाजार (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1986

निदेश सं० अ/ई०-4/37 ई०/26841/85-86—अतः

मुझे, लक्षण दास

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें द्वाके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/- लप्ते से अधिक है

और जिसकी सं० बेनहूर ए, सुनिता पार्क, चन्दावरकर लेन, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-७२ में स्थित है (और उसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आपकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित गक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 1-३-१९८६

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए यह पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित शास्त्रिक रूप में कार्यित नहीं किया गया है :—

क्योंकि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी वाक्येय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताकीत से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्ती वार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में लिलावृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वाया अधोहस्ताभारी के पास नियमित में किए जा सकेंगे।

लक्षणकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाक्यिक रूप में कर्म सं० पार्क, चन्दावरकर लेन, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-७२ में स्थित है, वही वर्त होगा, जो उस अध्याव में विदा गया है।

लक्षण

(क) अन्तरण से हृदृ किसी वाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाक्यिक रूप में कर्म सं० सुविधा के लिए; और/या

(घ) एसी किसी वाय का भन या अन्य वास्तियों को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए;

विला नं० ३ और ४ बेनहूर ए सुनील, पार्क, चन्दावरकर लेन, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-७२ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अ/ई०-4/37 ई०/26841/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-३-१९८६ को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—386 GI/86

तारीख : 12-11-1986

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स श्याम कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मै. द्वारकेश एन्टरप्राइजेस ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कालानि, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1986

निदेश सं. आई०-४/३७ ई०/२६८१७/८५-८६—अतः

मुझे, लक्षण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इह के पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, इसका उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. खाली प्लाट्स सी० टी० एस० नं. 1329, और 1332, सबवे शिवाजी रोड के पास, दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान अतिक्रम के लिए बन्तरित की गई है कि वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिक्रिया है, एवं उसका अधिकार अनुहृत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरिक्ती (अतिरिक्तीयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिय तथ याया यक्षा प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) बन्तरण से हुई किसी भाव की वादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण अधिकृत में किसी करने वा अप्सें बन्तरण में संलग्न है;

(ब) ऐसी किसी भाव वा किसी भन दा अन्य जारीस्तबों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावेदनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जावा वा जिस जागत आहिय था, लिखित में सूचिभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उल्लंघन (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आयोगाद्यां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विक्षित में किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया दिया है।

अनुसूची

खाली प्लाट्स, बेर्यरिंग सी० टी० एस० नं. 1329 और 1332, सबवे शिवाजी रोड के पास, दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. आई०-४/३७ ई०/२६८१७/८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-11-1986

मोहर :

इस्तम्भ नं. टी. सं. पंक्ति, -----

बाधक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

संघर्षन, बहावल बाधक बाधक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1986

निदेश सं. अई०-4/37 ईई०/25828/85-86—ग्रतः
मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर मूल्यांतर, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. प्लाट नं. 165, फाइनल प्लाट नं. 227,
और 228 और 228 (सी), विलेज एक्सार तालुका
बोरीवली, बोरीवली नं. 3 में स्थित है (और इसे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलियर में रजिस्ट्री
है, तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हटाई किसी बाय की राबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक अ-
वायित्व में कमी करने या उससे उच्चने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय बाधक अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
सरकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगशार्य अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा
के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० एन० पै ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विद्या वी० कांबले ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कायलियराहित सूच करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 19
45 दिन की बवाधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की बवाधि, जो श्री
बवाधि ने में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति उदारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पारभाष्यत
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय ने
दिया गया है :

अनुसूची

ओरिजिनल प्लाट नं. 165, फाइनल प्लाट्स नं. 227
और 228 (सी), विलेज एक्सार में, तालुका बोरीवली,
ठाउन प्लानिंग स्कीम, बोरीवली नं. 3 में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि क्रम सं. अई०-4/37 ईई०/
25828/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा
दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-11-1986

मोहर :

प्रस्तुप आहे. टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-८ (1) के अधीन सूचना

भारत लक्षण

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1986

निदेश सं० अर्ह०-4/37-ईर्ह०/26357/85-86—अतः
मुझे, लक्षण वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवर इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-८ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

झीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जिसका वेग़रिंग एस० नं० 190 हिस्सा नं० 1, सी० टी० एस० नं० 2374, और 2376, विलेज दहिमर, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अन्तर्गत अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर है, तारीख 1-3-1986

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रखयमान प्रतिफल से, एस० रखयमान प्रतिफल के अनुह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरीतयों) के बीच एंस० अन्तरज के लिए तथ पाका गया प्रतिफल निभालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री एन० के० भोईर और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) मै० गणेश डेवलपमेंट्स :

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लागू हो करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका वेग़रिंग एस० नं० 190, हिस्सा नं० 1, सी० टी० एस० नं० 2374, 2376, विलेज दहिमर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैपा कि अ० सं० अर्ह०-3/37-ईर्ह०/26357/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर किया गया है।

लक्षण वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

कल्पना थव, उक्त अधिनियम की धारा 269-१ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-८ की उपधारा (1)
के अधीन, निभालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-11-1986
मोहर :

श्रेष्ठ भार्ती एवं वृक्षाश्रय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-ग (1) की सूचना

आयकर अधिकारी

कार्यालय, सूचना आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1986

निवेश सं. अर्ई०-४/३७ ई०/२७३२३/८५-८६—अन्तः
मध्ये, लक्षण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा जाता है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवादात्मक दारणे का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी म० जमीन का हिस्सा जिसका वेअरिंग एस०
नं० 65, एच० नं० 5, मी० टी० एस० नं० 1395,
ओ०२० एस० नं० 68, एच० नं० 2, सी० टी० एस० 1373
विल०स० द्वितीय तालुका बोरीवली, बम्बई में स्थित है (और
इसमें उपावड्ह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 का अनुचित के अन्तर्गत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी नियांत्रिय,
में रा० एस्ट्री है, तारीख मार्च, 1986

का पूर्वावधि समर्पित के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवादात्मक
दारणे का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एस० द्वयमान प्रतिफल का
पूर्वावधि से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरिताओं) के शेष एस० अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एस० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधिकारी :—

(1) मैं निम्न इन्टरप्रेइट्स।

(अन्तरक)

(2) मैं अक्षय बिल्डर्स।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पर्यावरण सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संघर्ष के अर्जन के संबंध में यहाँ भी सुनिश्चित है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख छे
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
शायद वे करने वा उक्त वस्तु में सुविधा
अपेक्षित नहीं थी वे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख छे
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
पास लिंचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिकारी
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका वेअरिंग ए नं० 65, एच० नं०
5, सी० टी० एस० 1395 और ए नं० 68, एच० नं० 2,
सी० टी० एस० 1373 विल०स० द्वितीय तालुका बोरीवली,
बम्बई।

अनुसूची जैसा कि कम सं. अर्ई०-४/३७ ई०/२७३२३/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक मार्च,
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षण दाम
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-11-1986

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. ---- -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1986

निवेश सं० आई०-4/37-ईई०/25677/87-86—ग्रन्तः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के वह विश्वास करने का
कानून है कि स्थानीय सम्बोधन, भिसका उपिक्षण आयकर मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 7, सी० टी० एस० नं० 1013,
विलेज, एसार, होली कास रोड, आई० सी० कालोनी,
तालुका बोरीवली बोरीवली, (पश्चिम), बम्बई-103 में
स्थित है (और इससे उपावद्ध शनूसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका करानामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 अंख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-3-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से एंसेस्फ.आ। प्राइमल १।
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरोत्तराया) के बीच एच्यु अन्तररक्ष के लिए तम राशि ८०
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(५) अतरपि सं हृष्ट किसी बाब और दापद, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दद्यमान में
कमी करने वा उक्त अंतरक में दृष्टिकोण के लिए;
बार/का

(६) ऐसी किसी बाब या किसी भूमि या अन्य आस्तीयों
को विन्हृ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उसके अधिनियम, या अन्तर-
का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था वा किया जाना चाहीए था. इसपर वे दृष्टिकोण
के लिए।

(1) श्री एडवर्ड फन्सिस म डेक्स और अन्य ।

(आमत्रक)

(2) मैं प्रांती इनवेस्टिमेंट्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
फार्माबाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(३) इस अंखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्यावरण
कानूनगत वाली वास्तविक इवारा

(४) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
मिलिए वे किए जा सकें।

प्राप्तिकरणः—इसमें प्रथक्त धम्बों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-के वा परिभाषित
हैं, वही वर्त्त होगा जो उस अन्याय से विद्या
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 6, सी० टी० एस० नं० 1013, विलेज
एसार, होली कास रोड, आई० सी० कालोनी, तालुका
बोरीवली, (पश्चिम), बम्बई-103 ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-4/37-ईई०/26777/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-
3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

तारीख : 12-11-1986

मोहर :

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपभक्ष्य (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री प्रमो जे० दनाणी ।

(अन्तरक)

आशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) मैमर्म रचना इन्टरप्राइमेन्स ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1986

निदेश सं० आई०-४/३७-ई०/२६४३९/८५-८६—अतः
मझे, लक्ष्मण दासआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी खुली जमीन जिसका बेग्राहिंग एम० सं० 2,
एच० नं० 9, सी० टी० एस० 415, विलेज चा कोप
कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है (और इसमें
उपाध्यक्ष अनुच्छी में और पूर्सी रूप में वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कथा
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्टर्ड है
तारीख 1-3-1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सहाय्य के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अर्थस्थियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में
सहाय्य के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीस्तः :—

को यह सूचना खारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के कार्यालयों शूल करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के ग्रजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वारा भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के ग्रजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास निम्नित द्वारा दिया गया होगा।एकत्रिकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
जया है।

मनुसूची

खुली जमीन जिसका बेग्राहिंग एम० नं० 2, एच० नं० 9,
सी० टी० एस० नं० 415, विलेज चारकोप कांदिवली
(पश्चिम), बम्बई-67 ।अनुसूची जैसा कि क्रम मं० आई०-४/३७ ई०/२६४३९/
८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1986 के ग्रजिस्टर्ड किया गया ।लक्ष्मण दास
मन्त्रम प्राधि तारी
मन्त्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 13-11-1986

मोहर :

प्रधान बाहू—टी.एन.एस.एस.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-श (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (प्रिवेट)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1986

निदेश मं० आई०-४/३७ ई०/२६४३४/८५-८६—अतः
मझे, लक्षण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके अधार पर 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी गाला नं० 101 और 102/सी, पहला
माला, बेगरिंग एम० नं० 16 (पी० टी०) और 19
(पी० टी०), हनुमान नगर, आकुलि विलेज, कांदिवली
(पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसा करानामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख

1-3-1986

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि दृश्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एह ह्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
क्षम से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आप की धारा, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक अंतरिती
में कमी करने या उसमें अलग में मांदधा
को दिया जाना।

(ख) एसी किसी आप या किसी भन या जन्य वास्तव्या
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनात्म अंतरिती द्वारा प्रकार नहीं किया गया
या जो किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधान
के लिए;

(1) मैं अर्जुकार कल्पना

(अन्तरक)

(2) मैं वारेन फार्मस्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवाय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तरवाची अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो श्री
अवधि बाब भै रमापा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वा
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

लक्षण

गाला नं० 101 और 102/सी, पहला माला, बेगरिंग
एस० नं० 16 (पी० टी०) और 19 (पी० टी०),
हनुमान नगर, आकुलि विलेज, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-
101।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-४/३७ ई०/२६४३४/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 13-11-1986

मोहर :

बत्तु बत्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1)
में अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों द्वारा दिया

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

(1) श्री गुलाबचन्द टी० शाह एच० य० एफ० ।

(अन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) मै० महेन्द्र प्रसोमिण्टम् ।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1986

निवेदण सं० आर्द्ध०-4/37 ईर्द्ध०/26477/85-86—अर्जन:

मुझे, लक्षण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है
और जिसकी जमीन का हिस्पा जिसका बेरारिंग एस०
नं० 142 (पी० टी०), हिस्पा नं० 12 (पी० टी०);
विलेज एःसार, बोरीबली तालुका, बम्बई में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और
जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
कानून के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1986

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रासादीक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सूक्ष्मिका के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूक्ष्मिका
के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—386 GI/86

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृप्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पात्र
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होते जो उस अध्याय में दिया
गया है।

लक्षण दास

जमीन का हिस्पा जिसका बेरारिंग एस० नं० 142,
(पी० टी०), हिस्पा नं० 12 (पी० टी०), विलेज
एःसार बोरीबली तालुका, बम्बई।

अनुसूची जैसाकि कम सं० आर्द्ध०-4/37 ईर्द्ध०/26477/
85-86 और जो गक्षम प्राधिकारी, बम्बई धारा विनांक
1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 13-11-1986
मोहर :

प्रधम बाहुँ. टी. एव. एच.—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, भ्रष्टाचार आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4, बम्बई
बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1986

निवेश सं० आई०-4/37 ईई०/26733/85-86—अतः
मुझे, लक्षण दास
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिका सर्वे नं० 99, हिस्ता नं० 1 (पी० टी०),
सी० टी० एस० नं० 1518 (पी० टी०), विलेज एक्सार,
बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इसे
उर्मावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के
के अधीन बम्बई स्थित अस प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है तारीख 1-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करना कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एवं दृश्यमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दत्त उद्देश्य के अन्तर्गत में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;

(ल) उपर्योगी अन्तरिती आय की निकली रकम दा अन्य बास्तविक
एवं विन्दु अस्तरीय आयकर आयकृतियह, 1922
(1922 का 11) दा उक्त अधिनियम, दा १९२२
अर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
में हिलाए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० श्री गणेश कन्स्ट्रक्शन ।

(अन्तरक)

(2) मै० प्रगति डेवलपमेंट ।

(प्रतिस्ती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित किए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के अन्तर्गत यह भौजी भी ज्ञातेः—

(क) इस सूचना के ग्राहक ये प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन की अवधि या सत्त्वान्वी व्यक्तियों पर अनुसूची
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाले दो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वारा कियी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के उचित वे प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन के भीतर इकत्ते अपनी संपत्ति में द्विप्राप्ति
कियी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारीकरण के
पूर्व अनुसूची द्वारा द्वारा द्वारा:

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के अधिकारीकरण
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

लक्षण

सर्वे नं० 99, हिस्ता नं० 1 (पी० टी०), सी० टी०
एस० नं० 1518, (पी० टी०), विलेज एक्सार, बोरीवली
(पश्चिम), बम्बई-92 ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-4/37 ईई०/26733/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्षण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4, बम्बई

तारीख : 13-11-1986

मोहर :

प्रस्तुत बाइ, टी. एव. एड. ——

(1) मैं मनिक बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अक्षय बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर बाध्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1986

निदेश सं० आई०-4/37 ई०/26743/85-86—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी नो., यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जिसका बेअरिंग ए० ३१८, हिस्सा नं० ७-बी, सी० टी० ए० १३९९, विलेज दहिनर, तालुका बोरीवली, बम्बई में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-३-१९८६

की पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य गं कम के छव्वमात्र प्रतिहार के निए बन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्टमान प्रतिफल से ऐसे इष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के दीव एम अन्तरण के बारे नभ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी वस्तु को बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ८ निए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन अधिनियम, या अन्तर के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के उन्नस्तरमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्व रूप सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्वत के कंवंध में कोई भी व्यापे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों १५ सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद इ समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्तिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पहले का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वह वर्ध होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

लक्ष्मण

जमीन का हिस्सा जिसका बेअरिंग ए० ३१८, हिस्सा नं० ७-बी, सी० टी० ए० १३९९, विलेज एक्सार, तालुका बोरीवली, बम्बई

अनुसूची जैसा कि अम सं० आई०-४/३७ ई०/२६७४३/८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-३-१९८६ को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4, बम्बई

तारीख : 13-11-1986
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री मोहनलाल सागरमल और भैंस्य।

(अन्तरक)

जांचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-क (1) के अधीन सूचना

(2) मै. प्रगति कास्ट्रक्षन कम्पनी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

वर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1986

निवेश सं. आई.०-४/३७ ई.०/२७१५१/८५-८६—अतः

मुझे, लक्षण दास

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका पूरा जमीन का हिस्सा बेअरिंग सी० टी० एस० नं० 799 (सी० टी० एस० नं० 800 (पी०) और सी० टी० एस० नं० 802 (पी०), एस० नं० 21 (पी०), 22 (पी०), (24) पी० विलेज पोर्टल तालुका बेअरिंग बोरीवली (बी० एस० डी०, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारानामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1986

मात्र पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अद्यमान प्रतिफल से, एंसे अद्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है ।

(क) अंतरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उरासे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) एंसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणोदनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अठः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारों, अधीक्षि ।

को यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यबाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों वर्तने की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भा अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्धि किसी कल्याण व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्ति द्वारा दिया गया है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पूरा जमीन का हिस्सा बेअरिंग सी० टी० एस० नं० 799(पी०), सी० टी० एस० नं० 800 (पी०) और सी० टी० एस० नं० 802 (पी०), एस० नं० 21, (पी०), 22 (पी०), 24(पी०), विलेज पोर्टल तालुका बोरीवली, बी० एस० डी० बम्बई ।

अनुसूची जैसा कि अम सं. आई.०-४/३७ ई.०/२७१५१ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4, बम्बई

तारीख : 13-11-1986
मोहूर :

प्रकृत्य बाई, टी. पूर्ण एस.

(1) श्रीमती लक्ष्मीबाई बी० लाड और अन्य।

(अन्तरक)

वापकर वर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-क (1) के वधीन सूचना

(2) श्री एस० बी० लाड।

(अन्तरिक्षी)

लाउल राहुकाल

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1986

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति की वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जासूषण है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वा पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीबाई:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वर्धिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हृहै किसी धारा की वापत, उक्त वर्धिनियम के वधीन कर देने के अन्तरक वा वापित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा की जिए; और/या

जमीन का हिस्सा जिसका वेर्गिंग एस० नं० 269 एच नं० 1/5, 6 एस० नं० 270, एच० नं० 3 (पी० टी०), सी० एस० नं० 841, 841(1-7) 842 विलेज दहिसर, तालुका बोरीवली, दहिसर (पश्चिम), बम्बई-68 में स्थित है (और जिसका कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-86 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य आपूर्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर वर्धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वर्धिनियम, या अन्तरक वर्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की जिए;

वाप: अब, उक्त वर्धिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण से है, जो उक्त वर्धिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बईतारीख : 13-11-1986
मोहर :

प्रस्तुप लाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) न्यू भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1986

निर्देश सं० आई०-4/37 ईई०/26528/85-86—अतः
मुझे, लक्षण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इहको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेदाप करने का कारण है
कारण है कि स्थावर मंजूरित दिन का उचित बाजार गत्त
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी प्राप्ति विलेज एवं गार में स्थित, तालुका
बोरीवली जिसका वेअरिंग सर्वे नं० 6, हिस्सा नं० 1,
(पी० टी०), सर्वे नं० 5, हिस्सा नं० 2 (पी० टी०),
जिसका क्षेत्रफल 3668 स्कवे० यार्ड्स (3030 : 13 स्कवे०
मिट्स और प्राप्टी जो लगभग 17,333/30 स्कवे० यार्ड
क्षेत्रफल के हैं और लगभग 14,513 : 70 स्कवे० मीट्स
क्षेत्रफल के वेअरिंग सर्वे नं० 5, हिस्सा नं० 1 विलेज एकसार
तालुका बोरीवली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका का नाम
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कारणिय में रजिस्ट्री है तारीख
1-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूत्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे इस विवाद
का कारण है कि मध्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूत्य,
उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल से पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के बिच तारा दाना रासा
प्रतिफल, विभिन्निक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) उक्तरण से हुई किसी आय की डिक्टी, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिए थे अन्तरक के
वार्षिकत्व में कम करने या उक्त बनने में सुनिश्चि
क लिए आये।

(ब) ऐसे किसी आय दा। किसी भी वार्षिक आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 111 वा उक्त अधिनियम, 1952 (1957 वा 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था तो किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त आधानियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के
अधीन, विभिन्निक्षित अधिकारी, अर्जन :

(1) सोसाइटी ऑफ डिवाइल वड़ ।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० रामचन्द्रन ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितरणों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्तित
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितरणों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थावरकरण:—इसमें प्रयुक्त लब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्राप्टी विलेज एकसार में स्थित, तालुका बोरीवली,
जिसका वेअरिंग सर्वे नं० 6, हिस्सा नं० 1, (पी० टी०),
सर्वे नं० 5, हिस्सा नं० 2 (पी० टी०), जिसका क्षेत्रफल
3668 स्कवे० यार्ड्स, (3030:13 स्कवे० मीट्स और जो
प्राप्टी लगभग 17,333/30 स्कवे० यार्ड क्षेत्रफल के हैं।
और लगभग 14,513:70 स्कवे० मीट्स क्षेत्रफल के वेअरिंग
नं० 5, हिस्सा नं० 1, विलेज एकसार तालुका बोरीवली।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं०आई०-4/37 ईई०/26528/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 14-11-1986

मोहर :

प्रख्यात भाइंडी एन एम

(1) श्री प्रभाकर पुत्राच।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग

(अन्तरक)

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मै० विजय कापोरेशन।

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

फार्मलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1986

निर्देश सं० आई०-4/37 ई०/25698/85-86—अतः

मुझे, सक्षमण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिशास करने का कारण है कि
व्यावरण सम्बन्ध जिसका उचित वाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० जमीन बेअर्गिंग एस० नं० 110, 111,
सी० टी० एस० नं० 1124, क्लेटफल 909 स्के० मीटर्स
विलेज एकसार में स्ट्रक्चर सहित, आई० सी० कालोनी,
बोरीवली, (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है (और इसे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
कालानामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है तारीख 1-3-1986को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अतारंत को गई है और मूल राह विश्वास करने
का कारण है कि यथोपर्वत नंपति को उचित वाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, प्रत्येक दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्गत (अन्तर्का) और इन्त-
रिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है—(अ) अलंकरण से हुए फिरी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व
में कमी करन या उसमें दबाने में मूर्चिधा के लिए;
और/या(स) गंभी किसी आय या एकमी धन या अन्य अस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
वार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तर्राती दृश्यांक नहीं लिया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मूर्चिधा के लिए।वक्त शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अथवा :—का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के ग्राव-ध में कांडे भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन तक अन्तर स्थावर सम्पत्ति पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले ग्राव-ध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;(स) इस ग्रंथि के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दृढ़ छिपी अवधि व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
दाय निर्धारित में दिया जा सकेंगे।एस्ट्रेक्टरण — इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों वा, जो उक्त
अधिनियम, अधिकारी 20-क में यथा परिभाषित
हैं, यही अर्थ होना चाहिए उक्त अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

जमीन बेअर्गिंग एस० नं० 110, 111, सी० एस० टी०
नं० 1124, क्लेटफल 909 स्के० मीटर्स विलेज एकसार
में स्ट्रक्चर के साथ स्थित, आई० सी० कालोनी, बोरीवली
(पश्चिम), बम्बई-103 ।अनुसूची जैसा कि शब्द सं० आई०-4/37 ई०/25698/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा द्विनांक
1-3-1986 को जिस्टर्ड किया गया है ।सक्षम दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बईतारीख : 14-11-1986
मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आदकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, आयकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर 1986

दि० ई० सं० आई०-४/३७ ई०/२६४७५/८५-८६—अतः

मुझे, लक्षण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाली जमीन बेअर्निंग एस० नं० 132, हिस्सा नं० 3, सी० टी० एस० नं० 685, 831, 634 और 108 विलेज एक्सार तालुका बोरीवली कांडरपाडा एक्स रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1986

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और (अन्तरिरात्रियों) के बीच एसे बन्तरक के लिए तथा वासा वा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण तिलिखित वास्तविक रूप से की थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण स हुई किसी आय की काबट, उक्त नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दृश्यमान धन की करने या उससे बचन में मूल्यमात्र के नियमार्थी या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थार्ट :—

(1) श्री फ्रांसिस फर्नांडीस और
मैं गायत्री इम्पेक्स प्रा० लिमिटेड।

(2) मैं निकोलस कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के बचन के निए कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बोहोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली जमीन बेअर्निंग एस० नं० 132, हिस्सा नं० 3, सी० टी० एस० नं० 685, 831, 634 और 108, विलेज एक्सार, तालुका बोरीवली कांडरपाडा एक्स रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-103।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-४/३७ ई०/२६४७५/८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4, बम्बई

तारीख : 14-१-१986
मोहर :

प्रधन, भारत, टी. एन., द्वारा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (१) के अधीन सम्बन्धी

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर, 1986

निदेश सं० अर्ह-4/37-ई/264006/ 83- 84-

अतः मुझे, लक्षण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० साथ में दिया हुआ है खुला जमीन निवासस्थान के साथ, विलेज एक्सार में स्थित, तालुका बोरिवली, रजिस्ट्रेशन डिस्ट्रिक्ट, सब-डिस्ट्रिक्ट, बाम्बे सबरबन, जिसका क्षेत्रफल लगभग 765:80 स्क्वे. मीटर्स है और बेअरिंग सिटीव्हॉन नं. 353, 358 (1 से 4) एक्सार और बेअरिंग ओ. पी. नं. 228-ए-3 आफ टी. पी. एस. बोरिवली (परिषद) और एफ. पी. नं. 328 आफ टी. पी. एम. 3 आफ बोरिवली (परिषद) जिसका क्षेत्रफल लगभग 578 स्क्वे. मीटर्स है।

(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कब्जे के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गतिकल, गिम्लिलिखित रद्देशेष से उक्त बनारप्त लिखित में गम्भीर मूल्य में कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ द्वारा किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिश्च के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—386 GI/86

(१) श्रोपति गंगावाई के० गायकवाड़ ।

(अन्तरक)

(२) मेवर्स आकर कल्पकशन्म् ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए लाठेंहातीयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(न) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त अनुसूचित सम्पत्ति पर हित-वृक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरकरण :—इसका प्रभुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

खुला जमीन निवासस्थान के साथ, विलेज एक्सार में स्थित, तालुका बोरिवली, रजिस्ट्रेशन डिस्ट्रिक्ट, बम्बई सब-प्रबन्धन, जिसका क्षेत्रफल लगभग 765 : 80 स्क्वे. मीटर्स है और बेअरिंग सिटी मर्वेन नं० 353, 358 (1 से 4) एक्सार और बेअरिंग ओ. पी. नं० 228-ए-3, आफ टी. पी. एम. 3, आफ बोरिवली (प), और एफ. पी. नं० 328 आफ टी. पी. एम. 3, आफ बोरिवली (प), जिसका क्षेत्रफल लगभग 758 स्क्वे. मीटर्स है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्ह-4/37-ई/264006/ 86-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षण दाम
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 14-11-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एम.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर, 1986

निवेश सं. अई-4/37ई/26592/ 84-85—अतः

मुमे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. जमीन का पूरा हिस्सा विलेज चारकोप में स्थित, तालुका बोरिवली, रजिस्ट्रेशन डिस्ट्रिक्ट और सबडिस्ट्रिक्ट आफ बम्बई, और बम्बई सबरबन बेअरिंग सर्वे नं. 2, हिस्सा नं. 1, सी०टी०एस० नं. 402, और 411 एस० नं. 2, हिस्सा नं. 2, सी०टी०एस० नं. 420, थेन्फल 4658 : 50 स्क्वे० याँड़स, या 3894 : 50 स्क्वे० मीटर्स 30,000 स्क्वे० फिट के बेनेफिट के साथ तथा 22 फिट चौड़े रोड की बेनेफिट के साथ जो इस प्राप्टी और श्री यशवन्त सोग्रार भण्डारी और दूसरों की प्राप्टी जिसका कि सर्वे नं. 2, हिस्सा नं. 3, सी०टी०एस० नं. 401, और 399 है, से पाम होता है। (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कथ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

तारीख 1-3-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्छ किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; लैंस/गा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सतीश जमनादास वत्ताणी।

(अन्तरक)

(2) मैर्स एन० एन० प्राप्टी डिवलपमें।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिपृष्ठ हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का पूरा हिस्सा विलेज, चारकोप में स्थित, तालुका बोरिवली, रजिस्ट्रेशन डिस्ट्रिक्ट और सब-डिस्ट्रिक्ट आफ बम्बई, और बम्बई सबरबन बेअरिंग सर्वे नं. 2, हिस्सा नं. 1, सी०टी०एस० नं. 402, और 411, एस० नं. 2, हिस्सा नं. 2, सी०टी०एस० नं. 420, थेन्फल 4658 : 50 स्क्वे० याँड़स, या 3894 : 50 स्क्वे० मीटर्स, 30,000 स्क्वे० फिट के बेनेफिट के साथ तथा 22 फिट चौड़े रोड की बेनेफिट के साथ जो इस प्राप्टी, और श्री यशवन्त सोग्रार भण्डारी और दूसरों की प्राप्टी जिसका कि सर्वे नं. 2, हिस्सा नं. 3, सी०टी०एस० नं. 401, और 399 है, से पाम होता है।

अनुसूची जैसा कि श्र० सं. अई-4/37ई/26592/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 14-11-1986

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमति एस० आर० पावसकर और व अन्य ।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना(2) श्री सतीश जमनादास दत्ताणी ।
(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर, 1986

निदेश सं० आई-4/37ई/26342/84-85— अतः

मुझे, लक्षण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जिसका ए० सं० 25,
सी० टी० ए० सं० 335, ए० सं० 9, सी० टी० ए० सं० 363, ए० च० 8, विलेज, दहिनर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित
है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 कथ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है। तारीख 1-3-1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूर्झ किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अद्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पूरा जमीन का हिस्सा जिसका ए० सं० 25, सी० टी०
ए० सं० 335, ए० सं० 9, सी० टी० ए० सं० 363, ए० च० 8,
विलेज दहिनर, दहिनर, (पूर्व), बम्बई-68
‘अनुसूची जैसा कि श्र० सं० आई-4/37ई/26342/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-86
को रजिस्टर्ड किया गया है।लक्षण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बईअब: अब: उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
ने अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—तारीख : 14-11-1986
मोहर :

प्रश्नपत्राई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर, 1986

निदेश सं. अई-4/3कई/26807/ 84- 85— अतः
मुझे, लक्षण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. पूरा जमीन का हिस्सा बेअरिंग एस. नं. 102,
एच. नं. 9, 14 और 16 और एस. नं. 104, एच. नं.
27 और 29 बेअरिंग सिटी सर्वे नं. 1257, विलेज कोलिज
बाजार एक्सार में स्थित। और एस. नं. 104, एच. नं. -6
10 बी० और 18 बेअरिंग सिटी सर्वे नं. 1234 और एस. ०,
नं. 102, एच. ० नं. 7 सिटी सर्वे नं. 1474, एम. ० नं. 102,
एच. ० नं. 21, सिटी सर्वे नं. 1471, एस. ० नं. 10क, एच. ० नं. ०
ज्ञ, सिटी सर्वे नं. 1235, एस. ० नं. 104, एच. ० नं. 10 के
(पी०) सी० टी० एस. ० नं. 1233, एम. ० नं. 104, एच. ० नं. ०

सी० टी० एस. ० नं. 1247 विलेज एक्सार में स्थित, तालुका
बोरविली, बम्बई सब- रबन डिस्ट्रिक्ट, बम्बई में स्थित है
(श्री इससे उपाख्य अनुसूची में आंतर पुर्णरूप से वर्णित है),
और जिसका वरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 कथ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है। तारीख 1-3 1986

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जोर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
मन्त्र प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ
या गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्भित में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आव या आवाहन, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व म
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उगाधार !1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) मेसर्स जयपाली बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री वसंत आर. शहा और अन्य, पार्टनर्सश्रीफ़
मेसर्स कांतांदेवी भंदना डेट हलपर्स

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

प्रबंधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ हैं जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ए. अ/र. 4/37है/26807/85-86.

पूरा जर्मानका द्वितीय बेअरिंग एप. नं. 102, एच. नं. 9, 14
और 16, और एप. नं. 104, एच. नं. 27, और 29
बेअरिंग सिटी सर्वे नं. 1257 विलेज कोलिवाडा एक्सार
स्थित है। और एस. ० नं. 1में 4, एच. ० नं. 6 10, बी० और
1के बेअरिंग सिटी सर्वे नं. 1234, और एस. ० नं. 102, एच. ०
नं. , सिटी सर्वे नं. 1474, एस. ० नं. 103, ए. ० नं. 21,
सिटी सर्वे नं. 1471, एस. ० नं. 10क, एस. ० नं. ज्ञ, सिटी
सर्वे नं. 1235, एस. ० नं. 104, एच. ० नं. 10 के (पी), सी०
टी० एस. ० नं. 1233, एस. ० नं. 104, एच. ० नं. 24, सो०
टी० एस. ० नं. 1247, विलेज, एक्सार में स्थित है तालुका बोरि-
विली, बम्बई, सब- रबन डिस्ट्रिक्ट, बम्बई ।

अनुसूची जैसाकि क्र० मं. अई-4/37है/26807/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986
को जिरस्टर्ड किया गया है ।

लक्षण दास
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 14-11-1986

मोहर :

प्रकल्प आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर, 1986

निवेश सं. अई-4/37ई/26952/ 84-85—अतः

मुझे, लक्षण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जमीन का हिस्सा बग्राहिंग सर्वे नं. 11 एच. ० नं. २-ए, एस.० नं. 11, एच.० नं. ७ (पी० टी०), एस.० नं. 11 एच.० नं. ५/६ (पी०टी०) एस.० नं. 11, एच.० नं. ७ (पी० टी०) सी० टी० एस.० नं. 108 (पी० टी०) सी०टी० एस.० नं. 107 (पी०टी०) और एस.० नं. 11, एच.० नं. ५ (पी०टी०), सी० टी० एस.० नं. 44, (पी०टी०), और सी० टी० एस.० नं. 116, विलेज, मंडपेश्वर में स्थित, तालुका बोरिवली, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावस्थ अनु-सूची में अंगू पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कथ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख

1-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल के पारह पूर्वोक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दोष द्वारा अन्तरण के निम्न तरंग पादा गथा शोतकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय को बहित, उक्त अधिनियम के अधीन कर दवाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्रविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी वाय या किसी धर या अन्य अस्तित्व को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मनिध के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० जे० दत्ताणी ।

(प्रन्तरक)

(2) मेसमं का हड इन्वेस्टमेंट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सञ्चाना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अंतिध बाद में साप्ताहिक होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से ५-५ सी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गणीय में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यांकत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कि पै जा सके।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रथम शब्दों आं एवं पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा वेर्गिंग सर्वे नं. 11, एच.० नं. २-ए, एस.० नं. 11, एच.० नं. ७ (पी० टी०), एस.० नं. 11, एच.० नं. ५/६, (पी०टी०), एस.० नं. 11, एच.० नं. ७ (पी०टी०), सी० टी० एस.० नं. 108 (पी० टी०) सी०टी० एस.० नं. 107 (पी०टी०) और एस.० नं. 11, एच.० नं. ५ (पी० टी०) सी० टी० एस.० नं. 44, (पी० टी०) और सी० टी० एस.० नं. 116, विलेज, मंडपेश्वर, में स्थित तालुका बोरिवली, बम्बई।

अनुसूची जैसा कि का अई-4/37ई/26952/ 85-86, और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 14-11-1986

मोहर :

प्रकल्प आई.टी.एन.एस.
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर प्रश्नक्रम (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-4, बम्बई
 बम्बई, दिनांक 14 नवम्बर, 1986

निवेदन सं० अई-4/37ई/26551/85-86— अतः
 मुझे, लक्षण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवर इसमें
 उल्लेख प्रकाशित 'उक्त अधिनियम' यहा गया है), की धारा
 269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
 कारण है कि स्थानी सम्मान, जिसका उपर्युक्त बाबार मूल्य
 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० पूरा जमीन का हिस्सा विलेज पोइसर में
 स्थित है, तालुका बोरीवली, रजिस्ट्रेशन डिस्ट्रिक्ट और सब-
 डिस्ट्रिक्ट आफ बम्बई सिटी और बम्बई सबरबन में नीचे
 दिए हुए सबै नंबरों, हिस्सा नं० और सी०टी०एस० नं०
 जिसका क्षेत्रफल लगभग 13,452 स्क्वै० मीटर्स है।

सबै नंबर्स	हिस्सा नंबर्स	सी०टी०एस० नंबर्स
17	4	620
17	4	624
17	7	623
17	7	625
18	3	613 (पी०टी०)
22	6-ए	656
22	6-बी	655
22	6-सी	654
22	6-डी	657 (पी०टी०)
22	6-इ	612 (पी०टी०)
22	6-एफ	610 (पी०टी०)
22	22	659
64	6	594

में स्थित है (ओर इसे उपायकर अनुसूची में प्रांग पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन, बम्बई स्थित सक्रम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1986 का पूर्वोक्त सम्बोध क उचित बाबार मूल संक्ष के इसमान प्रतिफल के लिए बंतरीत को गर्ह है और मूळे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बोध का उचित बाबार मूल, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और बंतरीत (बाबरकी) और बंतरीती (बंतरीती) के बीच एसे बंतरीत के मिए तथा पाया जवा अधिक सम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरीत में बास-विकल रूप से क्षितिज नहीं किया गया है—

(क) अंतरण स हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर और उस के बंतरीत के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सर्विचा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पर किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा नी दिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति किंठी पाली डिसोजा।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स एच० ग्रो० एम० ई० प्राइवेट लि०।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्बोध के अन्त में सार्वांगीकृत करता है।

उक्त सम्बोध के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्राप्ति अधिकारी में किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बोध में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपांहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टांकनाम :—इसमें प्रयुक्त शब्दों अपूर्वांकों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होंगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा विलेज पोइसर में स्थित, तालुका बोरीवली रजिस्ट्रेशन, डिस्ट्रिक्ट और सब डिस्ट्रिक्ट आफ बम्बई सिटी और बम्बई सबरबन में नीचे दिए हुए सबै नंबरों, हिस्सा नं० और सी०टी०एस० नं० जिसका क्षेत्रफल लगभग 13,452 स्क्वै० मीटर्स है।

सबै नंबर्स	हिस्सा नंबर्स	सी०टी०एस० नंबर्स
17	4	620
17	4	624
17	7	623
17	7	625
18	3	613 (पी०टी०)
22	6-ए	656
22	7-बी	655
22	6-सी	654
22	7-डी	657 (पी०टी०)
22	6-इ	612 (पी०टी०)
22	6-एफ	610 (पी०टी०)
22	22	659
64	6	594

अनुसूची जैसा कि को सं० अई-4/37ई/०६५५१/८५-८६ और जो सक्रम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलाक 1-3-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षण दास

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 14-11-1986

मोहर :

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर, 1986

निदेश सं० अई-3/37ई/30269/85-86— अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवेद इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), को धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी वह वह विवरण करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विवक्त उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 6, एस० नं० 19, 20 और 157, एस० नं० 102, 104 और 351, नाहर मूलूड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका नाम आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल वे करने के अवधान प्रतिफल वे लिए बंतरित की गई है और वृक्ष वह विवरण करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य इसके अवधान प्रतिफल है, एवं उक्त बाजार अन्तरिक्ष (बंतरक्ष) और बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एवं अन्तरक्ष वे लिए उक्त बाजार वह प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में प्रस्तुतिकरण से कार्यस्थ नहीं किया जाता है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी ने या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, विषार में संविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसंरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मदन लाल बंकटलाल बद्रका और अन्य।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स डिसवलपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर हृचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि जाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति गैर हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के द्वारा विविध में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा बेअरिंग प्लाट नं० 6, अभी प्लाट नं० 5 में, नाहर सर्वे नं० 19, 20, और 157, और मुलुड, एस० नं० 102, 103 और 104 और 351, नाहर में मुलुड, बम्बई

अनुसूची जसा कि क्र० सं० अई-3/37ई/30269/85-86, और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 3-11-1986
मोहर :

प्रक्षेप नं. ८८१, टी. एम. एस. नं. ५८८

(1) मेसर्सं भवेश्वर विल्डर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत लहुकार

कर्मसूलीय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश सं. ग्रई-3/37ई/30169/85-86—

अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 501, 5वां माला, नीलकंठ निकेतन,
करानी लेन, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है (और
इससे उपाव द्वा अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), और जिसका
करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का, ये
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है। 3-3-1986

को पूर्णीकर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण निश्चित
में त्राम्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई कोर्टी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धर्म या अन्य नास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट लहुई किया गया या
या किया जाना चाहिए था, लिये हुए सुविधा के
लिए;

(2) चम्पक लाल मोहनलाल शहा ।

(अन्तर्क)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी वास्तव १—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित रूप में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 501, 5वां माला, नीलकंठ निकेतन, करानी
लेन, घाटकोपर (प), बम्बई-86 ।

अनुसूची जैसा कि क० सं. ग्रई-3/37ई/30169/85
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-3, बम्बई

अतः वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरक
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-11-1985

मोहर :

प्रकप बाई.टी.एन.एस. -----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं० अई-3/37ई/30177/85-86—ग्रन्तः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० शाप नं० 4-टी, ग्राउण्ड फ्लोर, वैशाली शार्टिंग,
सेंटर, 590, एस० वी० रोड, मालाड (प.), बम्बई में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णकृप से वर्णित है), और
जिसका करारनागा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थामान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उभके हस्यमान प्रतिफल से एम्बे हस्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण
'लिखित' में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया 'या है' ॥—

(अ) अन्तरण से 'है' किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक ले
कार्यालय में कभी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ए) ऐसी किसी आय या किसी भने या अन्य स्थितियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भने-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में संविधा
के लिए।

असः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण
में, यौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधोतः—
9—386 GI/86

(1) आशा सेल्यूलाइंड ।

(अन्तरक)

(2) बाबी रेस्टर्म एंड होल्डिंग प्रा० लि० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाल्यांशुओं शुरू करता हूँ।

उक्ता सम्पत्ति के अर्जन में सम्बन्ध में कोई जाक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धनी व्यक्तियों पर
सूचना को लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति से हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के पास
पहुँचने से 10-12 दिन के भीतर;

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
में हो।

अनुसूची

शाप नं० 4-टी, ग्राउण्ड फ्लोर, वैशाली शार्टिंग सेंटर,
590, एस० वी० रोड, मालाड (प.), बम्बई ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ई/30177/ 85-
86, और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 29-10-1986

मोहर :

प्रकृष्ट वाहन, टी. एन. एल. —

(1) हन्डस्ट्रियल पेक्स एण्ड पेकेजिंग। (अस्तरक)
मैं टेलफोन इन्डियन (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) की अधीन सचना

भारत बाजार

कार्यालय, सहायक आयकर आवश्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर, 1986

निर्देश सं० अर्ह-3/37ई/30145/ 85- 86-- अतः
मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधीनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयाम करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० यूनिट नं० 2 और 3, शिवकुपा, हन्डस्ट्रियल
प्रमाणसेस को०-प्रा० सोसाइटी लि०, एल० बी०
एस० मार्ग, विक्रोली (प), बम्बई-83 में स्थित है (और इसे
उपांडठ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका कारण-
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का के श्रद्धीय,
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

तारीख - 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इथमाव
प्रतिफल के लिए अंतिरित की गई है और माझे यह विषयाम करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उम्मके इथमाव प्रतिफल में, एमें इथमाव प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निरित
हैं वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है ॥

(क) बस्तरण से हृदृढ़ किसी आय की भावत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के विभिन्न
में कमी करने या उसमें उपर्युक्त अधिकार को सिर्फ़
जाओ/या

(क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्ध वास्तविकों
के विहृत भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, कियाने से परिवर्त्तन
के सिद्ध

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तरण
में, भौं उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उण्डारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित विकल्पों, निम्नतः ॥

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वास्त्रेः ॥

(क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निरित में किए जा सकेंगे ।

विवरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भाँति पहाँ जा, वो उक्त
अधिनियम के विधाय 20-ए में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस विधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 2, और 3, शिवकुपा हन्डस्ट्रियल प्रमाणसेस,
को०-प्रा० सोसाइटी लि०, एल० बी० एम० मार्ग,
विक्रोली (प), बम्बई-83

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्ह-3/37ई/30145/ 85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 3-11-1986
मोहर :

स्थल शार्ट, ही.एस.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारत 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत स्थावर

कार्यालय, सहायक आयकर बायूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, वम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं० अई-3/37ई/30367/85-86—ग्रतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, टिनमेन्ट्स, बिल्डिंग, बूडन स्टाल शाप्स, शेड, विलेज, आफ कांजूर, सी०टी० एस० नं० 614, और 618 और सी०टी०एस० नं० 613, 613/1 से 613/36, एस० नं० 238 एच० नं० 238 एल० बी० एस० मार्ग, कांजूर, वम्बई में स्थित है (और इससे उपावढ श्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 काख के अधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अधि, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

(1) श्रीमति वनिता मनसुखलाल देसाई।

(अन्तरक)

(2) मेसर्से पटेल और एसोसिएट्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

जमीन का हिस्सा, टिनमेन्ट्स, बिल्डिंग, बूडन स्टाल शाप्स, शेड, विलेज, आफ कांजूर, सी०टी०एस० नं० 614, और 618, सी०टी०एस० नं० 613, 613/1 से 613/36, एस०टी० नं० 27 से 38, सर्वे नं० 238।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ई/30367/ 85-86, और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, वम्बई

तारीख : 29-10-1986

मोहर :

प्रकाश बाहर, वी.एस.एस. ---

(1) सरल हन्टरप्राइंजेंज।

(ग्रन्तरक)

वार्षिक विभिन्न, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) मेहता नौतम लाल श्यामजीभाई।

(अन्तरित)

वार्षिक विभिन्न

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1986

निदेश सं० श्री 3/37ई/30319/85-86—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

वार्षिक विभिन्न, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें
इसके उपरान्त 'उत्तर विभिन्न' कहा गया है), को धारा
269-व के अधीन सहाय प्राधिकारी को यह विभाग काले क्र
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 1, 2ग भाला, शिवम कम्पलेक्स,
सत्यम शिवम सुन्दरम, बिल्डिंग, एम० जी० रोड, घाटकोपर (पू.),
बम्बई-७७ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), और जिसका कागजानामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 का अधीन, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986
को दृष्टिकोण सम्पत्ति के उपरान्त बाजार मूल्य ते क्र के उपरान्त^{मूल्य} प्रतिक्रिया की तिए अनुसूची की पर्दे कारे मूल्य यह विभाग
काले का बाजार है कि यथास्थाय सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त उपरान्त प्रतिक्रिया है, एवं उपरान्त इतिहास का
न्यून अधिकत चे अधिक है और अनुसूचक (अनुसूचक) और
अनुसूची (अनुसूचित) जो जीव एवं अनुसूचक वही तिए तज
प्राप्त बाजा शीक्षण विभिन्न विभिन्न वही तज अनुसूच
किसिए में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है ।—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उपरान्त में कोई आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्त्वान्वयी व्यक्तियों पर
दृष्टिकोण की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में उपरान्त होती हो, एवं भीतर प्रत्येक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में शुल्कपूँछ
किसी वस्त्र व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पाल
सिविल में किए जा सकें ।

तारीख: ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
विभिन्न के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता है। जो उन अध्याय में दिया
गया है ।

(ल) अनुसूचि वही वाय की जावत, उक्त
विभिन्न की वरीय तर एवं उक्त उपरान्त वे
विभिन्न वे जीव काले दा उपरान्त उपरान्त वे सूचिया
के लिए, बार/वा

अनुसूचि

(म) एसी किसी अन्य आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
विभिन्न, 1957 (1957 का 27) के प्रबोध-
नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
विभिन्न आय जाहिर का लियाने में सुविधा के लिए:

फ्लेट नं० 1, 2ग भाला, शिवम कम्पलेक्स, सत्यम शिवम,
सुन्दरम, बिल्डिंग, एम० जी० रोड, घाटकोपर (पू.), बम्बई-७७
अनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्री 3/37ई/30319/ 85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई
तारीख : 29-10-1986
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा ।—

प्रकल्प अधीक्ष.टी.एस.एस. (पौष 6, 1908)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धा.
धारा 269-व (1) में वर्तन सूचना

सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० अई-3/37ईई/30325/ 85-86— अतः

मुझे, ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का लाभ है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 202, 2सरा माला, सुन्दरम विंग, सत्यमंशिवम सुन्दरम बिल्डिंग एम० जी० रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कथ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986 कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अवधार प्रतिफल से, एसे अवधार प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उह त अधिनियम के वर्तीन कहु देवे के अन्तरक वै वादित्य में कमी करने या उक्त वै वादने में वृद्धिभा के बिध; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में वृद्धिभा के बिध;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, जब उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) सरल इन्टरप्राइजेज।

(अन्तरक)

(2) दिलीप त्रिकमल रावजियानी।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्बित्त वै वर्तन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्बित्त के वर्तन के सम्बन्ध में कोई भी वालों

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाद लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रत्योकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 202, 2रा माला, सुन्दरम विंग, सत्यम शिवम-सुन्दरम बिल्डिंग, एम० जी० रोड, घाटकोपर (पू०), बम्बई-77

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ईई/30325/ 85- 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 29-10-1986

मोहर :

प्रस्तुत वार्ता, एन.एच.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर 1986

निदेश सं० अई-3/37ई/30339/ 85-86-- अतः
मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 17, टी० पी० एस० स्कीम नं०
1, उपाश्वय लेन, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
का के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्टर है। तारीख 3-3-1986

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि उद्यमान प्रतिफल संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से ऐसे "उद्यमान प्रतिफल का
पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है" ॥

(क) अन्तरण से हटाए जिसी वाय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जारी/वा

(ख) ऐसी किसी वाय की किसी भन या कम्य वास्तवियों
को जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
वत्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुस्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखी अधिकारी, अधिकारी:

(1) श्री पुरुषोत्तम डॉ० कल्याणी ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स म्याम डेवलपर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोइ भी वाक्येणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 17, टी० पी० एस० स्कीम नं० 1, उपाश्वय-
लेन, घाटकोपर(पूर्व), बम्बई ।

अनुसूची जैसा कि क्र०सं० अई-2/37ई/30339/ 85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखः 3-11-1985

मोहरः

प्रकाश यादों दी, पट्ट, एवं एड.—*****

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आद्युक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 29 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० अई-3/37ई/30350/85-86—असः
मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (वित्त इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' लगा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्वावर अधिकारी, वित्तका उचित बाजार भूम्ब
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शेड नं० "डी" कपूर, को०-ग्राप० इन्डस्ट्रियल,
इस्टेट लि०, भांडूप, बम्बई-७८ में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्णत्व से वर्णित है), और जिसका "कारारनामा"
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 काल के अधीन, "बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है" [तारीख
3-3-1986

को प्रतिक्रिया के उचित बाजार भूम्ब से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूम्ब यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
भूम्ब, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का
एन्ड्र अंतरित है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं
(अंतरितीयों) के बीच एसे बन्सारण के लिए तथ याया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हैर्ड किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या बम्ब बास्तवीय
को, विनांक भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किसी बात बाहिर था, किसान वे सुविधा
के लिए;

कल: कल, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की, अनुस्वार
ठौं, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति लक्ष्मीदेवी श्राहजा।

(मन्त्री)

(2) कन्टीनेन्टल प्रेसिंग इन्डस्ट्रीज।

(मन्त्रिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

इस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव

(क) इस सूचना में राजपत्र की सारीक ते
45 दिन की अवधि या तत्त्वस्वन्धि व्यक्तियों पर
सूचना की तारीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिल द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीदेवी:—इसमें प्रदूषित वस्त्रों और वस्त्रों का, जो इसके
अधिनियम के अध्याय 20-के वर्तमान विधियों
में, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शेड नं० "डी" कपूर, को०-ग्राप० इन्डस्ट्रियल इस्टेट, लि०,
भांडूप, बम्बई-७८

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ई/30350/ 85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 29-10-1986

मोहर :

प्रसूत वाइंटी-एन-एस, -----

उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत लग्ज़ार्ड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० अई-3/37ई/85-86— अतः मुझे ए०
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
और जिसकी सं० स्ट्रक्चर के साथ जमीन, जिसका सी०टी०एस०
नं० 557, और 557/1, 557/17 तक, विलेज, कांजूर, भांडूप
(प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्रु अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 कथे के अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पवृष्ट प्रतिकृति से अधिक है और अन्तरक (बंतरक) और अंतरिती
(बंतरितिम) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
क्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से की गयी नहीं किया गया है—

(अ) अन्तरण है तथा इसकी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने वा उक्त अन्तरण में सूचिता के लिए;
वा/या

अनुसूची

(ब) इसी किसी आय पा किसी भूमि वा अन्य वास्तविक
कार्यों वा अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया वा
वा इसका आय आयकर आयुक्त वा, लिखाने से हृदिक्षा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसंदरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रफुलचन्द्र पदमसी हिरजी और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स अनिता इन्टरप्राइजेज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आठी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षण है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वदीकरण :—इसमें प्रदत्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही वर्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

स्ट्रक्चर के साथ जमीन, जिसका सी०टी०एस० नं० 557,
और 557/1, से 557/17 तक, विलेज, कांजूर, भांडूप (प),
बम्बई ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ई/30355/ 85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 29-10-1986

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 नवम्बर, 1986

निर्देश सं० 3/37ईई/30767/85-86—अतः मुझ,
ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यद् विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्रापर्टी विलेज, मालवनी में, एस० नं०
265-बी, 265ए, 765-ए-1, विलेज मालवनी, बम्बई में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्जित
है), और जिसका करारनाम आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986

जो धूनोबद्ध सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितिगत) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल प्रामाणिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभेजनात्मक अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-386 GI/86

(1) नरंजन एल० हीरानन्दनानी ।

(अन्तरक)

(2) रेजिस्ट पार्क्स प्रा० लि० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यबाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी लालच —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प्रवर्तनी व्यक्तियों पर
सूचना को ताम्रोल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय-
बद्ध किसी अन्य व्यक्तित्व द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अर्थात् 20-क म परिमाणित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अर्थात् में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी विले मालवनी में, एस० नं० 265-बी, 265ए
265ए/1, विलेज मालवनी, बम्बई।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ईई/30767/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-86
की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर राज्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 29-10-1986

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एम. एस.-----

(1) अमरसतारा लिंग।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

(2) मेसर्स पवर्ह हार्डिंग डिवलपमेंट प्रा० लिंग।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1986

निवेश सं० आई-3/37ई/30354/ 85- 86— अतः
मझे, ए० प्रसाद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. वे अधिक हैऔर जिसकी सं० दि डिवलपमेंट राईट्स ओफिसर 25/3, आफ
परमीशीबिल कन्स्ट्रक्शन्स जान दि लैंड ए पवर्ह द्वारा तीरं
धन्दाज, तालुका कुला, पवर्ह, बम्बई-76 में स्थित है (और इससे
उपावड्ह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कथ के
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री
है। तारीख 3-3-1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

दि डिवलपमेंट राईट्स, ओवर 25/1 आफ परमीशीबिल,
कन्स्ट्रक्शन आन दि लैंड एड पवर्ह और तीरंधाज, तालुका कुला,
पवर्ह, बम्बई-76
अनुसूची जैसा कि अ० सं० आई-3/37ई/30354/ 85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ४—

तारीख : 20-10-1986

मोहर :

प्रध्य. बाई. दी. एम. पट्टा. -----

(1) अमेरिंड कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) तोलाराम एण्ड कम्पनी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यसभा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज - 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर, 1986

निदेश सं० अई-3/37ई/30611/ 85-86— अतः
ममे, ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, मौजी मजास इन दि तालका
और रजिस्ट्रेशन सब डिस्ट्रिक्ट थाना, जो एस० नं० 39 और 40,
(पी०टी०) माकड प्लाट एक आई में स्थित है। (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा लेकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क्षेत्र
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है। तारीख 3-11-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्यभान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अव्यभान प्रतिफल से ऐसे अव्यभान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

जो यह सूचना आरो करने पूर्वोक्त इन्हें ये अवैत के लिए
कार्यमाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अवैत के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तात्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निवृत्ति में किए जा सकेंगे।

स्थायीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा, मौजी मजास इन दि तालुका, और
रजिस्ट्रेशन सब डिस्ट्रिक्ट, थाना, जो एस० नं० 39, 40
(पी०टी०) माकड प्लाट नं० एफ आई० में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ई/30611/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहाय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज - 3, बम्बई

तारीख : 3-11-1986
मोहर :

प्रस्तुत वार्द्ध. टी. एन. परा. -

**आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सच्चाना**

পাত্র পরিকল্পনা

काव्यसिद्धि, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज - 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर, 1986

निदेश सं० अई-3/37ईई/30613/ 85-86— अतः

मझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख., के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा सब डिवीजन प्लाट नं० 34 जे बैश्वरिंग सिटी नं० 713, 714, 715, 717, 732, और 738 रेवेन्यू विलेज, भांडूप, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अगुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कथ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल नहीं लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह दिश्वास प्रतिफल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितव्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया जाना प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्त्रीय रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी बाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करते या उससे बचने में संविधा के लिए; और/या

(८). ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ बन्तरीती हवारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी आवा आदि था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूखना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए अद्वितीय होता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्कित में हितबद्ध कर्त्ता की अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लाने अथवा इसे किए जा सकें।

स्थाट्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभूषित हैं वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

४५१

जमीन का हिस्सा जो छोटे हिस्सों में बांटा गया है जिसका नं० ५बी है और जो सिटी सबै-नं० ७१३, ७१४, ७१५, ७१७, ७३२, से ७३८ तक विलेज, रेवेन्यू, भांडप, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37ई/30613/ 85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

४० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 3-11-1986

सोहर :

श्रम वाहन ट्रॉफी एवं पुरस्कार

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 वा. 43) को
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

वायकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक वायकर वायकरा (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर 1986

निदेश सं० आई०-३/३७ ई०/३०६२४/८५-८६—अतः:

मुझे, ए० प्रसाद

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 वा. 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-व के अधीन सकार प्रतिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, वित्तका उचित बाजार भूमि
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 211, मेध मल्हार कम्पलैक्स यशोधाम
इनक्लेट हाउस, गोरेगांव मलुंड लिंक रोड, गोरेगांव (पूर्व)
बम्बई-63 में स्थित है (और इससे उपावद्र ग्रनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा, आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 26.9 का का के अधीन, बम्बई
स्थित सकार प्राधिकारी के कायलियमें रजिस्ट्री है तारीख
3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूमि हे कम हे अवधाम
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वायकर अधिनियम के उचित बाजार
मूल्य, उसके अवधाम प्रतिफल से, एसे अवधाम प्रतिफल के
फल्ल प्रतिवात से अधिक है और बंतरक (बंतरको) और बंतरिती
(बंतरितीयों) के दीप एसे बंतरण के लिए तब पाया जाया प्रति-
कार, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्त-
विक कृप से कर्तित नहीं किया जाया है ॥—

(ए) वायकर वं दूर्द किसी धार की वायक, उक्त
अधिनियम के, अधीन वाय वाय, के उक्त अधिनियम
दायित्व में कभी करने या उपास वाय के सूचिभा
क लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी धार या किसी धार वा वाय वायिकायों
के, विल्व भारतीय वाय-कार अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा
भारत अधिनियम, 1957 (1957 वा. 27)
के प्रश्नावार्थ वायिकायी वाया प्रकट नहीं किया जाय
एवं या किया जाया जायित्व वा, कियाजे वाय वायिका
नहीं किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

(1) मैं० दानस्काव विल्डर्स एण्ड कन्स्टक्शन प्राइवेट
लिमिटेड ।

(अन्तरक) (2) सूशील कुमार ब्रिज मोहन जुनजुनवाला ।

(अन्तरीती)

मैं यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यवाचीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन हे भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमूद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मूल्यांकन

फ्लैट नं० 211, मेध मल्हार कम्पलैक्स यशोधाम इनक्लेसट,
हाउस गोरेगांव मलुंड लिंक रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 ।

ग्रनुसूची जसा कि क्रम सं० आई०-३/३७ ई०/३०६२४/
85-86 और जो सकार प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख : 3-11-1986

मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री हाजी प्रनवर शाह और अन्य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मोहम्मद युसुफ मसा।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1986

निवेश सं० अई०-3/37 ईई०/30667/85-86—ग्रातः
मुझे, ए० प्रसाद
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० लैंड बग्रिंग सर्वे नं० 6, 7720 और
22 विलेज पवर्ह, कुर्ला, बम्बई में स्थित है (और इससे
उपांचु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतेशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अतरक के कार्यालय
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचयित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लैंड बग्रिंग सर्वे नं० 6, 7, 20 और 22 विलेज
पवर्ह, कुर्ला, बम्बई।

अनुसूची ज सा कि सं० अई०-3/37 ईई०/30647/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख: 29-10-1986

मोहर :

श्रावण भाइ, टी.एव.एच. अन्तर्रक्षण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1986

निदेश सं० अई०-3/37 ई०/30497/85-86—अतः;
मुझे, ए० प्रसाद
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, प्लाट नंबर्स डी-37,
डी-38, 39, 39-ए और 41, आफ प्राइवेट इस्टेट
लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, गोरेगांव, बम्बई में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961
की भारा 269 का अधीन सक्षम प्राधिकारी के कायलिय
में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराम
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्याप्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराम प्रतिफल से ऐसे दूसराम प्रतिफल का
एन्हें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
माया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
प्रतिशत में वास्तविक रूप से कठित नहीं कहा जाया है—

(1) श्री सुरेश बी० कावा और अन्य।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स ग्रतुल इन्टरप्राइसेस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरटी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी वालों—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-
बहू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उल्लेखण:—इसमें प्रदूषक सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हटूँ किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
प्रतिशत में कमी कहने या उससे बचने में सुविधा
वे लिए; अरि/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तीय
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रतिवर्ती अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या जो किया जाना भावित था, छिपावे में सुविधा
वे चिह्न;

जमीन का हिस्सा प्लाट नंबर्स डी-37, डी-38, 39,
39-ए और 41 आफ प्राइवेट इस्टेट, लक्ष्मी इण्डस्ट्रीयल
इस्टेट, गोरेगांव, बम्बई।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-3/37 ई०/30497/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज -3, बम्बई

अतः यह, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 29-10-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री कांति लाल मानेकन्द गांधी और अन्य।

(अन्तरक)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स क्रिएटिव कन्सल्टेंस।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1986

निदेश सं० अई०-३/३७ ई०/३०४२४/८५-८६— अतः
मुझे, ऐ० प्रसाद
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 35, टी० पी० स्कीम
नं० 1, हिंगवाड़ा लै०, घाटकोपर में स्थित है और
इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा स्थायकर अधिनियम, 1961

१ दिन 26९ वर के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है रतारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :--

(क) इस सूचना के राखें भी प्रकाशन की तारीख दे
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधियाँ बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के राखें भी प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थोपर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

निम्नलिखित

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
गुप्तिया के लिए।

प्लाट नं० 35, टी० पी० एस० स्कीम नं० 1, हिंग
वाडा, लेन, घाटकोपर, बम्बई :

अनुसूची जैसाकि क्र सं० अई०-२/३७ ई०/३२४२२/८५-८६
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 28-10-1986
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

प्रस्तुत वाहू डी.एन.एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन

मारन संकार

कार्यालय भवन आयकर आयकर बम्बई (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर 1986

निदेश सं० अई०-३/३७ ई०/३०८८६/८५-८६—अतः

मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
मैंके पाखार उक्त अधिनियम कहा याहै), की धारा
269-व (1) के अनुसार आयकर आयकर बम्बई के द्वारा
कारण है कि स्थानीय व्यक्ति, जिराक़ उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पेन्टहाउस नं० 194, 19वां माला,
मेघ मल्हार कांपलेक्स यशोधाम इन्क्लेव्स, गोरेगांव (पूर्व),
बम्बई-63 में स्थित है (और इससे उपावद अनुमति में
और पूर्ण रूप ने वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख

3-3-1986

का पर्याप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंके यह विश्वास
करने का ज्ञान है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
दर्शायित स्थं रो कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के लाभ रूप के उचित
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वारा अनुसार्यम् या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
उपायनाथ इन्हार्त द्वारा इकट्ठहो चिन्ह यथा
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा
के लिए।

अ. वा०, उक्त वाँचौनदय की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाषा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
8-386 GI/86

(1) मैं ट्रॅस्काल बिल्डर्स और
कट्रौटर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री गिरधारी ही बी० खश्त्री

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यदाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबंध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
राया है।

अनुसूची

पेन्ट हाउस नं० 194, 19वां माला, मेघ मल्हार
कम्पलेक्स, यशोधाम इन्क्लेव्स, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-65।

अनुमति जैसा कि क्रम सं० अई०-३७ई०/३०८८६/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 3-11-1986
मोहर :

उच्च अधीक्षण, एन.एस.

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की
धारा 269-वा (1) के अधीन इसका

(1) श्री वामदेव लाल पाटिल और प्रभा।

(अन्तरक)

(2) मैं एम० पी० भोईग और अन्य

(अन्तर्भुक्ति)

भारत प्रश्नालय

कार्यालय, सहायक अधिकार अधिकार (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, वम्बड़ी

वम्बड़ी, दिनांक 29 अक्टूबर 1986

निदेश सं० आई०-३/३७ ईड०/३०८७०/८५-८६—अतः

मुझे, ए० प्रसाद

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसमें
पूर्वान् उक्त 'अधिनियम' तहा गया है), की धारा 269-वा के
अधीन राज्य प्राधिकारी के लिए एन.एस. वा राज्य वा नियंत्रित
प्रधार संपर्क लिए तथा वापर मूल्य
1,00,000/- रु. रु. १००० ल

और जिसकी सं० जमीन बेग्राहित ए० नं० 105, ए० नं० 2,
सी० टी० ए० नं० 658 (पी) वा० लाल मूल्य है (पश्चिम)
वम्बड़ी-८० में स्थित है (और इसमें उपाय वा अनुसूची में इसे
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारामा अधिकार अधि-
नियम 1961 की धारा 269 का के अधीन वम्बड़ी प्रियत
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-

1986

की पूर्वोक्त गम्भीरता के उचित बाजार मूल्य का के इथमान
प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वक्त गम्भीरता वा उत्तरित बाजार
मूल्य, उपके इथमान प्रतिफल से उसे इथमान प्रतिफल का
यद्वारा उत्तरित में अधिक है और अन्य अन्य (अन्य अन्य
प्रतिफल अन्तरितियों) के लिए इसे अन्वेषण कर लिया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण में उक्त अन्या लिखित के
वास्तविक रूप में की अधिकत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण सं० हुइ किसी आय की दावा, वा
अधिनियम के वधीन कर दिने के अन्तरक के लागू
प्रै करी करने का दावा व्यवहार ए० नं० १०५, ए० नं० २,
सी० टी० ए० नं० ६५८ (पी)

(क्ष) एसी दिसी आय या अन्य अन्य अन्य (अन्य
फो, जिन्हे भारतीय आदान व्यवहार ए० नं० १०५
(1922 का 11) दा अन्य अन्य अन्य, दा अन्य
कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 21)
दा अन्य अन्य (अन्य अन्य अन्य अन्य
जा दा किया दावा नहीं है, दा अन्य अन्य अन्य
है अन्य).

अब इन, उक्त अधिनियम को धारा 1, 2, 5, 6, 7, 8
ए० ए० उक्त अधिनियम की धारा 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यगाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की वर्धित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
उक्त की तारीख से 30 दिन की वर्धित, जो भी
अटीध वाद में समर्ह होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त साधारण सम्भिति में हितबद्ध
दावा अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों आं पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
करा है।

अनुसूची

जमीन बेग्राहित ए० नं० 105, ए० नं० 2, सी०
टी० ए० नं० 658 (पी) लाल मूल्य (पश्चिम),
वम्बड़ी-८०।

अनुसूची जैसा कि क्रम में आई-३७ ईड०/३०८७०/८५-८६ और जो निम्न प्राधिकारी वम्बड़ी द्वारा दिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
नहायदा अधिकार आयुदा (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, वम्बड़ी

मुद्रित : 29-10-1986
मोहर :

क्रम संख्या ८५२१, टी. एस. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की पारा
269-घ (1) के मुद्रन मूल्य

(1) मैं आदर्श दुग्धालय प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) मैं बी० जे० डेवलपमेंट कारपोरेशन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

क्रमसंख्या, उद्योग आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई०-३/३७ ई०/३१३६८/८५-८६—अतः

मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा क्वार्ट के साथ, गोपूर,
आट्टूमार्वे परोड, मालाड (पश्चिम) बम्बई-६४ जे० सी०
टी० एस० नं० ६७ ए ६९-ए/(पी) ६७-ए (पी) ७३
और ज७६ (पी) में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका कर्गनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खिले के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूर्भु यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से ऐसे इसमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(१) अन्तरण से हृ० किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
को लिए; और/या

(२) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना भारत करके पूर्वोक्त उक्त अन्तरण के लिए
कार्यालयीय शब्द द्वारा दूर।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आश्रेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तारीख से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के बीते पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किन्होंने व्यापक द्वारा;

(ख) हाँ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन तक भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध
किनी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास
लिखित रूप से किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन हिस्सा, स्टूडिओ के साथ गो पूर आफूड मार्वे
गोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-६४ जो सी० टी० एस०
नं० ६९-ए, ६९-ए/१ (पीटी) ६९-ए (३), ७०(पी०),
७३ और ७६ (पीटी) स्थित है :

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-३/३७ ई०/३१३६८/
८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख : 29-10-1986
मोहर :

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एव. —————

(1) मैं भावेश्वर इन्टरप्राइसेस

(अन्तरक)

भावेश्वर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-क (1) के अधीन सूचना

(2) मैं प्रवात लाखा

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर 1986

निदेश सं० आई०-३/३७ ईई०/२९९५०/८४-८५—अतः
मुझे, ए० प्रसाद

भावेश्वर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की भारा
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विविध उचित बाजार मूल्य
1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फैट नं० टेरेस के साथ 602, छवां
माला नीलकन्ठ निकेतन करानी लेन, घाटकोपर (पश्चिम),
बम्बई-८६ स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और उसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की भारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख

3-3-1986

को पूर्वोक्त संघित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थान प्रतिफल है, दोस्रे स्थान प्रतिफल का
वंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिक्षी
(अन्तरितियाँ) के बीच ए जैसे अन्तरक के लिए तब या वहा इन्टर-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप है किभी नहीं किया जा सकता है —

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
निम्नलिखित करता है :

उक्त हम्पेट नं० अर्जन के सम्बन्ध में काई पी दाखल —

(क) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन का तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संदेशी व्यक्तियों द्वा-
रा सूचना की तारीख से 30 दिन सी अवधि, जो भी
व्यक्ति वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत
होनेवाले नहीं होने वाले अवधि व्यक्ति होता

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
40 दिन ते भूत इस देश व भूत भूत भूत भूत
जिसी अन्य प्रवित द्वारा उचाहन्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणकरणः— इसमें प्रवित सब्जेक्ट और वक्तों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के प्रेरितानुसार
है, वही वर्ध लांगा जो उस व्यवस्था के अन्तरा
में वहा है।

(क) अन्तरण से हूई कि सी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी कि सी अम्य या कि सी धन या अन्य आस्तियों
को, ऐसी भारतीय आद-कर व्यवित्यम, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रसूती

फ्लैट टेरेस के साथ नं० 602 छवां फ्लोओर नीलकन्ठ
निकेतन करानी लेन घाटकोपर (पश्चिम) बम्बई-८६।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-३/३७ ईई०/२०९५०/८४-८५ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक मार्च,
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 3-11-1986
मोहर

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-के अन्तरण
में, मैं, उक्त अनियम की भारा 269-की अनुसार (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जन ।

संख्या ३१८५ एवं इसके साथ ही

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

सूचना प्रकाश

कायानय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर 1986

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/29849/85-86—प्रतः
मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका संचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मी० डी० ए० नंबर्स
525, 525/1 से 8 विलेज मुलुड (पूर्व), बम्बई में स्थित
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 द्वारा, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

को पूछोकर सम्पूर्ण के उचित बाजार मूल्य से कम के विवाद
अधिकारी के सिए बन्तरण की गई है और उसे यह विवाद
इस द्वारा कारण है कि यथापूर्विक सम्भावित का उचित बाजार
मूल्य, उसके विवाद प्रतिफल से, एसे विवाद प्रतिफल के
प्रदूष प्रांतकाल से अधिक है और बंतरण (तंतरक) और अहे
पिती (अन्तरीतियों) के लिए एसे बंतरण के लिए दो वार
द्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित
में बास्तविक रूप से कथित हो किया गया है :—

(क) बन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन वर वर्ते के अनुरूप वृ
द्धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसे किसी आय के अधीन वा अय आयितण
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1972
(1972 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवालीनार्थ बन्तरित द्वारा प्रकल नहीं किया या
या या किया बात बाहिर या, कियाने में दुविधा
के लिए।

इस द्वारा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
इस भौतिक अधिनियम या धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों बातें :—

(1) श्रीमती बाई धीरज बाई अंजरामर और अन्य।
(अन्तरक)

(2) मी० श्री जी डेवलपमेंट कारपोरेशन।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आठों बजे दोपहर बजाये के बाद से दिन
कार्यवाहीय बृक्ष कहता है।

उच्च अधिकारी के बर्तन के उच्चान्वय ने 'कोई' भी वालू—

(म) इस सूचना के राजपत्र में अल्पतम की तारीख से
45 दिन की बर्तीय या तत्प्रवानिक व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की बर्तीय, जो वी
मन्त्री या वालू ये विवाद होती है, के भीतर पूछोकर
व्यक्तियों द्वारा कियी व्यक्ति द्वारा;

(न) इस सूचना के उच्चान्वय में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त व्यापर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी वर्त्य व्यक्ति द्वारा अभेद्यताकारी के पास
सिद्धि भौतिक या उक्ते;

प्रतिक्रिया :—इसमें प्रयुक्ता काली और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिप्राप्ति
है, वही वर्त्य होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुष्यों

जमीन वेश्वरिग मी० टी० ए० नं० 525, 525/1,
से 8 तक, विलेज मुलुड (पूर्व), बम्बई।

अनुसूची जसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/29849/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
3-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख : 3-11-1986

मोहर :

प्रकाश वाला०, दृ०, प्र०, ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

भारतीय, सहायक आयकर बायोट (भिर्टलन)

अर्जन रेज़-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1986

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/29820/85-86—ग्रतः
मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पद्धति 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि लापत्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुला प्लाट स्ट्रक्चर के साथ, बालकेश्वर
वाडी, आर० रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित
है (आंगूर सेप्टिम्बर अनुसूची में आंगूर पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका कगरनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय
में रजिस्टर है तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टव्यान
प्रतिफल ढे लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टव्यान प्रतिफल से ऐसे दृष्टव्यान प्रतिफल का
पन्द्रह ग्रामपात्र से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और
बन्तरीत (बन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
वै वास्तविक रूप से की गई नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
द्वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूचिता
के लिए; और/या

(ख) एकी किसी आय या किसी धन या बम्ब आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कुरु अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान् अ
सूचिता के लिए;

बारी बता: उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, भौत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं० रघुनाथ लक्ष्मण वालावलकर।

(अन्तरक)

(2) मैं० सदगुरु बिल्डर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उचित
वार्षिकाधिकारी शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में काई दी आशः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में भौतिक व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भौतिक व्यक्ति द्वारा सम्भाले जा रहे व्यक्ति
के सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास
प्रवेशित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में पाइरभाइल
हैं, वही वर्त्य होते हैं जो इस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट स्ट्रक्चर के साथ, बालकेश्वर वाडी, आंगूर
रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित हैं जो सी० टी०
एस० न० 224, 224/1 से 4, 5, 6 (पी टी) आंगूर
7 से 12 तक स्ट्रक्चर के साथ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/29820/
85-86 आंगूर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज़-3, बम्बई

तारीख : 29-10-1986

मोहर :

प्रस्तुप आई. टो. एम. एस.-----

(1) श्री गुणवन्त गो. मुनारिशा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1986

निमेश मं. आई०-३/३७ ई०/२९८०४/८५-८६— अन्:
मुझे, ए० प्रमाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदचार्त 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. बंगलो नं 12-बी/1, माडल टाउन, वाल-
गजेश्वर रोड, मुंबई-४० में स्थित है (आंतर इसमें
उपावढ़ अनुसूची में अंग नूर पूर्ण रूप से वर्णित है) आंतर जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कथ के
अधीन बम्बई नियंत्रण सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 3 मार्च, 1986

को पूछेंकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एंसे इस्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत सं अधिक है और अतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा यांत्रिक
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्चत अन्तरण लिखित में
आमतिक रूप में कीदृष्ट नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इनकी किसी भाव की वापत, उच्चत
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में मूल्वधा के लिए;
और/एवं

(ल) प्रेसी किसी भाव या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उच्चत दीधानियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा एक ऐसी किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए.

अतः अब, उच्चत अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उच्चत अधिनियम की धारा 269-व की उपाधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यांकतया, अभाव

(2) श्री गुरुदेव मिह मुन्दर मिह विद्रा और
श्री आर्थमकोर गुरुदेव मिह विद्रा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पाद के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा दधोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बंगलो नं 12-बी/1, माडल टाउन, वाल गजेश्वर रोड
मुंबई, बम्बई-400000 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकि क्रम मं. आई०-३/३७ ई०/२९८०४/
८५-८६ और जो मधम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-३
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद
मधम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
श्रजन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 29-10-1986
मोहर :

राष्ट्र पाइल ट्री, एन. एस. एस.

(1) श्री राम लाल कन्हेया काल पहुँचा और प्रत्या।
(अमरनाथ)**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**
धारा 269-ग (1) के बारीन व्यवहा(2) श्रीमती विजयालक्ष्मी जनेका और अन्य।
(अन्तरिनी)**वापर व्यवहा****कार्यालय, साधारण आयकर वापर नियमित्यम्**

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर 1986

निदेश सं० आई०-३/३७ ई०/२९५३७/८५-८६— अतः
ममो, ए० प्रमाणआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरण करने का वारपत्र है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० बंगलो नं० 27, अनुर पार्क, को०
आपरेटिव हाउसिंग मोसाइटी, सायन द्रामथवे रोड,
चेंबूर, बम्बई-1 में स्थित है (और इससे उपावस अनुमूली में
और पूर्ण रूप से वर्णित है,) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन नारीखको वूर्वांकित सम्पत्ति के उचित वापर मूल्य से कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और उसे वह विवरण
करने का कारण है कि विवाहवृक्ष सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अन्यान प्रतिफल से ऐसे अन्यान प्रतिफल का
वृद्धि प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकारी) और
अंतरिती (अंतरिकारी) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सभी पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपरोक्त हेतु उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—(क) अंतरण से हैर किसी आय की वापर उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तर के बारीन व्यवहा के लिए व्यक्ति वा
कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए व्यक्ति/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
वा प्रधानमंत्री द्वारा यह प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
कठिनी के लिए.अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :—को मूँ वृक्ष वापरी करने के वूर्वांकित सम्पत्ति के अंतर के लिए
कार्यालयाद्वारा कुक करता है।

उक्त व्यवहा के अंतर के संबंध में कोई भी आप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा उक्त व्यवहा की व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और यह
व्यवहा का वारपत्र द्वारा द्वारा अभोद्धासाक्षात् के भीतर पूर्ण
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा द्वारा है।(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर सूचना व्यावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
विहीन अन्य व्यक्ति द्वारा अभोद्धासाक्षात् के भास
प्रियोक्तु द्वारा द्वारा द्वारा होते हैं।**व्यवहारण :**—इसमें प्रयुक्त वाक्यों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के में पर्याप्त हैं,
वही वर्ण होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूली

बंगलो नं० 2, अनुर पार्क, को० आपरेटिव हाउसिंग
मोसाइटी, सायन द्रामथवे रोड, चेंबूर, बम्बई-21।अनुमूली जैसा कि क्रम मं० आई०-३/३७ ई०/२९५७२/
८४-८५ और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रास्टर्ड दिया गया है।ए० प्रमाण
सक्षम प्राधिकारी
साधारण आयकर अ.युक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बईतारीख : 3-11-1986
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर, 1986

मं० आई-3/37ई/29555/84-86:— अतः मुझे, ए।
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी गंद्या विला नं० 1, मेघ मल्हार काम्पलेक्स,
यशोधाम एक्लेव, गोरेगांव मुळुङ्ड लिंक रोड, गोरेगांव
(पूर्व), बम्बई-63 में रिश्ता है (और इसमें उपवद्ध अनुसूची
में और पूर्ण दृष्टि में वर्णित है), और जिसका कगरनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा, 269 के खंड के अधीन,
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 3-3-1986

को पर्वतित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित और
आस्तीनिक रूप में कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

9—386GI/86

1. मैसर्स ट्रान्सकॉट विल्डर्स और कान्ट्रेक्टर्स प्राइवेट
लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्रीमती श्रनिता मोहन अरोग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावजूद समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
जर्ख होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विला नं० 1, मेघ मल्हार काम्पलेक्स, यशोधाम एन्डलेव,
गोरेगांव मुळुङ्ड लिंक रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63।

अनुसूची जैमा कि क्रम मं० आई-3/37ई/29555/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-
86 और जो रजिस्टर्शन किया गया है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 3-11-1986

गोहर :

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

लालूपत्र

काशीलाल, उद्योगकर आयकर वाक्याल (निरीक्षक)

प्रज्ञन रोड-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर, 1986

मं० अर्ड-3/37ई/29538/85-86:— अन्: मुझे ए प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन संक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट अब्राहिम मी० टी० एम० नं० 3393,
वाकोला विलेज, कोले कल्याण, मंताकुञ्ज, (पूर्व), बम्बई-55
में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड़ अनुमूली में और पूर्ण स्पष्ट
में वर्णित है) और जिसका कशारानामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, खं के अधीन बम्बई स्थित संक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-3-1986
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थावर
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मृक्षे वह विश्वास
दृष्टि वह विश्वास करने का कारण है कि
वह पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थावर
प्रतिफल से, एसे स्थावर प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के
बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नानिविष्ट
उत्तरोत्तर से उक्त अन्तरण जिसमें भास्तविक रूप से कठित गई
किया गया है ॥

(क) वल्लूपत्र वे हूँ जिसी आप की वालत, संक्षम
प्राधिकारी के अधीन कर देने के अन्तरक के
सामित्र में कठीन करने या उसमें वर्वने में छाँवित
के लिए, बीर/स।

(ख) पांसी किसी आप था किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भाग्यी आप-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या वनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता था ऐसी आपकी विषय में सूचिधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नानिविष्ट व्यक्तियों का धर्ता ॥

1. श्री जोनेक डिमांजो।

(अन्तरक)

2. दिनेश मी० अग्रवाल।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए
वार्षिकीय करदा हूँ ॥

उक्त सूचना के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वापर ॥

(क) इस दृष्टि के रावपत्र में प्रकाशित की गारीब है
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की वार्षिक है 30 दिन की अवधि, जो वी
अवधि वाल में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशित की गारीब है
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
वाल विविध में किए जा रहे हैं ।

लालूपत्र:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो इस व्यापार में दिया
गया है॥

अनुसूची

प्लाट ब्रेअरिंग मी० टी० एम० नं० 3393, वाकोला
विलेज, कोले कल्याण, मंताकुञ्ज (पूर्व), बम्बई-55।

अनुमूली जैमा कि क्रम सं० अर्ड-3/37ई/26538/प/
85-86 श्रीर जो संक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,
संक्षम प्राधिकारी,
उद्योगकर आयकर आयुक्त निरीक्षण,
प्रज्ञन रोड-3, बम्बई

दिनांक : 3-11-1986

मोहर :

प्रस्तुत वाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयातिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1986

सं० अई-3/37ई 29482/85-86.— अतः मठो. पा
प्रमाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मालवा जमीन का हिस्सा स्टूचर के माथ, विनेज
मालाड, तालुका वोरिवडी, एम० न० 47, एच० न० 4,
सी० टी० एम० न० 327, मालाड, बम्बई में स्थित है
(और इसमें उगावद्व अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में वरिण है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1962 की
धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-3-1986

को पर्याप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तर्भूतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूँड़े किसी आय की दावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) एसे किसी आय या धन या अन्य गास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यापार प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुशासन
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. प्रभाकर पी० किंती और अन्य

(अन्तरक)

2. मैमसं अम्बर पर्सोमियेट्स।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पादन के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पादन के अर्जन के संबंध में कोई जानकारी :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में फिर जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहों अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

जमीन का स्टूचर के माथ, विनेज मालाड, तालुका
वोरिवडी एम० न० 471, एच० न० 4 सी० टी० एम०
न० 327, मालाड, बम्बई।

अनुमूल्य जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ई/29482/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई डाग दिनांक 3-3-
1986 का रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 29 10-1986

मोहर :

प्रस्तुत वाइटी.एन.एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूलत (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1986

मं. अई-3/37ई/29443/85-86:— अतः मुझे, ए.
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी भाँड़ा जमीन स्टूचर के माथ, टिलक रोड,
घाटकोपर बेग्रांग प्लाट नं. 99, टी० पी० ए० नं. 3,
सी० ए० नं. 5947, बम्बई में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के
के अधीन बम्बई स्थित सक्रम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्टर है, तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इथमान प्रतिफल से, ऐसे इथमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अत्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
निम्नांकित रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अत्तरक से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/ ए

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को चिह्ने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहए था, जिसमें में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्म महेन्द्र बी० राठोड़
(ग्रन्तरक)
2. मैसर्म राधा कन्स्ट्रक्शन।
(ग्रन्तरिती)
3. भाड़ोनी।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्मति है)
4. श्रीमती राधाबाई एन० गडियार,
ग्रन्तमी सोसायटी।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
कि वह सम्मति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
का यह सूचना जारी करने के लिए¹ कार्यदाहियों द्वारा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तात्पंजीय व्यक्तियों सूचना पर
की जमीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसूची

जमीन का स्टूचर के माथ, टिलक रोड, घाटकोपर,
बेग्रांग प्लाट नं. 99, टी० पी० ए० नं. 3, सी० टी०
टी० ए० नं. 5947, बम्बई।

अनुमूल्यी जैमा कि इस मं. अई-3/37ई/29443/85-
86 और जो सक्रम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त तिरीक्षण
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 3-11-1986
मोहर:

प्रस्तुप बाइंस टी.एन.एस. ४५५

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर बायक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1986

सं० अर्ई-3/37ई/30528/85-86:—अत मुझे, ए०

प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्हे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की आय 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० जमीन का हिस्सा प्लाट बम्बई डी०/३६, और डी० ४२ आफ प्राइवेट इस्टेट, विला इ ब्लाक, गोरेगांव में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-3-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया था है—

(अ) अन्तरण में हूँह किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य कार्यालयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनके अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने वाले सुविधा के लिए;

उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण में, वृ०, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपस्थिति (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. खुणालभाई बी० कावा।

(अन्तरक)

2. मैसर्स अतुल एन्टरप्राइजेस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय पर दिया गया है।

‘जमीन का हिस्सा प्लाट बम्बई, डी०-३६, वी-४२, आफ आफ प्राइवेट इस्टेट, विला इ पहाड़, गोरेगांव।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० अर्ई-3/37ई/30528/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर निरीक्षण
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 29-10-1986

मोहर :

प्रेसुप आई. टी. एन. प्रस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, वर्मवाई

वर्मवाई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1986

मं० आई-3/37ई/30520/85-86.--- अत मुझे ए०
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी भंडाया वंगलो नं० ए-८, स्नेह कुंज, माझेल टाउन
बाल गजेश्वर रोड, मुलुण्ड (पश्चिम), वर्मवाई में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूण रूप में वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 के ख के अधीन वर्मवाई स्थित मक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-3-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्षी की गई है और मध्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एस दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और
अंतरिक्षी (अन्तरिक्षीयों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
मोहर:

1. श्री वाय० के० कुंज और अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री विजयशंकर गुप्ता और अन्य

(अंतरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में भास्ति होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उसे अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

वंगलो नं० ए० ४, स्नेह कुंज, माझेल टाउन, बालगजेश्वर
रोड, मुलुण्ड (पश्चिम), वर्मवाई।

अनुसूची जैसा कि क मं० आई-3/37ई/30520/85-
86 और जो मक्षम प्राधिकारी, वर्मवाई द्वारा दिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर निरीक्षण),
अर्जन रेज-3, वर्मवाई

दिनांक: 29-10-1986

मोहर:

प्रधन भारत दौड़ एवं प्रेस,

1. मैमर्से गुप्त्रों के जे।

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

2. श्री नन्द लाल गिरवारी लाल विहानी

(अन्तरिती)

प्रातुर लक्षण

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रोज़-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1986

सं. अर्द्ध-3/37ई/30515/86-86:— अत मुम्. ए।

प्रमाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंजूरा यूनिट नं. 13, मिक्रोग, को आपरेटिव
इण्डिस्ट्रियल इस्टेट लिमिटेड, एम० बी० रोड, माववाडी, गोरे
गांव (पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित है (और इसमें उपावल
अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के बधीन
बम्बई विधि सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में गजिम्टी है
तारीख 3-3-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पौर्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरज के लिए तथा पाया
जाया प्रतिशत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरज निर्दित
के बास्तीक रूप से कार्यत नहीं किया जाया है॥

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी वापरे —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी बन्य व्यक्ति द्वारा यथोहस्ताक्षरी के पाछ
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रत्यक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के व्यापार 20-के में परिवर्तित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस व्यापार में विद्या
जाया है।

प्रमुख दृष्टि

यूनिट नं. 13, मिक्रोग को आपरेटिव इण्डिस्ट्रियल इस्टेट
लिमिटेड, एम० बी० रोड, माववाडी, गोरेगांव (पश्चिम),
बम्बई-62।

अनुमूल्य जैमा कि कि सं. अर्द्ध-2/37ई/30515/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई डाग दिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए। प्रमाद,
सक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज़-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, लक्ष अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1)
के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 29-10-1986
गोहर:

प्रस्तुत आई, डी. एन. एस. -----
वाचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

1. मैमर्से सतारवाला पटेल एण्ड कम्पनी।

(अन्तर्गत)

2. करिश्मा प्रॉडरप्राइवेट।

(अन्तर्गती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायकर वायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर, 1986

मं. अई-2/37ई/29951/85-86:— अत मुझे, ए.
प्रमाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा या है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी कर्ते यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या शाप नं. 1, ग्राउण्ड फ्लोअर निकाण्ट
शापिंग सेंटर, घाटकोपर, (पश्चिम), बम्बई।

में स्थित है (और इसमें उपर्युक्त अनुमूली में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 के खेते के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-3-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि वथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतर्गतों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया जाता है:—

क) अंतरण से हट किसी वाय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक कं
समिति में कमों करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

पुण्य) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
या जो किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष है—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदाता
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के दास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और व्याप्तियों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-वाँ में परिभाषित
हैं, वही वर्त होते होंगे और उस अध्याय में दिए
गए हैं।

प्रमाद

शाप नं. 1, ग्राउण्ड फ्लोअर निकाण्ट शापिंग सेंटर,
सेंटर, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई।

अनुमूली जैसा कि मेरे मं. अई-3/37ई/29951/85-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई डाग दिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए. प्रमाद,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बहुत बहु, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसर अन्तरण
की धारा 269-प की उपभारा (1)
में अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

दिनांक : 3-11-1986

मोहर :

प्रख्य बाइ, टी.एन.एस-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर विभाग (नियोजन)

अर्जन संख्या 3, वर्षाई

वर्षाई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1986

सं० अर्ड-3/37ई/29929/85-86:— अनु भूमि, ए०
प्रसाद,

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्या फ्लैट नं० 10, सी विंग, वैभव विल्डिंग,
श्री नवदुर्गा, को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, निमिटेड,
टिलक रोड, घाटकोपर (पूर्व), वर्षाई-77 में स्थित है
(और इसमें उपावड़ अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से बर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 के अधीन वर्षाई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में जिस्टी है, तारीख 3-3-1986।

को पूर्वावृत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि, ग्राहापत्रोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसें दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतर्गत (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसें अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियमित में
वास्तविक रूप में कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी बाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूर्किधा
के लिए; और/मा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिल-
को, जिन्हें भारतीय लायक अधिनियम, 1952
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, हिंसन में मूर्किधा
के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम द्वारा धारा 269-प की उपलब्धाना (!)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—386GI/86

1. श्री किशन दास विरजी ठाकर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अनुमूल्या बल्लभ दाम कामदार।

(प्रत्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावृत्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्य शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वावृत्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाल नियमित में किए जा सकेंगे।

करण:—इसमें प्रयोग शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अव्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुमूल्यी

फ्लैट नं० 10, सी विंग, वैभव विल्डिंग, श्री नवदुर्गा
कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी निमिटेड, टिलक रोड,
घाटकोपर (पूर्व), वर्षाई-77।

अनुमूल्यी जैमा कि श्रं सं० अर्ड-3/47ई/29929/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी वर्षाई द्वारा दिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (नियोजन),
अर्जन संख्या 3, वर्षाई

दिनांक : 29-10-1986

माहर :

प्रकाश भाई, दौ. एव. एस. २०८८

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

1. मंसरा भावेश्वर एन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्रलाल प्रेमचन्द्र आभानी।

(अन्तरिती)

भारत राजपत्र

कार्यालय, जनाधार आयोग भाष्यक्रम (प्रिसीफल)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर, 1986

निर्देश सं० अई—3/37ई/2999488/84-85:—अतः

मूल्य ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष में प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
वापरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है।

और जिसकी मंज्या फैलैट नं० 203, 2 रा माला, निलकण्ठ
निकेन, करानी लेन, घाटकोपर (पश्चिम) बम्बई-86 में
(और इसमें उपावद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से
वर्णित है, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा, 269 का खंड के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विवाद करने का नारण है कि दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरगत के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
पास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हरौ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दावेन्वय में अभी उक्त या उससे बचने में समिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी दिनी आय या किसी धन या अन्य आमितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रथोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में समिधा
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
गं., इ., उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्यी

फैलैट नं० 203, 2 रा माला, निलकण्ठ निकेन,
करानी लेन, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86।

अनुमूल्यी जैसा कि शं सं० अई—3/37ई/2999488/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 3-11-1986

मोहर :

इस्य बाईं टौं एवं एस्‌—

नामकर वाँचित्यम्, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक वायकार वायक्ति (प्रिवेक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं- अर्द्ध-3/37ई/30585/85-86:—प्रतः मुझे, प०

प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके इच्छात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आफिस नं. 18 और 19, ग्राउण्ड
फ्लोअर, आफ मैट्रिस्टक चेम्बर्स, स्वमित्र मिल कम्पाउण्ड,
चेम्बूर, बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
3-3-1986।

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थगान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे दह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थगान प्रतिफल से, एसे स्थगान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रीय (अंतरीतियों) के बीच एसे अंतरण के लिए बहु पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरदेश से उक्त अंतरण लिखित में
गारंटीक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
वाँचित्यम् के अधीन कर दें वे अंतरक के
पारित्यक वे कठी करने वा उससे बदलने में पूर्ण
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर विधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स सुन्दर बिलडर्स।

(अन्तरक)

2. डा० म्यानेक नोएड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी कारुके प्रश्नोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के हमन्त में कोई भी वालोंपे :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
45 दिन की अधीन या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधीन बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाल
लिखित द्वे किस्मे भा सकेंगे

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
वाँचित्यम् के अध्याप 20-के भी परिशालित
हैं, उही वर्त होता जो उस अन्याय में "दशा
प्ता है"।

म्यानेक

आफिस नं. 18 और 19, ग्राउण्ड फ्लोअर, आफ स्वमित्र
चेम्बर्स, स्वमित्र मिल कम्पाउण्ड, चेम्बूर, बम्बई-71।

अनुसूची जैसा कि क सं. अर्द्ध-3/37ई/30585/85
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 29-10-1986

मोहर :

प्रकृत्य नाइ^इ टी. पन्. एस.-----

1. मैसर्स बिल्डिंग्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. मैमर्स डिकोनस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्रम हथा करना है।

वाइद सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं० अई-3/37ई/30601 प/85-86:—अत मुझ,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

औ जिसकी संख्या जमीन कुगर, तालुका बोरिवली में स्थित,
सी० टी० एस० नं० 391 ए, डी० पी० रोड, मालाड में
स्थित है (अंग इसमें उपावद्ध अनुमूली में जौर पूर्ण रूप में
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 के खंड के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 3-3-1986।

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिनित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरण से है इन्हीं किसी आय की वार्ता, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
विवित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
है विद्युत; और/या

(इ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आमिन्यां
से विद्युत भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काइ^इ भी कांठांप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोंत
व्यक्तियों में वे जिन्हीं व्यक्ति दर्शा हैं।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपाद्त में हितनवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन कुगर, तालुका बोरिवली में स्थित, सी० टी०
एस० नं० 391 -ए, डी० पी० रोड, मालाड, बम्बई

अनुमूली जैसा कि सं० अई-3/37ई/30581-ए/85-
86 और सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक 29-10-1986

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर, 1986

निवेश सं० अई-3/37-जी/83-85— अतः मुझे ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० सब-प्लाट नं० 4, दि-ले-श्राउट आफ प्रियलोक
को०-आप० हाउर्हिंग सोसाइटी लि०, आफ 90 मुलंड, घटकोपर
लिंक रोड, भांडप (पूर्व), बम्बई-78 में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), जिसीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-3-1986

को पूर्वोंतर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंका संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए०से दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरिताओं) के बीच के ए०से अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
निर्धित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ए०सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम के धन 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स लोकप्रिय हार्डिंग डिवलप प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री अणोक जी० ढबले और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंका संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंका
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निर्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सब-प्लाट नं० 4 दि-ले-श्राउट आफ प्रियलोक को०-आप०
हार्डिंग सोसाइटी लि०, आफ 90, मुलंड, घाटकोपर, लिंग
रोड, भांडप (पूर्व), बम्बई-78।

ए० प्रसाद
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 3-11-1986

माहर :

प्रलेप आई. टी. एन. एस.—

(1) श्रीमति जयवंती डी० पाटिल और अन्य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्स आर० के० बिल्डर्स।

(अन्तर्गती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० अई-3/37ई/30574/85- 86— अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट नं० 5, एच० नं० 163, सी० एस० नं०
181, लैण्ड और टिनशेड और बीबिलिंडिंग में 8 भाडोती, मालाड
(प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करा०नामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 का क्षेत्र के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है। तारीख 3-3-1986क्यों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और
बांतारकी (बांतारकां) के बीच के एंसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकृष्ण
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों आं और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से होई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ति में कमी करमें या उससे बचने में स्विधा
के लिए; और/एवंप्लाट नं० 5, एस० नं० 163, सी० एस० नं० 181,
लैण्ड एण्ड टीनशेड और बिलिंडिंग मालाड में (प), बम्बई।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ई/30574/ 86-
85, और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तारकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा
के लिए;ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बईअन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम को भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 29-10-1986

मोहर :

महाप्रधान, टी.एस.एस.

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

प्रधान मंत्री

कार्यालय, सहायक आयकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर, 1986

निदेश सं० 3/37ई/30563/85- 86— अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भाग 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 301, 3 ग माला, नीलकंठ, निकेतन, कर्णनी लेन, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है (और इसमें उपावट अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का क्षेत्र के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्यामान प्रतिफल से, एसे छ्यामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्त (अंतरिक्तियों) के बीच एसे अंतरण के निए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दर्तने के अन्तरक के विविध घटनाएँ फरने वा नम्बम सञ्चारने घटे सुनिश्चित के लिए;

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आमितयों की, जिन्हें भारतीय आग-घृणानियम, 1922 (1922 का 11) द्वारा अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोल्नार्थ अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भ्रिविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी :

(1) मेरासे मावेश्वर इन्स्ट्रुमेंट्स।

(अन्तर्गत)

(2) श्री चन्द्रलाल जै० दोणी, और अन्य।

(अन्तर्गतिनी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों के रुपों हाँ।

उक्त समीक्षा के अर्जन के सम्बन्ध में कोहौ भी आकोप ।—

(ल) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि का सम्बन्धित व्यक्तियों पर दबाव की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दबाव से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने वे किसी व्यक्ति द्वारा प्रभारी;

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्झोकरण:—इसमें पूर्वोक्त शब्दों वारे वदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 301, जो, 3 ग माला, नीलकंठ निकेतन, कर्णनी लेन, घाटकोपर (प), बम्बई-86।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ई/30663/85- 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 3-11-1986

माहूर :

श्रीपति शाहै, टी. प्र०, ए३-

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सम्भव

भारत सरकार

आयातिय, सहायक आयकर आद्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1986

निदेश मं० अर्ड-3/37ई/30560/ 85- 86-- अतः
मुझे, ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मं० कर्मशियल यूनिट नं० सी-ग्राउण्ड फ्लोर, नील-
कांत आनन्द, ए० जी० रोड, घाटकोपर (प), बम्बई-४६ में
स्थित है (और इससे उपान्न व अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), और जिसका करागनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 कानून के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कायलिय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्वरान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृष्टमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृष्टमान प्रतिक्रिया का पश्चहत्रित
में पश्चहत्रित और अन्तररक्षण (अन्तरक्षण) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसा अन्तररक्षण के लिए तथा पाया यथा अविकल, विम्बिशित
उद्देश्य से उक्त अन्तररण लिखित में वास्तुविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तररण से हटाई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर इन्हें वे अन्तरक्रिया वं
दायित्व में कर्मी करने या उसमें बदलने में संविधा
के लिए; और/या

(घ) प्रेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आम्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाय
या या किया जाना चाहिए था, जिसने वे संविधा के
लिए; और/या

(1) मेसर्स श्री जी० कल्पन कम्पनी ।

(प्रत्यक्ष)

(2) श्रीमति लक्ष्मी हंमुद्दलाल शहा ।

(अन्तिमी)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्तन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करवा हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्तन के सम्बन्ध में कोइ श्री बालौर ३—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन की अवधि या उससम्बन्धी व्यक्तियों वह
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समय होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों वे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वहृष्ट किसी अन्य अस्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ष होंगा जो उस अध्याय के दिवा
मया है।

अनुमूली

कर्मशियल यैनिट नं० सी-ग्राउण्ड फ्लोर, नीलकांत आनन्द,
ए० जी० रोड, घाटकोपर (प), बम्बई-४६।

अनुमूली जैसा कि क्र० मं० अर्ड-3/37ई/30560/ 85-86
और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयवत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

तारीख : 24-10-1986

मोहर :

प्राप्ति वाइंटॉफल एवं एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वा.
भाग 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर, 1986

निवेश सं० अई-3/37ई/30558/8 5-86— अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25/आफ परमीसीबल डिवलपमेंट ग्रान
लैण्ड इन रेडियू विलेज, पवर्ह, चौक, कुर्ला, बम्बई में स्थित
है, (और इससे उपावद्व अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
कथ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गये हैं और मूँह यह विषयात्मक
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिपत्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिक्षी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाणा
जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख भी उक्त अंतरण लिखित में
प्राप्तिकरण से अवैध नहीं किया जाया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक वै
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ०% किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगजार्थ अन्तरिक्षी इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ये सुविधा
के लिए;

(1) श्री अंजय मोहन।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स अमरतांग लिं।

(प्रत्तिरक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तस्वीरन्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दृढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

25/ : आफ परमीसीबल डिवलपमेंट ग्रान लैण्ड इन
रेडियू विलेज पवर्ह, चौक, कुर्ला, बम्बई।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ई/30558/ 85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 3-11-1986

मोहन :

प्रस्तुप लाइ. टी. एन. एस.-----

(1) श्री अजय मोहन।

(अन्तरक)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व के अधीन सूचना

(2) मेसर्स अमरतारा लेस्टिक्स लि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
काँग्रेसोंहाया करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर, 1986

निवेश सं० आई-3/37ई/30557/ 85- 86-- अतः
मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25 प्रतिशत आफ द परमीसीबल डिवलपमेंट,
आन लैण्ड, इन रेवेन्यू विलेज, पवर्ह चौक तीरंदाज तालुका
कुला, बम्बई में स्थित है (और इससे उपान द्वारा अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 का के अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-86
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पूर्व प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
निवेश के अधीन कर दने के अंतरक के वायिक्य मा-
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा फे लिए;
और/या

(ख) छेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाले अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने भे सुविधा
के सिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाले गे समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तिस द्वारा अधेत्साक्षरी के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

25 प्रतिशत आफ द परमीसीबल डिवलपमेंट आन वि-
लेज, इन रेवेन्यू विलेज, विलेज, पवर्ह तीरंदाज, तालुका,
कुला, बम्बई।

अनुसूची जैसा कि ऋम ० सं० आई-3/37ई/30557/ 86
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः द्वय, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, या, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

तारीख : 3-11-1986
मोहर :

प्रधन वाहौ.टी.एव.एच.-----

(1) इण्डिया कार्क मिल्स लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्स पवर्स हाउसिंग इवलपमेंट्स प्रा० लि०।

(अस्तरीती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजनन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 29 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० अई-3/37ई/30556/ 85- 85— अतः
मुझे, ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० लैण्डस एट रेवेन्यू विलेज, पवर्स और तीरंदाज,
तालुका कुरुक्षेत्र, पवर्स लेक बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और डिसका कागजानामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का अधीन,
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।
तारीख 3-3-1986

माँ पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवृक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरीती (अन्तरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
यात्रा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम की वापर कर इन्हें के अन्तरक के
दायित्व में वर्णी करने वा उसके बचाने में सुविधा
दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब वा किसी भन या अन्य आदित्यों
का जिन्हें भारतीय बाय-बर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरीती इवारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, जिसमें वे सुविधा
हैं जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त बम्बई के उचित
कार्यालय भ्रूक करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव एवं

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लैण्डस एट रेवेन्यू विलेज, पवर्स, और तीरंदाज, तालुका
कुरुक्षेत्र पवर्स, लेक, बम्बई

अनुसूची जैसा कि क्र. वं० अई-3/37ई/30556/ 85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजनन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 29-10-1986

मोहर :

ब्रह्म शाह^१, दी. पूर्ण एस.

(1) अमरतारा प्लास्टिक लि. ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
भारा 269-व (1) की वधीन दृष्टि

(2) मेसर्सं पवर्स हाउसिंग डिवलपमेंट प्रा० लि. ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड ज-3, बम्बई
बम्बई, विनांक 29 प्रक्तुबर, 1986

निदेश सं० अई-3/37ई/30555/85- 86-- अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके अनुसार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त हमरीत के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थावर प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त हमरीत का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थावर प्रतिफल तैयार करने के अधिकारी के अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

(क) अन्तरण से हूँ इ^२ किसी भाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के साथसे से कमी करने वा उससे कमने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी भाय या किसी भन या बाय वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वा प्रबोधनार्थ अस्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया वाय वा किसी भाय वायित वा जिसने वे व्युत्पाद के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को वह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के बाय कार्यालयों करता हूँ।

उक्त हमरीत के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वधीन वा उसम्बन्धी व्यक्तियों वा सूचना की तारीख से 30 दिन की वधीन, जो भी वधीन वाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

द प्रमोशनल राइट्स ओवर 25 प्रतिशत आफ द परमी-सीबल कन्स्ट्रक्शन आफ द लैण्डस एट पवर्स और तीरान्दाज बम्बई-76।

अनुसूची जसा कि क्र० सं० अई-3/37ई/30555/85- 86, और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 3-3-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड ज-3, बम्बई

तारीख : 29-10-1986
मोहर :

प्रलूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज - 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर, 1986

निदेश सं० आई-3/37ई/30551/ 85- 86-- ग्रतः

मझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाह संपत्ति करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सब-प्लाट नं. 5-ए, ले-आउट आफ प्रिय-
लोड को-ग्राम० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 90 मलंड, घाटकोपर,
लिंग रोड, भांडूप (पूर्व), बम्बई-78 में स्थित है और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिसका
करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-कुछ के
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मैंके यह विवाह संपत्ति का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एस० दस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स लोक प्रिय हाउसिंग डिवलपमेंट्स प्रा० लि०।

(प्रत्तरक)

(2) श्री श्रीकांत एस० सूर्यवंशी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सब-प्लाट नं० 5-ए, ले-आउट आफ प्रियलोक को-ग्राम० हाउसिंग सोसाइटी लि०, मलंड घाटकोपर लिंग रोड, भांडूप (पूर्व), बम्बई-78

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ई/30551/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज - 3, बम्बई

तारीख : 3-11-1986

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा
२६९-घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-३, बम्बई

बम्बई, दिनांक ३ नवम्बर, १९८६

निर्देश सं० आई-३/३७ई/३०५५०/ ८५-८६—अतः

मझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
१,००,०००/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सब-प्लाट नं० १२-ए, और बी, दि.ले आॅउट,
आफ लोकप्रिय को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लिं०, आफ
१०, मुलंड, घाटकोपर लिंक रोड, भाडप, बम्बई-७८ में स्थित
है (और इसमें उपाध्यक्ष अन सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, १९६१ की धारा
२६९ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है। तारीख ३-३-१९८६

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरत की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एंसे इस्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्रौं) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कियी करमे या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा २६९-घ की उपधारा (१)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(१) मेसर्स नोह प्रिय हाउसिंग डिव्हलपमेंट्स प्रा० लि०
(अन्तरक)

(२) श्री दत्तानन्द नारायण हड्डले और अन्य।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सब-प्लाट नं० २४- और बी दि.ले आउट आफ लोकप्रिय
को०-आप० हाउसिंग सोसाइटी लिं०, आफ १० मुलंड घाटकोपर
लिंक रोड, भांडप (पूर्व), बम्बई ७८।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई ३/३७ई/३०५५०/८५-८६
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक ३-३-१९८६ को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज -३, बम्बई

तारीख ३-११-१९८६

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर, 1986

निवेश सं० आई 3/37ई/30549/ 85- 86— अतः
मझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं०सद प्लाट नं० 11-ए, दि ले-आउट आफ लोक-
प्रिय को०-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, आफ 90, मुलांड,
घाटकोपर, लिंक रोड, भांडूप (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और
इसे उपांबद्ध अनंतुची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जैसा
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कथ के
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्र्ड है
तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंदरा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे उन्तरण के लिए हय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बातें, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तर्में के दायित्व
में कसी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर)
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) भेसर्म लोकप्रिय हाउसिंग डिवलपमेंट, प्रा० लि०।
(अन्तरक)

(2) श्री वासुदेव नागायण कनेजे और अन्य।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनंतुची

संध-प्लाट नं० 11ए, दि ले आउट आफ लोकप्रिय को०-आप०
हाउसिंग सोसाइटी लि०, आफ 90 भुलांड, घाटकोपर लिंक रोड,
भांडूप (पूर्व), बम्बई।

अनंतुची जैसा कि अ० सं० आई-3/37ई/30549 85- 86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड फ़िया मया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 3-11-1986

माहूर :

प्रस्तुप बाईर्स टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर, 1986

निवेश सं० अई-3/37ईई/30548/ 85- 86— अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसका सं० सदृश्लाल नं० 11-बी, लेश्वार आफ लोकप्रिय
को० आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, आक-90, घाटकोपर,
मुंबई, निम्नरोड, भांडूप (पूर्व), बम्बई-78 में स्थित है (और
इससे उपावग्न अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए उच्च तथा निम्न
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वर्तने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; अ०/या

(घ) ऐसी किसी आय था किसी भग या अन्य आस्तीनी
की जिन्हें, सार्वीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का [1] वा उक्त अधिनियम, वा उक्त
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
कानूनी विवरण वहीं दिया गया था कि इस
बाना आहए था, उच्चान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स लोकप्रिय हाउसिंग सोसाइटी डिवलपमेंट प्रा०
निमिटेड (अन्तरक)
(2) श्री अनन्त सखाराम धाम।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके दृव्यांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया शुल्क करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इम नूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पाल
प्रिवित में किए जा नकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सदृश्लाल नं० 11-बी, लेश्वार आफ लोकप्रिय को०-आप०
हाउसिंग सोसाइटी लि०, आफ 90, घाटकोपर मुंबई लिंक रोड,
भांडूप (प), बम्बई-78।

अनुसूची जैसा कि क्र० म० अई-3/37ईई/30548/ 85- 86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को
रि० ३८८८ द्वारा दिया गया है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज ज-3, बम्बई

तारीख : 3-11-1986

मोहर :

द्रष्टव्य. बाहु. टी. एन. एस. 1961
भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-वा (1) के अधीन दृष्टव्य

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक भावकर भाष्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर 1986

निर्देश सं० अई-3/37ई/30547/85-86—अतः
मुझे ए० प्रसाद,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्हें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विकास उचित भावार मन्त्र 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० "सब प्लाट नं० 13/14 लेआउट आफ लोकप्रिय को. आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, आफ 90, घाटेकोपर मुलुंड लिंक रोड, भाडूबू (पूर्व) बम्बई-78 में स्थित है और (इससे उपावदूत अनुसुची में 'ओर पूर्ण रूप से वर्णित है'), और जिसका करारनामा" आवकर अधिनियम 1961 की भारा 269 के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

को पूरोक्त सम्पत्ति के उचित भावार बम्बई से कम की अवधार प्रतिकल के सिए बंतरित की जाए है और उसके यह विश्वास करने हरने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित भावार बम्बई, उसके अवधार प्रतिकल है, एसे अवधार प्रतिकल का ऐसा प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (बंतरक) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथा पावा वा ग्रीष्मक, विमलिनिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित वा अवधारिक रूप से कठित नहीं किया जाया है।—

(क) अन्तरण से हटा किसी वाय द्वारा उक्त अधिनियम की वर्तीन कार वर्ते के अन्तरक के द्वारित वा क्षमी कारण वा उक्त वर्ते ने द्वारित वा किए वा द्वारा

(ख) एसी किसी वाय वा किसी वर्त या वर्त अधिकारों को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा वर्त-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरीती भावार प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए वा कियाने में संविधा वा किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के अनुसरण में, जौ भवल अधिनियम की भारा 269-वा की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12-386 GT/86

(1) मेसर्स लोकप्रिय हाउसिंग डेमहलमेट प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) सुरजीत सेन गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लायवाहियां करता हूँ।

उच्च सम्पत्ति के वर्तन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तममध्यमी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो यह अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों वा हें किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त अवधि वाले में हित-विप्रभ किसी वर्त व्यक्ति द्वारा वर्तोहस्तानी वा पाव विचित्र में किए वा सकेंगे।

लक्षणीयता:—इसके प्रयुक्त हम्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, वा अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही वर्त होंगा, जो उक्त अवधि में दिया जाया है।

अन्तर्वार्ता

सब प्लाट नं० 13/14 लेआउट आफ लोकप्रिय को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, आफ 90, घाटेकोपर मुलुंड लिंक रोड, भाडूप (पूर्व), बम्बई-78। अनुसुची जैसा की क्र० सं० अई-2/37ई/30547/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आवकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 3-11-1986
मोहर:

प्रस्तुत वाहौ. टी. एव. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर 1986

निर्देश सं० आई-3/37ई/30546/85-86—अतः
मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
मैंने के पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
एवं हृति निम्नावलि सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सब प्लाट नं० 10 लेआउट आफ लोक
प्रिय को० आ० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड आफ 80,
घाट कोपर मुनुड निक रोड, भाडा (पूर्व) बम्बई-78,
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसकी करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986
को ५वीं अधिनियम के उचित बाजार मूल्य में कम के अधिमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके अधिमान प्रतिफल से, ऐसे अधिमान प्रतिफल का
पूर्व ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरोंतरी
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे बहुत अंतर के लिए तब पाता जाया जाता है।
जब अन्तरीतियों वहाँ वहाँ से अंतर अन्तरक विकल्प में वालाकिय
एवं अंतरीत नहीं किया जाया है ॥

(ल) अन्तरक वहाँ वहाँ किसी वाय की बाबत, अन्तर
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दावित में कमी करने वा उससे उचित नहीं सुनिय
के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा
प्रबन्ध अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाय था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
दीवाहा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, बनस्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स लोकप्रिय हाउसिंग डेवलपमेंट प्रायवेट
लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री दलीप कुमार सरकार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करने पूर्वावधि वर्तमान के वर्तमान के लिए
कार्यवाहीहोंगा शुरू करता है ।

उच्च सम्पत्ति के वर्तमान के वर्तमान वारी वाले वाले—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरां व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, और
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्ण
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गत
निवित में किए जा सकते ।

स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त वार्ड वार्ड प्लाट, वा उच्च
अधिनियम के अध्याय 20-क में पौराणिक
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
जाय है ।

अनुसूची

सब प्लाट नं० 10, लेआउट आफ लोकप्रिय हाउसिंग
सोसायटी लिमिटेड, आफ 90 घाटकोपर मुलूंड लिंक रोड,
भाडा (पूर्व), बम्बई-78 ।

अनुसूची जैसा की को सं० आई-2/37ई/30546/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 3-11-1986

मोहर:

प्रकाश बाहुदीपन एस.

(1) सरल हस्तरायसेस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती दयावती देवी सरोजी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियंत्रण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29-10-1986

निर्देश सं० अर्ई-3/37ई/30579/85-86—अतः
मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 303, 3 री मंजिल,
सुन्दरम विंग, सत्यम शिवम सुन्दरम, विलिंग, एम० जी०
रोड, धाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77, में स्थित है (और
इससे उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1981 की धारा
269 क, ख, के अधीन हिथरत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अव्याप्त
प्रतिफल से, ऐसे अव्याप्त प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की थित
महो किया गया है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी वाक्येण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी
अंकित बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
विद्ध किसी व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करी करने या उससे बचाने में सुधिधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिधा
के लिए;

फ्लैट नं० 303, 3 रा माला, सुन्दरम विंग, सत्यम
शिवम सुन्दरम विलिंग, एम० जी० रोड, धाटकोपर
(पूर्व), बम्बई-77।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अर्ई-3/37ई/30579/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (नियंत्रण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 29-10-1986

मोहर :

अतः गब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई.टी.एन.एल.-----

(1) सरल इन्टरप्रेयर्सेस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
269-प्र(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जया लक्ष्मी एम. मेहता और अन्य।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर बाबूलल (निरिक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1986

निर्देश सं. अई-3/37ई/30581/85-86—अतः:

मुझे ए. प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
तस्के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फलैट नं. 1, मेझ फलोयर, शिवम विंग,
सत्यम शिवम सुन्दरम बिल्डिंग, एम० जी० रोड धाटकोपर
(पूर्व), बम्बई-77, में स्थित है। (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 का, या,
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजीस्ट्री है तारीख 3-3-1986

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अस्यमान प्रतिफल से, ऐसे अस्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपलेख से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ॥—

कां यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध या अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के
पास लिहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

बम्बई

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक की
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा
पाया किया जाता जारीए था, जिसने उसे सुविधा
दी थी;

फलैट नं. 1, मेझ फलोयर, शिवम विंग, सत्यम शिवम
सुन्दरम बिल्डिंग, एम० जी० रोड, धाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77।

अनुसूची जैसा की क्र० सं. अई-3/37ई/30581/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजोस्टर्ड किया गया है।

ए. प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 29-10-1986

माहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकाश कार्ड, टी. एन. एस. -----

(1) सरल इन्टरप्रेयर्स

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प्र (1) को अधीन सूचना

(2) श्रीमती शशाम मरोजी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरुद्धाक्रम)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० अर्ह-2/37ई/30580/85-86—अतः

मुझे ए० प्रसाद में

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 302, 3 रा माला मुन्दरम
विंग, सत्यम शिवम सुन्दरम बिल्डिंग, एम० जी० रोड,
धाटकोपर (पूर्व) बम्बई-७७, में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा बायकर अधिनियम 1961 की धारा 269
क, घ, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से एसे छयमान प्रतिफल का
पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती
(बंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥—

(ए) अन्तरण से हैर्स किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वै
दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सहायता
के लिए और/या

(इ) एसे किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1)
में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वापाँ १—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की दाखिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के सम्बन्धित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों अंदर पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 302, 3रा माला, मुन्दरम विंग, सत्यम
शिवम सुन्दरम बिल्डिंग, एम० जी० रोड, धाटकोपर (पूर्व)
बम्बई-७७।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अर्ह-3/37ई/30580/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजोस्टड़ किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक बायकर बायकर (निरिक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 29-10-1986
मोहर:

प्रस्तुति आई. टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती आरती ओम श्राव व्यास
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना(2) श्री वंसतराव जी शाह।
(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० अई-3/37ई/30589/85-86—ग्रतः

मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सै० जमीन का हिस्सा, एस० नं० 259, एच० नं० 2 सी० टी० एस० नं० 365, रेवेन्यू एस० नं० 258, एस० नं० 2, रेवेन्यू एस० नं० 76, एच० नं० 3, रेवेन्यू एस० नं० 76, एच० नं० 11, एस० नं० 259, एच० नं० 3, विलेज मानी, मालाड में स्थित है (और इससे उपांगव्यवस्था अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-3-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे उत्तरण के लिए तथा पाठ्य गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चवेद्य से उक्त उत्तरण निम्नलिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दार्यात्मक में कभी करने या उससे बचते में सूचिता के लिए; और/मा

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिता के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एक्षेकरण :—इसमें प्रत्यक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा बेरिंग नं० विलेज
जमीन का हिस्सा बेरिंग नं० विलेज

जमीन का हिस्सा	बेरिंग नं०	विलेज
1. रेवेन्यू एस० नं० 259 हिस्सा नं० 2,	सिटी सर्वे नं० 365	मालवनी, बम्बई
2. रेवेन्यू एस० नं० 258, एच० नं० 2,	सिटी नं० 335	
3. रेवेन्यू एस० नं० 76, एच० नं० 3,	सिटी एस० नं० 32	
4. रेवेन्यू एस० नं० 76, एच० नं० 11,	सिटी एस० नं० 368	
5. रेवेन्यू एस० नं० 259, एच० नं० 3,	सिटी एस० नं० 370	

अनुसूची जैसा की श० सं० अई-3/37ई/30589/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 29-10-1986

मोहर :

प्रस्तुत वाइ.टॉ.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 अक्टूबर 1986

निवेश सं० अई-3/37ई/29538/85-86—अतः

मुझे मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 10, 11, और 12 और
हाउस, पहला, दूसरा तीसरा पटेल काम्पलेक्स, सफ पूल,
कुर्ला, (पश्चिमी) बम्बई-70, में स्थित है और इससे
उपाध्य अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका
करारानामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के
अधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई रजिस्ट्री
है तारीख 3-3-1986

को पूर्णकाल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि वापर्दौक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिवर्त रो अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ यादा गया प्रति-
क्ल निम्नलिखित उत्पत्तेम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित रही किया गया है ॥—

(1) मेसर्स पटेल काम्पलेक्स।

(अन्तरक)

(2) इब्राहिम अदव पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के सम्बन्ध में कोई भी वापरेषः—

(क) इह सूचना के उक्तपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन की अवधि या तस्वीरम्भी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
वारी बाद में उम्मत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों वे दोनों व्यक्तियों पर लगती है।

लिखित इस सूचना के उक्तपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन की अवधि उक्त स्वायत्र उम्मति के हितवृद्ध
लिखी बन्द अवधि द्वारा उपोहस्ताकारी के पास
शिक्षण के लिए दो बड़े दोषः—

प्रतीकरणः—इसके उपर्युक्त दो दोषोऽस्य, एवं उपर्युक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं—
एही अंत होय पर उक्त अध्याय में दिया गया है।

बन्दसूची

शाप नं० 10, 11, 12, और गेस्ट हाउस पहला,
दूसरा, तीसरा, पटेल काम्पलेक्स में सेफ पूल, कुर्ला (पश्चिमी)
बम्बई-70 ।

अनुभूची जैसा की क्र० सं० अई-3/37ई/29538/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 24-10-1986

मोहरः

अन्त उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

प्रकाश वाहौ टी.एन.एम.

(1) अरुणा बिलडर्स।

(अन्तर्स्क)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सचना

(2) कें. कें. पटेल पण्डि सन्मा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 अक्टूबर 1986

निर्देश सं. अई-3/37ई/29608/85-86—अतः
मूले ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिवे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1.00,000/- रु. है अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, भाड़ोरी के साथ,
रेस्वात बाल, जंकशन आफ आमे आमा रोड, जिवदया,
लेन, घाटकोपर (पश्चिमी) बम्बई-77, में स्थित है
और इसमें उपावक्त्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
(और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा
1961 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986
को पर्वत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधारण
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमि वह विवास
करने का कारण है कि यथापर्वत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अवधारण प्रतिफल से, एवं अवधारण प्रतिफल का
एन्ड प्रतिक्रिया से अधिक है और अस्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिती
(अंतरीतियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
क्रिया, निम्नलिखित उचित व्यक्त वकारण सिद्धि में वास्तविक
मूल्य से कमित नहीं किया जाया है ॥

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी वापर ॥

(क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधिक बाय में समाप्त होती हो, वे भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;

(ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध
किसी अधिक बाय वा अधिकारी के पाल
सिद्धि में किए जा सकें।

लाप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों जैर पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में वरिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है॥

अनुसूची

(क) अस्तरण से है अक्सी की आय की आवृत्त, उक्त
व्यक्तिवाल और व्यवसाय कर देने के अन्तरक वे
व्यक्तिय जो कमी करने वा उक्त व्यवसाय में व्यक्तिया
के लिए; और/या

(ख) एवं व्यक्ती की आय का विस्तीर्ण या अन्य आवृत्तों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
वे व्यक्तिवाल अन्तरिती इवाह प्रकट नहीं किया
जाना वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
संविधा के लिए;

जमीन का हिस्सा, भाड़ोरी के साथ, रेस्मा बाला बाल
जंकशन आफ आमा रोड, जिवदया लेन, घाटकोपरिया
(पश्चिमी), बम्बई-77 ।

अनुसूची जैसा की श० सं. अई-3/37ई/29608/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख : 24-10-86

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

प्राकृत आई.टी.एन.एस.

(१) श्री बो० सी० याजनिक ।

(प्रत्यारक)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग
269-प (1) के वभीन व्यवसा

(2) मैसर्स कम्पल इंजिनिंग लक्स !

(प्रत्यारिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ਅੰਜਨ ਰੇਂਜ-3, ਬਸ਼ਹਿੰਦਾ

बम्बई, दिनांक 24 अक्टूबर 1986

निदेश सं० आई०-३/३७ ईई०/ ८५-८६—अस०

मुमो, ए० प्रसाद

उत्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें उत्तर के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है). यह वार्षिक 269-से के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० माला नं० 1, ग्राउन्ड फ्लोर, साईबाबा प्रिमिसेस को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, कोटकर रोड गोरेंगांव (पुर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-2-1986

3-3-1888

का पूर्वानुकूल सम्प्राप्ति के उत्तराधिकारी बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया को लिए अंतरिक्ष की गई है और यही वह विवरण करने का कारण है कि यथापूर्वानुकूल सम्प्राप्ति का उत्तराधिकारी बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का अन्तरिक्ष प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अंतरकर्ता) और अंतरिक्षीय (अंतरिक्षिका) के बीच ऐसे अन्तररेख के लिए उब आया जवा प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्दरेख से उक्त अन्तररेख विचित्र हैं।

वारे वह दृष्टि आरो छरले एकौकल समीक्षा के बर्बर थे शिल्
कार्यशास्त्राध्यांशु शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सुविधा के राष्ट्रपति भूमि प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि का उत्तरांशी व्यक्तियों द्वारा सुविधा की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले भूमि प्रकाशन होती है, के भीतर प्रकाशन व्यक्तियों द्वारा से किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के बीतर उपलब्ध स्थावर सम्पत्ति के हितव्यवस्था किसी बन्द व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पूर्णकरणः—इसमें प्रधान वस्तु और पदों का, जो उच्च
वैज्ञानिक के अध्यात् 20-के परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
पढ़ा दूँ।

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बावजूद, उसका अधिकारियम को अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्टव्य में कहीं लाभ या लालचे वर्ष विवरण दिया जाए।

मनसूची

गाला नं० 1, ग्राउन्ड फ्लोर, साईंबाबा प्रिमिसेस को०
आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, कोटकर रोड, गोरेगांव
पूर्व, बम्बई ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं ० आई०-३/३७ ई०/२९९२७
 ८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
 ३-३-१९८६ को रजिस्टर्ड किया गया है ।

(क) ऐसी किसी आय मा किसी भन या अन्य आस्तियाँ
एवं, 'चिन्ह' भारतीय बाबकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय
हमन्तरिती इवाच प्रकट नहों भिन्न एवं वा
किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

असः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्हतः —

13—386 GI/86

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 24-10-1986

मौखिक :

प्ररूप, आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एकबाथ ए० भोईर।

(अन्तरक)

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) मैसर्स विकास बिल्डर्स।

(अन्तरिती)

भाग 269-प (1) के अधीन सूचना

आवकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आवकर अधिकार (प्रिवेट)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 अक्टूबर 1986

निदेश सं० आई०-३/३७ ई०/३०२१५/८५-८६—अतः

मुझे, ए० प्रसाद

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन बेअरिंग एस० नं० 75 (पी),
सी० टी० एस० नं० 712 (पी), विलेज मुलुंड (पूर्व),
स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका करारनामा आवकर अधिनियम 1961
की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कायलिय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गयी है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथावौक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया जाया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधेप्र.

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय अधिकारी
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से
सुविधा के लिए;

जमीन बेअरिंग एस० नं० 75 (पी), टी० पी० एस०
नं० 712 (पी), विरेज मुलुंड (पूर्व), बम्बई।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-३/३७ ई०/३०२१५/
85-86 और जोप्रकार प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आवकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जने रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 24-10-1986

मोहर :

श्रीमत शाहौदी, डी.एस.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (विरोधित)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 अक्टूबर 1986

निवेदन सं० आई०-3/37 ई०/30216/85-86—अतः
मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा एस० नं० 75(पी),
सी० टी० एस० नं० 712 (पी), विलेज मुलुंड मुलुंड (पूर्व)
बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त
प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने
करने का कारण है कि अधिवृत्ति विवरण संपर्क का उचित बाजार
मूल्य, उसके अव्याप्त प्रतिफल से, एस० अव्याप्त प्रतिफल का
प्रभाव प्रतिशत से अधिक है और बंतरुक (बंतरको) और बंतरिती
(बंतरितायों) के बीच एक बंतरुक के लिए तथ यामा या प्रति-
कम विमलितिवर उत्तरेष्य से उक्त बंतरुक विवित में वास्तविक
मूल्य से कमित नहीं किया जा सकता है इन्हें

(क) उक्त बंतरुक के लिए जाव की बाबत, उक्त
अधिनियम की वजौव कर देने के अन्तरक व
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसीं धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त बंतरुक की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षण

(1) श्री एकनाथ ए० भोईर और अन्य।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स विकास विल्सन।

(अन्तरित)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन जे लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैन जे संबंध वे कोई भी वालों पे—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा उत्तममध्यी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों वे दिए व्यक्तियों द्वाया;

(ख) इस दृचना के राजपत्र वे उक्त बंतरुक की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम द्वे अध्याय 20-के में विवरित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा न० एस० नं०कु 75 (पी), सी० टी०
एस० नं० 712 (पी), विलेज मुलुंड, मुलुंड (पूर्व) बम्बई।

अनुसूची जैसा की श्र० सं० आई०-3/37ई०/30216/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजोस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रगाढ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निःक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 24-10-1986

मोहर :

राजपत्र वार्ता, दीन, शूल, प्रश्न

(1) मेसर्स माला फाउण्डेशन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्स स्टिमलाइन्स विल्डर्स।

(अन्तरिती)

आयकर अधिकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 24-10-1986

निर्देश सं० प्रई-3/37ई/306 85-86—अतः

मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० जमीन का हिस्सा सी० टी० एउ० न०
5336, 5636, व्हिलेज को कल्या, कलिना, बम्बई-१८,
है और इससे उपाधूत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 196
की धारा 269 क, ख, के अधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजीस्टर्ड है तारीख 3-3-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच ऐसे व्यवरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
मूल्यशेष से उक्त व्यवरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित
महीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शांतिक से कमी करने या उससे बचने में सहित
हो जिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्यका
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
बाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना आयी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्बन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर
इच्छा की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
या है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा सी० टी० एस० न० 5636, व्हिलेज
कोले-कल्या, कलिना, बम्बई-१८।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० प्रई-3/37ई/30615/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 24-10-1986

मोहर:

प्रकल्प नं.टी.एव.एस. -----
बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) से अधीन सूचना

भारत सरकार

भारतीय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 24 अक्टूबर 1986

निवेश सं. अई-3/37ई/30625/85-86—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसका पदाकृत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1.00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ब गगलोब नं. ए-4, माडल टाउन,
और जिसकी सं. ब गगलोब नं. ए-4, माडल टाउन, मुलूड
(पश्चिम), बम्बई में स्थित है और इससे उपावह अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है
तारीख 3-3-1986

अं पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कर्मी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बदल अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरीक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
वे लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षत —

(1) श्री मनजीत सिंह सी० चावला और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री गुणवंत सी० सुतारिया और अन्य।

(अन्तरिती)

परं यह सूचना आठी उक्त पूर्वोंकत सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के बचन के संबंध में कोई भी आवेदन —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरभी अधिकतयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यष्टि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदब्दि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही वर्ध इतों वा उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसनी

बंगलो नं. ए-4, माडल टाउन, मुलूड (पश्चिम),
बम्बई।

अनुसूची जैसा की क्र० सं. अई-3/37ई/30625/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 24-10-1986

मोहर:

इन शब्दों टी. पट. एवं

बाबूर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
पात्र 269-ए (1) के बायक संबंधी

भारत सरकार

आयकर, सहायक आयकर वाक्यात् (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० अई-3/37ई/30741/85-86—ग्रन्तः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सह० शाप नं० 8, सुनिता स्वामी विवेकानन्द रोड, मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है (और इसके उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन स्थित सक्षम स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थिरान्तरितपात्र के लिए अन्तरित की गई है और मृठे वह विश्वास करने का कारण है कि व्यापार्क्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उभयं दरकार दरवाजान प्रतिफल से, ऐसे स्थिरान्तरितपात्र का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए हथ पाया गया अंतिफल विविधिकारी उद्देश्य से उक्त व्यवस्था जिवित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हाउ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के स्थिरान्तरितपात्र से कमी करने वा उससे बढ़ने से दूषित के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वासियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, बा यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा शक्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में दूषित के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स अलिभाई प्रेमजी टायरवाला एण्ड कंपनी।
(अन्तरक)

(2) मेसर्स ए० टी० टोटलानी एण्ड आय० सी० बखार।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करने पर्याप्त संपत्ति के ग्रन्ति के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त समीक्षा वी बायकर द्वारा देखने में होइ पी भालेह—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा नहमांधी व्यक्तियों पर उक्त सूचना की ताबीस से 30 दिन की बाबीच द्वारा भी उक्त वाय द्वारा सम्पत्ति होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवाहक किसी वाय व्यक्ति द्वारा, व्याहस्तावरी के पाल विविद में किए जा सकें।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रवृत्ति, सम्बोधी और पदों का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्देश्वरी

शाप नं० 8, "सुनिता" स्वामी विवेकानंद रोड, मालाड (पश्चिम) बम्बई-64।

अनुसूची जैसा की श्र० सं० अई-3/37ई/30741/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 24-10-1986

मोहर:

अधिकारी का दावा दी पुनरुत्थान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिकारी

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 अक्टूबर 1986

निर्वेश सं० अई-3/37ई/30791/85-86—ग्रन्तः

मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवर इसके अधीन 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 68, सिटी सर्वे नं० 648, पुरा प्रिमायसेस 1 से माप, सरस्वती, भवन, एस० क्ली रोड मालाड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावाह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

जैव पूर्णका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिक अतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूके यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अधीन प्रतिफल से, एवं उचित अतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और (अंतरीतयों) के बीच एवं अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त सम्पुर्ण निरीक्षण में वास्तविक मूल्य से कमित नहीं किया जाता है—

(ए) अन्तरण के दौरे फिल्मी बाय की आयकर, सक्षम अधिनियम के अधीन कर दौरे के अन्तरक के अधिकारी के कमी करने से उक्त अंतरण में दूरिया ले लिया जाए।

(घ) ऐसी किसी बाय या किसी भन वा अन्य आस्तकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्वारा प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में दूरिया ले लिया।

ग्रन्तः दृष्टि, उक्त अधिनियम, की भारा 269-प की अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स भारत विल्डर्स।

(प्रन्तरक)

(2) रसिकलाल बी० डोडिया।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्द्वारा विवास कार्यवाहियों करता है।

अन्तरक सम्पत्ति के अंतर्द्वारा विवास में लाभें भी बाजेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों द्वारा से किसी व्यक्ति द्वारा द्वायाय;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनदृश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा दखेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही वर्ष होगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 68, सिटी सर्वे नं० 648, पुरा प्रिमायसेस 1 से माप, सरस्वती भवन, एस० क्ली० रोड, मालाड, बम्बई।

अनुसूची जैसा की क० सं० अई-3/37ई/30791/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 24-10-1986

मोहर :

प्रकृष्ट बाई, टॉ. एन. एस. ——————

(1) मैसर्स आवर्ष दुग्धालय प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

शाश्वत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
भारा 269-ए (1) के अधीन दृष्टि

(2) मैसर्स बी० जे० डेव्हलमेंट कार्पोरेशन।

(अन्तरिती)

कार्यालय

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० अई-3/37ई/30815/85-86—अतः

मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, स्ट्रक्चर के साथ,
गोपूर आफ माझे रोड, मालाड (पश्चिम) बम्बई सी०
टी० एस० नं० 69 ए 69 ए/1 69ए/3, 70 पीटी)
73 और 76 (पीटी) विलेज बलवल, ताहका लेखिकी
सी टी० एस० 45 विलेख नं० में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम की भारा 269 क, या
के अधिन स्थित बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्टर्ड है तारीख 3-3-1986

को पूर्वोत्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अपनान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की जाई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अपनान प्रतिफल से, एक अपनान प्रतिफल से
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए यह
वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपलब्ध से उचित अनुसूच
तिलिखित में वास्तविक रूप से कीं गया है :—

(क) अन्तरण से हर किसी आय की वाया, उक्त
अधिनियम की अधीन वह देवे वे अन्तरक की
दायित्व में किसी करने वा उदावने देवने वे अधिका
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा
भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा वा किसी आया आहिए वा, जिसने में सौधित
के लिए;

वह अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को वह दृष्टि आदी करके पूर्वोत्तर संपत्ति के उचित कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के उचित में कोई भी वालों प—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसकांतरी अविक्तियों वर
दृष्टि की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाल में दूसरी होती है, के भीतर पूर्वोत्तर
व्यक्तियों ये हो किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अवधि वाल अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
प्रिविले ये किए जा सकते।

लाईकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाया वा, वा उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही वर्ष होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा, स्ट्रक्चर के साथ, गोपूर आफ
माझे रोड, मालाड (पश्चिम) बम्बई सी० टी० एस०
नं० 69 ए, 69 ए/1 (पीटी), ए69 ए/3, 70 (पीटी)
73 और 76 (पीटी), विलेज बलनाई, तालुका, जोखिली
सी० टी० एस० नं० 461 वलेज मलाड।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-3/37ई/30815/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 24-10-1986

मोहर :

प्रलेप आई. टी. एन. एस. ——

(1) मैं नवकेतन विल्डर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की
धारा 269-वा (1) के अधीन सूचना

(2) मैं हेम विल्डर्स ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 अक्टूबर 1986

निदेश सं. आई०-३/३७ ई०/२९८४७/८५-८६—अतः

मुझे, ए. प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और हजारी सं. प्लाट बेअरिंग एस० नं. 137, एस० नं. ४ (पी), सी० टी० एस० नं. 855 (पी), एल० टी० रोड, मुंबई (पूर्व), बम्बई-८१ में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 अक्षय के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-5-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में संविधा के लिए; और/था

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—386 GI/86

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीय करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होंगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट बेअरिंग एस० नं. 137, एस० नं. ४ (पी),
सी० टी० एस० नं. 855 (पी), एल० टी० रोड, मुंबई (पूर्व),
बम्बई-८१।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. आई०-३/३७ ई०/२९८४७/
८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए. प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 24-10-1986

भाष्टर :

प्रख्य बाई^१, छी^२, एस. पट^३

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन वृत्ति
वापर संघरण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 अक्टूबर 1986

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/30918/85-86—अतः
मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा एस० नं० 431, हिस्सा
नं० 2, विलेज माला 3, तालुका बोरीबली, मालाड, बम्बई
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986
को पूर्वोक्त सम्मानित के उचित बाजार मूल्य में वृत्त के लियमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पूर्फे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार
मूल्य, उसके लियमान प्रतिफल में, एस० लियमान प्रतिफल का
उचित प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अतरका) और अन्तरिती
अन्तरिती (प्रतिफल के बीच एवं अन्तरक के बीच वृत्त पाया गया प्रति-
क्षय विवरित उद्दरण से उक्त वृत्त वृत्तरक निर्धित पर्याप्तिक
के अन्तरित उद्दरण किया गया है ॥

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयुक्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय
में कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियाँ
को, जिन्हैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती वृत्तरा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

वृत्त वृत्त, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, विमुक्तिविहित व्यक्तियों, वर्षा ॥

(1) श्री जसवन्त दामोदर केनी ।

(अन्तरक)

(2) मैं एवहान इन्टरप्राइसेस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कहें भी जाकरे —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर इस
नद्धर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बधाय 20-क म परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस बधाय में दिया
गया है।

कृपया

जमीन का हिस्सा, एस० नं० 431, हिस्सा नं० 2,
विलेज मालाड तालुका बोरीबली, मालाड, बम्बई

अनुमूली जैसा कि ऋम सं० आई०-3/37 ईई०/30918/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 24-10-1986

मोहर :

उक्त वाई.टी.एन.एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 24 अक्टूबर 1986

निवेश सं० आई०-3/37 ईई०/31175/85-86—अतः
मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट बेग्रिंग नं० एस० नं० 44, एच०
नं० 1, सर्वे नं० 79, हिस्सा नं० 6, एस० नं० 81, हिस्सा
नं० 4, 6, 7, और बेग्रिंग सी० टी० एस० नं० 307,
308, 324, 325, 328, एस० वार्ड विलेज, बम्बई-79
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
रातफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि इसपर अन्तरित का अन्तर बाजार मूल्य,
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की, बाजार, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/गा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को चिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः आ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उच्चभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधर्ता :—

(1) श्रीमती नर्मदा एस० बत्यदार और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री साई बाथ बिल्डिंग कारपोरेशन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में छिपाई
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्राप्तस्थापनी के पाच
सिलिंग में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के व्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस व्याय में दिया
या है :

अनुसूची

प्लाट बेग्रिंग नं० एस० नं० 44, एच० नं० 1, सर्वे
नं० 79, हिस्सा नं० 6, एस० नं० 81, हिस्सा नं० 4, 6,
7 और बेग्रिंग सी० टी० एस० नं० 307, 308, 324,
328, एस० वार्ड भवेष्य पिलेज, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/31175/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 24-10-1986

मोहर :

प्रस्तुत काइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अञ्जन रोज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 24 अक्टूबर 1986

निदेश सं. आई०-3/37 ई०/311/79/85-86—अतः
मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'दक्ष अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा बेग्राहित सी० टी० सी०
नं० 644/4, सी० टी० सर्वे नं० नाहर रोड, मुंबई में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

इसे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम होने व्यवहार
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्मान प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)
और अत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) उक्त अन्तरण से हर किसी आव वापर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आव या किसी धन या अन्य बास्तवों
को, जिन्हे भारतीय बाबकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने व
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधोतः ८—

(1) मैं भास्कर वारिश घन्द्र ठाकर।

(अन्तरक)

(2) मैं दिप्ति डेवलपलर्स।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना आपौ करुण पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के निष्ठ
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के उचित में कोई भी वापर ८—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव सूचना प्राप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृप्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बाहोहस्ताक्षरी के पाद
निवारण में किये थे रहकें।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
द्या है।

बम्बई

जमीन का हिस्सा, बेग्राहित सी० टी० एस० नं०
644/4, सी० टी० सर्वे नाहर मुंबई।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ई०/31179/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-
1986, को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अञ्जन रोज-3, बम्बई

तारीख : 24-10-1986

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती कामेन जोस लिनदारे ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा)
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री हैरिस भीन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1986

निदेश सं० आई०-३/३७ ई०/३०३५६/८५-८६—अतः

मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 453 (पी), और 454 ग्राउन्ड फ्लोर, 14वां रास्ता, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा क ३ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित धास्तात्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आक्षण्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वादश में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्रूष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 453, (पी), और 454 ग्राउन्ड फ्लोर, 14वां रास्ता चेंबूर, बम्बई-71।

अनुसूची जैमा कि क्रम सं० आई०-३/३७ ई०/३०३५६/८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 29-10-1986
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री चम्पक साल एम० शाह।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री शरद जे० शाह और अन्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1986

निदेश सं० आई०-३/३७ ई०/३०३५१/८५-८६—अतः
मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 501, 5वां माला, नीलकण्ठ निकेतन
करानी लेन, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-८६ में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अंगित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
रजिस्टर है नारीख 3-3-1986

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, ये अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 501, 5वां माला, नीलकण्ठ निकेतन, करानी
लेन, घाटकोपर (पश्चिम) बम्बई-८५।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-३/३७ ई०/३०३५१/
८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर किया गया है।

ए० प्रसाद
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 29-10-1986

गोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री ईश्वर लाल नारन जी शाह।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री महेन्द्र डी० गांधी और अन्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार
शास्त्रालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर 1986

निदेश सं० आई०-3/37 ईई०/30181/85-86—ग्रतः
मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर हुजूजसकी सं० प्लाट नं० 149/150/151 टी० पी० एस०
नं० 3, घाटकोपर बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रत्यक्ष सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
रुद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त बन्दरगाँह विश्वास
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना आगे करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कोई भी आकर्षणीय विकल्प नहीं

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्से-
दर्दह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित विवरण
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अंतरण सं हृ० किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के शंखरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें वर्धन में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्लाट नं० 149, 150 151 टी० पी० एस० नं० 3,
घाटकोपर, बम्बई-77 ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3/37 ईई०/30181/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 3-11-1986
मोहर

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैं प्रतीक बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पासकोल डानिमिक्स डिसोजा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर 1986

निदेश सं० आई०-३/३७ ईई०/३००८८/८५-८६—अन:

मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, 202 दूसरा माला,
सी० टी० ए० स० नं० 174 और 175 विलेज बलबई ओरलेन,
मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उसमें अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 201, 202, दूसरा माला, सी० टी० ए० स०
नं० 174 और 175, विलेज बलबई ओरलेन मालाड
बम्बई-64 ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-३/३७ ईई०/३००८८/
८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 3-11-1986

गोहर :

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाइकल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० अई-1/37ई/8490/ 86- 86— अतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० अफिस प्रिमायसेस नं० 507, 5वां माला,
शारदा चैर्चसे, 15, न्यू मरीन लाइन्स, बम्बई-30 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से व) पिंत है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 के कारण के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है। तारीख 18-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल ये लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जटिलता से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित वास्तविक कारण से कठित नहीं किया गया है :—

(१) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कठी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(२) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वा उक्त अधिनियम, या
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनामे अन्तरिती द्वारा प्रकट रही किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—386 GI/86

(1) मेसर्सं कंजूमर्स सर्विस कारपोरेशन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति शीतल अरेनजा ।

(अन्तरिती)

(4) अन्तरिती) ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है) ।

को वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के बिष्ट
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव नहीं

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 1
45 दिन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी
व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 1
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पाद
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के बधाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस बधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफिस प्रिमायसेस नं० 507, 5-वां माला, शारदा चैर्चसे
15 न्यू मरीन लाइन्स, बम्बई-20

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ई/10259/ 85- 86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-3-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

प्रणय आहू डी.एन.एस. -----

(1) मोहम्मद घोम अहमद हुसेन और मोहम्मद कासिम
अहमद हुसेन।

(अल्परक)

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) कुमारी श्रनुपना वी० मराण।

(अल्परिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकार (निरीक्षण)

अर्जन नं. ज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर, 1986

अतः

निदेश नं० अई-1/37ई/8796/95-86—

मुझे, निमार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) चिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन गढ़म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसमें उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर अजिसकी मं. फ्लेट नं० 38ए, जो 3री मंजिल, गेरेज नं० 22,
जलदर्शन, 51, जगमोहनदाम मार्ग, (नेपियनसी रोड), बम्बई-36
में स्थित है (ओर इसमें उपाबंद अनुसूची में ओर पूर्णरूप में वर्णित
है), और जिसका कराराम आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 का अधीन, बम्बई स्थित मकान प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 28-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकां) और अंतरिती
(अन्तर्रारंतियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रदाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में संशाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति भू हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-के में परिभासित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सूचिभा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयाजार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छपाने में सूचिभा
के लिए;

फ्लेट नं० 38ए, जो 3री मंजिल, जलदर्शन, रेज नं० 22,
जगमोहनदाम मार्ग (नेपियनसी रोड), बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ० मं० अई-1/37ई/10156/ 85- 86
ओर जो मकान प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन नं. ज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986
मोहर :

अन: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

पत्र वाईटी पत्र एवं ऐलेक्ट्रोनिक्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं. अई-1/37ई/10568/ 85- 86— अतः

मूल्य, निसार अहमद,

आयकर ऑफिसियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें
इसके भूत्यात् 'उक्त ऑफिसियम' कहा गया है), की धारा
269 व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थापत्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 2, 2 रा माला, हाऊराजदे को-
आप० हाउलिंग मोगाइटी लि०, आर्थर बन्दर रोड, कोलावा, बम्बई-5 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 कानून के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
तृती (अंतर्तियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरेष्य से उक्त अंतरण निर्धित है
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) उत्तरेष्य से 'हाई' किसी बाद की बातु, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
बायोलू घो कमी करने या उससे उच्चरे घो विधा
के लिए; और आ

(ii) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य वास्तवियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वनक्तु अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने ये
दृष्टिपात्र के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) नयनतमरा शर्मा, रेनुता शर्मा।

(अन्तरक)

(2) नारायण टी राय।

(अन्तर्गती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोइ भी वाक्येष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में शब्दाधीन की तारीख से
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 2, 2चरा माला, शहाराजदे को-आप० हाउसिंग
मोगाइटी लि०, आर्थर रोड, कोलावा, बम्बई-5।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं. अई-1/36ई/10273/ 85- 86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्री माधव गोविंद देव और श्रीमति मंगलाबाई
माधवदेव।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सुशीला खिमजीभाई भूपतकर और श्री
खिमजी भाई जे. भूपतकर।

(अन्तरित)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पादन के अर्जन के लिए
कार्यवालियाँ शुरू करता है।

भारत बराकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिसंक 30 अक्टूबर, 1986

निदेश सं. श्री-1/37ई/10569/ 85- 86— अतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मं. फ्लेट नं. 3, हमारत नं. 15, नवजीवन,
को. ०-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, भड़कमकर मार्ग, बम्बई-८
में स्थित है (प्रौद्योगिक अनुपूची में और पूर्णरूप में वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 कथ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्टर्ड है। तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)
और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठिन महीं किया गया है—

(क) अंतरण से हूरै किसी आव जी बाबत, सकृत अधिनियम के अधीन कर इन्हें के अंतरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आव जी किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भजकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
गया था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुभरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269 व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

फ्लेट नं. 3, जो, हमारत नं. 15, नवजीवन, को. ०-आप०
हाउसिंग सोसाइटी लि०, भजकमकर मार्ग बम्बई-८ में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं. श्री-1/37ई/10174/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिसंक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 30-10-1986

मोहर :

प्राग्रस्त्र आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्सं बी० जमासजो मिस्ट्री प्रा० लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
की धारा 269 घ (1) के अधीन सचिव

(2) इन्टरनेशनल फेंड्रिक्स।

(अंतरिमी)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेंज-1, वस्ट बैर्ड
वस्ट बैर्ड, दिनांक 30 अक्टूबर, 1986

निवेश सं० आई-1/37ई/10570/ 85- 86--
अतः मुझे, नियार श्रहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० कार्यालय नं० 62, जो 6टी मंजिल, वाईट-
हाल, इमारत, 143, प० क० मार्ग, वस्ट बैर्ड-36 में स्थित
है (ग्रौर इसे उपायुक्त अनुसूची में ग्रौर पूर्णस्पष्ट में वर्णित है),
और जिसका कारारात्मा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 कब्जे के अधीन, वस्ट बैर्ड स्थित गक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्टर्ड है। नागीव 3-3-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
भूतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध से कोई भी वाक्येप इ--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदृढ़ व्यक्ति
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताकारी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :--इसमें प्रदृक्त कद्दों और पश्चों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

(ए) वस्ट बैर्ड से हुई किसी आय की जावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यमान
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जैर/या

ननुसूची

(ज) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आमतियों
को जिन्हे 'भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती क्षेत्र प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, त्रिपाने में सुविधा
के लिए,

कार्यालय नं० 62, जो 6टी मंजिल, वाईट हाल, इमारत
143, प० क० मार्ग, वस्ट बैर्ड-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-1/37ई/10175/
85-86 और जो गक्षम प्राधिकारी, वस्ट बैर्ड द्वारा दिनांक 3-3-86
को रजिस्टर्ड किया गया है।

नियार श्रहमद
गक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेंज-1, वस्ट बैर्ड

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तागीव : 30-10-1986
मोहर :

प्रस्तुत वाई. टी. एन. एस.-----

(1) मेसर्सं बी० जमासजी मिस्ट्री प्रा० लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्सं बोमणजी जमासजी मिस्ट्री प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

बारेत सूचना

कार्यालय, सहायक बाबूलड बाबूलड (निम्नलिखित)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० आई-1/37-ईई/10572/ 85- 86— अतः
मुझे, निमार ग्रहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
प्रयत्न है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 56, जो 5वीं मंजिल, वाईट हाल,
इमारत नं० 143, प० के० मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कथे के
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री
है। तारीख 3-3-1986

यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदृश्य प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ यांत्रिक
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से है जिसी आय की बाबूल उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल्स में
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(प) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट महीं किया गया
था या किसी आज्ञा आदिए था, छिपने वाले सुविधा
के लिए;

दसः आय, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाज्ञा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाव में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम के अध्याय 20-व में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 56, जो, 5वीं मंजिल, इमारत-वाईट हाल नं०
143, प० के० मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/10176/ 86
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार ग्रहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 30-10-1986
मोहर :

प्रस्तुप आइ. टी.एन.एस.-----

(१) श्री मुजल थी० कोठारी, श्रीमति कल्पना । म० कोठारी ।
 (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा)
269-घ (1) के अधीन सुचना

(2) श्री गोविन्द पम० मारानी ।
(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयकस (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक २४ अक्टूबर, १९८६

निदेश सं० अर्ड-1/37-ए०/10575/ 85- 86— अतः

मुझे, निमार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाज़ार माल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी में० फ्लैट नं० 22, 2 रा माला, रजत अपार्टमेंट, रजत को०-ग्राप. हाउसिंग सोनाहटी लि० प्लीजेंट रोड, बम्बई-6 में स्थित है० (और इसे उपावद्ध श्रान्तमूची में और पूर्णरूप में बजित है०), और जिसका कागरनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 काव्र के अधन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है० तारीख 3-3-1986 को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कण के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मैंने यह निश्चय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तर्गती (अन्तर्गतियों) के बीच एसें उन्तरण के लिए तथ तापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवार्ताओं करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के गणपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य वर्कित इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्दित में किए जा सकेंगे।

स्टॉफरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण से दायित्व में किसी करसे या उससे बचने में सर्विधा के लिए; और/मा

अनुसूची

(१) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय दाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सर्विक्षा के लिए;

प्लेट नं० 22, 2 ग्रा माला, रजत अपार्टमेंट, रजत को०-आप० हाउसिंग सोमाइटी निं०, माडण्ट प्लीजेंट रोड, बम्बई-6।
अनुभूची जैमा कि क्र० सं० आई-1/37-ई/10177/
85 और 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ड्राग दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
मक्षम प्राधिकारी
र आयुक्त (निरीक्षण)
श्रज्जन में ज-१ बम्पर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप आहे, टी. एन. एस.-----

(1) मेयर्स जितन प्रापटीज, प्रा० लि०।

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

(2) मेयर्स सुर्या ग्रोव; लि०।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में
मम्पनि है)।

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अक्टूबर, 1986

निवेश सं० अर्हे-1/37ई/10578/ 85- 86— अतः
मुझे, निसार अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है।

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायरीमें नं० 1118, जो 11वीं
मंजिल, मेकर चैवर्स 5, नरीमान पाईट, बम्बई-21 में स्थित है
(और इसमें उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्णस्पष्ट से वर्णित है), और
जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
कानून के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्णित में
वासीक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के समवर्थ में कोई भी आक्षण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर प्राप्त
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने
45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितदात्व
किरी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क प्रा० परिभासित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० प्रिमायरी नं० 1118, जो 11वीं मंजिल,
मेकर चैवर्स 5, प्लाट नं० 221, ब्लॉक नं० 3, बैक्से ऐक्सेंगन
स्कीम, नरीमान पाईट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अर्हे-1/37ई/10178/
85- 86 श्री जो पक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 30-10-1986

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपधारण (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. ——

(1) श्री चन्द्रलाल एम. पटेल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अक्टूबर 1986

निदेश सं. अई-1/37ई/10581/ 85- 86— अतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लेट नं. 19, जो, न्यू श्रीनिकेतन को०-आप०

हाउसिंग सोसाइटी लि०, 3री मंजिल, चौटाटी बैण्ड स्टैण्ड,
बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण-
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 कानून के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से एसे उद्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिक्ती (अंतरिक्तियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जारीस्थियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्लेट नं. 19, जो, न्यू निकेतन, को०-आप० हाउसिंग
सोसाइटी लि०, 2री मंजिल, चौपाटी बैण्ड स्टैण्ड, बम्बई-6 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अ० सं. अई-1/37ई/10179/ 85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 30-10-1986

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप आर्हे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निदेश सं० प्रई-1/37-ईई/10585/ 85- 86—अतः
मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 31, 3री मंजिल, भारती अपार्टमेंट्स,
सी० एस० नं० 380 तावदेव रोड, बम्बई में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णलूप से वर्णित है), और
जिसका का नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
कथ्व के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986

मो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँह यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण लिखित में ग्रास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्त भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती वृत्तारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मितल कास्ट्रक्शन क०।

(भन्तरक)

(2) नटवरलाल अम्बालाल शहा।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की उपर्युक्त जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितद्वेष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 31, जो 3री मंजिल, भारती अपार्टमेंट्स, सी० एस० नं० 380, तावदेव रोड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० प्रई-1/37-ईई/10180/ 85- 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकृत थाई. डी. पर. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्पोरेशन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० अई-1/37-ई/10593/ 85-86 --

अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाहास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तल माला प्रियायसेस जो, व्यास भवन को०-
आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, ओल्ड हनुमान लेन, बम्बई-2 में
स्थित है (और इसमें उपाध्य अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), और जिसका का नामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धा०/ा 269 का क्रम के अधीन, अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में जिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विवाहास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, एवं
दद्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किसी आना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी

(1) जयश्री एण्ड कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) जी० डी० देवरा फेमिली इस्ट।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

अब यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 विन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 विन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदात्य
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

तल माला प्रियायसेस जो, व्यास भवन प्रियायसेस को०-
आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, ओल्ड हनुमान फ्लास लेन,
बम्बई-2 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ई/10182/ 85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अम्बई

तारीख : 28-10-1986
माहूर ३

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री किशोर सिंह दाइभावाला (एच० यू०एफ०)।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्रीमति कृष्णा अग्रवाल
(अन्तरिती)भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जनरेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० आई-1/37ई/10601/ 85-86—असः
मझे, निसार अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लेट नं० 46, 4था माला, मकानी मनोर,
16, बी० जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-26 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है। तारीख 3-3-1986को प्रवोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता था ही था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके प्रवोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारोंख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रवोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 46, 4 था माला, मकानी मनोर, 16, बी० जी०
देशमुख मार्ग, बम्बई-26।अनुसूची जैसा कि श्र० सं० आई-1/37ई/10183/ 85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।निसार अहमद,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

प्राणप आर्ट.टी.एन.एस.-----

(1) कल्पतरु इण्डो सायगत कन्स्ट्रक्शन्स]

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) सुनीता एम० मुनोर्झ ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भारत सरकार

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अक्टूबर, 1986

निवेदन सं० अर्द्ध-1/37ई/10603/ 85- 86— अतः
मुझे, निसार अहमद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लेट नं० 232, जो, 23वीं मंजिल, पार्किंग,
जगह के साथ, प्रतिरक्षित इमारत, काकासाहेब गाडगिल मार्ग,
प्रभादेवी, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
तास्त्रिक रूप से कठित नहीं किया गया है—(क) अंतरण से है जिसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
विवित भौतिक सूचने में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(घ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27,
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
दृढ़िता के लिए;को यह सूचना आरे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीय शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वालों

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 232, जो, 23वीं मंजिल, अंतरिक्ष इमारत,
पार्किंग जगह के साथ, काकासाहेब गाडगिल मार्ग, प्रभादेवी,
बम्बई में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्द्ध-1/37ई/10184/
85- 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-86
को रजिस्टर्ड किया गया है।निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बईअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम को की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

तारीख : 30-10-1986

मोहर :

प्राचीन विद्या का अध्ययन एवं विकास

(1) कल्पतरु दंडो- सायगन कन्स्ट्रक्शन्स ।

(श्रीनगर)

(2) श्री शरद वी० भसाली और श्रीमति मृदुला एस० भसाली।

(अन्तरिक्षी)

भाषणकर्ता विधीनसभा, 1961 (1961 का 43) नं।
भाषण 269-प (1) के विधीन सम्बन्ध

ETAT CLOSER

व्यायर्तिय, सहायक व्यायकर व्यायकस (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अक्टूबर, 1986

निवेश सं० अई-1/37ईई/10604/ 85- 86—अतः

मुझे, निसार अहमद,

बालकर बैधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त बैधनियम' कहा गया है), का भारत
269-से के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विषयास करने का
कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 101, जो, 10वीं मंजिल, पार्किंग, जगह के साथ अंतरिक्ष इमारत, काकासाहे उब, मार्गिल मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 काँड़ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ख यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से ऐसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तररकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उपरेक्षा द्वे उक्त बन्दरगां विभिन्न दो गांवों विवर अस्ति तारीख का है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायरित्व में कभी करने या उससे बचने में सहायता दें।

(क) एसे किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियां
मारे जिन्हे भारतीय व्यावर विधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उभें विधिनियम, वा उन्हें
कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रश्नोंजनार्थ बन्तरिस्ती इनापि प्रकट नहीं किया वरन्
वा या किया जाना चाहिए वा, जिससे वे दुषिता
के लिए;

अब अब तो अधिनियम की भारा 269-वाले वन्देश
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-वाली उपभारा (1)
ही बर्खीन, निम्नलिखित अधिनियम, प्रस्तुत है—

को यह सूचना पारी करके प्रवाल्पत् वस्त्रीलं वे वर्षन के इसके कार्यशालिका करता है।

उपर सम्पर्क के बचन के सम्बन्ध में कानूनी शी वालंग :—

→) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ८
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तिगतों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णभूत
व्यक्तिगतों में से किसी व्यक्ति दुबाल:

(क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में व्रकालान की तारीख वह 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारूपस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वास्थ्यकरण .—इसमें प्रशंसनीय बदलों को और पदार्थों का, जो उन्नति-
विधिविभाग के अध्याय 20 के में विरभाषित हैं, वही वर्ष होता है जो वस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तर्राष्ट्रीय

फ्लैट नं० 101, जो, 10वी मंजिल, अतरिक्ष इमारत,
काकासाहेब गाडगिल मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई, पार्किंग जगह के
साथ स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० मं० अई-1/37ई/ 85- 86
 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 3-3-1986
 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 30-10-1986

मौहर :

उच्च वाईटी एवं एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

शारत वारकार

कार्यालय, उच्च वाईटी एवं एच. (प्रधानमंत्री)

अर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 30 अक्टूबर, 1986

निवेश सं० अर्ह-1/37ई/10605/ 85- 86—अतः

मुझे, निसार प्रहमदन,
ग्रामिक और अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उल्लिखित 'उच्च वाईटी एच' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 231, जो 23वीं मंजिल, अंतरिक्ष,
इमारत, पांकिंग जगह के साथ, काकासाहेब गाडगिल मार्ग,
प्रभादेवी, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 कथ के अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-86

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार दृष्टि से उच्च वाईटी
एहिफन के लिए अंतरिक्त की जाए है और मुझे यह विश्वास
एहिफन के कारण है कि यथोपूर्वक सम्पत्ति के उचित बाजार
दृष्टि, उसके अध्ययन प्रातिफल से, एंसैन गाम प्रातिफल के
लक्ष्य प्रतिवर्त द्वे अधिक हैं और अंत तक (वं. रक्षी) और अंतरिक्ती
(अंतरिक्तियों) के बीच एचे उच्च वाईटी के किए तब पाया जाया
जाया प्राप्तिकर विभान्निकित उच्चवर्त द्वे उच्च अंतरिक्त विविध द्वे
ग्राम्यांक रूप हैं किंतु वहाँ किया जाये हैं ॥—

(क) अन्तरण से हुए ऐसी आय की वापत, उच्च
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिक्ती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा ॥—

(1) कल्पतरु इण्डो सायगन कन्स्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी सुधा एम० मुनाहृ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के 200
कार्यवाहिया करला है ॥

उच्च सम्पत्ति के वर्चन के संबंध में क्यों भी वाक्ये—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास
सिलिक्ट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रबन्ध सम्बां और ज्ञाने का, जो उच्च
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ हा ता जो उस अध्याय से दिया
जाया है ॥

अनुसूची

फ्लेट नं० 231, जो, 23वीं मंजिल, पांकिंग जगह के साथ,
अंतरिक्ष इमारत, काकासाहेब गाडगिल मार्ग, प्रभादेवी,
बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्ह-1/37ई/10186/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-86
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार प्रहमदन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 30-10-1986

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अक्टूबर, 1986

निदेश सं. आई-1/37ई/10609/ 85-86— अतः
मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. यूमिट नं. 509, जो 5वीं मंजिल, दालामल,
टावर, 211, नरीमान पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कव्र के
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है। तारीख 3-3-1986

को पर्वतित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से एसे हश्यमान प्रतिफल का
पंचाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हरई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अग्र. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-व का उपधारार (1)
में 1. निम्नलिखित अधित्यों, अर्थात् —

(1) डा० रामन सी० श्रीमीन और श्री सिद्धार्थ आर०
श्रीमीन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति विमल एन० माहेश्वरी, आदित्य वी०
माहेश्वरी (माझनर), अनिलध वी० माहेश्वरी
माइनर() पालक द्वारा ।.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अपांच प्र-लिस्ट अपांच
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मृत्युन्य

यूमिट नं. 509, जो 5वीं मंजिल, दालामल टावर, 211,
नरीमान पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं. आई-1/37ई/10187/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 30-10-1986
मोहर :

प्रश्न नाइ.टी.ए.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत लकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, वम्बई

वम्बई, दिनांक 30 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० अई-1/37ई/10609/ 85- 86--अतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उत्तर पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा भया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहाविश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 2, जो, 13वीं मंजिल, शान
एपार्टमेंट्स, काशीनाथ धुर रोड, दावर, वम्बई-28 में स्थित
है (और इससे उपावर अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 कब्जे के अधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-
लय में रजिस्ट्री है। सारीख 3-3-1986

को पूर्वोन्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पूर्व ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)
और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
पै वास्तविक रूप में किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
विवरण में क्यों करवे या उनमें इनमें से किसी का
लिए: अौर/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, मिलाने में सविधा
के लिए:

(1) श्रीउति सरला टी० भाभानी ।

(पत्रक)

(2) श्रीमति राजलक्ष्मी एस० गोडसे और श्री मुहास बी०
गोडसे ।

(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कहाँ भी जाक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 2, जो, 13 वीं मंजिल, शान एपार्टमेंट्स, काशी-
नाथ धुर रोड, दावर, वम्बई-28 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ई/1018के८/ 85-
86, और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, वम्बई

तारीख : 30-10-1986

मोहर :

न्तर: त्रिवेदी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर संस्थान (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० आई-1/37ई/10611/ 85- 86— अतः
मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री॒ जिसकी सं० फ्लैट नं० सी-८, जो 8वीं मंजिल, इस्टेट
मीनार, पेड़र रोड, बम्बई-२ कार पार्किंग स्पेस के साथ में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
और जिसका ग्रान्टनाम आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 काव्य के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सुविधा
के सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण
में, या, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गोगेश पू० वितालिया और श्रीमति उपेंद्रेनी,
उवो वाय वितालिया।

(ग्रन्त तती)

(2) श्री संतोष कोडिया, श्रीमति सुमित्रा देवी कोडिया,
श्रामित रेनू कोडिया और अंजू कोडिया

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी हियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांश भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य द्वारित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में फिर जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी-८, जो 8वीं मंजिल, इस्टेट मीनार, पेड़र रोड,
बम्बई-२ कार पार्किंग स्पेस के साथ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ई/10189/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 30-10-1986

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अक्टूबर, 1986

निवेश सं० आई-1/3 7-ई-1/10614/ 85- 86—

प्रतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लेट जो 10वीं मंजिल पर, क्लीफ इमारत
रिज रोड, क्लीफ प्रिमायसेस को०-आप० हाउर्सिंग
सोसाइटी लि०, रिज रोड बम्बई-6 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका
कारणामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का क्षेत्र के
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

तारीख : 3-3-1986

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं० कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यमान वर्तमान संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरवर्द्ध) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करमें या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भत या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः बद्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, भौं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) इस्माइल यूसुफग्ली आ सीसाला, और श्रीमति
सर्कीना ह० आ सीसाला।
(अन्त अ.)

(2) प्रफुलभाई ए० शहा और श्रीमति शित्पा पी० शहा।
(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी होना करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्स.बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्त भारी अधिनियम,
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 10 वीं मंजिल पर, जो क्लीफ इमारत नं०, रीज
रोड, क्लीफ प्रिमायसेस को०-आप० हाउर्सिंग सोसाइटी लि०,
रिज रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ई-1/10191/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-86
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 30-10-1986

माझेर

प्रस्तुत आइ. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अक्टूबर, 1986

निवेश सं० अर्ह-1/37र्ह-10613/ 85- 86— अतः

मृमे, निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 50, जो, तल माला, ग्रामोका
शार्पिंग सेंटर, जी० टी० हास्पीटल कम्प्लेक्स, ए८० टी० मार्ग,
बम्बई-1 में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और
पूर्णसूप से वर्णित है), और जिसका करारानाम आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269 के कारण के अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-86
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथ्य
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) पुरी कस्टडीक्षण (बम्बई) प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री धनेश ग्राम० शहा, और श्रीमति रेखा डी०
शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यधारियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से

45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन को अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ष में कभी करमे या उससे बचने में संविधा
के लिए; अर्य/पा

अनुसूची

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

दुकान नं० 50, जो, तल माला, ग्रामोका शार्पिंग सेंटर,
जी० टी० हास्पीटल कम्प्लेक्स, ए८० टी० मार्ग, बम्बई-1 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अर्ह-1/37र्ह-1/ 10190/
85- 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-86
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 30-10-1986

माहेर

नोट: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अवधि :—

प्रधान प. बड़ौ. टी. पर. एस. १९८६-१९८७

(1) पूरी कम्पनीजन (वाले) प्राप्तवेद लि।
(अंतरक)(2) अंगू फ्रैंच शाह।
(प्रस्तरिती)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269 व (1) से अधीन सूचना

भारत दस्तावेज़

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30-10-1986

निर्देश सं० अर्ह/1/37-ई/10615/85-86—अत.

मुझे निशार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 102, जो तलमाला, अशोक शारिंग सेन्टर, जी० टी. हास्पिटल काम्पलेक्स, एल टी० मार्ग, बम्बई-1, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारामामा आयकर अधिनियम 1961 वी धारा 269 क. वा. के अधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का अन्तर्वाप्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्ननिम्नित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप में अंतिम रहीं किया गया है ।

(ए) अन्तरण से हटा किसी बाय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक व वापतवाले करने वा उपर्युक्त वर्तमान में दर्शित कीजिए, बाई/या

(ए) उसी किसी बाय या किसी भग या अन्य वास्तविक भग, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1957 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, अन्यान्य अधिनियम वी (ए)

बहु वर्ष, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण से, वा, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) हे अधीन, निम्ननिम्नित व्यक्तियों, वर्षति ।

को यह सूचना आदि करने पूर्वोक्त व्यक्ति के वर्षति के लिए कार्रवाईयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सुम्बन्ध में कोइँ भी आशेप :—

(ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तस्तव्यमी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले द्वारा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों द्वे वे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त बाजार सम्पत्ति में हितवृष्टि वाले व्यक्ति द्वारा, वर्षेश्वरावारी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

एव्वेक्षण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही वर्त होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 102 जो तलमाला, अशोक शारिंग सेन्टर जी० टी० हास्पिटल काम्पलेक्स, एल० टी० मार्ग, बम्बई-1 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अर्ह/1/37-ई/10192/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निशार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
पर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 30-10-1986

नोटर :

प्रस्तुत वाइ', दौ. एव. एक. -----.

(1) डा० (कुमारी) ए० आर० बोजेंस।

(अन्तरक)

वर्षात् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सुरेश मोहमदास मिरपूरी और श्रीमती
बंदना सुरेश मिरपूरी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर बाजार (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक : 28-10-1986

निदेश सं० अई-1/37-ई/स० 0675/85-86-; अतः

मुझे निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विलेखन में इसमें
वर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
बधौन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 16, जो पहली मंजिल, स्नेह
सदन पोस्ट ऑफिस के पास, कुलाबा बम्बई-5, में स्थित
है (और इसमें उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा
1961 269 क, ख, के, अधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी
कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरक दर की गई है और
मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान
प्रतिफल से, दोसे दस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरीतियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया ज्या प्रतिफल, निम्नलिखित
उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है:—

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियों शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबत नहीं—

(क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एवं
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुत
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक
निवित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण :—इस प्रदूषक सब्जेक्ट और वस्तु का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरक से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दर्ते हो अंतरक के
दावित्व में कमी करने का उन्हें बताने दें। कार्यालय
के विए, कॉर्ट/मा।

फ्लैट नं० 16 जो, पहली मंजिल स्नेह सदन, पोस्ट
ऑफिस के पास, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-1/37-ई/10227/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अध्यक्ष (निरिक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः बब. उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसूची
के, अं०, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारी (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा—

दिनांक : 28-10-1986

मोहर:

प्रकल्प आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयालिंग, सहायक आमंकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/10717/ 85- 86—अतः

मुझे, निभार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन संखम प्राप्तकारों का यह विश्वास करने का
भारग है कि स्थावर सम्पत्ति, उसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लेट नं० 101, जो 1ली मंजिल, शिरीन विला,
नायर रोड, आद्रीपाडा, बम्बई-8 में स्थित है (और इसे उपावद
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका कारारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कथ के अधीन, बम्बई
स्थित संखम प्राप्तिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख
3-3-1986वे धूर्घक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवान प्रतिफल से, एसे व्यवान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्राप्तिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक वे
शायित्य में कमी करने या उसमें बदलने में संविधा
ने निए; बार/या(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तारकी इवारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छपाने में संविधा
ने निए;भूतः बृथ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरणी
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) शामसुदीन अब्दुल करीम।

(अमराक)

(2) हनीफ उस्मान कपाडिया।

(अमरसिंह)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के लिए
कार्यवाहीया करवा है।

उक्त सम्पत्ति के अवैतन के संबंध में कोई आपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भै
45 दिन की अवधि या सत्त्वांची व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भै
45 दिन के भातर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के यह
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 101, जो 1ली मंजिल, शिरीन विला, नायर रोड,
आद्रीपाडा, बम्बई-8 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि अ० सं० अई-1/37-ईई/10195/ 85-86
और जो संखम प्राप्तिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को
रजिस्टर किया गया है।निसार अहमद
संखम प्राप्तिकारी
आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

इसका वाइ. टी., एस. एस. -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
पात्र 269-न (1) के वर्णन सूचना

मारत लक्षण

कामीदग, उद्घाटक आवकर आयोग (निरीक्षण)

ग्रजन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अक्टूबर, 1986

निदेश सं. ग्रई-1/37-ई/10730/ 85- 86—प्रत: मुझे,

निसार ग्रहमद,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-न के अधीन सकार प्राधिकारी को यह विस्तार करने का
कारण है कि स्थावर उत्पात, विस्तार उत्पात वाचार वृक्ष
1,00,000/- रु. के अधिक हैं।

ग्रोर जसकी सं. फ्लेट नं. 62, जो 6ठी मंजिल, मंजिल, श्री० जी०
खेर मार्ग, (गिल्ज रोड), सी. एस० नं. 434 (अंग), मलावार
हिल डिवीजन, बम्बई में स्थित है (ग्रोर इससे उपादान अनुसूची में
ग्रोर पूर्णरूप से वर्णित है), ग्रोर जिसका करारनाम आवकर
प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 काय के अधीन, बम्बई स्थित
सकार प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-86
को पूर्णरूप समीक्षा के उत्पात वाचार वृक्ष के काय के उत्पात
शीरिफ़स के लिए बतायी गई वर्त है और यह
यह विस्तार करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत उत्पात का उत्पात वाचार वृक्ष, उसके उद्दे-
वान शीरिफ़स से, एसे उद्देवान शीरिफ़स का वृक्ष शीरिफ़स से
यांत्रिक है और बन्तरक (बन्तरक) और बन्तरिसी (बन्तरिसी) के
बीच एसे बन्तरक के लिए उत्पात वाचार वृक्ष शीरिफ़स, गिल-
सिरिफ़स उत्पादन से उत्पात बन्तरक शीरिफ़स में वास्तविक रूप से
अधिक नहीं किया गया है :—

(३) अन्तर्मत है कि ग्रोर जाय की वाचार, उत्पात
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के
शीरिफ़स से की वाचार वृक्ष उत्पात वृक्ष से शीरिफ़स
के लिए; बाहू/वा

(४) एंडी किंवदं जाय वा किंवदं भन या बन्द बासिकारी
को, किंवदं भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्योष-
नार्थ बन्तरिसी इवाय प्रकट नहीं किया गया था
वा किया जाता जाहिए था इत्याने में दिभा
के लिए;

तथा काय, उत्पात अधिनियम की धारा 269-न के उत्पातर
के उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उत्पातर (1)
के अधीन, निम्नविचित्र अविक्षित, वर्णात :—

(१) इस्टीज ग्राफ पार्टीज पंचायत कड़सु ग्रोर प्राप्तीज।

(अन्तरक)

(२) मेहलर डिस्टिलेरीअस प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

वे यह सूचना जारी करके पूर्णरूप समीक्षा के बचन के निप
कार्यवाहीयों द्वारा करता है।

उत्पात उत्पात के बचन के उत्पात में कोई भी वालेप :—

(३) इस सूचना के उत्पात में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन की अवधि या तस्वीजनी अविक्षितों का
सूचना की दार्तीस से 30 दिन की अवधि, जो ऐसी
अवधि वाले वृक्ष उत्पात होती हो, के अतिर अवैक्षित
अविक्षितों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(४) इस सूचना के उत्पात में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन के अतिर उत्पात स्थावर सम्पर्क में हितवद्धु
किसी वृक्ष अविक्षित द्वारा अधोहस्ताकरी के उत्पात
निपत्ति में किए जा सकते।

उत्पातराम :—उत्पाते प्रदूषक वृक्षों वैर वृक्षों का, वे उत्पात
अधिनियम के उत्पात 20-क में परिवर्तित
हैं वही वर्त होता, वे उत्पात उत्पात में दिव्य
वर्त हैं।

कृत्तुमा

फ्लेट नं. 62, जो, 6ठी मंजिल, श्री० जी० खेर मार्ग, (गिल्ज-
रोड, 7, सी० एस० नं. 434 अंग), मालावार हिल डिवीजन
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैता कि क्र० स० ग्रई-1/37-ई/10194/ 85- 86
ग्रोर जो सकार प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को
दिभिस्टर्ह किया गया है।

निसार ग्रहमद
सकार प्राधिकारी
सहायक आवकर ग्रुक्स (निरीक्षण)
ग्रजन रेज-1, बम्बई

तारीख : 30-10-1986
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अक्टूबर 1986

निदेश सं. आई-०-१/३७ ई-०/१०७३१/८५-८६—अतः

मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 64 जो छठवीं मंजिल, बी० जी० खेर मार्ग (गिल्ज रोड), सी० एस० नं. 434 (अंश), मालबार हिल डिवीजन बम्बई में स्थित है (और इसे उपाबड़ी अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कराना मा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) मैं ड्रस्टीज औफ पारसी पंचायत फंडस एण्ड प्रापर्टीज।
(अन्तरक)

(1) श्री के० जे० चिनौय विराफ के० चिनौय आ०
श्रीमती केकटी के० चिनौय।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के बायिल्य में की करने या उससे बचने में संविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

फ्लैट नं. 64, जो छठवीं मंजिल, बी० जी० खेर मार्ग (गिल्ज रोड), जिसका सी० एस० नं. 434 (अंश), मालबार हिल डिवीजन, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि इस सं. आई-०-१/३७-ई-०/१०१९/८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 30-10-1986

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) ट्रस्टीज आँफ पारसी फंड प्राप्टर्जि ।
(अन्तरक)

(2) श्री कैरमान बी० संगर ट्रस्ट,
श्रीमती फेनी सम कान्ट्रिक्टर और
श्री नम पी० कान्ट्रिक्टर ।

(प्रत्तिरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 30 अक्टूबर 1986

निवेद मं० आई०-1/37-ई०/10732/85-86—अन्त:
मुझे, निमार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लैट नं० 56, जो 5डी मैनिल स्पेटा को०
प्राप्टरिटिव हाउसिंग सोसाइटी, बी० जी० खेर मार्ग, गिल्ज
रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 काल के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंचव्यंग प्रतिशत से अधिक है और अंतर्गत (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण निम्नित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के भी परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्सूची

प्लैट नं० 56, जो पांचवी मंजिल, स्पेटा को-प्राप्टरिटिव
हाउसिंग सोसाइटी बी० जी० खेर मार्ग, गिल्ज रोड, बम्बई-6
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि नम सं० आई०-1/37-ई०/10197/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 30-10-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, ब्रम्बई

ब्रम्बई, दिनांक 30 अक्टूबर 1986

निवेश मं. आई-०-१/३७ ईई०/१०७३९/८५-८६—अतः
मुझे निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है
और जिसका सं. दलान नं. ३४ और ३५ जो १ ली. मंजिल,
ग्रामोका शापिंग सेंटर, जी० टी० हास्पीटल काम्लेक्स प्ल० टी०
मार्ग, ब्रम्बई-१ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन ब्रम्बई स्थित
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख ३-३-१९८६
का पर्यावरण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से गेसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अनारितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँझ किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर दने के अंतरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(१) मैं पूरी कल्पना (वाम्पे) प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरक)

(२) श्री राधाकिशन प्रा० बजाज,
श्री दयाल एम० बजाज और
श्री प्रफुल संघवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्ववित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहीर्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्ववित
विकितों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थापत गम्पति में हित्तड़िय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास
लिहित में किए जा सकेंगे।

रप्रतीकरण :——इसमें प्रदत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं. ३४ और ३५ जो पहली मंजिल, ग्रामोका
शापिंग सेंटर, जी० टी० हास्पीटल काम्लेक्स प्ल० टी० रोड,
ब्रम्बई-१ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम. सं. आई-1137-ई १०१९८
८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी, ब्रम्बई द्वारा दिनांक
३-३-१९८६ को रजिस्टर्ड किया गया है।

निभार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, ब्रम्बई

तारीफ : 30-10-1986

भोहर :

प्रलूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) मेसर्स इनियरिंग कोर्पोरेशन।

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

(अस्तरक)

(2) मेसर्स ओरिएन्टल फैशन एक्सपोर्ट्स।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अक्टूबर 1986

निवेदा सं. आई-1/37 ई-10742/85-86—प्रतः
मुझे निमार अहमदआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. दुकान नं. 23, जो अशोका शापिंग
सेन्टर, जी० टी० हॉस्पीटल कंपाउंड, एल० टी० रोड,
बम्बई-1, में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची
में प्रौढ़ पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारतामा
आयकर अधिनियम की धारा 1961 की धारा 269
क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 3-3-1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह है और मूँहे यह विवाह करने का बारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिकरण से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिहित जैसे
वास्तविक रूप से कीभूत नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयियां कूर्ह करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन की बराबर या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की बराबर, जो भी
बराबर बात वो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इकाई;(ख) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य विकित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
सिद्धित भौं किए जा सकेंगे।लक्ष्यकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों वार पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही वर्त होगा जो उस अध्याय में दिया
या है।(क) अन्तरण से हूर्दू किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बन्धकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में लूकिधा के
लिए;

बम्बई

दुकान नं. 23, जो अशोका शापिंग सेन्टर, जी० टी०
हॉस्पीटल कंपाउंड, एल० टी० मार्ग, बम्बई-1 में स्थित है।अनुसूची जैसा की क्र० सं. आई-1/37-ई-10199/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।निमार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बईवक्तः वद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्दुकण
में, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन अन्तरित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—तारीख : 30-10-1986
मोहर :

प्राप्ति बाई, डी.एस.एस. —————

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत उत्तराखण्ड

कार्यालय, सहायक वायकर वायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० अर्द्ध-1/37ई/10743/85-86—अतः

मुझे, निसार अहमद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकलान करने का
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फलैट नं० 202, जो दूसरी मंजिल
गैरेज नं० 6, टेम्पल बेल्स, 37, के० एम० मुन्ही मार्ग,
बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा वायकर
अधिनियम क, व्ह 1961 की धारा 269, फ व्ह के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है। तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और उभे यह विकलान
करने का कारण है कि यथावृत्ति संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल के
प्रत्यक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बनारण के लिए तथ
वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य वं० उक्त अन्तरक
निर्दिष्ट में अस्तित्व नहीं किया गया है ॥

(क) अंतरण से हुई किसी वाय की वावत, उक्त
अपान्नद्वय के बावत वाय दव के अन्तरक
वायित्व वं० कही करने का उक्त वायवं० वं० हाविधा
नी किया; और/वा

(क) ऐसी किसी वाय या किसी भन या जन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय बायकर वायित्व, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती व्याया प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

वाय: इव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपावा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स टेम्पल बेल्स इन्टर प्रायसेस।

(अन्तरक)

(2) अंवर नातनी० जोगानी और दिनेश कुमार बी०
जोगानी ;

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के वर्ग के सम्बन्ध में कोइ भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते०
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते०
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही वर्त होगा यो उस अध्याय में विद्या
नवा है।

अनुसूची

फलैट नं० 202, जो दूसरी मंजिल, गैरेज नं० 6,
टेम्पल बेल्स, 37, के० एम० मुन्ही मार्ग, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अर्द्ध-1/37ई/10200/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक वायकर वायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 30-10-1986

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

(1) ट्रस्टीज आक दी पारसी पंचायत फँड एण्ड प्रापर्टीज।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

(2) श्री बेहली रुस्तमजी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अक्टूबर 1986

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समझद्वारी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्णता वाकियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिलयों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

फ्लैट नं० 24, जो दूसरी मंजिल बी० जी० जैर मार्ग, (गिरज रोड), जिसका सी० एम० नं० 434 (अंश), मलबार हिल डिविजन, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-1/37ई/10201/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 30-10-1986

माहौर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रधानमंत्री बाईठी, एवं एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

ग्रामीण रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० अई-1/37ई/10745/85-86—अतः
मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है फि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फैट नं० 43, जो इ-इमारत, तीसरी
मंजिल, भारत नगर, 242, ग्रन्ट रोड, बम्बई-7, में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित
है) और जिसका कागजतामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। नारीख
3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और यह विवास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्हें प्रतिष्ठत से अधिक है और बम्बरक (बन्दरको) और
अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
यामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बम्बरक
लिखित में आस्तीक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
कार्यालय में कामी करने या इससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
हाँ, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिक्ती बुधाए प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः आय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, यह उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविकारी, अर्पण:—

(1) श्रीमती अश्रुमती घनशाम जोशी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विद्या कुमारी दिनेश कुमार कोठारी।
(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्पण को लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्पण के संबंध में और भी बाह्यप ०—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फैट नं० 43, जो, इ-इमारत, तीसरी मंजिल, भारत
नगर, 342, ग्रन्ट रोड, बम्बई-7 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ई/10202/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 27-10-1986

मोहर:

द्रस्टीज आफ दि पारसीपंचायत
फण्ड एण्ड प्रापर्टीज ।
(अन्तरक)
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई
बम्बई, दिनांक 30 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/10746/85-86—अतः मुझे,
निहार अहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवरण करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
रु. 1,00,000/- से अधिक है

जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और
जिसकी सं० फ्लैट नं० 46, जो 4थी मंजिल, 106, मानसरोवर
माउन्ट प्लेस्ट रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाध ह्यानु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 3-3-86
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और उसे यह विवरण
करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य'
इसके अधिकार से एसे इष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तायों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरोध लिखित में बासिक रूप
से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे शास्तीग आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या अन्य
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया
जाना चाहिए था, जिसने भौतिकता के लिए;

उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) द्रस्टीज आफ दि पारसीपंचायत
फण्ड एण्ड प्रापर्टीज ।

(अन्तरक)

(2) महियार डी० कल्टैक्टर और
बी० डी० कल्टैक्टर।

(अन्तरिती)

तो यह सूचना बाती करने पूर्वोक्त व्यक्ति के बच्चे के लिए
कार्यालयां छुक करता है।

उक्त व्यक्ति के बच्चे के संबंध में कोई भी बातेपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन की अवधि या तस्वीरभी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्ति वाले द्वारा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्ट
किसी व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा रखेंगे।

लचीलता :—इसमें प्रदूषत वस्तुओं और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याद 20-ए में परिशार्थित
है, वही वर्ते हैं, जो उस अध्याद में विवा
क्ता है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 46; चौथी मंजिल, 106; मानसरोवर; माउन्ट
प्लेस्ट रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-1/37 ईई०/10203/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 30-10-1986
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन., एस.-----

(1) द्रूष्टीज आफ दि पारमी पंचायत फण्डम एण्ड
प्रापर्टीज।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत हरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अक्टूबर 1986

निदेश सं० आई०-1/37 ईद०/10747/85-86—अतः

मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी मं० जमीन के हिस्से पर फ्लैट जो वी० जी०
खेर मार्ग, (गिड्ज रोड), जिसका सी० एम० नं० 434
(अंश), मालवार हिल, डिवीजन, बम्बई में स्थित है (और
इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
कारण आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क्षेत्र
के अधीन बम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।
तारीख 3-3-1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक तो
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया रया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीचित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वचने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी भत या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उन्दर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, उसमें में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

19—386GT/86

(2) श्री के० जे० लिमथवाला,
श्रीमती जेड० के० लिमथवाला और
श्री जमशेद ई० लिमथवाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्बन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी जाक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन के हिस्से पर फ्लैट जो वी० जी० खेर मार्ग
(गिड्ज रोड), जिसका सी० एम० नं० 434 (अंश), मालवार
हिल डिवीजन, बम्बई में स्थित है।अनुसूची जैमा कि ऋम मं० आई०-1/37 ईद०/10204/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 30-10-1986

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निदेश सं० आई०-1/37 ई०/10839/85-86—अतः
मुझे, निमार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० दुकान नं० 26, जो, तल माला, गणोका
शारिंग सेंटर, जी० टी० हॉम्पीटल कम्पनेकम, ए० टी०
मार्ग, बम्बई-1 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करानामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 का अधीन बम्बई¹
स्थित सक्षम प्राधिकारी का कार्यालय में रजिस्ट्री है।
तारीख 3-3-1986

को पूर्वीकृत सम्पत्ति दे उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापवेक्ष सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
आसन्निरुद्धरण से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सहाय्या के निए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, लिपाने में सहाय्या
के लिए;

जटः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं युगि कन्स्ट्रक्शन (वाम्बे) प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तर्गत)

(2) श्री ए० भी० लिंगो,
श्री डी० क० लिंगो,
अनिता दी० नागरण,
डा० (कुमारी) सरला शेठ,
सुनन्दा वी० नाडकर्णी,
श्री वी० ए० बेदाविट और
श्री रजनीकांत जी० हेमानी ।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
विरोधी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 26, जो तल माला, गणोका शारिंग सेंटर,
जी० टी० हॉम्पीटल कम्पनेकम, ए० टी० मार्ग, बम्बई-1
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-1/37 ई०/10220/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

प्रस्तुत वार्ता, टी. एन. एड., अमृता

(1) श्री लक्ष्मी कन्द्रकशन कम्पनी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती लता गंगी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूल (निरीक्षण)

श्रीजन रेज-1, वम्बई

वम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निदेश सं. आई०-1/37 ई०/10848/85-86—अतः

मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 202, जो दूसरी मंजिल, श्री राम कृष्ण सदन इमारत, प्लाट नं. 63, स्कीम नं. 52, वरली, वम्बई में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), और जिसका कागजानामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का खा, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

ये प्रतिक्रिया सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अधिकारी के द्वारा दिया गया अंतरित प्रतिफल से अंतरित है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतररण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य है उक्त अंतरक निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जाता है—

(क) अंतरक में हूँह किसी आय की बाबूल, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बनारक के द्वायित्व में कभी करने या उमर वर्चन में विधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्योजवार्थ अंतरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या जिपाने में द्विभाजित किया जाए या अर्थात्

और यह सूचना आरी करने पर्याप्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी जाहोर है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पर्याप्त व्यक्तियों में किसी व्यक्तियों द्वायाः

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वायाः अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रदीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अधाय में दिया जाता है।

जात्यक्षी

फ्लैट नं. 202, जो दूसरी मंजिल, रामकृष्ण सदन इमारत, प्लाट नं. 63, स्कीम नं. 52, वरली, वम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि असं. आई०-1/37 ई०/10205/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 की रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेज-1, वम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

लक्ष्मी वार्ता, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा)
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्षण (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निदेश मं. आई०-1/37 ई०/10865/85-86—अत मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसने हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विचास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 1, 18वां माला, बिल्डिंग ए, गैरेज के साथ, पूर्वी अपार्टमेंट्स, अल्टामाउन्ट रोड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई लिथ गवर्नर प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

कां प्राविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मझे यह विचास करने का कारण है कि यथाप्रवृक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एंसें इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच एंसें अन्तरण के लिए हय गाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नेत वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ एकमी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायत्व में कमी करने या उससे बचने में सोबत के लिए; और/का

(ग) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भ्रविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमरलाल देवाजी घुमावट,
श्रीमती आनन्दी जे० घुमावट।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश छही० सहजवानी और
श्रीमती अस्मीता जे० सहजवानी।

(अन्तरिक्ती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके प्रविभाग में गम्भीर है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षण्प :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य वावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 1, 18वां माला, बिल्डिंग ए, गैरेज के समय पूर्वी अपार्टमेंट्स, अल्टामाउन्ट रोड, बम्बई।

अनुसूची कि कम मं. आई०-1/37-ई०/10206/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्षण (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

प्रकृष्ट शाहौदरी, एवं एड्युकेशनल सम्पत्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिकारी

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अक्टूबर 1986

निदेश सं० अर्द्ध-1/37-ई/10866/85-86—अतः
मुझे, निमार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वाय करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट नं० 7, जो, 3री मंजिल, ए-1, हमारत,
समृद्धि को०-आ०प० हाउसिंग सोसाइटी निं०, बाबूगाव पर्सेकर
मार्ग, दादर (प), बम्बई-1 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
प्रान्तमूल्यी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका कागरनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, खंड के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के का धनिय में रजिस्ट्री है। तारीख
3-3-1986,

को पूर्णोपर्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थितान
प्रतिफल के लिए दालाइन कर दइ है और यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्ते स्थितान प्रतिफल सं०, एसें स्थितान प्रतिफल के पन्थ
प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरक) और
बन्तरीरती (बन्तरीरतीयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तब
बाबा या प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त बन्तरण
तिवित में बास्तविक रूप में कठित नहीं किया जाया है—

(क) बन्तरण में लूकूँ रिसी आव दो धनिय, उक्त अधि-
नियम की अधीन कर दत्ते के बन्तरक के दायित्व
में कमी करने द्य उक्त बन्तरण में सूचिता के लिए;
और/या

(ल) एसी कि सी आय या कि सी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या
बन्तर क अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, जिसने मैं
सूचिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) श्रीमति काण्ठिराई विनायक शेट्ये ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति मुंतज्जा डी० मापले और डा० दत्तात्रय जी०
सापले ।

(अन्तर्गती)

(3) ग्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बाद के सम्बन्ध में लूकूँ ली आदेश— ।

(क) इस सूचना के राबपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एवं
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और भी
व्याधि बाद में समाप्त होने वाले हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधिकारी द्वारा सकें जे ।

तारीख रेण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

पलेट नं० 7, जो, 3री मंजिल, ए-1, हमारत, समृद्धि को०-
आ०प० हाउसिंग सोसाइटी निं०, बाबूगाव पर्सेकर मार्ग, दादर
(प); बम्बई-14 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्द्ध-1/37-ई/10207/ 85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई डारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 28-10-1986
मोहर :

प्रस्तुप बाई.टी.एस.एस.-----

(1) कोठारी चैरिटी ट्रस्ट।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-वा (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) जनरल मार्कीटिंग एण्ड मेनुफैक्चरिंग कं. लि.।
(अन्तरिनी)

भारत बारकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अक्टूबर 1986

निवेदण सं. अई-1/37-ई/10867/85-86—अतः
मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कार्यालय जो 2री मंजिल पर, मेकर भवन नं. 2
18, न्यू मरीन लाईन, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, या के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख

3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथार्थोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिकृत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों)
और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कृत, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त बन्तरण निर्विवाह में बास्त-
विक रूप से कठित नहीं किया गया है ॥—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की, वाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ
यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

कार्यालय जो, 2री मंजिल पर, मेकर भवन, नं. 2, 18, न्यू-
मरीन लाईन, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-1/37-ई/10208/ 85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बतः अ., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 28-10-1986

मोहर :

प्रस्तुप आई. डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निदेश मं० आई-1/37ई/10872/85-86—अतः

मुझे, निमार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लेट नं० 32, 8वां माला, बिल्डिंग नं० 17,
श्राफ नेमिंगटन रोड, स्कीम श्राफ नवजीवन को०-श्राप०
हाउसिंग सोमाइटी लि०, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद
अनुसूची में और पूर्ण स्वप में वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, खे के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख

3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का
पूर्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण में उक्त अन्तरण लिखेत
वास्तविक रूप गे कार्यालय नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही जिसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दार्यालय
में कमी करने या उसमें बचने में सहायता के लिए;
और/सा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर)
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, किसान में मूल्यांकन के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बखारिया एम० पोपटलाल, श्रीमती बखारिया-
नारंगवेल शेवंतीलाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री ठक्कर एम० जमनादाम, श्रीमति ठक्कर कुमुम-
वेल शांतीलाल ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

(4) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांड़ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी जब व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 32, 8वां माला, बिल्डिंग नं० 17, श्राफ
नेमिंगटन रोड, स्कीम श्राफ नवजीवन को०-श्राप० हाउसिंग
सोमाइटी लि०, बम्बई

अनुसूची जैसा कि क्र० मं० आई-1/37ई/10209/ 85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

संहिता :

प्रस्तुत दृष्टि पर्याप्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फार्मलिय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, ब्रम्बई

ब्रम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निदेश मं० अर्ड-1/37ई/10873/85-86—अन:

मुझे, निमार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ('जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लेट नं० 31, 8वां माना, विल्डिंग नं० 17,
लेमिगटन गोड, स्कीम आफ नवजीवन को०-ग्रॉप० हार्डिंग
सोसाइटी लि०, ब्रम्बई-8 में स्थित है (और हमसे उपाख्य
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), ग्रौं जिसका कागजानामा
आयकर अधिनियम, 1961 की भाग 269-व, व्य के अधीन, ब्रम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। नारीव

3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्ति प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच
ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण सिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) स्थावर के दृष्टि किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देवे के बल्लुक वे
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
के जिन्हे भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगवार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, जिसने में
सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्तर्गत
में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बवारिया महेन्द्र शेवंतीलाल, श्री बवारिया निनिन
शेवंतीलाल।

(अन्तरक)

(2) श्री ठक्कर हरेण शांतीलाल, श्री ठक्कर मुकेश शांती-
लाल।

(अन्तरिनी)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-
हस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति
में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संदर्भ में कोई भी जाक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मृत्यु की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अनित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बढ़ विकास द्वारा, अधोहस्ताक्षरी वे
पास तिथिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये
गए हैं।

अनुसूची

फ्लेट नं० 31, 8वां माना, विल्डिंग नं० 17, आफ लेमिंग-
टन गोड, स्कीम आफ नवजीवन को०-ग्रॉप० हार्डिंग सोमा-
इटी लि०, ब्रम्बई-8।

अनुसूची जैसा कि क्र० अर्ड-1/37-ई/10209/ 85-86
और जो मक्षम प्राधिकारी, ब्रम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर ग्राम्पुत्र (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, ब्रम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

प्रख्यूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) आनन्द हाउसिंग कम्पनी लि।

(मन्त्रक)

(2) टाटा मन्स लि।

(अमरिती)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष के अधीन सूचना

भारत सरकार

प्रार्थनीय, सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निदेश नं. अई-1/37ई/10874/85-86—अतः मुझे,
निमार अहमद,

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ष के अधीन लक्ष्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी नं. फ्लैट नं. 301, और पार्किंग जगह नं. 8,
जो आनन्द भवन, बाबुलनाथ 2री क्रास लेन, चौपाटी, बम्बई-7
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुभूची में आंग पुर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका करान्नामा आयुक्त अधिनियम
1961 की धारा 269-८, ये के अधीन, बम्बई स्थित सक्रम
प्राधिकारी के कार्यालय में रखिए हैं। तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पहुँच प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतर्गतों) और अंतरिती
(अन्तरीरीयाओं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उदादेश से उक्त अन्तरण निम्नित में
आसानीक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269-ष के अनुसरण
के मौके, मौके, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्ननिवित व्यक्तियों, अर्थात् :—

20—386GT/86

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी ते
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी कन्या व्यक्ति द्वारा कोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 301, और पार्किंग जगह नं. 8, जो, आनन्द
भवन, बाबुलनाथ 2री क्रास लेन, चौपाटी, बम्बई-7 में स्थित है।
अनुभूची जैसा कि क्र. नं. 37-ई/10210/85-
86 और जो सक्रम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

श्रम बाई, टॉ. एव. एस.-----

(1) आनन्द हाउसिंग कम्पनी प्रा० लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) टाटा इंडस्ट्रीज लि०।

(अन्तरित)

सारांश संख्या

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निदेश सं० अई-1/37ई/10875/ 85-86— अतः मुझे,
निसार अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 302, और पार्किंग जगह नं० 9,
जो आनन्द भवन, बाबूलनाथ 2री क्रास रोड, चौपाटी,
बम्बई-7 में स्थित है (और इससे उपाठड़ अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 का, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986
को पर्वत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्षात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वथापर्वत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरीती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाणा मका
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संघित के बर्बन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

लक्षणीकरण :—इस प्रयुक्त संबंद्हों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त व्यापार में दिक्षा
करा है।

(अ) अन्तरण से हृदय किसी आय की बावजूद, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक वही वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
कर./था

अनुसूची

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
वया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
निविधा के लिए;

फ्लेट नं० 302, और पार्किंग जगह नं० 9, जो, आनन्द
भवन, बाबूलनाथ 2रा क्रास रोड, चौपाटी बम्बई-7 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ई/10211/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

अनु. अवृ. तकन अधिनियम का भाग 269-व के अन्तराल
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

प्रदर्शन कार्ड टैब पुनरुत्थान

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ई/10876/ 85-86— अतः
मुझे, निसार अहमद

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 1, जो प्लोर नं० 12-ए, इमारत नं०
5, सी०एम० नं० 868 1/868, वरली, बम्बई में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
का, जो के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986

५. प्रतिकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वयापर्याकृति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, एंते छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एंते अन्तरण के लिए वय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥

(६) बम्बई से हुई किसी आव की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन करवने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(७) एसी किसी आव या किसी भव या बन्य वास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आवकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी आव आयहए था जिसने वे
सूचना के लिए;

प्रत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की व्यवस्था
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) बी० लाय० बिल्डर्स प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

(2) श्री केवलजीत मिह और श्रीमति गुरविन्दर कौर
(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों ।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना आरो करके द्वयोंका प्रभावित के अर्जन द्वे विद्युत्यायाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सर्वप्रमाणीकृती भी आवेदन ॥

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख द्वे
45 दिन की अवधि या उसमें अधिकतमों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वारा में समाप्त होती है, के भीतर प्रत्येक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख द्वे
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दायक जिसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित प्रमाणित किए जाएँ ॥

लक्षणीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रान्त हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ॥

अनुभूची

प्लेट नं० 1, जो, प्लोर नं० 12-ए, इमारत नं० 5, सी०
एम० नं० 868, 1/868, वरली, बम्बई में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ई/10212/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जनरें ज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

प्रम्य बाई, डॉ. एन. एस. - .

- (1) श्रीमति पाकल बहौद शहा और डॉ. विल्सन सी० शहा।
(अन्तरक)
(2) श्रीमती मरला सी० शहा।
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० अई-1/37ई/10877/ 85-86— अतः

मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० ए० 27 वां माला, विकास टावर्स दो गराज के साथ, बालकेश्वर, रोड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करानामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँदे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ यां या अधिकतम निर्णियत नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरण के दृश्य की दाय की दाय, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) एसे किसी दाय या दृश्य की दाय या इन्हीं को आंदोलनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 21) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपशाखा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन वाली अवधि या तलाम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

राष्ट्रीयकरण:-—इसमें पूर्वोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुभूति

फ्लेट नं० ए० 27 वां माला विकास टावर्स, दो गराज के माथ, बालकेश्वर रोड, बम्बई

अनुभूति जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ई/10213/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

प्रम्प माझे दी. एन. एस. -----.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

उत्तर संस्करण

काशालय, महायक आयकर अधिकारी (मिरीलघु)

अर्जन नं. ज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं. अई-1/37/10873/ 85- 86— श्रतः
मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषय इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर समर्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी गं. प्रिमाइसेस 28 वे मालेपे, विकास टॉवर्स, दो
गराज के साथ, बालकेश्वर रोड, बम्बई-6 में स्थित है (आंतर
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूणरूप से वर्णित है), आंतर जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के द्वायलिय में
रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

मैं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम वे इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह
(अंतर्भूत वर्षों) के द्वीज ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के द्वायलिय
वे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जारी/शा

(क्ष) ऐसो किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतवा बत, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसर
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उम्मारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित वर्णनों, अधोस्त :—

(1) डा० विरल मी० शहा, कर्ता आफ विरल सी० शहा
एच० य० एफ०)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सरला शहा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति थे लाइ जे सम्पत्ति में कोई भी वास्तवी

(क) इस दृष्टि के द्वायल ये तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की वामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
कठोर बाहर से समाचार होती है, के भीतर प्राप्त
प्राप्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समर्ति में हितावधार
प्राप्ति अविकृत द्वाया अधिकारी के पास
उपलब्ध न होने पर विए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रिमाइसेस 28 वे मालेपे, विकास टॉवर्स, दो गराज के साथ,
बालकेश्वर, रोड, बम्बई-6

अनंतरी जैसा कि क्र० सं. अई-1/37ई/10214/ 85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-86
को रजिस्टर्ड किया गया है।

तिमारग्रहमद
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकन (निरीक्षण)
अर्जन नं. ज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

प्रलूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निम्निकाय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर, 1986

निदेश सं. अई-1/37ई/10879/ 85-9-86— अतः

मूल, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
एम्प्रेस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लेट नं. बी० 29, वां माला, विकास-
टावस, दो गरा साथ, वालकेश्वर, रोड, बम्बई-6 में स्थित है
(आंग इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पुण्ड्रप में वर्णित है),
और जिसका करारनाम आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवहारन प्रतिफल से, ऐसे व्यवहारन प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
पल, निम्निकाय उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(ए) अनुदृश्य व हुई किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आवश्य
में कमी करने वा सस्ते बजाए में सूचित नहीं है;

(इ) एवं किसी आय या एकसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्निकाय व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० विरल सी० शहा और श्रीमति पासल अही
शहा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सरला सी० शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
प्रार्थनाहर्वा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजवन्म वे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजवन्म वे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वहूँ वित्ती अन्य व्यक्ति द्वारा, अपेहस्ताभारी वा
पाप विवित में किये जा युक्तें।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रदृश्यत हब्दों और पदों का, वा उक्त
वाचीविषय के व्यापार 20-क में विविध
हैं, वही वर्ध होगा जो उस व्यापार में विद्या
पदा है।

अनुसूची

फ्लेट नं. बी० 27, वां फ्लोर, विकास टावस, दो गराज
साथ, वालकेश्वर रोड, बम्बई-6

अनुसूची जैसा कि क्र० सं. अई-1/37ई/10215/ 85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

प्रध्या आरौ. टी. ए. (के.---)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

ग्रांजन रेंज -1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1986
निर्देश सं. अई-1/3ईई/10879-ए/ 85- 86—अन्तरः
मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्त इतर्में
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी ० फ्लट नं. ५०५, जो ५वीं मंजिल, विकी
अपार्टमेंट, टी०पी० एस० ४, प्लट नं. १२२५, ओल्ड
प्रभादेवी, बम्बई-२५ में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुच्छी में और पूर्णस्पष्ट में वर्णित है), और निसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन, बम्बई
स्थित सकाम प्राधिकारी के द्वायलिय में रजिस्ट्री है। तारीख
3-3-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के इसकात
प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यह पूर्वोक्त संस्पर्शी का उचित
बाबार मूल्य, उसके उत्त्यनाव प्रतिफल से, एसे उत्त्यनाव
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए उत्तर
वाला प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं दाया यथा है :—

(३) अन्तरण से हुई किसी वाय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(४) एसी किसी वाय या विसी धन या अन्य बास्तवियों
के अन्तरण से हुई किसी धन की वापत, अन्तरण (1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

लेण: नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसर
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) गोतीराम तो लराम।

(अन्तरक)

(2) श्री अधीक शिरोडकर और श्रीमती जयश्री
अधीक शिरोड कर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तर :

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) जमीन का मालिक

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति
हितबद्ध है)।

का यह सूचना वारी करके पूर्वक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

रक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्यांश :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ४५
दिन की अधिक या सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले वर्षे सभापत छोटी हो, के भीतर एवं कल
व्यक्तियों में से किसी अकेले द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, जो हस्ताक्षरी के पाल
निवित में किए जा सकें।

लघुकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

जन्मसूची

फ्लेट नं. ५०५, जो ५वीं मंजिल, विकी अपार्टमेंट, टी०पी०
एस० ४, प्लट नं. १२२५, ओल्ड प्रभादेवी रोड, प्रभा-
देवी, बम्बई-२५ में स्थित है।

अनुसूची जैसा क्र० मं. अई-1/3 ईई/1020के/ 85-
86 और जो सकाम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 29-10-1986

मोहर :

प्रस्तुत वाई.टी एन एस.-----

(1) श्री टी० आर० मूलचंदानी।

(ग्रन्तरक)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) वृश्चिक्षण निः।

(अन्तरिक्ष)

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर वायकर वायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं० अई 1/37ई/10885/ 85-86—अतः
मुझे, निसार अहमद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि यथावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूला नं० 1-बी जो 1ली और 2री मंजिल,
पर इंडस्ट्री हाउस, प्रिमायसेस को० आप० नॉमाइटी
लिं०, प्लॉट नं० 250 बी, वरली, इस्टेट स्कीम नं० 52,
बम्बई 1 में स्थित है (आंग इसमें उपावढ़ अनुसूची में आंग
पूर्ण रूप से वर्णित है), और f. सका लगानाम वायकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 का के अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-86
को पूर्वोत्तर संपत्ति के ऊंचत बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और ऐसे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिटियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हृदय किसी वाय की वाय, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दिये के अन्तरक वै
दायित्व में कठी करने या उससे बचने में सुविधा
ने लिए; और/था

(*) एसी किसी वाय या किसी धन या बन्य वार्तियों
का, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या उनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रायः ज्ञानार्थ
अन्तरिती ब्याय प्रकट नहीं किया गया था या
विया जाना चाहिए जो लिपाने से सुविधा के लिए;

गा० वा०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, इ०, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरभी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधारी के पास
लिखित में दिया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

माला न० 1-बी, जो 1ली आंदू 2री मंजिल, इंडस्ट्री-
हाउस, मायसेस को० आप० हाउसिंग मोमाइटी लिं०,
प्लॉट न० 5, 250-बी, वरली, इस्टेट स्कीम न० 52,
बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जामा कि क्र० सं० अई-1/36ई/10219/
85- 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
महायकर वायकर अधिनियम
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख 27-10-1986
मोहर :

प्राप्ति आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269वां (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० अई-1/37ई/10895/ 85-86— अतः
मुझे, निसार अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वा और अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000 रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लेट नं० ए-25 वां माला, एक गराज,
और सब्हृंट रूम, विकास टॉवर्स, बालकेश्वर रोड, बम्बई-6 में
स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 काव के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986को पदोन्नत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रुद्धमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, सूक्ष्म स्थावर सम्पत्ति का, एवं उसमें उल्लिखित का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और इसके अन्तरक (अन्तर्वां) और अंतरिती
(अन्तर्वाणी) के बीच ऐसे अंतर के लिए तब पाया जाया गया प्रति-
क्रिया, विभिन्नीकृत नक्शेबद्दल वै स्वतं अन्तरक विभिन्न वै बास्त-
विक सम से कठित नहीं किया जाया है—(३) अस्त्रधर्म से 'कृपा' किसी आद को बास्त, अस्त
अधिनियम के अधीन कर देने वै अन्तरक के अधिक
जै कठित करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
अपै—(४) ऐसी किसी जाय या किसी धर्म का अस्त बास्तियों
को, जिन्हे भास्तीय जाम-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उसल अधिनियम, 1922
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अस्त बाब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—
21-386GI/86

(1) मेसर्से सरल इन्टरप्राइसेस।

(अन्तरक)

(2) डा० विरल सी० शहा।

(अमृतस्ती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्णकाल सम्पत्ति के व्यञ्जन के निषु
कार्यवाहियों करता है।

उपर सम्पत्ति के व्यञ्जन में कोई भी लालौर—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा उत्तममध्ये व्यक्तियों द्वा
रा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकाल
व्यक्तियों द्वे दिल्ली व्यक्ति इवायाप्त।(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान अस्तित्व में हितवद्धु
किसी बन्ध व्यक्ति इवारा अधोहस्तान्तरी वै पाप
तिवित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लेट नं० ए, 25वां माला, एक गराज, सब्हृंट रूम, विकास
टॉवर, बालकेश्वर रोड, बम्बई-6अनुसूची जैसा कि श्र० सं० अई-1/37ई/10217/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

प्रखण्ड आई. टी. एन. एस. -----

(१) मेसर्स सरल इन्टरप्राइसेस ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की
भारा २६९-ए (१) के अधीन सूचना

(२) डा० विरल सी० शहा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-१, बम्बई

बम्बई, दिनांक २७ अक्टूबर, १९८६

निर्देश सं० अई-१ / ३७ई/ १०८९६ / ८५-८६—असः
मुझे, निसार अहमद,
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
२६९-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
१,००,०००/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लेट न० ए० २६ वां माला, जो गैरेजेस, विकास
टॉवर, बालकेश्वर, रोड, बम्बई-६ में स्थित है।

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, १९६१ की धारा
२६९ क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-
लय में रजिस्ट्री है। तारीख ३-३-१९८६

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रौढ़त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तर्गती (अन्तर्गतियों) के बीच दैसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया गता प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
तिथित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(१) अन्तरण से हूँ इसी काय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
वा०/वा०

(२) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाता थाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वासेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तस्वीरन्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता है जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट न० ए० २६ वां माला, और दो गेरेज़, विकास टावर,
बालकेश्वर रोड, बम्बई-६

अनुसूची जैना कि क० सं० अई-१/३७ई/१०२१८/८५-
८६ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक ३-३-१९८६
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-१, बम्बई

तारीख : २७-१०-१९८६

मोहूर :

अतः बब, उक्त अधिनियम की भारा २६०-ए के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की भारा २६९-ए की अपभासा (१)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रलेप बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

का भारा 269 प (1) की वधीन सूचना

भारत सरकार

फार्मलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 27 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं० अर्हे-1/37ई/10897/ 85- 86—अतः

मुझे, निसार ग्रहमव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-के वधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर मध्यमिति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बेसमेंट नं० 53, और 54, जो अशोका शापिंग
सेंटर, जी०टी० हास्पीटल एल० नी० काम्पलेक्स एल० टी०
मार्ग, बम्बई-1 में स्थित

है), और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
और जिसका करारनाम आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 के वधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-
लय में रजिस्टर्ड है। तारीख 3-3-1986

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, एसे इयमान प्रतिफल का
प्रदूषण से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और
बंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हूर्दे किसी बाब की वाधत उक्त बाध-
नियम की वधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बहुत में सविभा के लिए;
और/वा

(ख) एकी किसी बाब का किसी बद या अन्य आस्तीयों
को, विहृ ग्रामीन बाब-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बद-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, कियाने वे सूचित
कीजिए;

अस: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
में वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों विवरण—

(1) पुरी कन्स्ट्रक्शन (बम्बई) प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) ए० सी० लिंगो, ई० के०, लिंगो, अनीया डी०
नारायण, डा० (कुमारी) सरसा शेठ, सुनन्दा,
बी० नाडकणी, वृदा बेट्राविट और रजनीकांत
जी० हेमानी (हिंग्र० कु०)।

(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यादित्वां बूक करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ता
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधारी के पास
प्राप्ति वा विद्युत वा उक्ते

लिखित:—इसमें प्रदत्त सब्दों वाले पदों का, वे उक्त
अधिनियम के व्याय 20-क में परिवर्तित
हैं, वही वर्त होता जो उक्त व्याय द्वे विवा
हता है।

मनुष्यों

बेसमेंट नं० 53, और 54, जो अशोका शापिंग सेंटर, जी०टी०
हास्पीटल, कम्पलेक्स, एल० टी० रोड, बम्बई-1 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अर्हे-1/37ई/10219/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर, 1986

निवेश सं. अई-1/37ई/10910/ 85- 86— अतः
मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लेट नं. 14, 1 ला माला, बी० जी०,
खेर मार्ग, (गिड्स रोड), सी० एस० नं. 484 (पी०टी०),
मलबार हिल, डिवीजन बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 का, ये के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख
3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्व प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, चिम्नीलिङ्गित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रासंगिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) ट्रस्टिज आफ दि पारसी पंचायत कंफ़ैडेस
और प्रापर्टीज।

(अन्तरक)
(2) श्री बोमन एन० इरानी, श्रीमती होमर्ह बी०
इरानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
अर्थ होता है जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं. 14, 1 ला माला, बी० जी० खेर मार्ग, (गिड्स
रोड), सी० एस० नं. 484 (पी० टी०) मलबार हिल,
डिवीजन, बम्बई

अनुसूची जैसा कि क्र० सं. अई-1/37ई/10221/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-86
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

वर्तमान उक्त अधिनियम की भाग 269-व के दृश्यमान
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपाय (६)
में वर्णित विवरितिकृत अधिनियम के अन्तर्गत

तारीख : 27-10-1986
मोहर :

प्रध्याय शाह टी एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर, 1986

निवेश सं० अई-1/37ईई/10963/ 85- 86—अतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन अधिकारी को वह नियास करने पर
अन्तरण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित दामाद मूल्य
₹.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 4, जो 5वी मंजिल, और खुला
पार्किंग जगह जो, तल माले पर, दून अपार्टमेंट, जावजी
दादाजी रोड, बम्बई-7 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्णसंपत्ति से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, खं के अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-3-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उंचित बाजार मूल्य संक्षण के अध्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उंचित बाजार
मूल्द, उसके अध्यमान प्रतिफल से एसे अध्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रांतशाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे क्षतरण के लिए उप
पाया गया प्रांतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
है लिए; और/या

(ग) एसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य भास्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
है लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
है, मैं, उक्त अधिनियम को आय 269-ए की उपचाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मधूसूदन जे० शहा और श्री देवानन्द जे० शहा।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमति प्रतिभा दी० शहा।
(अन्तरकी)
- (3) मन्त्रकों।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी वापेसः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों द्वा
रा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो ऐ
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
दर्दावलयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध
नियमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरण वे वाल
प्रांतशाल में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 4, जो, 5वी मंजिल, और खुला कार पार्किंग,
जगह जो तल माला, दून अपार्टमेंट, जावजी दादाजी रोड,
बम्बई-7 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/10158/ 85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

प्रस्तुति आहूँ दृष्टि एवं एष...
कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
269-प (1) के अधीन सूचना

मारक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर, 1986

निर्देश सं ० अर्ह-1/37र्ह/10965/ 85-86— अतः

मुझे, निसार अहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
र फ जसकी सं० फ्लेट नं० 19, जो, 3री मंजिल, दि वरली,
भावे श्वर को०-आप० हाउसिंग सोनाहटी 148-बी,
डा० ए० बी० रोड, वरली, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावड
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनाम
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का, ये के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख
3-3-1986

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरेय से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) बन्दरगांव से हृष्ट किलो भाव की वापर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के सन्तरक के
सामिल में कदीं करने या उक्तसे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) ऐसी किलो भाव या किसी धन या बन्द आस्तीय
स्व, जिन्हे प्रारंभी आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या जक्स अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रारंभनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

उक्त अधिनियम की धारा 269-प के बन्दरगांव
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) देविकारानी निहालचन्द अरोरा।

(अन्तरक)

(2) शरद जनार्दन मुक्तिदूत और लक्ष्मी जनार्दन मुक्ति-
दूत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित संपत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वापरेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहू
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
पाया है।

मनुसंधी

फ्लेट नं० 19, जो, 3री मंजिल, दि वरली, भावे श्वर,
को०-आप० हाउसिंग सोनाहटी, 148-बी, डा० अनी बेस्टं,
रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्ह-1/37र्ह/10159/ 85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

प्रत्यय वादः एवं पूर्वः इति ।

(2) श्री अशोक आर० पटेल ।

(अन्तरक)

आदकर विधिविद्या, 1961 (1961 का 43) की
पात्र 269-ए (1) के अधीन सुन्ना

(2) श्री नितिन ए० पटेल ।

(अन्तरिती)

भाषा चक्रवार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० अष्ट-1/37एस/10985/85-86—प्रतः

मङ्गल, निसार अहमद,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवर इन्हें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की भाग 269-के वर्धीन संघर्ष शाखाओं को, वह नियमानुसार करने का कारण है कि स्थानीय सम्प्रति, विद्युत उपकरणों और अन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौंर जिसकी सं० प्लेट नं० 13, जो, भावेश्वर कुंज, प्लाट नं० 158 सायन (प), बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उपर-बढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा आयकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 कण्ठ के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

तारीख : 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास भवन का कारण है कि वधुपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, देखे द्वयमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिवात वे वधिक हैं और बाटरक (बाटरक) और बट्टली (बट्टलीरुदा) वे दोनों बाटरक वे लिए जब बाजार वदा प्रतिफल निम्नलिखित ग्रन्तिवेत्ता से बाजार बाटरक (उचित वे बाटरक इन दो वधिक दोनों विवाद वदा हैं):—

(४) दूसी किसी वाद या जिल्हे एवं या उच्च वादितारी को, जिन्हें प्राप्तीय वादाकर अधिनियम, 1922 (1922 अ 11) या उच्च अधिनियम या वन कर अधिनियम, 1957 (1957 अ 27) के प्रतीक्षा-सही स्वामीरती प्राप्त अपेक्षा वहीं किसा वा या या किसा जाना चाहिए या किसाने में अधिका

अब: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, विवरिति विवरण संहिता ।

को यह धूमना पारे करके दूसीकर इन्स्टिट्युट के जरूर के लिए
संवर्धणात्मक करता है।

उम्मीद वालों के अर्थात् के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक

(क) इस सूची की वर्गीकरण द्वारा प्रकल्पद की वारीब दे 45 दिन की वर्षीय या दस्तखतभी अविकल्पों पर सूचीका की वारीय दे 30 दिन की वर्षीय, जो भी वर्षीय वारी जैसे दस्तखत होती है, के बोधर प्रकल्प अविकल्पों वैसे ही किसी वर्षीय दस्तखत;

(८) इस दृष्टिकोण से प्रकाशन की तारीफ़ 45 फिल के बीतर उम्हा स्थान पर समरित वो हिंदूपुर किसी अन्य अविभाग द्वारा अभोट्स्थानारी के दास बिलित वो चिन्ह वा छापें ।

स्वास्थ्यकरण:—इसमें प्रदूषण कम हो रहा है, जो स्वस्थ
विधिविधि के अधार 20-वें शताब्दी के अन्तर्गत है, जहाँ
वर्ष हुआ, जो उस अधार के द्वारा
प्रभावित हुआ।

અનુષ્ઠાન

फ्लेट नं० 13, जो भवेश्वर कुंज, प्लाष्ट नं० 158, सायन, (प), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37ई/10160/ 85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निखार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर युक्त (निरीक्षा)
अर्जन्ते ज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986
मोहर :

प्रलेख नामः टो. एस. एस. 269-ग
अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन संघमा

भारत सरकार

आदायक, आदायक आयकर वापकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० अहै-1/37ई/10997/85- 86—अतः
मुझे, निसार अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 16, जो, 5वीं मंजिल, कैलाश-
नगर, 658, ताडेव, रोड, बम्बई-7 में स्थित है 'और
इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और
जिसका करारनाम आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
कथ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एव्यमान
प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके एव्यमान प्रतिफल से, ऐसे एव्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तस्क (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित द्वयोर्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम ने बजील कर दिये हैं जबकि उक्त
मैं अपनी कानून द्वारा उससे उपर्योग में अधिभाय के लिए;
तो/या

(ब) देखी जिसी आय वा किसी भव वा अन्य वार्ताओं
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
वे लिए हैं

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त 6—

(1) श्री कांतीलाल श्रीपतराय ठाकुर, श्रीमति प्रतिभा
पिंपारे देशर्ह, लीना प्रकाश देशर्ह, चिन्ना गौतम-
ठाकुर और गिता जगदीष मुन्ही।

(अन्तरक)

(2) धिरने कांतीलाल शहा, जयेश कांतीलाल शहा,
चन्द्रवती कांतीलाल शहा, और जयश्री धिरेन शहा।

(अन्तरिती)

(3) कांतीलाल श्रीपतराय ठाकोर और श्रीमति।
गिता जगदीष ठाकुर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

जो यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कीड़ी भी आलेह :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा तत्समन्वी अविक्षियों पर
धूम्रता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर रसम्पत्ति में हितवृक्षधूम्रता
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कधाहस्ताभारी के पाल
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 16, जो, 5वीं मंजिल, कैलाश नगर, 658,
ताडेव रोड, बम्बई-7 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि श्र० सं० अहै-1/37ई/10161/
85- 86 और जो 13वाम पाधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सम्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

प्रस्तुप नाइंटी.टी.एन.एस.-----

(1) श्री जे० आर० मेहता और श्रीमति एस० आर० मेहता।

(अन्तरक)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अक्टूबर, 1986

निदेश सं० अर्ई-1/37ईई/10998/ 85- 86-- अतः

मुझे, निसार अहमद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 3ए/1, जो 3री मंजिल, गिरीराज
को०-आप० हाउसिं सोसायटी लि०, अल्टामाउण्ट रोड, बम्बई
26 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा वायकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 कब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
इन्वॉर्क प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और
बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित भौं
गास्ट्रोफ्रेक्टर से कठित नहीं किया जाता है ॥

(क) अंतरक से हुए किसी भाव या किसी भाव से उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे उच्चने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी भाव या किसी भन्न या बन्य आस्ट्रोफ्रै
के, जिन्हे भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बन्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

22—386GI/86

(2) श्रीमति मुजू एच० अग्रवाल।

(अन्तरिती)

(3) श्री एस० आर० मेहता।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना आरौ करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन की लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी गाझोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी या वास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 3ए/1, जो 3री मंजिल, गिरीराज को०-आप०
हाउसिं सोसाइटी लि०, 11, अल्टामाउण्ट रोड, बम्बई-26
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्ई-1/37ईई/10162/ 85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-86
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 28-10-1986

मोहर :

अमृत बाहु दी पूर्ण ग्रन्थ

ब्राह्मण अधिनियम, 1961 (1961 को 43) को
भारा 269-ग (1) के अधीन व्यवस्था

भारत सरकार
कार्बोलिय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज़-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/11000/85-86--

अतः मुझे, निसा अहमद

आयकर बाधानामा 1961 (1961 को 43) (चिम इम्फ
सबे उद्घात उक्त अधिनियम का पाया है), को भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विवरण करने का
कारण है कि स्थानीय मध्यम, उक्त व्याजार मूल्य
10 10/- ग्रा में अधिक है

औं जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो 9-री, मंजिल इमाल
नं० 5, सी० एस नं० 868, 1/868, व ली बम्बई में स्थित है
(ओं इनसे उगावड अनुकूल में औं पूर्ण रूप में वर्णित है), औं
जो को नामा आयकर अधिनियम 1961 नी शा 1 369,
क, ख, अदीन बम्बई सिन्त क्षम प्राप्तिकारी के
कार्बोलिय में जिस्ट्री है

दिनांक :- 3-3-1986

शा १८०५ अवधिकरण के निचित वाजार मूल्य में कम के इमाम्बद्दल
रतिपत्र के निए अतिरिक्त की गई है औं पूर्वे यह विवरण

प्रत्यक्ष उपकों द्वारा प्राप्त अनुकूल अवधि अनुकूल
प्रतिवात स आधिक है प्रत्यक्ष अनुकूल (अनुकूलका) औं अनु-
तिरिती (अनुतिरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा पाया यादा
रतिपत्र निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अनुकूल लिखित से
वास्तविक रूप में कठिन नहीं किया यादा है ।

(ए) अनुकूल द्वारा किसी वाय या धन या अन्य प्राप्तिकारा
को अनुकूल वायन करने के अनुकूल द्वारा व्यवस्था
के लिए, औं या

(घ) एसी किसी वाय या धन या अन्य प्राप्तिकारा
को अनुकूल वायन करने के अनुकूल द्वारा
व्यवस्था की वायन या उसम व्यवस्था में भावधा
के लिए, औं या

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुभव
में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) एस० वाय विल्डर प्रा० लिं० ।

(अन्त तक)

(2) श्री मुशीलकुमार कस्तीया औं श्रीमति चन्द्रकांता
कस्तीया ।

(अन्तिमती)

(3) अन्त तक ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिसूचना में
सम्मिलित है) ।

मा अ० ग्राम द्वारा नामे अनुकूल के अन्त तक ने निए
“वार्ता” द्वारा दर्शाया है।

२८३ अप्रैल, १९८६ अक्टूबर, जे कांडा दी शाखा ॥

(क) इस मूल्याके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
५ दिन वार्ता द्वारा १५ अनुबंधी व्यक्तियों पर
उपकूल द्वारा दर्शाया जाये “इन की अवैध, जो भी
इन द्वारा दर्शाया जाये वे अनुराग व्यक्ति
के लिए अनुकूल नहीं ।

(ख) इस मूल्याके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
५ दिन के अन्तर उक्त अनुकूल द्वारा दर्शाया जाये “इन द्वारा अनुसूचित
व्यक्ति अनुकूल द्वारा अनुसूचित अनुकूल द्वारा दर्शाया जाये वे अनुकूल ।

प्रदर्शन :- यहां दर्शाया द्वारा जी एदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ध होगा, जो उस अध्याय में
उपकूल द्वारा हो

अनुमूल्यों

फ्लैट नं० 2, जो, 9-री मंजिल, इमाल नं० 5, सी०
एस० नं० 863 1/833, व ली, बम्बई में स्थित है ।

अनुमूल्यों जैसा कि अ० सं० अई-1/37-ईई/10163/
85- 86 औं दो सक्षम प्राप्तिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 द्वारा जिल्ड द्वारा दर्शाया गया है ।

निसा अहमद
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1, 1986

निवेश सं० आई-1/37ई/11001/ 85- 86— अतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, उसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

औँ जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो 16 वीं मंजिल, इमा त नं०
5, सी० एस० नं० 868, 1/868, वरली, बम्बई में स्थित
है (औँ इससे उपावड्ड अनुसूची में औँ पूर्ण रूप से वर्णित है)
औँ जिसका कानूनामा प्राप्त अधिनियम, 1961 नी धा. 269 का
कावे के अधीन, बम्बई सिरत सक्षम प्राप्तिकारी के कार्यालय
में जिस्ती है। तारीख : 3-3-1986

मैं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के अन्तर्वर्ती
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास
कारण का कारण है कि इसका वह सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
न्यून अधिकतम से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीया) के दोनों अन्तरक के अन्तर्वर्ती तथा धारा 269
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरण्यों से उक्त अनुसरण किया जाए है :—

(क) अनुसरण से हुई किसी बाब और उसके अन्तर्वर्ती
प्रतिफल की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
किसी कानून या उसके अन्तर्वर्ती से सूचिता के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उसका अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के द्यावनाथ अन्तार्लङ् इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने पर
सूचिता के लिए,

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों का अनुसरण

(1) बी० बाय बिल्डर्स प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनयचन्द्र हिंडवत औँ श्रीमति विद्या ही विद्या
(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
अनुसूचित करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख व
45 दिन की अवधि या तत्त्वांबंधी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख व
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के वर्तमानिक
हैं, वही वर्त छोड़, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो 16 वीं मंजिल, इमारत नं० 5, सी०
एस० नं० 868, 1/868, वरली, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ई/10164/
85- 86— अतः मुझे, निसार अहमद,

निसार अहमद
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

संसद व्राते, दी. एम. इन्स्पेक्शन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
वाय 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1; बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर, 1986

निवेद सं० अई-1/37ई/11004/ 85- 86-- अतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा या है), को भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 1, जो 14वीं मंजिल, इमारत नं० 5, सम्पत्ति जिसका सी० एस० नं० 868, 1/868, वरली, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कदम के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अधीन के अवधारण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूथ, उक्ते इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का अनुभूति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब याचना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से अधिकतम ही किया गया है—

(क) बालाज रोड हूदी निली वाय की, बम्बई, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कली करने या उक्ते वचने के सुविधा के लिए; और/या

(ख) दूसी निली वाय वा किसी वचन या अन्य वाहिनियों को विनहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भारतीय अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोक्तार्थ अन्तरिती द्वारा ब्रॉडकॉट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा दी जाए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, अ०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री० वाय० बिल्डर्स प्रा० लि०।

(2) श्रीमति रतन देवी हीरावत।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्कालीन व्यक्तियों पर सूचना की तारीफ से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारूपताक्षरी के लिए लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यायों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अ० द्वारा जो उस अध्याय में विद्या दिया है ॥

अनुसूची

फ्लेट नं० 1, जो, 14वीं मंजिल, इमारत नं० 5, सम्पत्ति जिसकी सी० एस० नं० 8691, 868 वरली, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अ० सं० अई-1/37ई/10165/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

प्रकाश बाहू.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

वाहत बड़ुकाल

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 अक्टूबर 1986

निर्देश सं. अई-1/37ई/11005/85-86— अतः

मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. फ्लेट नं. 3, जो तीसरी मंजिल सी० टी०
एस० नं. 768, राजाबली रोड, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26
में स्थित है (और इससे उपावत्र अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269-क ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 3-3-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं. कम के छयमान
प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और अन्तरिती
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, एस० इसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीचित नहीं किया गया है:—

(1) अमय प्राप्टी प्रायवेट लिं।

(अन्तरिती)

(2) राजिन्ड मिगलानी और अन्य।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(वह सम्पत्ति किसेके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा...

(द) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

प्रष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्या० 20-५ मा परिभ्रान्त हैं,
वही अर्थ होगा जो उस व्याख्या में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाहत उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के बंतरक के
द्विविध में कही करने या उससे बदलने में द्विविध
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य गारिस्तानों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

फ्लेट नं. 3, जो तीसरी मंजिल सी० एस० नं.
768, राजाबली रोड, आफ भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-2
स्थित है।

अनुसूची की क० सं. अई-1/37ई/10166/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज -1; बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

मोहर:

कल्प वाह, टी. एस. एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 वं (1) के अधीन सूचना

1986 दस्तावेज़

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अजगर रेंज -1, बम्बई

बम्बई, दि. 27 अक्टूबर 1986

तिर्देश। सं. अई-1/37ई/11014/85-86— अतः

मुझे, निसार शास्त्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' भी कहा जाता है), की धारा
269-वं के अधीन उत्तर अधीनीकन करने का
आदेश है कि सभी दस्तावेज़, निरीक्षण करने का
मूल्य 1,00,000/- रु. में से अधिक है।

और यहाँकी सं. रुक्तिनं. 1, जो 18वीं मंजिलः इमारत
नं. 5, सम्पत्ति फ़िल्मी एस० नं. 863, 1/868
बम्बई में स्थित है और उत्तर अनुच्छेद में ओर
पूर्ण रूप से वर्णित है) और फ़िल्मी इमारत अथवा र
अधिनियम 1961 की धारा 269 वं, 1 के अधीन यित्त
सभी प्राधिकारी के अधीन दस्तावेज़ में रजिस्ट्री है

तारीक 3-3-1986

को पूर्णकर हास्ताने वं उत्तर आयकर गणना से कम के दण्डनान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित है और दस्तावेज़ यह चिदित्त
करने का बारें है और उत्तर अधीनीकन सभीन वं उत्तर आयकर
मूल्य, उसकी दण्डनान भी जो कि एक दण्डनान प्रतिक्रिया का
पलट्ट प्रतिक्रिया से कम है उत्तर अनुच्छेद (इमारत) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के लिए एवं अनुच्छेद के लिए तथा
पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नांकित उत्तरेद से उत्तर अन्तरित
चिदित्त में व्याप्तिशील क्षण से वर्तित नहो किया गया है :—

(क) कन्तरण संहृद्द किसी आय की बाबत, उत्तर
अधिनियम के अधीन कर दर्ने के अंतरक के दण्डनान
में कभी करने वा इसमें बचने में सुविधा के लिए;
मौर/पा

(ख) किसी फ़िल्म आए या अन्य आयकारी
का, जिसके लिए अनुच्छेद 1922
(1922 का 11 वा उत्तर अधिनियम, या
प्रतिक्रिया अधीन, 1957 (1957 का 27)
से प्रयोगनाम कर्त्तारितो द्वाया प्रकट रहा है) का
दण्डना आए या इसका जाता जात्यहूए था, उत्तरेद से
दृष्टिकोण से खेल;

बतः यदि, उत्तर अधिनियम का धारा 269-वं की अनुसर
मैं, उत्तर अधिनियम का धारा 269-वं की उपचाया (1)
के अधीन निम्नांकित व्यक्तियों के द्वाया है—

(1) बी. वार० विल्डस प्रायवेट लि.।

(अन्तरक)

(2) श्री महिर सिंह, उगत सिंह के पुत्र।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति किसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यान्वयन करता है।

उत्तर संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियों पर
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों भी में किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उत्तर अधीन सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वाया अधाहस्ताक्षरी के पास
लिपित गये किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें पृष्ठकृत शब्दों और शब्दों का, जो उत्तर
अधिनियम, के अधीन (1) के में राजभाष्य हैं,
वही अर्थ होता है। जो उस अभ्याय में दिया
गया है।

जनसूची

फलट नं. 1, जो 18वीं मंजिल, इमारत नं. 5,
सम्पत्ति फ़िल्मी एस० नं. 863, 1/868, वरली
बम्बई में स्थित है।

अनुच्छेदी जैसा की क्र. सं. अई-1/37ई/10167/
85-86 और जो सभी प्राधिकारी बम्बई द्वाया दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज -1, बम्बई

दिनांक: 27-10-1986

मोहर:

प्रस्तुप बाईं. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निवेश सं० अई-1/37ई/11016/85-86— अतः

मुझे निसार हहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसकोपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,00/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० फलट नं० 2, जो 18वीं मंजिल इमारत
नं० 5, सी० टी० एस० नं० 86के, 1/868, वरली, बम्बई
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुच्छी में और पून रूप
से वर्णित है, और इसका करारतामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, क, के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीक

3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे दह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पात्र गया प्रतिफल, निम्नान्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्णित भूमि वास्तविक रूप से कर्त्तव्य नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की वज्र, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सूचिभा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिभा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभाव (1)
के अधीन, निम्नान्वित, व्यक्तियों, वर्धात् ॥—

(1) एस० वाय० चिल्डस प्रार्वेट लिं०।

(अन्तरक)

(2) श्री सिद्धाथ सिंह य० जी० मगिन्दर सिंह०।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हाँ, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किंसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहों लक्ष्य होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फलट नं० 2, जो 18 वीं मंजिल इमारत नं० 5,
सी० एस० नं० 868 और 1/868, वरली डिविजन, बम्बई
में स्थित है।

अनुच्छी जैसा की क्र० सं० अई-1/3ई/सै० 168
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार हहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 27-10-1986

मोहर :

प्रकाश लाइट्स, टॉ. एन. एड्स, नोंडल

भारत का अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
संख्या 269-ए (1) के अधीन सूचना

शासक सत्रकार

कार्यालय, नायकर आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

दिनांक सं. अई-1/37ई/11017/85-86— यतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन उक्त अधिकारी जो यह विषयालय करने का
कारण है जिसका विषयालय, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फॉट नं. 2, जो फलोप्रर नं. 10,
ईमारत नं. 5, राजति गिरिया सी. एस. नं. 868,
1/868, बम्बई में विद्यमान है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णिया है) और जिसका करारतामा आयकर
अधिनियम, 19 दिसम्बर 269 क. ख, के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी आलिय में रजिस्ट्री है

तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य हो कर वे अधिकार
की अधिकारी को जिस अधिनियम की गई है और वह यह विषयालय
करने का कारण है तो यथार्थकाल संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, जो संख्या 269-ए की अधिकारी ने, आपके अधिकार सिफल का
पूर्ण अधिकार है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षीय) वैधता अन्तरण के लिए तब
जब वह प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य हो कर उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ;—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूचिधा
के लिए; अर्थात्

(ख) एकी विभी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय इवारा प्रकट नहीं किया गया
था तथा जो किया जाता चाहिए था छिपाने में सूचिधा
के लिए;

मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) बो. वाय० विल्डसं प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) सिम्प्लेक्स इन्टरप्रायजेस।

(अन्तरिती)

(3). अन्तरकों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादी :

(क) इस सूचना के उपर्युक्त में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पुरातः;

(ख) इस सूचना के उपर्युक्त में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धुत
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
प्रवर्तित हो किए जा सकें।

सक्षमताकारण :—इसमें प्रयुक्त वस्त्रों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता ही उस अध्याय के लिए
माना है।

अनुसूची

फॉट नं. 2, जो फलोप्रर नं. 10, इमारत नं. 5,
सम्पत्ति सी. एस. नं. 868 और 1/868, बम्बई,
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-1/37ई/10169
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
महाय० आयकर आयुक्त (निरक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 27-10-1986

मोहर :

८५६ वाह. ट्रॉ. एवं एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत दूतावार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निदेश सं० आई०-1/37 ईई०/11018/85-86—अतः
मुझे, निसार अहमद

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सभीम प्राधिकारी को यह विश्वाल करने का
धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्क
1,00,000/- रु. से अधिक है**

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो 8वीं मंजिल, इमारत नं० 5
सम्पत्ति जिसका सी० एस० नं० 868 1/868, वोरली,
बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 का अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय के में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-
1986

को प्रवौद्ध सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वाल

करने का कारण है कि यथाप्रवौद्धत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बंदूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरक ए हूँ कि की आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन वार देव व अन्तरक व
वायिक वे कदी करने वा उक्त अन्तरक ए हैं कि
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 11) द्वा उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
व गदाओं वाले अन्तरित द्वारा प्रदत्त धना किया
गया था या किया जाना चाहिए था, तारीख म
सूचित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

23—386CI/86

(1) मैं बी० वाई० बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री वर्मा डी० मनसुखानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवौद्ध सम्पत्ति के बर्तन के लिए
कार्यालयों सूच करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के संबंध में काहे भी जाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर प्रवौद्ध
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास विवित में किए जा सकेंगे।

प्रकाशन ——इसमें प्रवौद्ध सम्पत्ति की पद्धतें का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही वर्ष होगा जो उक्त अध्याय में विद्या
होता है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, नं० 5, सम्जो. ४ 8वीं मंजिल, इमारत 5
सम्पत्ति जिसका सी० एस० नं० 868, 1/868 वोरली, बम्बई में
स्थित है।

अनुसूची के अनुसार आई०-1/37 ईई०/10170/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

प्ररूप बाई० दी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई०-1/37ई०/11021/85-86— अतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, जो 4थी मंजिल, अल्मेज
इमारत, ए० के० मार्ग, खंबाला हिल हास्पीटल के सामने,
बम्बई-36 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूपसे वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर है तारीख
3-3-1986

का पूछोक्त सम्पर्क के उचित बाजार मूल्य से कम के छव्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हृषभान प्रतिफल से एसे छव्यमान प्रतिफल का
न्युन प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दबाव से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत
ही किया ज्या है:—

(क) अन्तरण से ही किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
धारायत्र में कमी करन या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः बह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित दबावियों, अर्थात् :—

(1) श्री भाई लाल पी० पिटा और
श्रीमती कांचन बी० पिटा।

(अन्तरक)

(2) श्री हीराचन्द्र एम० जैन उर्फ एच० एम० जैन,
श्रीमती मधुबाला जैन।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है
को यह सूचना लाई करके पूर्णक्त तर्फसि के अर्जन के लिए
कार्यवाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्णक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पणीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 402, जो 4थी मंजिल, अल्मेज इमारत,
ए० के० मार्ग, खंबाला हिल हास्पीटलर के सामने, बम्बई-36
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-1/37ई०/10171/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 28-10-1986
मोहर :

प्रस्तुप आई., टी. एन. एस. —————

(1) श्री जगदीश सी० बोहरा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के बचीन सूचना

(2) मै० मनोलाल एण्ड कम्पनी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई-1/37 ई०/11024/85-86—यतः

मुझ, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
(उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के बचीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 33, 3मरा माला, आर्केडिया
को— आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, नरिमन पांइट
बम्बई-400021 में स्थित है (और इसे उपायद्र अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कानून के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने, का कारण है कि दस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्तत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधारनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायोल्क में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकतयों, अर्थात् 1—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आफिस नं० 33, 3रा माला, आर्केडिया को— आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, नरिमन पांइट, बम्बई-400021।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-1/37ई०/10172/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) वी० एण्ड एम० एसोसिएट्स

(अन्तरक)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) कुमारी नीता मोगेश्वर केलकर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० अई०-1/37ईई/11034/85-86—दतः
मुझे, निसार अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-2, जो सी० सर्वे नं० 191
(3), परेल-सिवरी डिवीजन, बम्बई में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में ब्रॉन्पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कारण
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से दोस्रे दृश्यमान प्रतिफल का
पंडह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रत्यक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा पर्याप्तिः
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-2, जो सी० एस० नं० 191 (3),
परेल-सिवरी डिवीजन, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-1/37ईई/10222/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
3-3- 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(क) अन्तरण से होई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयाङ्गनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

मतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 27-10-1986
मोहर :

प्रख्य बाई, टी. एन. एस.-----

(1) श्री भारत कामते ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व के अधीन सूचना

(2) आयना इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज -1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निर्देश सं. अई- /37ई/11052/85-86-यतः
 मुझे, निसार ग्रहमद,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
 इसके पहचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1ला माला, विल्डिंग सेसिल कोट, कोलाबा,
 बम्बई-400005 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूल्य
 में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका बारार मास
 आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन
 बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरों
 अंतरफल के लिए अंतरक की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दूसरों अंतरफल से एसे दूसरों अंतरफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
 (अनांतरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 क्षा पर्ने की अपेक्षा नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आर्थिक्यों
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाल्यांकित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेरस्ताकरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही उर्थ हाँ ज. 3-3-1986 में दिया
 गया है।

अन्तसूचने

1ला माला, विल्डिंग सेसिल कोट, कोलाबा, बम्बई-
 400005।

अनुमूल्य जैसा कि क्रम सं. अई-1/37 ई/10225/
 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
 3-3-86 को रजिस्टर्ड किया गया है ग।

निसार ग्रहमद
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986
 मोहर :

प्रस्तुत वाई.टी.एन., एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० श्री०-१/३७ ई०/११०५४/८५-८६— अतः
मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. में अधिक है
और जिसकी सं० रेसिडेंसियल हाउस, प्राप्टी मडालियन,
बेअरिंग प्लाट नं० 174, म्युनिसिपल स्कीम 57, शिवरी,
वडाला, नार्थ स्ट्रीट नं० 2054, माटुंगा रोड, वडाला,
बम्बई में स्थित है (आंग इससे उपाबद्ध अनुसूची में आंग पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की भारा 269 का ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
दन्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच एसे अंतरण के बीच तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण स हृ० किसी आय को बाबत, उक्त
आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहूं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकर नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती ओलगा ग्रेशीयस और
ओसबार्न डायस। (अन्तरक)
- (2) श्री अन्यानी सिल्हा। (आरिती)
- (3) कुमारी शेंगा डायर। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) अन्तरिती। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यबाह्यांशुर करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येष —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाद में समाप्त हाती हो, ते भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित भौं किए जा सकेंग।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयोग्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो नस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

रेसिडेंसियल हाउस, प्राप्टी मडालियन बेअरिंग प्लाट
नं० 174, म्युनिसिपल स्कीम 57, शिवरी, नार्थ वडाला स्ट्रीट
नं० 2054, माटुंगा रोड, वडाला, बम्बई।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्री० १-३७ ई०/१०२२६/
८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

उच्च वाइ. डी. एन. एड. ----

(1) श्री द्रीप सेखारी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन उच्चता

(2) श्री राम नन्थमल इरानी ।

(अन्तर्गती)

उच्चता अधिकारी

कायांक्षय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 86

निदे सं० आई०-१/३७ ई०/११०५५/८५-८६—ग्र:
मुझ, दिसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
सभी पालामूर्ति 'उच्च अधिनियम' कहा या है), की धारा
269 के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कायांक्षय प्रिमि नं० 305, जो तीसरी
मंजिल, बी भागवत सिंह रोड, बम्बई-1 स्थित है) और
इससे उपावन्न अनुसूची में और पूण रूप से वर्णित है), और
प्रिमा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 के अधीन बम्बई स्थित सभी प्राधिकारी के कायांक्षय
में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

का उचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधारण
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि अधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अवधारण प्रतिफल से, ऐसे अवधारण प्रतिफल का
मूल्य प्रतिवर्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्च अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बावत, उच्च
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित
के लिए, और/शा

(ख) ऐसी किसी बाय वा किसी भन या अन्य बास्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
या वा किया जाना चाहिए था, जिसने में
संबंधित लिखित;

अतः अब, उच्च अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उच्च अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधार, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी :—

को यह उच्चता बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बजाए के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उच्च सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी विवेद :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख पूर्व
45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर
उच्चता की दामील ते 30 दिन की अवधि, जो अवधि वाले सम्पत्ति होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में व्यक्तिय की तारीख पूर्व
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
द्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, व्यांहस्ताकारी वा
पात्र निविद में किए गए उक्तों :

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिकारी
नियम के अधार 20-के में परिभ्रान्त हैं,
वही अर्थ होगा. जो उम्म अध्याद पा दिया है।

अनुसूची

कायांक्षय प्रिमि नं० 305, जो तीसरी मंजिल, बी०
भागवत सिंह रोड, बम्बई 1 में स्थित है।

अनुसूची ज सा कि क्रम सं० आई० १/३७ ई०/१०२२ ८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3—
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

दिसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजन रेंज -1, बम्बई

तारीख : 27 10-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(१) श्रीमती अमीता एन० निजामी ।

(प्रान्तरक)

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन वक्तव्य:

(2) श्री शावीब रिज्वी और
श्री इसुफ एच० रिज्वी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज - 1, बम्बई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ता सम्पत्ति के जर्जन के सिए कामबद्धान्वयन करता है।

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निदेश सं० आई०आ० 1/37 ई०/ 85-86-- तः
मुझे, निसार अहमद
प्रायकर और्ध्वनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत
269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विषदास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से ऊंचक है

श्रीर फि सकी सं० आफिस नं० १७ पहला माला, रोहित चेबसे,
जोगा स्ट्रीट, फोट बम्बई-४००१ में स्थित है (श्रीर इससे
उपायद्वन्द्वनुची में आंर पूण रूप से वर्णित है), आर जिगका
करारनमा श्रायकर अधिकायम, १९६१ की धारा २६९ कदम
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है तारीख ३-३-१९८६

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल के पद्धति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

अत संपूर्ण के वर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आवधि :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को अवधि या तत्समयी व्यापत्तया या सूचना की सामीक्षा में 30 दिन की अवधि जो भी अधिक बाहर से तभाव हाँही हाँ के भीतर प्रदौद्धम अवधि का एक दिन से अधिक दिन हो।

(स) इस भचना के राजपत्र में प्रकाशन की स्तरीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाणी लियित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों जैसे पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्राम्य हैं, वही अर्थ होता है, जो उस अध्याय में दिया गया है।

पात्री

आफिस नं० १क पहाड़ मला प्रहित चेंबस, चोगा स्ट्रीट,
फोट बम्बई-४००००१।

अनुमूली जैसा कि कम सं० आई० 1/37 ईई०/10232/
85-86 प्रीर जो मन माधिगरी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हे भारतीय बैंकर वैधिकीय, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिकारीय गा प्रम-कर वैधिकीय, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तर्राती द्वारा ब्रेक्ट वडी किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधान के लिए;

निसार अहमद मक्तम प्राधिकारी

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

मेरीख : 27-10-1986
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई-1/37ई-11105/85-86—अतः

मुझे निसार श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इमारत जो, होमुक्कड़ मन्दिर नाम से
पहचानी जाती है। नलमाला 266, 266 ए, 266-ठी, जावजी दावाजी रोड, भोतीबाई स्ट्रीट, ताडेव रोड, बम्बई-7
में स्थित है (और इससे उपावत्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की की धारा 269 क, ख, के, अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे सूचना दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए,
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिस्यों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधार (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

24—386GI/86

(1) रतनशाह नौरोजी कान्द्रकटर, नरीमन मानेकशा
और कावजी नी० बाटलीबाल।

(अन्तर्क)

(2) मानेक पी० श्राफ, माय मानेक श्राफ और पी०
एम० श्राफ।

(अन्तर्गती)

(3) भाडूत।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तर्कों द्रूस्टीज।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्मन्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्त है,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इमारत जो होमुक्क मन्दिर नाम से पहचानी जाती है
266, 266-ए, 266-ठी, जो नलमाला, जावजी दावाजी
रोड, 264, 264 ए, भोतीबाई स्ट्रीट, ताडेव, बम्बई-7,
में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-1/27ई/10234/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई
द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 27-10-1986

सौहार :

प्रधन बाहौद. डॉ. एन. पट. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निर्वेश सं. अई-1/37ई/11096/85-86 अतः

मुझे निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 2, 8वां माला, मोनिका
शोबानी रोड, कोलाबा, बम्बई-5, में स्थित है (और इसमें
उपांडव अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क.
वा., के अधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में
रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है वा. और बन्तरक (बन्तरक) वा.
बन्तरिती (बन्तरितीय) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपरोक्त से उक्त बन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(1) मेसर्स अपोलो कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरक)

(2) कु० कविता य० हिंगोरानी, डॉ श्रीमती मधू
य० हिंगोरानी, श्री राजन एच० हिंगोरानी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय ग्रूप करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की बढ़ावी या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
बढ़ावी बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के
पाल निवित में किए जा सकते हैं।

लक्षण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

(क) बन्तरण से हुए किसी वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहिता
के लिए; वा./था.

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी भन या अन्य वास्तवियों
वा., जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
संविधा के लिए;

फ्लैट नं. 2, 8वां माला, मोनिका फाईनरोड
शोबानी रोड, कोलाबा, बम्बई-400050 में स्थित
अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-1/37ई/10233/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

, निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 27-10-1986

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अपेक्षा (1);
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) डा० मोहम्मद फ़लिल इसा मेमन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मती फ़ुशिद एस० शाह।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) अस्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निदेश सं० अई-1/37ई/11113/85-86—प्रतः
मुझे निसार अहमद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ़लैट नं० 603 बी० जो छठी मंजिल, 17 मेराज शेठ लेन, बाज़ेरा रहमत, आग्रीपाड़ा राजपूत विला को० आ०प हाउसिंग सोसायटी लि०, आग्रीपाड़ा इस्टेट, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन स्थित बम्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामात्र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरामात्र प्रतिफल से, ऐसे दूसरामात्र प्रतिफल का (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के बांतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबत में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ़लैट नं० 603-बी०, जो छठी मंजिल, 17 मेराज शेठ लेन, रेज-रहमत, आग्रीपाड़ा राजपूत विला को०-आ०प० सोसायटी लि०, आग्रीपाड़ा इस्टेट, बम्बई-8, में स्थित है।

अनुसूची दैसा की श्र० सं० अई-1/37ई/10238/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 27-10-1986

मोहर:

प्रसूप शाहौ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० अई-1/37ई/11123/85-86—अतः

मुझे निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 141, 5वां माला, अशोक
समाट 3, विंडर रोड, बम्बई 400006 में स्थित है (और इसे
उपायक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,
वा, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

को प्रवृत्तिक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँ इसकी किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अंतरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए,
और/या

(1) श्री हरेण जंयति शाहलाल।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेण जंयतिलाल शाह, श्री मुकेश जंयतिलाल
शाह।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके प्रवृत्तिक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृत्तिक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची

फ्लैट नं० 141, 5वां माला, अशोक समाट 3, विंडर
रोड, बम्बई-400006 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-1/37ई/10240/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 27-10-1986

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

प्रस्तुत वाइ.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आग्रहक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निर्देश सं. अर्द्ध-1/37ई/11131/85-86—अतः:

मुझे निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं 2 52, ९वां माला, मुनिता को-प्रा-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, कप परेड, बम्बई-५, में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई म्हित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986 को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आम को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आम या किसी भूमि या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दरशनलाल गोरखनदास झंडेरी

(अन्तरक)

(2) अब्बामाई कर्मभाई दोसादवाला, युसुफभाई कर्मभाई दोहादवाला, जूबाश कर्मभाई दोसाद वाला

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आकाश :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्यी

फ्लैट नं 52, ९वां माला, मुनिता को-प्रा-आप० हाउसिंग सोसायटी लि० कप परेड, बम्बई-400005।

अनुमूल्यी जैसा क्र० सं. अर्द्ध-1/37ई/10241/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 27-10-1986

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टी. एम. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के बधीन संचालन

भाउल उत्तराखण्ड

कार्यालय, स्थानक बायकर बाबूल (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई-1/37ई/11139/85-86—अतः

मुझे निमार अहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विहे इसमें
उक्त कलाकार उक्त अधिनियम कहा जाता है), की धारा
269-व के बधीन संकाय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
प्रारूप है कि स्थानक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसी सं० फ्लैट नं० 15, चौथा माला, बिल्डिंग
माथंडा लक्ष्मी ग्रोव्ह प्रिमिसेस को०-आप० सोसाइटी लि०
84, डा० ए० बी० रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम 1961 की
धारा 269 का अधीन स्थित संकाय प्राधिकारी के
कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

के पूर्वावृत्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थानक
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि बाहापूर्वोक्त संकाय का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थानक प्रतिफल से एक स्थानक प्रतिफल का पश्चात
श्रीतिवार से अधिक है और यह कि उत्तरक (अन्तरक) और बाहारियी
टिप्पी (बाहारियों) के बीच एक स्थानक रूप से उत्तरक से उत्तरक
प्रतिफल, प्रिमिसिवित उद्देश्य से उत्तरक अन्तरक सिवित
से बास्तविक रूप से कमित नहीं किया जाता है ॥

(क) उत्तरक से है किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के बधीन कर दने के अन्तरक के
साथसे में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; बाउल/वा

(ख) किसी किसी बाय का किसी भव या बन्ध बास्तवियों
को, जिसके भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना आहिए या कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के बधीन, निम्नलिखित अविक्तयों, अर्थात् :—

(1) राम चन्द्र चौधरी।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स एहेन्यूज अंडरनाईजिंग प्रायवेच लिमिटेड।
(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह संचाल बाती करके पूर्वावृत्त सम्पत्ति के उत्तरक के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उत्तरक के सम्बन्ध में कोई भी कानूनप्र

(क) इस संचाल के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तयों पर
संचाल की वायील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले उपावद्ध होती है, को भीतर पूर्वावृत्त
अविक्तयों में है किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस संचाल के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानक सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा अभावस्ताकरी के पास
सिवित द्वे किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

लक्षण

फ्लैट नं० 15, चौथा माला, बिल्डिंग माथंडा का, लक्ष्मी ग्रोव्ह
प्रिमिसेस को आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 84,
डा० ए० बी० रोड, वरली, बम्बई-18।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-1/37 ई/10242/
85-86 और जो संकाय प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
संकाय प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक: 27-10-1986

मोहर:

प्रलूप आई.टी.एच.एस.-----

(1) डा० गंगाराम एच० गिडवानी॒

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) फोरबहाल हन्वेस्टमेंट एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी
प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) अन्तरिती।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० अई-1/37ई/11140/85-86—अतः

मुझे निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संस० 52 मेकर टावर 1, कफ परेड, बम्बई-
400050 में स्थित है (और इसमें उपब्र अनुमूली
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, फ, के अधीन स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-86
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी के पास
निसित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूली

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या52 मेकर टावर 1, कफ परेड बम्बई-400050
अनुमूली जैसा की क० सं० अई-1/37ई/10243/(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बईअतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—दिनांक: 27-10-1986
मोहर:

प्रध्य शाइ. ही. पू. सू. -----

(1) श्रीमती रश्मिवेन एच० ठना।

(अन्तरक)

लालकू अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० अई-1/37ई/11147/85-86—अतः
मझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि उक्त अधिनियम, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फरट नं० 13, 3ग माला, कल्पना,
96 मैरिन ड्राफ्ट्ह, बम्बई-400002 में स्थित है (और इससे
उपर्युक्त अनुसूची में पौर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
कारण नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के
बाये के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है। तारीख 3-3-1986

कौं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उपर्यामन
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उपर्यामन प्रतिफल से, ऐसे उपर्यामन प्रतिफल के पूर्वोक्त
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती
(अंतरिक्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(१) अन्तरण स हूँ एकसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के क्षतरक कार्यालय में
कठीनी करने या उससे बचने से सुविधा
के लिए; और/या

(२) एकसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(2) श्री सूनिल हंसराज मर्चेन्ट

(अन्तरिक्ती)

(3) अन्तरिक्ती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कौं मह सूचना आदी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
नाम्बिहित करता है।

उक्त संपत्ति के उचित के संबंध में कोइ भी जाक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
प्राप्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण:—इसमें पूर्वोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, जो अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फलैट नं० 13, तीसरा माला, कल्पना, 96, मैरिन
ड्राईव बम्बई-400002।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-1/37ई/10244/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक: 27-10-1986

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

(1) मैं भारतवासी प्रदर्शन प्राप्त करना।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष के बधीन सूचना

(2) श्री विनोद मी० गांधी और
श्री कला वी० गांधी।

(अन्तर्गत)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निदेंग सं० अई०-1/37 ई०/11150/85-86—ग्रन्त:
मुझे, निमार अहमद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के बधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० फ्लैट नं० 502, शिव तिला, अलीभा ई०
प्रेम जी गेड, बम्बई-7 में स्थित है (और इससे उपावद्व
श्रनुसूची में और पूर्ण सूप्र में वर्णित है), और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का के
अधीन संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख :—3

1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं० कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का
पढ़ह प्रतिक्षण सं० अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के बधीन कर दने के अंतरक के वायित्व में
कभी करने या उससे सूचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारत :—

25—386GI/86

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

फ्लैट नं० 502, शिव लीला, अलिभाई प्रेमजी गेड
ग्रांट रोड, बम्बई-7।

अनुमूल्य के जैसा कि ऋम सं० अई०-1/37 ई०/10245
85-86 और जो संक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

प्रस्तुत वाइफ ट्रॉट प्र. एव. -----

(1) दि वैभव को० आपरेटिव बैक लिं०।

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-व (1) के अधीन सूचना

सातह दस्तावेज़

काविनद, सहायक आयकर आद्यत (प्रिर्टेलिप)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० अई०-1/37 ईई०/11153/85-86—अतः
मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 4, 5 और 6, जो तल माला, गोकुल इमारत, मार्डन भूलेश्वर को० आपरेटिव सोसाइटी, भूलेश्वर, बम्बई-2 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एवं ह प्रतिवर्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकारी) और अंतरिक्षी (अंतरिक्षेत्रीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देवे के अंतरक एवं वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा है जिसका बोध/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के विन्दू भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त :—

(2) श्री गणेश नारायण साबू और
श्रीमती सीतादेवी साबू ।

(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितबूषण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित ग्रंथि द्वारा सुझावे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 4, 5 और 6, जो तल माला, गोकुल इमारत मार्डन को आपरेटिव सोसाइटी, भूलेश्वर, बम्बई-2 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-1/37 ईई०/10247/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 28-10-1986
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अक्टूबर 1986

निदेश सं० आई०-1/37 ईई०/11161/85-86—ग्रन्तः
मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि उक्त अधिकारी की धारा 269 का उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० यूनिट नं० 304, जो तीसरी मंजिल,
आयमण्ड प्लाजा, डा० डी० बी० मार्ग, बम्बई-4 में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 का अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत में अधिक है और (अन्तरका०) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किमी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) एंसी किमी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा जे लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं० प्लाजा आयमण्ड पार्टीज प्राइवेट लिं० ।
(प्रन्तरक)

(2) श्री सक्षमण केण पोपले (भागीदार) :
मैं० केवल राम धन स्याम दास पोपले एण्ड संस।
(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उसमें अध्याय में दिया
गया है।

यूनिट नं० 304, जो तीसरी मंजिल, आयमण्ड प्लाजा,
डा० डी० बी० मार्ग, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-1/37 ईई०/10250/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई डाँरा दिनांक
3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 28-10-1986

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती देमुबेन जेवत।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्री रिखनदास नानमल शाह और
श्रीमती शाह शांता रिखबदास शाह।

(अन्तरित)

कार्यालय, महाराष्ट्र का आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अक्टूबर 1986

निक्षेप सं. आई-1/37 ईड०/11163/85-86—अतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 - रु. से अधिक है

और हजारमीटूस की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि इसमें उपाबद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है, आर जिसका कशरनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खिलाफ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख

3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छव्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मूँगे यह दिलास करने का कारण है कि व्यापारिक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छव्यमान प्रतिफल से एमें छव्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्गती (अन्तरितियों) ने बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँड़े किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने था उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ल) एमें किसी आय या किसी धन दो अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

फ्लैट नं. 1-सी, जो पहली मंजिल, हैपी होम अपार्टमेंट्स, एन-28, नेपियन सी. रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. आई-1/37 ईड०/10251/85-86 अर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 28-10-1986

मोहर :

प्रस्तुत गाई.टी.एन.एस.-----

(1) अनिल जोहर और नीलम जोहर मोदी।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) गोतम श्राव पटेल और रमाभाई एच. पटेल

(3) अन्तरक।
(अन्तरिक्षी)
(वह व्यक्ति जिसके अधिकार में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अक्टूबर 1986

निर्देश नं० ग्रई-1/37ई/11164/85-86—अर्जन:
मुझे, निमार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर ३-वीं सं० आफिस नं० ३-वीं, तीमरा माला, कोटं
चेंबर्स, प्रिमायसेस को०-आप० मोसायटी, ५५ न्यू मरीना
लाइन बम्बई-400020 में स्थित है। (और इसमें उपांचड
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रेट है
तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के जिए अन्तरिक्ष की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिष्ठान से अधिक है और बतरक (बतरको) और बंतरिकी
(बत्तरीतीय) के बीच ऐसे बतरण के जिए तथा यादा यादा प्रति-
कम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बतरण विविट में वास्तविक
है से कथित नहीं किया गया है :—

(प) बतरण से है किसी भाग की बावल, उक्त
मोर्धनियम के अधीन कर दें वे अन्तरण वा
दावित्य में कभी कहुन वा उससे बचने वे सुविधा
के जिए; और/या

(प) ऐसी किसी भाग या किसी भन वा बन्ध वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योग्यार्थ
अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए;

बतरण वा, उक्त अधिनियम वा भारा 269-व के बन्दरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षित :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्य शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधोपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्त्वावधि व्यक्तियों पर
सूचना वाले तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बतरण विविट में वास्तविक
है कथित नहीं किया गया है।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफिस नं० ३-वीं तीमरा माला, कोटं चेंबर्स प्रिमायसेम
को० आप० मोसायटी ३५ न्यू मरीना लाइन बम्बई-4000201

अनुसूची जैसा की फ०मं०ग्रई-1/37ई/10252/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार श्रहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 28-10-1986

मोहर :

प्रस्तुत माई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री श्रीचंद्र जे सदारंगानी श्रीमती आशा श्रीचंद्र सदारंगानी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा)
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अक्टूबर 1986

निर्देश भं० अई-1/37ई/11168/85-86—अतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 52, पांचवां माला, लैड मार्क बुइथ गैरेज नं० 6, हायलूड मार्क को०-आप० हार्डिंग सोसायटी लिमिटेड, कायमाईल रोड, बम्बई-26 में स्थित है) और इसमें उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, घ, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री तारीफ 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण गे हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(2) श्री श्रीचंद्र जे सदारंगानी श्रीमती आशा श्रीचंद्र सदारंगानी ।

(अन्तरक)

(3) श्री श्रीचंद्र जे सदारंगानी श्रीमती आशा श्रीचंद्र सदारंगानी, मास्टर श्री रवीशंकरलाल गोलानी

(अन्तरिक्ती)

(3) अन्तरिक्ती।

वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है, को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्य करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रवर्ती व्यक्तियों पर सूचना को तासील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होता जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5265 फ्लोअर लैड मार्क को०-आप० हायलैड मार्क को०-आप० हार्डिंग सोसायटी लिमिटेड, कायमाईल रोड, बम्बई-26।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-1/37ई/10253/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 28-10-1986

मोहर:

अतः गब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नान्वयी व्यक्तियों, अर्थात् :—

व्यापक वाइद्य टी.ए प्रिट प्रिलिंग

अधिकारी अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत उचित

संस्थान, भारतीय आश्वासन व्यापक (निर्देश)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० अई-1/37ई/11190 /85-86—अतः
मुझे, निसार अहमद
आश्वासन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
एसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फैट नं० 061, द्वा माला, "फालकन्स क्रिस्ट" प्लाट नं० सीटीएस 1/203, जी०डी० अम्बेडकर भाग परेल ट्रूंप रोड बम्बई-12 में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करानामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायालिय में रजिस्ट्री है। तारीख 24-3-1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिक्त की गई है

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से दोसे दस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितीयों) के लिए एसे बंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य व उक्त बंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा के निए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम या एसे के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं दिया गया या किया जाना आहुए था, लिखाने पर अधिकारी द्वारा लिए-

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) डाया हार्डिंग डेव्हलपमेंट कम्पनी लिमिटेड। (अंतरक)
- (2) आरडीप्राय प्रिट एण्ड प्रिलिंग प्रायवेट लिं। (अन्तरिनी)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेः

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन को अद्वैत या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधिक, जो भी अवैध नाहीं समाप्त होती हो, वे भीतर पूर्णकृत व्यापकता से दो दिनी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निरावह द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्दिष्ट में लिए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उम्मीदावान में दिया गया है।

अनुसूची

फैट नं० 61, द्वा माला, "फालकन्स क्रिस्ट" प्लाट नं० सी० टी० एस० 1/202, जी० डी० अम्बेडकर मार्ग परेल ट्रूंप रोड, बम्बई-12।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-1/37ई/10267/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 27-10-1986

मोहरः

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

र्ज. २५ ज-१, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० आई-1/37ई/11195/85-86—अतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पोस, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं फ्लैट नं० 3, 6वां माला, पटेल टावर्स,
बी० जी० खेर रोड, वर्ली, बम्बई-18 में स्थित है (और
इसमें उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका कागजानामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क, वा अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24-३-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए.

अतः यद्युपर्याप्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री युसूफ अब्दूल्ला पटेल ।

(अन्तरक)

(2) श्री कुसुम दाढा श्रीमती जिया के० दाढा । श्री
कांतिकुमार दाढा, श्री महेश कुमार दाढा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यकालियाँ करता है।

स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाल्क में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास विद्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसके प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

प्रमूख

फ्लैट नं० 3, 6वां माला, पटेल टावर्स, बी० जी० खेर
रोड, वर्ली, बम्बई-18 में।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-1/37ई/10271/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
24-३-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-१, बम्बई

दिनांक: 27-10-1986

मोहर:

प्रलेप आई. टी. एन. एस.-----

(1) मैं फिरकिरे एसोसिएशन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ के अधीन सूचना

(2) मैं दीपल बिल्डर्स एण्ड लैण्ड लैबलपर्स।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) श्री वी. आर. लिमए और भाऊत।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग
में सम्पत्ति है)

काशीनियम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अक्टूबर 1986

निदेश सं. आई०-1/37 ई०/11211/85-86—अतः
मुझे, निसार ग्रहमदआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवेदात करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर हजासकी सं. सम्पत्ति जो प्लाट नं. 101, चौथी मंजिल,
हिन्दू कालोनी, दादर, बम्बई-14 में स्थित है (और इसमें
उपांडत अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के
के अधीन तारीख 24-3-1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जां भी
अवधि बाद भी समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में दृढ़वद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूचीसम्पत्ति जो प्लाट नं. 101, चौथी मंजिल, लेन, हिन्दू
कालोनी, दादर, बम्बई-14 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि कम सं. आई०-1/37 ई०/10278/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकृत्य याहू. ही. एन. एस. -----

(1) श्रीमती विद्याहरी राम मविजन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वी० सी० जावेर और
श्रीमती वी० जावेर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

प्रायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 27 अक्टूबर 1986

निदेश सं० आई०-1/37 ई०/11223/85-86—प्रतः
मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
प्राप्ति है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और हजारों सं० फ्लैट नं० 301, मानसरोवर को आपरेटिव
हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, माउन्ट प्लेजंट रोड, बम्बई में
स्थित है (और इसमें उपाधि अनुसूची में और पूर्ण रैप से
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 का द्वारा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कायालिय में रजिस्ट्री है तारीख 24-3-1986
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्तमान प्रतिफल से एसे दस्तमान प्रतिफल से
पहले प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे कम्प्टरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्दुरण
क्रियित में काम्प्टिक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के क्षत्रिय के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः एवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

का० यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के दस्तावेज में काँह भी जाकेपे :—

(क) इस सूचना के दस्तावेज में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में उपाय होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों वे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के दस्तावेज में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्दू-
बहूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताभारी के
पास निविद में किए जा सकेंगे।

उच्चोक्तरण :—इसमें प्रदूषक वस्त्रों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ष होंगा, जो उस अन्याय में हिन्दू-
बहूध किए जा सकेंगे।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, मानसरोवर को आपरेटिव हाउसिंग
सोसाइटी लिमिटेड, माउन्ट प्लेजंट रोड, बम्बई-6 ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-1/37 ई०/10279/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 24-3-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 27-10-1986

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 30th October 1986

No. A-315012/1/85-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri J. N. Bahl, Pay & Accounts Officer in the office of the Principal Accounts Office, Deptt. of Supply, New Delhi to the post of Finance & Budget Officer in the office of the Union Public Service Commission on deputation basis with effect from the forenoon of 30th October, 1986 to 31st July, 1989, or until further orders whichever is earlier.

2. His pay while on deputation will be regulated in terms of Ministry of Finance (Dept. of Expenditure) O.M. No. F. 1 (11)-E-III(B)-75 dated 7-11-1985 as amended from time to time.

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE

FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 3rd December 1986

No. A-11/1/86.—Shri A. D. Narayanan, Enforcement Officer in Madras Zonal Officer of this Directorate is hereby appointed to officiate as Chief Enforcement Officer in same Zonal Office of this Directorate with effect from the forenoon of 30-10-1986 and until further orders.

KALI CHARAN
Chief Enforcement Officer (Admn.)
for Director of Enforcement

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION,
CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

New Delhi-110 003, the 28th November 1986

No. 1-27/81-CFSL/9374.—In continuation of Notification No. 1-27/81-CFSL, dated 22-5-1986 the President is pleased to appoint Dr. S. K. Lahri, Senior Scientific Assistant, Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., New Delhi as Senior Scientific Officer (Gr. II), (Lie-Detector) in the Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., New Delhi w.e.f. 1-10-1986 (FN) on ad-hoc basis for a further period of 3 months or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

D. P. BHALLA
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation
New Delhi

DIRECTORATE GENERAL C.R.P.F.

New Delhi-110 003, the 27th November 1986

No. D.I-39/86-Estt.I.—The services of Shri P. B. Gurung, Dy. S. P. 10th Bn. CRPF, are placed at the disposal of Delhi Milk Scheme under the Ministry of Agriculture, De-

partment of Agriculture and Cooperation, New Delhi, on deputation basis w.e.f. 17-11-1986 afternoon.

The 28th November 1986

No. O-II-1495/80-Estt.I.—Consequent on his retirement from Government service, Shri I. S. Mishra relinquished the charge of the post of Dy. SP, 35 Bn. CRPF in the afternoon of 30-4-1986.

No. O-II-2310/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. Surojit Saha as General Duty Officer Grade-II (Dy. Supdt. of Police/Company Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 15th October, 1986 till further orders.

The 1st December 1986

No. O-II-2310/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. S. Govindaswamy as General Duty Officer Grade-II (Dy. Superintendent of Police/Company Commander) in the C.R.P.F. in a temporary capacity with effect from the forenoon of 15th November, 1986 till further orders.

M. ASHOK RAJ
Asstt. Dir. (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110 003, the 4th December 1986

No. E-16013(2)/2/79-Pers.—Consequent upon his appointment on transfer on deputation to Government of Orissa, Shri N. R. Das, IPS (WB : 73) relinquished charge of the post of Commandant CISF Unit, P.P.T. Paradip with effect from the forenoon of 1st November, 1986.

Sd/- ILLEGIBLE
Director General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110 011, the 28th November 1986

No. 10/16/81-Ad.I.—In supersession of this Office Notification of even number dated 18-8-1986, the President is pleased to appoint Shri K. Narayanan Unni, a Grade IV Officer of the Indian Statistical Service, as Senior Research Officer in the office of the Registrar General, India, with effect from 22-7-83 (FN), until further orders.

The Headquarters of Shri Unni will be at New Delhi.

The 4th December 1986

No. 10/22/84-Ad.I.—In continuation of this office notification No. 11/1/85-Ad.I, dated 13-8-85 the president is pleased to continue the ad-hoc appointments of the following Investigator/Investigators (SS) in the post of Assistant Director of Census Operations (Technical) in the offices shown in col. 3 below, for a further period as mentioned against each on the same terms and conditions :—

Sl. No.	Name of the Official	Name of the Office	Period of continued appointment		ad-hoc
			From	To	
1	2	3	4	5	
1.	Shri K.B. Rohtagi	Office of the Registrar General, India, New Delhi	1-3-86	19-8-86	
2.	Smt. Renu Sabharwal	Do.	1-3-86	14-7-86	
3.	Shri R.K. Saxena	Dte. of Census Operations, Maharashtra, Bombay.	1-3-86	7-10-86	

On expiry of the continued period of their ad-hoc appointments mentioned above, the above mentioned 3 officials stood reverted to the post of Investigator/Investigator (SS) in the office of the Registrar General, India on their own request.

No. 10/22/84-Ad.I.—In continuation of this office notification as mentioned against each, the President is pleased

to extend the ad-hoc appointment of the following Investigators/Investigators (Social Studies) in the post of Assistant Director of Census Operations (Technical), in the same office in which they are presently posted for a further period up to 28th February, 1987 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier, under the existing terms & conditions.

S. No.	Name of the official	Notification number and date	Office to which posted and Headquarters.
1	2	3	4
1.	Shri M. Tejkishore Singh	No. 11/37/80-Ad. I dt. 2-6-84	Directorate of Census Operations, West Bengal Calcutta.
2.	Shri Ansar Ahmed	11/1/85-Ad.I dt. 13-8-85	Dte. of Census Operation, Tamil Nadu, Madras.
3.	Shri M.L. Sharma	No. 11/37/80-Ad. I. dt. 2-6-84	Dte. of Census Operations, Punjab, Chandigarh.
4.	Shri D.K. Chaudhury	Do.	Dte. of Census Operations, Tripura, Agartala.
5.	Shri R.P. Bhatnagar	Do.	Dte. of Census Operation Haryana, Chandigarh.
6.	Shri J.K. Nanda	No. 11/11/82-Ad. I dt. 13-10-83	Dte. of Census Operations, Chandigarh, Chandigarh.
7.	Shri G.M.D. Lone	No. 11/11/82-Ad. I dt. 21-7-84	Dte. of Census Operations, Maharashtra, Bombay.
8.	Shri A.G. Oak	No. 11/1/85-Ad. I dt. 13-8-85	Dte. of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal.
9.	Shri R.S. Maurya	No. 11/37/80-Ad. I dt. 2-6-84	Dte. of Census Operations Uttar Pradesh, Lucknow.
10.	Shri P.V. James	11/11/82-Ad. I dt. 21-7-84	Dte. of Census Operations, Lakshdweep, Lakshdweep.
11.	Shri M.Peethambran	No. 11/1/85-Ad. I dt. 13-8-85	Dte. of Census Operations, Kerala Trivendrum.
12.	Shri M.S. Ramachandra	No. 11/37/80-Ad. I dt. 2-6-84	Dte. of Census Operations, Karnataka, Bangalore.
13.	Shri G.N. Gowda	No. 11/1/85-Ad.I dt. 13-8-85	Do.
14.	Mrs. V.Y. Joshi	No. 11/37/80-Ad. I dt. 2-6-84	Dte. of Census Operations Maharashtra, Bombay.
15.	Shri P.K. Rout	No. 11/1/85-Ad. I dt. 13-8-85	Dte. of Census Operations Orissa, Bhuvaneshwar.
16.	Shri S.R. Raghvendra Rao	Do.	Dte. of Census Operations, Karnataka, Bangalore.
17.	Shri G.S. Gill	No. 11/37/80-Ad. I dt. 2-6-84	Dte. of Census Operations Punjab, Chandigarh.
18.	Shri N.C. Seh	No. 11/11/82-Ad.I dt. 21-7-84	Dte. of Census Operations Nagaland, Kohima.
19.	Shri M.M.A. Beg	No. 11/1/85-Ad. I dt. 13-7-85	Dte. of Census Operations Uttar Pradesh, Lucknow.
20.	Shri K. K. Sharma	Do.	Dte. of Census Operations Andhra Pradesh, Hyderabad.
21.	Shri C.S. Bose	No. 11/37/80-Ad. I dt. 2-6-84	Do.
22.	Shri J.C. Dutta	Do.	Office of the Registrar General, India, Language Division, Calcutta.
23.	Shri C.R. Mohanty	Do.	Dte. of Census Operations, Orissa, Bhuvaneshwar.
24.	Shri M.K. Mukherjee	No. 11/11/82-Ad.I dt. 21-7-84	Do.
25.	Shri J.N. Suri	No. 11/1/85-Ad. I dt. 13-8-85	Dte. of Census Operations, Chandigarh, Chandigarh.
26.	Shri B.L. Sarmah	No. 11/11/82-Ad.I dt. 21-7-84	Dte. of Census Operations, Assam, Guwahati.
27.	Shri D.P. Jain	No. 11/11/82-Ad.I dt. 21-7-84	Dte. of Census Operations, Chandigarh, Chandigarh.
28.	Shri G.C. Mishra	No.11/1/85-Ad. I dt. 13-8-85	Dte. of Census Operations, Bihar, Patna.
29.	Shri M.P. Jhala	No. 11/37/80-Ad. I dt. 2-6-84	Dte. of Census Operations, Gujarat, Ahmedabad.
30.	Shri R.S. Pandey	No. 11/11/82-Ad.I	Dte. of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow.
31.	Shri B.M. Patel	No. 11/1/85-Ad.I dt. 13-8-85	Dte. of Census Operations, Gujarat , Ahmedabad.

1	2	3	4
32.	Shri S.M. Nehal Hussain	No 11/1/85-Ad.1 dt. 13-8-85	Dte. of Census Operations, Bihar, Patna.
33.	Shri P.N. Sinha	No. 11/11/82-Ad.1 dt. 21-7-84	Do.
34.	Shri S.P. Desai	No. 11/37/80-Ad. 1 dt. 2-6-84	Dte. of Census Operations, Goa, Daman & Diu, Panaji.
35.	Shri D.R. Khanna	No. 11/11/82-Ad. 1 dt. 21-7-84	Dte. of Census Operations, Bihar, Patna.
36.	Shri S.K. Sinha	No. 11/1/85-Ad. 1 dt. 13-8-85	Do.
37.	Shri V.S. Joshi	Do.	Dte. of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal.
38.	Shri G.B. Panda	Do.	Do.
39.	Dr. A.V. Arakeri	No. 11/1/85-Ad.1 dt. 3-10-85	Dte. of Census Operations, Karnataka, Bangalore.
40.	Miss Shefali Chakraborty	No. 11/1/85-Ad. 1 dt. 13-8-85	Dte. of Census Operations, West Bengal, Calcutta.
41.	Shri A. Medhi	Do.	Do.
42.	Shri Rajendra Prasad	No. 11/1/85-Ad. 1 dt. 3-10-85	Dte. of Census Operations, Bihar, Patna.
43.	Shri Khwaja Moinuddin	No. 11/1/85-Ad.1 dt. 13-8-85	Dte. of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad.
44.	Shri K.C. Upadhyay	Do.	Dte. of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow.

V. S. VERMA
Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR
GENERAL OF INDIA

New Delhi-110 002, the 3rd December 1986

No. 2255-CA.I/328-69.—On his attaining the age of superannuation Shri B. D. Aggarwal, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit-I, New Delhi has retired from service w.e.f. 31-10-1986 A.N.

D. N. ANAND
Asstt. Comptr. & AR. Genl. (Comml.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A & E),
ANDHRA PRADESH

Hyderabad-500 0463, the 4th December 1986

No. Ad.I/A&E/1/8-88/86-87/2614.—The Accountant General (A & E) is pleased to promote the undermentioned Section Officers to officiate as Accounts officers in the scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 with effect from the dates shown against their names :—

Name	Date of assumption of charge
Sri P. K. Zacharias	—19-11-86 F.N.
Sri A. Raja Rao	—12-11-86 F.N.

The promotions ordered are without prejudice to the claims of their seniors, if any, and are also subject to the result of the writ petitions pending in the A. P. High Court/Supreme Court/Central Administrative Tribunal.

Sd/- ILLEGIBLE
Deputy Accountant General
(Administration)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL AUDIT,
KERALA

Trivandrum, the 4th December 1986

No. Encl/1/10-3-86/87/674.—The following Audit Officers of the Office of the Accountant General (Audit) Kerala,

Trivandrum retired from Government service on superannuation on the dates noted against each.

1. Shri R. Parameswara Iyer—30-11-1986 A.N.
2. Shri M. Mohammed Aslam—30-11-1986 A.N.
3. Shri Aleyamma Abraham—30-11-1986 A.N.

V. LAKSHMINARAYANAN
Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I,
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 27th November 1986

No. Admn. XI/Gr.II/AAO-SO/Prom/25/209/1011.—The Accountant General (Audit) : I, Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to promote the following Section Officers as Ass'tt. Audit Officers in the officiating capacity in the Scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 with effect from the dates noted against each :

S. No.	Name	Permanent No.	Date of Promotion as A.O.O.
S/Shri			
1.	K.G. Shrivastava	02/1743	24-7-1986
2.	C. K. Tripathi	1776	24-7-1986
3.	S.C. Jain	1863	26-7-1986
4.	D.D. Pande	1898	28-7-1986
5.	J.P. Sharma	1035	26-7-1986
6.	R.R.P. Saxena	1310	24-7-1986
7.	M.L. Brahmabhatta	1793	28-7-1986
8.	P.S. Yadav	1809	28-7-1986
9.	K.C. Jain	1838	24-7-1986
10.	R.P. Gautam	1855	29-7-1986
11.	S.S. Tripathi	2010	24-7-1986
12.	J.P. Bajolia	1415	24-7-1986
13.	K.D. Dahiphalo	1691	28-7-1986
Bhoal			
14.	R.L. Agrawal	1339	24-7-1986
15.	B.L. Agrawal	585	14-10-1986

R. C. GUPTA
Dy. Accountant General/(Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, AUDIT-I,
UTTAR PRADESH

Allahabad, the 27th November 1986

No. A.G. (Audit)-I/Admn./13-7/1330.—Following Audit Officers have retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the dates noted against each.

Name, Date and Office

S/Shri

1. P. Lal, 31-8-86 (AN) Accountant General (A)-I, U.P.
2. B. P. AGRAWAL, 31-8-86 (AN) Accountant General (A)-II, U.P.
3. U. P. Singh, 30-9-86 (AN) Accountant General (A)-I, U.P.
4. P. N. Khare, 30-9-86 (AN) Accountant General (A)-I, U.P.
5. D. S. L. Sinha 30-9-86 (AN) Accountant General (A)-II, U.P.
6. H. K. L. Verma 31-10-86 (AN) Accountant General (A)-I, U.P.
7. R. S. Srivastava 31-10-86 (AN) Accountant General (A)-I, U.P.
8. P. L. Sharma 31-10-86 (AN) Accountant General (A)-II, U.P.

No. A.G. (Audit)-I/Admn./13-7/1330.—Following Ass'tt. Audit Officers have been appointed to officiate in the grade of Audit Officers w.e.f. the dates shown against their names.

Name and Date of appointment

S/Shri

1. Pashupati Bhaiya—1-9-1986.
2. Chandra Bhusan Srivastava—Promotion declined.
3. Ravi Dutt Bhatt—8-9-1986.
4. Kamla Prasad Dubey—3-9-1986.
5. Ram Sunder Das Lal Chandani—1-9-1986.
6. T. S. Krishna Moorthy—1-9-1986.
7. Sidh Gopal Mishra—26-9-1986.
8. Satyawan Srivastava—30-9-1986.
9. Syed Abid Hussain Naqvi—7-10-1986.
10. Bhim Sain—6-10-1986
11. Vinod Chandra Jauhari—6-10-1986.
12. Mahendra Nath Kashyap—26-9-1986.
13. Girja Shankar—30-10-1986.
14. Raj Kishore Tewari—30-10-1986.
15. Kaulesh Prasad Srivastava—10-11-1986.
16. Abdul Alim Khan—11-11-1986.

No. A.G. (Audit)-I/Admn./13-7/1330.—Following officiating Audit Officers have been appointed substantively in the grade of Audit Officers in the Office of the Accountant General (Audit) U.P. with effect from the dates noted against their names :

*Name Date of substantive appointment
S/Shri*

1. Brijesh Kumar Saxena—1-9-1986.
2. Baldeo Singh Nanda—1-9-1986.
3. Satyendra Nath Sinha—1-10-1986.
4. Pritam Singh—1-10-1986.

P. K. MUKHOPADHYAY
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 28th November 1986

No. AN-I/1171/1/Vol.II.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (Scale Rs. 2500-125/2-2750) (pre-revised) of that Service, with effect from the dates shown against their names, until further orders :—

1. Shri Uma Shankar Prasad—18-11-1986 (FN).
2. Shri V. Radhakrishnan—18-11-1986 (FN).
3. Shri D. K. Chet Singh—20-11-1986 (FN).

S. SWAMINATHAN
Controller General of Defence Accounts

New Delhi-110066, the 27th November 1986

No. AN-I/1150/1/Vol.VI.—On the basis of the results of the Civil Services (Main) Examination, 1984 held by the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri RAKESH KUMAR SHARMA as Probationer in the Indian Defence Accounts Service with effect from the forenoon of 30th July 1986.

The President is also pleased to accept the resignation of Shri RAKESH KUMAR SHARMA, an officer of the Indian Defence Accounts Service with effect from the afternoon of 22nd September, 1986.

The 28th November 1986

No. AN-I/1171/1/Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri AMIYA KUMAR GHOSH, an officer of the Indian Defence Accounts Service, on deputation, as Additional Financial Adviser & Joint Secretary in the Finance Division of the Ministry of Defence, to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (Scale—Rs. 2500-125/2-2750) (pre-revised) of that Service, with effect from the 18th November 1986, under the 'Next Below Rule' until further orders.

D. K. CHET SINGH,
Add. Controller General of Defence Accounts (Admn.).

CONSULATE GENERAL OF INDIA

New York, N.Y. 10021-7097, the 4th June 1986

No. NYCG/1/86.—On home leave cum consultation duty at the Headquarters of the Ministry of External Affairs, New Delhi, Shri P. S. Haer relinquished charge of the post of Deputy Consul General in the Consulate General of India, New York on the afternoon of the 21st March, 1986 and resumed charge of his post as Deputy Consul General in the Consulate General of India, New York, on the afternoon of the 8th May, 1986.

MRS. NILIMA MITRA
Head of Chancery.

MINISTRY OF COMMERCE
DIRECTORATE GENERAL OF COMMERCIAL
INTELLIGENCE AND STATISTICS

Calcutta, the 12th November 1986

No. Estt.I/1(1)85.—In continuation of this Directorate Notification No. Estt.I/1(1)85/2772-2777 dated 3-6-86, Shri Kumud Ranjan Biswas, Permanent Superintendent, Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics, Calcutta, is allowed to continue in the post of Machine Tabulation Officer, on ad-hoc basis for a further period of two and half months (2½ months) with effect from 15-11-1986.

The terms and conditions of the appointment will remain the same.

S. R. SENGUPTA,
Sr. Dy. Director General

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 26th November 1986

No. A-19018(256)/76-Admn.(G).—The President regrets to announce the death of Shri KVS Sastry, Deputy Director (Electronics) Small Industries Service Institute, Madras on 13-11-1986.

The 28th November 1986

No. 12(27)/61-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Dr. S. B. Srivastava, Deputy Director (Industrial Management Training) Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi as Director (Grade II) (General Administration Division) at Small Industries Service Institute, Imphal on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 3-11-1986 until further orders.

No. 12(269)/61-Admn.(G) Vol.II.—On attaining the age of superannuation Shri K. A. Krishnan, relinquished the charge of the post of Deputy Director (Industrial Management and Training) at Small Industries Service Institute, Bangalore on the afternoon of 31st October, 1986.

No. A-19018(77)/73-Admn.(G).—On attaining the age of superannuation Shri P. C. Dutta relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr.I) (Economic Investigation) at Small Industries Service Institute, Calcutta on the afternoon of 31st October, 1986.

No. A-19018(748)/84-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. D. Boseman as Assistant Director (Gr. I) (Leather/Footwear) at Branch Small Industries Service Institute, Suri under Small Industries Service Institute, Calcutta with effect from the forenoon of 30-9-1986 until further orders.

No. A-19018(808)/86-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri R. L. Arora, Small Industry Promotion Officer (Hosiery) Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi as Asstt. Director (Grade II) (Hosiery) at Small Industries Service Institute, Karnal on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 28-7-1986 until further orders.

C. C. ROY,
Dy. Director (Admn.).

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL
OF PATENTS, DESIGNS AND TRADE MARKS

Bombay-400 020, the 26th November 1986

No. CG/F/5/1(6)/86/141.—Shri G. L. Verma is hereby appointed as Examiner of Trade Marks (Group 'B' Gazetted) in the scale of pay of Rs. 650-1200 in Trade Marks Registry Bombay with effect from 30-9-1986 (FN). He will be on probation for a period of two years with effect from the said date.

R. A. ACHARYA,
Controller General, Patents,
Designs, & Trade Marks.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi-110-001, the 20th November 1986

No. A-17011/313/86-A.6.—On the results of the Engineering Services Examination, 1984 conducted by the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri

Kumar Chandrabas Jha in Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Group 'A' with effect from the forenoon of 15th October, 1986 and until further orders.

2. Shri Jha assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Probation Reserve) in the office of the Director of Inspection, Bombay on 15-10-1986 (Forenoon) and will be on probation for a period of two years from that date.

R. P. SHAHI,
Dy. Director (Admn.).

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 28th November 1986

No. 8181B/A-30011/2/86-19C.—The following temporary officers of the Geological Survey of India are declared Quasi Permanent in the grade of Assistant Geologist with effect from the dates mentioned against each of them :—

Sl.	Name	Date from which are declared Quasi-Permanent.
1.	Smt. Jayanti Bose (Dutta)	21-10-1978
2.	Shri Samir Choudhury	1-6-1978
3.	Smt. Sikha Ghosh (Mondal)	16-12-1984
4.	Md. Falz Ahmed	17-7-1984
5.	Shri Hem Chandra Khanduri	26-9-1984
6.	Shri Kamal Singh Raghav	12-6-1984
7.	Shri Samir Kumar Ghosh	20-1-1985
8.	Km. K.S. Godhavari	4-10-1985

S. K. MUKHERJEE,
Director General
Geological Survey of India.

Calcutta-16, the 28th November 1986

No. 8128B/A-19012(2-SRS)/85-19B.—Shri Sukhan Ranjan Smadder is appointed by the Director General Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the GSI in the minimum of pay in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-35-EB-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 29-9-1986, until further orders.

No. 8139B/A-32013(2-GS)/83-19B.—The President is pleased to appoint Shri K. Venkata Rao Geophysicist (Jr.) G. S. I. on promotion to the post of Geophy. (Sr.) in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600/- in an officiating capacity, w.e.f. 12-9-86 (FN), until further orders.

No. 8150B/A-32013(2-GS)/83-19B.—The President is pleased to appoint the following Geophysicist (Jr.) GSI, on promotion to the post of Geophysicist (Sr) in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600/- in officiating capacities with effect from the dates mentioned against each until further orders.

1. Shri R. P. Rai w.e.f. 10-9-1986 (AN).
2. Shri D. P. S. Chauhan w.e.f. 11-9-1986 (FN).
3. Shri K. Padmanabhan w.e.f. 15-9-86 (FN).

No. 8166B/A-19011(3-RKM)/85-19B.—The President is pleased to appoint Dr. R. K. Moorthy, STA (Chem) of the Geological Survey of India as Chemist (Jr.) in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 700-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22-9-86, until further orders.

A. KUSHARI,
Director (Personnel)
Geological Survey of India

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 3rd December 1986

No. A-19012/16/86-Estt.A.PP.—It is informed with profound sorrow that Shri B. B. Shukla, Asstt. Director (Rajbhasha) expired on afternoon of 26th November, 1986. As such his name has been struck off the strength of the Indian Bureau of Mines.

G. C. SHARMA,
Asstt. Administrative Officer
for Controller General

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun-248001, the 18th November 1986

No. C-88/718-A.—The undermentioned officer is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (General

Central Service, Group 'B' Post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 (Revised scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500) with effect from the date as shown against him, on regular basis:—

Sl. No.	Name & Designation	Unit/Office	with effect from
1.	Shri Ajit Kumar Datta Superintendent, Surveyor General's Office	No. 102 (PLO) Printing Group (EC) Survey of India, Calcutta.	1-9-1986 (F/N)

The 27th November 1986

No. C-90/707.—The undermentioned officers who were appointed to officiate as Officer Surveyor, *purely on ad-hoc provisional basis* are now appointed to officiate as such on regular basis with effect from the date as stated against each:—

Sl. No.	Name	No. & Date of Notification under which appointed on <i>ad-hoc provisional basis</i>	Unit/Office to which posted	Date of promotion
1	2	3	4	5
1.	Shri B.S. Rawat	Notification No. C-6002/707 dt. 28-9-83	No. 49 Party (SCC), Hyderabad	15-2-85 (F/N)
2.	Shri Daya Krishna	Notification No. C-5934/707 dt. 6-4-83	No. 81 Party (NEC), Shillong	2-3-85 (F/N)
3.	Shri Kimat Lal Chadha	Notification No. C-5919/707 dt. 5-3-83	No. 85 Party (SCC), Nagpur	15-2-85 (F/N)
4.	Shri K.S. Bhatnagar	Notification No. C-5810/707 dt. 3-5-82	No. 43 Party (PMP), Hyderabad	24-5-85 (F/N)
5.	Shri Hubb Lal (SC)	Notification No. C-6002/707 dt. 28-9-83	No. 69 (Comp.) Party (G&RB) Dehra Dun	10-6-85 (F/N)
6.	Shri Raju Krishnan	Notification No. C-6099/707 dt. 17-7-84	No. 86 Party (SC) Vishakapatnam	15-2-85 (F/N)
7.	Shri R.L. Vaid	Notification No. C-5934/707 dt. 6-4-83	No. 51 Party (SCC), Hyderabad	15-2-85 (F/N)
8.	Shri H.K. Dev (Shri Har Kishan Dev)	Notification No. C-5934/707 dt. 6-4-83	North Western Circle, Chandigarh	3-5-85 (F/N)
9.	Shri A. Abdul Mannan	Notification No. C-5859/707dt. 13-9-82	No. 54 Party (SCC), Hyderabad	15-2-85 (F/N)
10.	Shri Nanak Chand Balhar (SC)	Notification No. C-5403/77 dt. 17-8-78	No. 78 Party (SCC) Hyderabad	4-2-85 (F/N)
11.	Shri H.K. Kharbade (ST)	Notification No. C-5939/707 dt. 12-4-83	No. 52 Party (SCC), Pune	15-2-85 (F/N)
12.	Shri S.B. Mamgain	Notification No. C-5474/707 dt. 19-3-79	No. 75 Party (EC), Patna	3-3-86 (F/N)
13.	Shri S.K. Das	Notification No. C-5859/707 dt. 3-9-82	No. 89 (Photo) Party (CC), Bhopal	13-5-85 (F/N)

2. The undermentioned officers, who were appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post) *purely on ad-hoc provisional basis*, are hereby reverted to their substantive post in Group 'C' Division I Establishment from the date(s) indicated against each:—

Sl. No.	Name & Designation	No. & Date of Notification under which appointed on <i>ad-hoc provisional basis</i>	Unit/Office to which posted	Date of Reversion
1	2	3	4	5
1.	Shri V. Sivanandan (SC) Survey Assistant Selection Grade.	Notification No. C-6002/707 dt. 28-9-83	No. 59 Party (SCC), Hyderabad	31-5-85 (A/N)
2.	Shri Mukh Ram Singh (SC), Surveyor (Sel. Gdo)	Notification No. C-5992/707 dt. 22-8-83	No. (91 Party (NC), Lucknow	22-5-86 (F/N)

3. The following amendments may please be made in this office Notification No. C-36/707 dated 7-5-1986:—

Sl. No.	Name	For—No. 75 Party (EC), Patna Read—No. 74 (Party (SEC), Ranchi For—Date of promotion 11-2-85 (F/N) Read—Date of promotion 12-5-86 (F/N)
1	2	3
3.	Shri Z. Kerketta (S.T.)	For—No. 75 Party (EC), Patna Read—No. 74 (Party (SEC), Ranchi For—Date of promotion 11-2-85 (F/N) Read—Date of promotion 12-5-86 (F/N)

No. C-91/707.—Shri J. K. I. Sawhney, Surveyor Selection Grade, is appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India, in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from 31-1-1986 (forenoon) on regular basis and posted to No. 49 Party (SCC), Hyderabad.

S. C. AGARWAL
Major General
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi-110011, the 3rd December 1986

No. A. 12025/2/85-NICD/PH(CDL).—The President is pleased to appoint Shri D. S. Rawat, to the post of Deputy Assisatnt Director (Bio-chemistry) in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of 18th November, 1986 and until further orders.

(Smt.) JESSIE FRANCIS
Dy. Director Administration (PH)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 28th November 1986

No. AMD-16/8/85-Rectt./17128.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. U. K. Nair, a permanent Assistant Accountant, Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division on an *ad hoc* basis with effect from October 27, 1986 (AN).

A. W. KHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE

CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560 009, the 12th November 1986

No. 6/39/84-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, is pleased to promote Shri S. Basi Reddy, as Engineer-SB in the Civil Engineering Division, Department of Space, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1-10-1986 and until further orders.

K. E. RAVINDRANATHAN
Administrative Officer-II
for Chief Engineer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 13th October 1986

No. A. 38013/1/86-EA.—Shri Gopal Singh, Aerodrome Officer on deputation to N.A.A. and posted to the Director of Aerodromes, Delhi, retired from Government Services on the 31-8-1986 on attaining the age of superannuation.

The 24th October 1986

No. A. 32013/4/84-EA.—The President is pleased to continue *ad hoc* appointment of the undermentioned Dy. Director/Controller of Aerodromes upto the period mentioned against each or till the post(s) are filled on regular basis whichever is earlier:—

Name and date upto which continuation approved
S/Shri

1. M. S. Saini—31-5-1986
2. A. C. John—31-5-1986
3. S. Mahalingam—26-3-1986
4. S. K. Thakur—26-3-1986.

27-386GI/86

The 13th November 1986

No. A. 32013/6/84-EA.—The President is pleased to continue *ad hoc* appointment of the undermentioned Aerodrome Officer for the period from 1-4-86 to 31-5-86 :—

Sl. No. and Name
S/Shri

1. N. K. G. Rao
2. S. Sen Gupta
3. H. B. Roy
4. B. B. Das
5. P. C. G. Dorairaj
6. J. V. Subba Rao
7. S. K. Sengupta
8. P. S. Jaswal
9. K. S. Hazare
10. N. J. Framewala
11. V. P. Saini
12. Sabu Nandan
13. A. K. Deb Mondal
14. Amar Chand
15. N. R. Choudhury
16. R. Y. Pol
17. Trilok Singh
18. P. K. Biswas
19. G. B. Prohit
20. M. C. Bhattacharya
21. R. D. Bajpai
22. C. B. Kalgiri
23. Harbans Lal.

M. BHATTACHARJEE
Dy. Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Calcutta, the 10th November 1986

Sub : Promotion, transfer and posting in the grade of Superintendent, Group 'B'
ESTABLISHMENT ORDER

I. Promotion

No. 277/86.—The following Inspectors of Central Excise in the combined cadres of Collectorates of Central Excise, Calcutta-I/II/Bolpur are hereby appointed provisionally on promotion to officiate in the grade of Superintendent of Central Excise, Group 'B' in the prescribed time scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- plus usual allowances as admissible under the rules w.e.f. the date he assumes charge of the higher post (Superintendent of Central Excise, Group 'B') at the place of their posting and until further orders.

Sl. No., Name and Existing Posting

S/Shri

1. Sambunath Maity—Cal-'D' Dn., C. Ex. Cal-I.
2. Bharat Ch. Mukherjee—Directorate of Anti-evasion Calcutta Zonal Unit.

The above mentioned promotee officers are further warned that his appointment in Group 'B' posts are purely provisional and subject to revision/modification against the post allotted to direct recruits and other officers to whom the Govt. may eventually decide to allocate the posts.

In other words the officers promoted provisionally will be brought to rosters along with direct recruits (when they became available in accordance with the instructions contained in the Ministry of Home Affairs Order No. 9/11/55/SRPS dated 22-12-59 and if they become surplus to the establishment at the time they will be reverted.

Their promotion will be subject to final outcome of the Writ Petition C.R. No. 8496(W) of 1984 filed by Shri Govt. Kumar Dey, Inspector (S.G.) and in pursuance of the Order in the contempt applications one post has continued to be kept vacant.

This promotion is also subject to the final outcome of the Writ Petition filed by Shri S. R. Dutta Sharma, Inspector and other reservation matters.

II. Transfer and Posting

The following posting and transfers are hereby ordered with immediate effect and until further orders :—

Sl. No. of the Officer	Existing posting	Posting in promotion/transfer	
1	2	3	4
S/Shri 1. Sambhunath Maity	Cal-'D' Dn., C.Ex. Cal-I	Bolpur Coll'te. vice Sri M.N. Gayen Supdt., retired.	
2. Bharat Ch. Mukherjee	Directorate of Anti-evasion, Cal. Zonal Unit	Bolpur Coll'te. vice Sri A.B. Basu posted to E. R. U., Directorate of Inspection on deputation	
3. Rabindra Ch. Kar	Under Order of transfer to Bolpur Coll'te. on promotion as Supdt. Gr. 'B' vide Estt. Order No. 4 /86 transferred to Port Blair, Andaman) in partial modification of Estt. Order referred to in Col. 3.	Cal-'A' Dn., C. Ex. Cal-I (Vice Sri Ramendra Sundar Majumdar, Supdt.	

The copy of the certificate of transfer of charge indicating the dates of assumption of charge of Superintendent of C. Ex. Gr. 'B' by promotee transfer may be forwarded to the Deputy Collector (P & E) C. Ex. Cal-I, II/Bolpur.

The Promotee officer should exercise their options within one month from the date of promotion regarding fixation of pay on promotion in terms of Ministry of Home Affairs O.M. No. E/7/80/Estt./Pt. I dated 26-9-81.

The officers should be relieved immediately by local arrangement.

C. BHUJANGASWAMY, Principal Collector, Customs, Central Excise

**MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)**

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Society of Advertising Practitioners Private Limited*

Bombay-400 002, the 16th April 1986

No. 709/17081/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act,

1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Society of Advertising Practitioners Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Allwin Holdings & Engineers Ltd.*

Bombay-2, the 2nd December 1986

No. 717/31116/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of M/s. Allwin Holdings & Engineers Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Belthands Private Limited*

Bombay-2, the 2nd December 1986

No. 700/9123/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Belthands Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. S. B. Process and Products Engg. Consultancy Pvt. Limited*

Bombay-2, the 2nd December 1986

No. 705/19165/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. S. B. Process and Products Engg. Consultancy Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Spark Syndicate Private Limited*

Bombay-2, the 2nd December 1986

No. 706/10620/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Spark Syndicate Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Ceat Construction Company Ltd.*

Bombay-2, the 2nd December 1986

No. 718/31206/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name M/s. Ceat Construction Co. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. RADHAKRISHNAN
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay-2

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th November 1986

Ref. No. M-1105/86-87.—Whereas, I,
H. R. DAS,
 being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

situated at Dadari, Ghaziabad
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadari under registration No. 2421 to 84/2422 on 15-3-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Mahesh Chandra,
 S/o Late Shri Gopi Ram Goel,
 R/o School Road, Ram Ganj, Bardman.
 (West Bengal).
 (Transferor)
- (2) Shri Chaudhari Trilok Chand,
 S/o Chaudhari Nathan Singh,
 Village Chithana Bujurg, Tah. Dadari,
 Ghaziabad.
 (Transferee)
- (3) —Do—
 (Person in occupation of the property.)
- (4) —Do—
 (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Khasra No. 77.
 Agriculture Land.
 Village Chittana Bujurg,
 Dadari, Ghaziabad.

H. R. DAS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-11-1986
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th November 1986

Ref. No. M-1106 /86-87.—Whereas, I,
 H. R. DAS,
 being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
 No. KA/31 situated at Kavi Nagar, Ghaziabad
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent at Ghaziabad under registration No. 22285 on 31-3-86
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Vinod Kumar,
 S/o Shri Shiv Ram,
 R/o K.A./31, Kavi Nagar,
 Ghaziabad.
 (Transferor)
- (2) M/s The Vaiving & Balating Factory Pvt. Ltd.,
 G. T. Road, Ghaziabad,
 Regd. Office Nikalson Road, Delhi,
 Through Shri Ratan Kaul,
 S/o Shri Hari Pd. Kaul, Managing Director.
 (Transferee)
- (3) —Do—
 (Person in occupation of the property.)
- (4) —Do—
 (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Godam.
 Village Nasaipur.
 Pargana Loni.
 Ghaziabad.

H. R. DAS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-11-1986
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 5th November 1986

Ref. No. AC-13/Acqn.R-IV/Cal/86-87.—Whereas, I,
I. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
situated at Kalimpong
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Kalimpong on 27-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

(1) Mrs. Tsering Yengzom Dorji,
Mr. Paljore Dorji,
Mr. Kaldin Dorji,
Mr. Topgy Dorji and
Lhendup Dorji,
Thimpu, Bhutan.

(Transferor)

(2) Mrs. Sarita Marda,
Marda building, 10th mile,
Kalimpong, Darjeeling.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land : 0.24, 0.77 and 0.23 acre of land with building.
Address : Plot No. 290, 290/A and B/290, Kalimpong,
District Darjeeling.
Deed No. : I-108 of 1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-11-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. K. P. Developers.

(Transferor)

(2) Mrs. Parul A. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1986

Ref. No. AR-IV37EE/25778/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bungalow No. 5, at Benhur Sunita Park, Chandavarkar Lane, Borivli (West), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Bungalow No. 5, Benhur, Sunita Park, Chandavarkar Lane, Borivli (West), Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/25778/85-86 on 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-11-1986

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. K. P. Developers.

(Transferor)

(2) M/s. Vishal Udyog.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/268411/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Benhur-A, Sunita Park, Chandavarkar Lane, Borivli (West),
Bombay-92
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Villa No. 3 & 4 at Benhur-A, Sunita Park, Chandavarkar
Lane, Borivli, (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombya under No. AR-IV/37EE/268411/85-86 on
1-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-11-1986

Seal ;

FORM ITNS

(1) M/s. Shyam Const. Co.

(Transferor)

(2) M/s. Dwarkesh Enterprise.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/26817/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vacant plots bearing C.T.S. No. 1329 & 1332 near subway Shivaji Road, Dahisar (East) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant plots bearing C.T.S. Nos. 1328 & 1332 near subway, Shivaji Road, Dahisar (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/26817/85-86 on 1-3-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-11-1986

Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. M. N. Pai.

(Transferor)

(2) Smt. Vidya V. Kamble.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY**

Bombay, the 12th November 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/25828/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 165 final Plot No. 227 and 228 (c) at Village Eksar Taluka Borivali, Borivali No. III (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—386GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Original Plot No. 165 final Plots No. 227 & 228 (C) at Village Eksar Taluka Borivali Town Planning Scheme, Borivali No. III.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/25828/85-86 on 3-3-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-11-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri N. K. Bhoir & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Ganesh Developments.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/26357/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
to as the 'Said Act), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land bearing S. No. 190 Hissa No. 1, C.T.S. No. 2374 & 2376,
Village Dahisar, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believed that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meanings as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 190, Hissa No. 1, C.T.S. No. 2374 &
2376 of Village Dahisar, Bombay.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. A-IV/37EE/26357/85-86 on
1-3-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 12-11-1986
Seal:

FORM ITNS—

(1) M/s. Munik Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. Akashay Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th November 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/27323/85-86—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece of land bearing S. No. 65, H. No. 5, C.T.S. 1395 and S. No. 68, H. No. 2, CTS 1373 in Village Dahisar Taluka Borivali, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay in March, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Piece of land bearing S. No. 65, H. No. 5, C.T.S. No. 1395 and S. No. 68, H. No. 2, C.T.S. No. 1373 in Village Dahisar Taluka Borivali, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/27323/85-86 on March, 1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-11-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Edward Francis Mendez & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Shanti Investments.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY**

Bombay, the 12th November 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/25677/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
 being the Competent Authority under Section 269AB of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 Plot No. 6 C.T.S. No. 1013, Village Eksar Holy Cross Road,
 I. C. Colony, Taluka Borivli, Borivli (West), Bombay-103
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
 the Competent Authority
 at Bombay on 3-3-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as afore-
 said exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or

Plot No. 6, C.T.S. No. 1013, Village Eksar Holy Cross
 Road, I. C. Colony, Taluka Borivli, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/25677/85-86 on
 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax,
 Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IV, Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of the notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 12-11-1986

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. S. J. Dattani.

(Transferor)

(2) M/s. Rachana Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AR-IV/37EE/26439/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
 being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Vacant land bearing S. No. 2, H. No. 9, C.T.S. No. 415 village charkop Kandivli (West), Bombay-67 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Vacant land bearing S. No. 2, H. No. 9, C.T.S. No. 415, at Village Charkop Kandivli (West), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/26439/85-86 on 1-3-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sections, namely :—

Date : 13-11-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Alankar Construction Co.

(Transferor)

(2) M/s. Warren Pharmaceuticals Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/26434/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Gala No. 101 & 102/C on 1st floor bearing S. No. 16 (pt) & 19 (pt) at Hanuman Nagar Akruli Village Kandivli (East), Bombay-101

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Gala No. 101 & 102/C 1st floor on land bearing S. No. 19 (pt) & 16 (pt) at Hanuman Nagar, Akrul Village, Kandivli (East), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A-IV/37EE/26434/85-86 on 1-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-11-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Gulabchand T. Shah HUF.

(Transferor)

(2) M/s. Mahendra Associates.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY**

Bombay, the 13th November 1986

Ref. No. AR.IV/37EE/26477/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece of land bearing S. No. 142 part Hissa No. 12 (pt) lying and being at village Eksar in Borivli Taluka, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/3/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

THE SCHEDULE

Piece of land lying at Village Eksar bearing survey No. 142 (pt) Hissa No. 12 (pt) at Village Eksar, Borivli.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/26477/85-86 on 1-3-1986.

LAXMAN DASS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the means of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 13/11/1986.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Shree Ganesh
Construction.

(Transferor)

(2) M/s. Pragati Development.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 13th November 1986

Ref. No. ARIV/37EE/26733/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Survey No. 99, Hissa No. 1, (Pt) CTS No. 1518(pt) at
village Eksar, Borivli (W), Bombay-92.
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority
at Bombay on 1/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Survey No. 99, Hissa No. 1, (Pt) CTS No. 1518(pt) at
village Eksar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/26733/85-86 on 1-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DASS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 13/11/1986.
Seal :

FORM ITNS

(1) Manik Builders.

(Transferor)

(2) Akshay Builders.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 13th November 1986

Ref. No. ARIV/37EE/26743/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Pieces of land bearing S. No. 318, Hissa No. 7-B, C. T. S.
No. 1399 Village Dahisar, Taluka Borivali, Bombay
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Pieces of land bearing S. No. 318, Hissa No. 7-B, C.T.S.
1399 village Dahisar, Taluka Borivali, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/36743/85-86, on 1-3-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DASS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29 -386GI/86

Dated : 13/11/1986.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Mohanlal Saganmal & Ors.

(Transferor.)

(2) M/s. Pragati Construction Co.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1986

Ref. No. ARIV/37EE/27151/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

All that piece of land bearing CTS No. 799 (pt) CTS No.
800 (p) and CTS. No. 802(p) S. No.21(p), 22(p) 24(p)
situated at Poisar Taluka Borivali, BSD. Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the said Act in the Office of the
Competent Authority
at Bombay on 1/3/1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferor for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece of land bearing CTS No. 799 (p) CTS No.
800 (p) and CTS. No. 802(p) S. No.21(p), 22(p) 24(p)
village Poisar Taluka Borivali, BSD. Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/27151/85-86
on 1-3-1986.

LAXMAN DASS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Dated : 13/11/1986.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Laxmibai B. Lal & Ors.

(Transferor)

(2) S. B. Lad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 13th November 1986

Ref. No. ARIV/37EE/26399/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Piece of land bearing S. No. 269 H. No. 1/5, 6 S. No. 270,
H. No. 3(pt) City survey No. 841, 841 (1-7) 842 at village
Dahisar, Taluka Borivali, Dahisar (W), Bombay-68
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1/3/1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meanings as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Piece of land bearing S. No. 269 H. No. 1/5, 6 S. No.
270 Hissa No. 3 (pt) City Survey No. 841, 841 (1-7) 842
at Village Dahisar, Taluka Borivali, Dahisar (W), Bombay-68.The agreement has been registered by the Competent
H. No. 3(pt), City survey No. 841, 841 (1-7) 842 at village
Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/26399/85-86
on 1-3-1986.LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-11-1986

Seal:

FORM ITNS

(1) Society of Divine Word.

(Transferor)

(2) N. Ramchandran.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 14th November 1986

Ref. No. ARIV/37EE/26528/85-86.—Whereas I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property situated at village Ekssar Taluka Borivali bearing
Survey No. 6, Hissa No. 1 (pt) survey No. 5, Hissa No.
2(pt) admeasuring 3668 sq. yds equivalent to 3030.13 sq.
mtrs. of thereabouts and lands admeasuring 17,333.30 sq.
yds equivalent to 14,513.70 sq.mtrs bearing survey No. 5,
Hissa No. 1, village Eksar Taluka Borivali
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Property situated at village Eksar Taluka Borivali bearing
Survey No. 6, Hissa No. 1 (pt) survey No. 5, Hissa No.
2(pt) admeasuring 3668 sq. yds equivalent to 3030.13 sq.
mtrs. of thereabouts and lands admeasuring 17,333.30 sq.
yds equivalent to 14,513.70 sq.mtrs bearing survey No. 5,
Hissa No. 1, village Eksar Taluka Borivali.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/26528/85-86
on 1-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 14-11-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Prabhakar Pullat.

(Transferor)

(2) M/s. Vijay Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 14th November 1986

Ref. No. ARIV/37EE/25698/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

The land bearing S. No. 110, 111, C.S.T. No. 1124 admeasuring 909 sq. meter with structure standing thereon, situate lying and being at Village Eksar, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1986,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The land bearing S. No. 110, 111 and CST No. 1124 admeasuring 909 sq. mtr. with structure standing thereon, situate lying and being at Village Eksar, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/25698/85-86 on 1-3-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
32—376GI/86

Date : 14-11-1986

Seal:

FORM ITNS(1) Shri Francis Fernandes and Ors.
M/s. Gayatri Impex Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Nicholas Construction
Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY**

Bombay, the 14th November 1986

Ref. No. ARIV/37EE/26475/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vacant land bearing S. No. 132 Hissa No. 3, C.T.S. No. 685, 831, 634, and 108 of Village Eksar, Taluka, Borivli situated at Kandarpada X Road, Borivli (W), Bombay-103,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Vacant land bearing S. No. 132 Hissa No. 3, C.T.S. No. 685, 831, 634 and 108 of Village Eksar, Taluka Borivli situated at Kandarpada X Road, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/26475/85-86 on 1-3-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-11-1986

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Gangabai K. Gaikwad.

(Transferor)

(2) M s Aakar Constructions.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 14th November 1986

Ref. No. ARIV/37EE/264006/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land or ground together with messuage tenements or dwelling
houses standing thereon, situate lying and being at village
Eksar, Taluka Borivli in the registration district, sub-District,
Bombay Suburban within greater Bombay containing by ad-
measurement 765.80 sq. mtr. or thereabouts (as per C.T.S.
Card) and bearing City survey No. 353, 358 (1 to 4) Eksar
and bearing O.P. No. 228 A 3 of T.P.S. III of Borivli (W),
and F.P. No. 328 of T.P.S. III of Borivli (W) admeasuring
578 sq. mt. or thereabouts.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meanings as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land or ground together with messuage tenements or dwell-
ing houses standing thereon, situate lying and being at village
Eksar, Taluka Borivli in the registration district, sub-District,
Bombay Suburban within greater Bombay containing by ad-
measurement 765.80 sq. mtr. or thereabouts (as per C.T.S.
Card) and bearing Citysurvey No. 353, 358 (1 to 4) Eksar
and bearing O.P. No. 228 A 3 of T.P.S. III of Borivli (W),
and F.P. No. 328 of T.P.S. III of Borivli (W) admeasuring
578 sq. mt. or thereabouts.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/264006/85-86 on
1-3-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 14-11-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Satish Jamnadas Dattani,

(Transferor)

(2) M/s. H. L. Property Developers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 14th November 1986

Ref. No. ARIV/37EE/26592/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Piece or parcel of land or ground situate lying and being at Village Charkop Taluka Borivali in the Registration District and sub district of Bombay City and Bombay Suburban bearing survey No. 2, Hissa No. 1, C.T.S. No. 402 and 411 S. No. 2, Hissa No. 2, C.T.S. No. 410 admeasuring 4658.50 sq. yds equivalent to 3894.50 sq. mtrs. of thereabouts together with the benefit of 30000 sq. ft. F.S.I. (Built up area) and also together with benefit of 22 feet wide road passing through the above property and also through the property at Yeshwant Sowar Bhandari and others bearing S. No. 2, H. No. 3, C.T.S. No. 401 and 399.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land or ground situate lying and being at Village Charkop Taluka Borivali in the Registration District and sub district of Bombay City and Bombay Suburban bearing survey No. 2, Hissa No. 1, C.T.S. No. 402 and 411 S. No. 2, Hissa No. 2, C.T.S. No. 410 admeasuring 4658.50 sq. yds equivalent to 3894.50 sq. mtrs. of thereabouts together with the benefit of 30000 sq. ft. F.S.I. (Built up area) and also together with benefit of 22 feet wide road passing through the above property and also through the property at Yeshwant Sowar Bhandari and others bearing S. No. 2, H. No. 3, C.T.S. No. 401 and 399.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/26592/85-86 on 1-3-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-11-1986

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. S. R. Pawaskar and Ors.

(Transferor)

(2) Shri Satish Jambandas Dattani,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 14th November 1986

Ref. No. ARIV/37FF/26342/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Piece of land bearing S. No. 25, C.T.S. No. 335 S. No. 9,
C.T.S. No. 363, H. No. 8, of Village Dahisar, Dahisar (E),
Bombay-68,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at
Bombay on 1-3-1986,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

All that piece of land bearing S. No. 25, C.T.S. No. 335,
Plot S. No. 9, II, No. 8, C.T.S. No. 363 of Village Dahisar,
Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/26342/85-86 on
1-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

30—386GI/86

Date : 14-11-1986

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Jay Pali Builders.

(Transferor)

(2) Shri Vasant R. Shah and Ors.
partners of M/s Vandana Developers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 14th November 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. ARIV/37EE/26807/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

All that piece or parcel of land or ground bearing (S. No. 102, H. No. 9, 14 and 16) and S. No. 104, H. No. 27 and 29) bearing city survey No. 1257 lying at Village Koliwada Eksar and (S. No. 104, H. No. 6, 10B and 18 bearing city survey No. 1234 and S. No. 102H. No. 7, City Survey No. 1474, S. No. 102, H. No. 21, city survey No. 1471

S. No. 107, H. No. 6, City survey No. 1235

S. No. 104, H. No. 10K (pt.) C.T.S. No. 1233
S. No. 104, H. No. 24, C.T.S. No. 1247 lying and being at village Eksar Taluka Borivli Bombay suburban District, Bombay.

situated at Bombay

at Bombay on 1-3-1986,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of at Bombay on 1-3-1986

the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground bearing (S. No. 102, H. No. 9, 14 and 16) and S. No. 104, H. No. 27 and 29) bearing city survey No. 1257 lying at Village Koliwada Eksar and (S. No. 104, H. No. 6, 10B and 18 bearing city survey No. 1234 and S. No. 102H. No. 7, City Survey No. 1474, S. No. 102, H. No. 21, city survey No. 1471
S. No. 107, H. No. 6, City survey No. 1235
S. No. 104, H. No. 10K (pt.) C.T.S. No. 1233
S. No. 104, H. No. 24, C.T.S. No. 1247 lying and being at village Eksar Taluka Borivli Bombay suburban District, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/26807/85-86 on 1-3-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-11-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. S. J. Dattani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Kakad Investment,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 14th November 1986

Ref. No. ARIV/37EE/26952/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece and parcel of land bearing
Survey No. 11 H. No. 2A
S. No. 11, H. No. 7 (pt.) C.T.S. No. 108 Ot
S. No. 11 H. No. 5/6 (pt.)
S. No. 11, H. No. 7 (pt.) C.T.S. No. 108 (Pt)
C.T.S. No. 107 (pt) and
S. No. 11, H. No. 5 (pt) C.T.S. No. 44 (ot) and C.T.S.
No. 116 and lying and being in Village Mandapeshwar,
Taluka Borivali, Bombay suburban District
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing
Survey No. 11 H. No. 2A
S. No. 11 H. No. 7 (Pt.)
S. No. 11 H. No. 5/6 (pt.)
S. No. 11, H. No. 7 (pt.) C.T.S. No. 108 Ot
C.T.S. No. 107 (pt) and
S. No. 11, H. No. 5 (pt) C.T.S. No. 44 (ot) and C.T.S.
No. 116 and lying and being in Village Mandapeshwar,
Taluka Borivali, Bombay suburban District

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/26952/85-86 on
1-3-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-11-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Kitty Polly D'souza.

(Transferor)

(2) M/s H.O.M.E. Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 14th November 1986

Ref. No. ARIV/37EE/26551/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

All those pieces or parcels of lands or ground situate lying
and being at Village poisar, Taluka Borivali in the registration
district and sub district of Bombay City and Bombay suburb
bearing following Survey Nos. and Hissa Nos. and
C.T.S. Nos. and admeasuring 13,542 sq. mtrs. or thereabouts.

Survey No.	Hissa No.	C.T.S. No.
17	4	620
17	4	624
17	7	623
17	7	625
18	3	613 (pt)
22	6A	656
22	6B	655
22	6C	654
22	6D	657 (pt)
22	6E	612 (pt)
22	6F	610 (pt)
22	22	659
64	6	594

Acquisition Range-IV, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of
the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

17	4	620
17	4	624
17	7	623
17	7	625
18	3	613 (pt)
22	6A	656
22	6B	655
22	6C	654
22	6D	657 (pt)
22	6E	612 (pt)
22	6F	610 (pt)
22	22	659
64	6	594

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/26551/85-86 on
1-3-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-11-1986
Seal :

FORM IIINS
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Madanlal Bankatal Badruka & Ors.
(Transferor)
(2) M/s. Samarth Development Corp.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd November 1986

Ref. No. AR.III/37.I:EE/30269/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. VI, S. No. 10, 20 and 157 Nahur, Mulund, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Piece of land bearing plot No. VI now incorporated into Plot No. V, Nahur Survey No. 10, 20 & 157 and Mulund S. No. 102, 103 & 104 & 351 at Nahur, Mulund, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37.I:EE/30269/85-86 dated 3-3-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Bhaveshwar Builders.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Champaklal Mohanlal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY**

Bombay, the 3rd November 1986

Ref. No. AR.III.37.EE/30169/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 501, 5th fl. Neelkanth Niketan, Karani Lane, Ghatkopar (W), Bombay-86 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 501, 5th fl., Neelkanth Niketan, Karani Lane, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30169/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1986
 Seal :

FORM ITNS

(1) Asha Celluloid.

(Transferor)

(2) Boby Resorts & Holding Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

Ref. No. AR.III.37.EE/30177/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 4-T, Gr. Fl., Vaishali Shopping Centre, 590, S. V. Rd., Malad (W), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 4-T, Ground Fl., Vaishali Shopping Centre, 590, S. V. Rd., Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37.FE/30177/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-10-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Industrial Packs & Packaging. (Transferor)
 (2) Telecon Industries. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd November 1986

Ref. No. AR.III.37.EE/30145/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 2 & 3, of Shivkrupa Indl. Premises C.H.S.L. I.B.S. Marg, Vikhroli (W), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 2 & 3, Shivkrupa Indl. Premises C.H.S. Ltd., I.B.S. Marg, Vikhroli (W), Bombay-83.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37.EE/30145/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Vanita Mansukhlal Desai.

(Transferor)

(2) M/s. Patel & Associates.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

Ref. No. AR.III.37.EE/30367/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land with messuages, tenements, Bldg. Wooden Stalls, shops corrugated iron sheet shed and Structures CTS Nos. 613 & 613/1 to 613/36 and S. No. 238, H. No. nil and CTS Nos. 614 and 618, LBS Marg, Kanju, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Piece or parcel of land with messuages, tenements, bldg., wooden stalls, shops, corrugated iron sheet shed and structure, CTS Nos. 613 and 613/1 to 613/36, street No. 27 to 37 and 38, S. No. 238, H. No. nil and C.T.S. Nos. 614 and 618, L.B.S. Marg, Kanjur, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37.EE/30367/85 dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—386GI/86

Date : 29-10-1986
Seal :

FORM ITNS — —

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Mehta Nautamal Shamjibhai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

Ref. No. AR.III.37.EE/30319/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, on 2nd top fl. Shivam Complex in Satyam Shivam Sunderam Bldg. M. G. Rd., Ghatkopar (E), Bombay-77 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 2nd Top fl. with entire terrace of Shivam Complex in Satyam Shivam Sunderam Bldg., M. G. Rd., Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37.EE/30319/85-86 dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Dilip Trikamal Ravjiani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

Ref. No. AR.III.37.EE/30325/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202, 2nd fl., Sunderam Wing, Satyam Shivam, Sunderam Bldg., M. G. Rd., Ghatkopar (E), Bombay-77 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property an aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd fl., Sunderam Wing Satyam Shivam Sunderam Bldg., M. G. Rd., Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37.EE/30325/85-86 dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
 Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-10-1986
 Seal :

FORM I.T.N.S.
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY**

Bombay, the 3rd November 1986

Ref. No. AR.III.37.EE/30339/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 17, T. P. S. Scheme No. 1, Upashvya Lane, Ghatkopar (E), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mr. Purshottam D. Kalyani.	(Transferor)
(2) M/s. Shyam Developers.	(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 17, T. P. S. Scheme No. 1, Upashvya Lane, Ghatkopar (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30339/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 3-11-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Laxmidevi Ahuja

(Transferor)

(2) M/s. Continental Packing Industry.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shed No. "D" Kanjur Co-operative Indl. Estate Ltd. Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37EE/30350/85-86 dated 3-3-1986.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 29-10-1986
Seal :

FORM ITNS

- (1) Mr. Prafulchandra Padamsey Hirji & Ors.
(Transferor)
(2) M/s. Anita Enterprises.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

No. AR. III/37EE/30355/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 Land with Structures CTS No. 557 & 557/1 to 557/17, Village Kanjur, Bhandup (W), Bombay situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at
 Bombay on 3-3-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land with structures CTS No. 557 & 557/1 to 557/17, Village Kanjur, Bhandup (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37EE/30355/85-86 dated 3-3-1986.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 29-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Niranjan L. Hiranandani.

(Transferor)

(2) M/s. Regency Parks (P.) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY
Bombay, the 29th October 1986

Ref. No. AR. III/37EE/30767/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Property at village Malvani, S. No. 265-B, 265-A, 265A-1,
Village Malvani, Bombay situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the Office of the
Competent Authority at
Bombay on 3-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Village Malvani S. No. 265-B, 265-A, 265A-1,
Village Malvani, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37EE/30767/85-
86 dated 3-3-1986.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date: 29-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Amartar Ltd.
 (Transferor)
 (2) M/s. Powai Housing Development P. Ltd.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

Ref. No. AR. III/37EE/30354/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. The Development rights over 25% of permissible const. on the land at Powai & Tirandaz, Taluka Kurla, Powai, Bombay-76 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

THE SCHEDULE

The Development rights over 25% of the permissible const. on the lands at Powai & Tirandaz, Powai, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37EE/30354/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 29-10-1986
 Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Amerind Consultants.

(Transferor)

(2) M/s. Tolaram & Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd November 1986

Ref. No. AR. III/37EE/30611/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece or parcels of land Mauji Majas in the Taluka of
 Borivali and registering Sub. Dist. Thana, bearing S. No.
 39 & 40 (P) marked Plot I situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
 Authority

at Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the publi-
 cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act
 shall have the same meaning as given in that
 Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land at Mauji Majas in the Taluk of
 Borivali bearing S. No. 39(p) & 40 (P) Dist. Thana.
 The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37EE/30611/85-
 86 dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 (1) of Section 269D of the said Act to the following
 persons, namely :—

32—386GI/86

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Bombay

Date: 3-11-1986.
 Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Lokpriya Hsgs. Dev. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Chief Promoters of Saswat CHSL.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd November 1986

Ref. No. AR. III/37EE/30613/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Piece or land Sub divided Plot No. 5B bearing City S. No.
713, 714, 715, 717, 732 & 738 Revenue Village Bhandup
Bombay situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
Authority at
Bombay on 3-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land or sub divided plot No. 5B of City Survey Nos. 713, 714, 715, 717 732 to 738, Village Bhandup, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. A.R. III/37EE/30613/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date: 3-11-1986
Seal ;

FORM I.T.N.S.—

- (1) M/s. Transcon Builders & Contractors Pvt. Ltd.
(Transferor)
(2) Sushil Kumar Brij Mohan Jhunjhunwala
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd November 1986

Ref. No. AR. III/37EE/30624/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 211, Megh Malhar Complex, Yashodham Enclaves Goregaon-Mulund Link Road, Goregaon (E), Bombay-63, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 211 Megh Malhar Complex Yashodham Enclave Goregaon-Mulund Link Road Goregaon (E), Bombay-63. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37EE/30624/85-86 dated 3-3-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 3-11-1986
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M/s. Haji Anwar Shah & Ors.

(Transferor)

(2) Mohomed Yusuf Moosa.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

Ref. No. AR. III/37EE/30667/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land bearing Survey No. 6, 7, 20 and 22 Village Powai, Taluka Kurla, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 6, 7, 20 & 22 Village Powai, Taluka Kurla, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37EE/30647/85-86 dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 29-10-1986
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

Ref. AR. III/37EE/30497/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. pieces or parcel of land plot Nos. D/37, D/38, 39, 39A and 41 of Pvt. Estate, Laxmi Indl. Estate Goregaon, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Suresh B. Kawa & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Atul Enterprise.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Plot Nos. D/37, 38, 39, 39A and 41 of the private Estate known as Laxmi Indl. Estate, Village of Pahadi, Near Goregaon, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37EE/30497/85-86 dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 29-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Mr. Kantilal Manekchand Gandhi & Ors.
(Transferor)
(2) M/s. Creative Constructions.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

Ref. No. AR. II/30424/85-86.—Whereas, I,

A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 35, T.P. Scheme No. 1, Hingwala land, Ghatkopar, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 35, in T.P.S. No. 1, Hingwala Lane, Ghatkopar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. II/37EE/30424/85-86 dated 3-3-1986.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 29-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Transcon Builders & Contractors Pvt. Ltd.
(Transferor)
(2) Mr. Girdhari B. Khatri.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY**

Bombay, the 3rd November 1986

Ref. No. AR. III. 37EE/30886/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Penthouse No. 194, 19th Fl. Megh Malhar Complex, Yashodham Enclave, Goregaon (E), Bombay-63 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Penthouse No. 194 19th fl. Megh Malhar Complex. Yashodham Enclave, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37-EE/30886/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1986
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Nandedeo Dadu Patil & Ors. (Transferor)
 (2) Shri M. P. Bhoir & Ors. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

Ref. No. AR. III-37EE/30870/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
 movable property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 No. Land bearing S. No. 105, H. No. 2, CTS No. 658(P)
 Nahur Mulund (W), Bombay-80
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 section 269AB of the said Act in the office of the Competent
 Authority at Bombay on 3-3-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason
 to believe that the fair market value of the property a
 foresaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not been truly stated in the said
 instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 105, H. No. 2, CTS No. 658(P)
 Nahur, Mulund (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37-EE-30870/85-86 dated 3-3-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-10-1986
 Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Adarsh Dughdalaya Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. B. J. Development Corpn.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

Ref. No. AR.III-37FE/31168/85-86.—Whereas I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 No. Piece or parcel of land together with structure at Gopur,
 Off Marve Road, bearing
 CTS No. 69-A/1(Dt) 69A(B), 70 (pt), 73 and 76
 of village Valur Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
 Authority at Bombay on 3-3-1986
 for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the
 property as aforesaid exceeds the apparent consideration
 therefor by more than fifteen per cent of such apparent
 consideration and that the consideration for such transfer
 as agreed to between the parties has not been truly stated in
 the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days, from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land together with Structures at Gopur
 Off Marve Road, CTS Nos. 69Am69A/1 (p)69A/3, 70(p),
 73 and 76(p) Village Valnai, Village Malad, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Pombay under Sr. No. AR.III/37EE/31168/85-86
 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

33—386GI/86

Date : 29-10-1986
 Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Bhaveshwar Enterprises.

(Transferor)

(2) Prabat Lakha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd November 1986

Ref. No. AR.III-37EE/29950/85-86.—Whereas I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat With Terrace No. 602, 6th Floor, Neelkant Niketan at Karani Lane, Ghatkopar (E), Bombay-86 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred with agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat with Terrace No. 602, 6th fl. Neelkant Niketan at Karani Lane, Ghatkopar (E), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/29950/85-86 dated 3-3-1986.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Bai Dhiraj Bai Ajramer & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Shreeji Development Corp.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd November 1986

No. AR-III/37-EE/29849/85-86.—Whereas, I
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 No. land bearing CTS Nos. 525, 525/1 to 8, Village Mulund
 (E), Bombay
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
 Authority
 at Bombay on 3-3-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason
 to believe that the fair market value of the property by
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to between
 the parties has not been truly stated in the said instrument
 of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

Land bearing CTS Nos. 525, 525/1 to 8 Village Mulund
 (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37-EE/29849/85-86 dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1986
 Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Raghunath Laxman Walwalkar.

(Transferor)

(2) Mr. Sadguru Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th November 1986

No. AR.III-37-EE/29820/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Free hold plot with existing Structures thereon at Walwalkar Wadi, Aarey Road Goregaon (E), Bombay-63 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Free Hold plot with existing structures thereon at Walwalkar Wadi Aarey Road, Goregaon (E), Bombay bearing CS No. 224, 224/1 to 4, 5, 6 (pt) and 7 to 12.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/29820/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-10-1986
 Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Gunvant C. Sutaria.

(Transferor)

(2) Mr. Gurdevsingh Sundarsingh Bindra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

Ref. No. AR.III-37EE/29804/85-86.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bungalow No. 12-B/1, Model Town Balrajeshwar Road, Mulund, Bombay-80 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bungalow No. 12-B/1, Model Town Balrajeshwar Road, Mulund, Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37-EE/29804/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Ramlal Kanyalal Pahuja & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vijaylaxmi Juneja & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd November 1986

No. AR.III.37-EE/29572/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bungalow No. 27, Atur Park, (Bungalows) C.H.S. Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereunto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Bungalow No. 27, Atur Park (Bungalows) C.H.S.Ltd. Sion, Trombay Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37-EE/29572/85-86 dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, [namely :—

Date : 3-11-1986

Seal:

FORM ITNS—

- (1) M/s. Transcon Builders & Cont. P. Ltd.
(Transferor)
(2) Mrs. Anita Mohan Arora.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd November 1986

No. AR. III-37-EE/29555/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Villa No. 1, Megh Malhar Complex Yashodam Enclave,
Goregaon-Mulund Link Road, Goregaon (E), Bombay-63
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the Office of the
Competent Authority
at Bombay on 3-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Villa No. 1, Megh Malhar Complex, Yashodham Enclave,
Goregaon-Mulund Link Road, Goregaon (E), Bombay-63.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37-EE/29555/85-86
dated on 3-3-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 3-11-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Joseph D'Souza.

(Transferor)

(2) Dinesh C. Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd November 1986

Ref No. AR.III.37EE/2953&A/85-86.—Whereas I,
A. PRASAD, Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Plot of land bearing CTS No. 3393 Vakola Village Kole Kalyan, Santacruz (E), Bombay-55 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot bearing CTS No. 3393 Vakola Village Kole Kalyan Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30977/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Mr. Prabhakar P. Kini & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Askar Associates.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY**

Bombay, the 29th October 1986

No. AR.III-37EE/29482/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land with ground and Structure, village Malad, Bombay Borivali, S. No. 471 H. No. 4 CTS No. 327 Malad, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land or ground with structure village Malad, S. No. 471 H. No. 4, CTS No. 327, Malad, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37-EE/29482/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

34—386GI/86

Date : 29-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Mahendra V. Rathod,

(Transferor)

(2) M/s. Radha Construction,

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY**

Bombay, the 3rd November 1986

No. AR.III-37EE/29443/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Development rights in respect of Vendor's rights in pro-
perty being land with structure at Tilak Road, Ghatkopar
plot No. 99, TPS No. 3 CS No. 5947 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the said Act in the Office of the
Competent Authority
at Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Development rights in respect of Vendor's rights in pro-
perty being land with structure at Tilak Road, Ghatkopar
bearing plot No. 99, TPS. No. 3, CS No. 5947.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/29443/85-86
dated 3-3-1986.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

Date : 3-11-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Khushalbhai B. Kawa.

(Transferor)

(2) M/s. Atul Enterprises.

(Transeree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

No. AR. III-37EE/30528/85-86.—Whereas, I,
 A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
 movable property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 No. Piece or parcels of land plot Nos. D/36 and, D/42, of
 Pvt. Estate at Village Pahad, Goregaon situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
 the Competent Authority
 at Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not been truly stated in the said
 instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
 able property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land plot Nos. D/36 and D/42, of Pvt.
 Estate, Village of Pahadi, Goregaon, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30528/85-86
 dated 3-3-1986.

- (b) facilitating the concealment of any incom- or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 29-10-1986
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Y. K. Kunju & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. Vijayshanker Gupta & Ors.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th November 1986

No. AR.III.37EE/30520/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Bungalow No. A-S, Sneh Kunj, Model Town Balrajeshwar
Road, Mulund (W), Bombay
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
Authority
at Bombay on 3-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
~~of 45 days from the date of publication of this~~
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
~~whichever period expires later;~~
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow No. A-8, Sneh Kunj, Model Town Balrajeshwar
Road, Mulund (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30520/85-86
dated on 3-3-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 29-10-1986

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Gumpo Chem.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nandlal Girdharilal Vihani,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

No. AR.III/37EE/30515/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 13 of Sidhpura Co-op. Indl. Estate Ltd. S.V. Road, Goregaon (W), Bombay-62, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 13, Sidhpura Co-op. Indl. Estate Ltd. S.V. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30515/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-10-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s Satarwala Patel & Co.

(Transferor)

(2) Charishma Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

No. AR.III/37EE/29951/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 1, Ground Fl, Neelkant Shopping Centre, Chatkopar (W), Bombay (W), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 3-3-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 1, Ground fl, Neelkanth Shopping Centre, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/29951/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Karshandas Virji Thakkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ansuya Vallabhas Kamdar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

No. AR.III/37EE/29929/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 10, C-Wing Vaibhav Bldg. Shri Navdurga C.H. SL. Tilak Road, Ghatkopar (E), Bombay-77, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

Flat No. 10, C-Wing of Vaibhav Bldg. Shri Navdurga C.H.S. Ltd. Tilak Road, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/29929/85-86 dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) M. Bhaveshwai Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Chandulal Premchand Abhani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 3rd November 1986

No. AR.III/37EE/29948/85-86.—Whereas, I,

A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 203, 2nd fl. Neelkanth Niketan, Karani Lane, Ghatkopar (W), Bombay-86,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-3-1986,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days and the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd fl. Neelkanth Niketan, Karani Lane, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/29948/85-86 dated 3-3-1986.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Loonkar Builders.

(Transferor)

(2) Dr. Cyanendra Goel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

No. AR.III/37EE/30585/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Office No. 18 and 19, Ground Fl. of Swastik Chambers,
Swastik Mill Compound, Chembur, Bombay-71,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the office of the Competent
Authority at
Bombay on 3-3-1986,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 18 and 19, Ground Fl. Swastik Chambers, Swastik Mill Compound, Near Jumbo Ice Cream, Jr. of CST Rd. and Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30585/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
section (1) of Section 269D of the said Act. to the following
persons, namely :—
35—386GT/86

Date : 29-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Buildarch.

(Transferor)

(2) M/s Decons.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

No. AR.III/37EE/30681A/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Land at Kurar Taluka Borivli, CTS No. 391-A D.P. Rd.
Malad,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 3-3-1986,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
~~thirteen~~ per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
~~as above~~

THE SCHEDULE

Land at Kurar Taluka Borivli CTS No. 391-A Malad,
Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30581A/85-
86 dated 3-3-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 29-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Lokpriya Hsg. Dev. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Ashok G. Dhawale and Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

No. AR.III/37EE/30594/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sub-plot No. 4, the layout of Priyalok C.H.S.L. of 90' Mulund Ghatkopar Link Road Bhanup (E), Bombay-78, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Sub-plot No. 4 the layout of Priyalok Co-op. Hsg. Soc. Ltd. 90' Mulund Ghatkopar Link Road Bhandup (E), Bombay-78, dated 3-3-1986.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30594/85-86

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. JayaVanti D. Patil & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. R. K. Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

Ref. No. AR.III/37EE/30574/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 5, H. No. 163, C. S. No. 181 Land & Tinshed and Bldg. with 8 tenants Malad (W), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 5, H. No. 163 CS No. 181, Land & Tinshed and Bldg. with Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30574/85-86 dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-10-1986
 Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Bhaveshwar Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Chandulal J. Dosh & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 3rd November 1986

Ref. No. AR.III/37EE/30563/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd fl. Neelkant, Karani Lane, Ghatkopar (W), Bombay-86 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition to the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd fl. Neelkanth Niketan, Karani Lane, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30563/85-86 dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Shreeji Const. Co.

(Transferor)

(2) Mrs. Laxmi Hasmukhlalshah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY**

Bombay, the 29th October 1986

Ref. No. AR.III/37EE/30560/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Commercial Unit No. C-Gr. Fl. in Neelkant Anand at M. G. Rd. Ghatkopar (W), Bombay-86 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Commercial Unit No. C—Ground Fl. Neelkanth Anand M. G. Rd. Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30560/85-86 dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ajay Mohan.

(Transferor)

(2) M/s. Amartara Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 3rd November 1986

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. AR.III/37EE/30558/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 25% of permissible Devl. on land in Revenue Village Powai Chow, Kurla, Bombay situated at Bombay has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

25% of Permissible devl. on land in Revenue Village Powai & Tirandaz, Taluka Kurla, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30558/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1986
Seal :

FORM IINS

(1) Shri Ajay Mohan.

(Transferor)

(2) M/s. Amartara Plastics Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 3rd November 1986

Ref. No. AR.III/37EE/30557/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

25% of the permissible devl. on land in Revenue Village Powai Tirandaz Taluka, Kurla, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

25% of the permissible development on land in Revenue Village Powai & Tirandaz, Taluka, Kurla, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30557/85-86 dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) India Cork Mills Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Powai Housing Dev. (p) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

Ref. No. AR.III/37EE//30556/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. lands at Revenue Village Powai, & Tirandaz Taluka Kurla Powai Lake, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at situated at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The Promotional rights over 50% of permissible const. on the lands at Revenue Village Powai & Tirandaz, Taluka Kurla, Powai Lake, Powai-76.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30556/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

36—386GI/86

Date : 29-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Amartara Plastics Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Powai Housing Dev. (p) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

Ref. No. AR.III/37EE/30555/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. The promotional rights over 25% of the permissible const. of the lands at Powai & Tirandaz, Bombay-76 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at situated at Bombay
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

The Promotional rights over 25% of the permissible const. on the land at Powai & Tirandaz, Powai, Bombay-76.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30555/85-86 dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-10-1986
 Seal:

FORM ITNS

(1) M/s. Lokpriya Hsg. Dev. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Shrikant S. Suryawanshi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY**

Bombay, the 3rd November 1986

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR.III/37EE/30551/85-86.—

Whereas J. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sub Plot No. VA layout of Priyalok C.H.S. Ltd. 90' Mulund Ghatkopar Link Rd. Bhandup (E), Bombay-78 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Sub Plot No. VA in the layout of Priyalok C.H.S. Ltd. off 90' Mulund Ghatkopar Link Rd. Bhandup (E), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30551/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1986
Scal :

FORM ITNS

(1) M/s. Lokpriya Hsg. Dev. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Dattatray Narayan Hadawale & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY**

Bombay, the 3rd November 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.III/37EE/30550/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

sub plot No. 12-A & B the layout of lokpriya C.H.S. Ltd. off 90' Mulund Ghatkopar Link Rd. Bhandup Bombay-78 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sub plot No. 12 A & B the layout of Lokpriya C.H.S. Off 90' Mulund Ghatkopar Link Rd. Bhandup (E), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30550/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1986

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Lokpriya Hsg. Dev. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Vasudeo Narayan Kaneje & Ors.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 3rd November 1986

Ref. No. AR.III/37EE/30549/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Sub Plot No 11-A the layout of Lokpriya C.H.S. Td. Off 90'
Mulund Ghatkopar Rd. Bhandup (E), Bombay
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Sub Plot No. 11-A the layout of Lokpriya C.H.S. Ltd.
Off 90' Mulund Ghatkopar Rd. Bhandup (E), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30549/85-86
dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 3-11-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Lokpriya Hsg. Dev. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Anant Sakharam Ghag.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY****Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

Bombay, the 3rd November 1986

Ref. No. AR.III/37EE/30548/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Sub plot No. 11B, Layout of Lokpriya C.H.S. Ltd. Off 90' Ghatkopar Mulund Link Rd. Bhandup (E), Bombay-78 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay dated 3-3-1986

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Sub Plot No. 11B the layout of Lokpriya C.H.S. Ltd off 90' Ghatkopar Mulund Link Rd. Bhandup (E), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30548/85-86 dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1986
 Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Lokpriya Hsg. Dev. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Surjit Sengupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 3rd November 1986

Ref. No. AR.III/37EE/30547/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sub-plot No. 13/14 layout of Lokpriya C.H.S. Ltd. off 90' Ghatkopar Mulund Link Rd. Bhandup (E), Bombay-78 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sub-Plot No.13/14 layout of Lokpriya C.H.S. Ltd. Off 90' Ghatkopar Mulund Link Rd. Bhandup (E), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30547/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1986
 Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Lokpriya Hsg. Dev. Pvt. Ltd.
 (Transferor)
 (2) Mr. Dilip Kumar Sarkar.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 3rd November 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37EE/30546/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sub plot No. 10 Layout of Lokpriya C.H.S. Ltd Off 90' Ghatkopar Mulund Link Rd. Bhandup (E), Bombay-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties was not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sub Plot No. 10 in layout of Lokpriya C.H.S. Ltd. Off 90' Ghatkopar Mulund Link Rd. Bhandup (E), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under St. No. AR.III/37EE/30546/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1986
 Seal :

FORM ITNS

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Dayavatidevi Saraogi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

Ref. No. AR.III 37EE/30579/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 303, 3rd fl. Sunderam Wing of Satyam Shivam Sunderam Bldg. M. G. Rd. Ghatkopar (E), Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 250AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd Fl. Sunderam wing of Satyam Shivam Sunderam Bldg. M. G. Rd. Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III 37EE/30579/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 29-10-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
37—386GI/86

FORM ITNS— —

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. Jaylazmi S. Mehta & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

Ref. No. AR.III/37EE/30581/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1 on the Mezz Floor Shivam in Satyam Shivam
Sunderam Bldg, M. G. Rd. Ghatkopar (E), Bombay-77
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 3-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Mezz floor Shivam in Satyam Shivam
Sunderam Bldg, M. G. Rd. Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30581/85-86
dated 3-3-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 29-10-1986

Seal :

FORM ITNS

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Shyamsunder Saraogi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY**

Bombay, the 29th October 1986

Ref. No. AR.III/37EE/30580/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 302, 3rd fl. Sunderam Wing of Satyam Shivam Sunderam Bldg. M. G. Rd. Ghatkopar (E), Bombay-77. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 302 3rd fl Sunderam wing of Satyam Shivam Sunderam Bldg. M. G. Rd. Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30580/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-10-1986
Seal :

FORM ITN

(1) Smt. Bharti Omprakash Vyas.

(Transferor)

(2) Shr. Vasant Ravji Shah.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**
**ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY**

Bombay, the 29th October 1986

Ref. No. AR.III/37EE/30589/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immeasurable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing a piece or parcel of land S. No. 259 H. No. 2, CTS No. 365 Revenue S. No. 258 S. No. 2, Revenue S. No. 76 H. No. 3, Revenue Survey No. 76 H. No. 11, S. No. 259 Hissa No. 3, Village Malwan, Malad, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Piece or parcels of land bearing
 (1) Revenue S. No. 259 Hissa No. 2, City Survey No. 365.
 (2) Revenue S. No. 258 H. No. 2 City S. No. 335.
 (3) Revenue S. No. 76 H. No. 3 City S. No. 352.
 (4) Revenue S. No. 76 H. No. 11 City S. No. 368.
 (5) Revenue S. No. 259 H. No. 3 City S. No. 370.
 Village Malwan, Malad, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30589/85-86 dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-10-1986

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Patel Complex,

(Transferor)

(2) Ibrahim Adam Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 24th October 1986

Ref. No. AR.III/37EE/29538/85-86.—

Whereas I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 10, 11 & 12 and Guest House, first, second & third in Patel Complex, Safe Pool Kurla (W), Bombay-70 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 10, 11 & 12, Guest House of First, second and third in Patel Complex, Safe Pool Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/29538/85-86 dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 28-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Aruna Builders.

(Transferor)

(2) K. K. Patel & Sons.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-III
 BOMBAY

Bombay, the 24th October 1986

Ref. No. AR.III/37EE/29608/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property bearing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Piece or parcel of land together with Messaages tenants Reshamwala Chawl, Jn. of Bombay Agra Rd, and Jivdaya Lane, Ghatkopar (W), Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Picee or parcel of land together with Messaages tenants or dwelling houses Reshamwali Chawl, Jn. of Bombay Agra Rd, and Jivdaya Lane, Ghatkopar (W), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/29608/85-86 dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-10-1986
 Seal : ;

FORM ITNS

(1) Shri V. C. Yajnik,

(Transferor)

(2) M/s. Kamal Engg. Works.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 24th October 1986

Ref. No. AR.III/37EE/29927/85-86.—

Whereas I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. M-Ground Fl. Sainath premises C.H.S. Ltd. Kotkar Rd. Goregaon (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at dated 3-3-1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Gala No. M-Ground Fl. Sainath Premises C.H.S. Ltd. Kotkar Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/29927/85-86 dated 3-3-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 24-10-1986

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Eknath Aasha Bhoir.

(Transferor)

(2) M. S. Vikas Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 24th October 1986

Ref. No. AR.III/37FF/30215/85-86.—

Whereas I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing and bearing S. No. 75 (p) CTS No. 712 (p) Village Mulund Village (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Vacant Piece of land S. No. 75 (p) CTS No. 712 (p) Village Mulund, Mulund (E), T-Ward, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37FF/30215/85-86 dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-10-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Eknath Ausha Bhoi & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Vikas Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 24th October 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. AR.III/37EE/30216/85-86.—

Whereas I, A PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Piece of land S. No. 75 (p) CTS No. 712 (p) Village Mulund
Mulund (E), Bombay
situated at Bombay(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 3-3-1986for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Vacant Piece of land S. No. 75 (p) CTS No. 712, Village
Mulund (E), T-Ward, Bombay Municipal Corp., Mulund
(East), Bombay.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30216/85-86
dated 3-3-1986(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
38—386GI/86

Date 24-10-1986

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Gala Foundation.

(Transferor)

(2) M/s. Streamline Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 24th October 1986

Ref. No. AR.III-37EE/30615, 85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
 has been transferred and the agreement is registered under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land CTS No. 5636/Village Kole Kalyan, Kalina, Bombay-98, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing CTS No. 5636 of Village Kole Kalyan, Kalina, Bombay-98.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. 9A.III/37EE/30615/85-86 dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 24-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(Mr. Manjit Singh C. Chawla & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. Gunwant C. Sutaria & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 24th October 1986

Ref. No. AR.III-37EE/30625/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bungalow No. A-4, Model Town, Mulund (W), Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (10 of 1957).

Bungalow No. A-4, Model Town Mulund (W), Bombay.
 The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III-37EE/30625/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 24-10-1986
 Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Allibhai Premji Tyrewalla & Co.
(Transferor)
- (2) M/s. A. T. Totlani & I. C. Bakru.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III BOMBAY**

Bombay, the 24th October 1986

Ref. No. AR.III-37EE/30741/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter
 referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
 immovable property having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 No. Shop No. 8, Sunita Swami Vivekanad Road, Malad (W),
 Bombay-64,
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
 the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 8, Sunita at Swami Vivekanand Road, Malad(W),
 Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30741/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I before initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 24-10-1986
 Seal : :

FORM LT.N.S.—

(1) M/s. Bharat Builders.

(Transferor)

(2) Shri Rasiklal B. Dodia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 24th October 1986

Ref. No. AR.III-37HE/30791/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 68 City Survey No. 648 Full Premises on 1st floor of Sarswati Bhavan, S. V. Road, Malad, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House No. 68 Survey City No. 648 (648/1 to 648/10). Full Premises on 1st floor Sarswati Bhavan. S. V. Road, Malad, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37HE/30791/85-86 dated 3-3-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 24-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Adarsh Dughalaya Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. B. J. Development Corp.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 24th October 1986

Ref. No. AR.III-37EE/30814/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece or parcel of land together with Structure, Gopur Off Marve Road, Malad (W), (CTS. Nos. 69A, 69A, I(P) 69A/3, 70 (P), 73 and 76(P) situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Piece or parcel of land at Gopur Off Marve Road, CTS. Village Valnai, CTS. No. Village Malad, Bombay. CTS. Nos. 69A, 69A/1, (p) 69A/3, 70(p), 73 and 76(p).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III-37EE/30815/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 24-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Navketan Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Hem Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 24th October 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AR.III-37EE/30847/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot bearing S. No. 137 H. No. 4(p) CTS No. 855(p) L. T. Rd. Extn. Mulund (E), Bombay-81, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot bearing S. No. 137 Hissa No. 4, (p) CTS No. 855(p), L. T. Road, Extension, Mulund (E), Bombay-81, The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/29847/85-86 dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Dated : 24-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Yeshwant Damodar Keni.

(Transferor)

(2) M/s. Avon Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 24th October 1986

Ref. No. AR.III-37EE /30918/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Piece or parcel of land S. No. 431 Hissa No. 2 Village Malad, Taluka Borivali, Malad, Bombay,
situated at Bombay
has been transferred and the agreement is registered under (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land S. No. 431, Hissa No. 2, Village Malad, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30918/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 24-10-1986
Seal : :

FORM ITNS

- (1) Smt. Narmda S. Vatandar & Ors. (Transferor)
 (2) Sainath Building Corp. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 24th October 1986

Ref. No. AR.III-37EE/31175/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot bearing S. No. 44, H. No. 1, Survey No. 79, Hissa No. 6, S. No. 81 Hissa No. 4, 6, 7 & bearing CTS No. 307 308, 324, 325, 328, S-Ward, Bhandup Village, Bombay-78, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot bearing S. No. 44, H. No. 1, 8, S. No. 79, Hissa No. 6, S. No. 81, Hissa No. 4, 6, 7 & C.T.S. No. 307, 308, 324, 325, S-Ward Bhandup Village, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/31175/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
39—386GI/86

Dated : 24-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Bhaskar Barish Chandra Thakur.
(Transferor)**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) M/s. Dipti Developers.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III BOMBAY**

Bombay, the 24th October 1986

Ref. No. AR.III-37EE/31179/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 No. Parcel of piece of land bearing CTS No. 544/4, City
 Survey Nathur Road, Mulund,
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 section 269AB of the said Act in the office of the Competent
 Authority at Bombay on 3-3-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen percent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable
 property, within 45 days from the date of the publi-
 cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

Piece or parcel of land CTS No. 644/4, City Survey Nahur
 Village Road, Mulund Pada Nahur, Taluka Kurla, Mulund,
 Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/31179/85-86
 dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act,
 1952 (27 of 1957).

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Dated : 24-10-1986
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Carmen Jose Trindade.

(Transferor)

(2) Mr. Harris Dean.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

Ref. No. AR.III-37EE/30356/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 453(p) and 454 Ground Floor structure standing thereon 14th Road, Chembur, Bombay-71, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Plot No. 453 (p) & 454 with ground floor structure 14th Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30356/85-86 dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 29-10-1986
Seal :

FORM ITNS.—

(1) Shri Chapaklal M. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sharad J. Shah & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986.

Ref. No. AR.III-37EE/30351/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing
 Flat No. 501, 5th floor Nilkanth Niketan Karani Lane, Ghatkopar (W), Bombay-86,

situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor Nilkanth Niketan, Karani Lane Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/30351/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 29-10-1986
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ishwarlal Naranji Shah.

(Transferor)

(2) Shri Mahendra D. Gandhi & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd November 1986

Ref. No. AR.III/37EE/30181/85-86.—Whereas, I,
 A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 149/150/151 TPS-III Ghatkopar, Bombay-77, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1/49/150/151 T.P.S. III, Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under St. No. AR.III/37EE/30181/85-86 dated 3-3-1986.

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 3-11-1986
 Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Pratik Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Pascol Dominic D'Souza.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd November 1986

Ref. No. AR.III-37EE/30088/85-86.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 201/202 on 2nd floor CTS No. 174 & 175 village
Valnai Orlem, Malad (W), Bombay-64,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Flat No. 201/202 on 2nd floor the land bearing CTS No.
174.
and 175 village Valnai, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under St. No. AR.III/37EE/30088/85-86
dated 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Dated : 3-11-1986
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Consumers Service Corp.
(Transferor)
- (2) Mrs. Sheetal Arenja.
(Transferee)
- (3) _____
(Person in occupation of the property)
- (3) Transferee.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AR-I/37EE/8490/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
Rs. 1,00,000/- and bearing
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No.
Office premises No. 507, 5th floor, Sharda Chambers, 15, New Marine Lines, Bombay-20,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at
Bombay on 18/3/1986
at Bombay on 7-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Office premises No. 507 on 5th floor, Sharda Chambers Premises Co-op. Soc., Ltd., Plot No. 19, C.S. No. 1430 at New Marine Lines, Bombay-20.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10239/85-86 on 18-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1920 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 27-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Muhamd Ghous Ahmed Hussain,
2. Muhamad Quasim Ahmed Hussain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kum. Anupama V. Saraf.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No: AR-I/37EE/8796/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 38A, 3rd floor Garage No. 22, Jaladarshan, 51, Jagmohandas Marg (Napeansea Road), Bombay-36, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-3-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 38A, 3rd floor, Jaladarshan, Garage No. 22, 51, Jagmohandas Marg (Napeansea Road), Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, under No. AR-I/37EE/10156/85-86 on 28-3-86.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 27-10-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10568/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, 2nd floor Shaharzade CHSL, Arthur Bunder Road, Colaba, Bombay-5, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Naintara Sharma, Renuka Sharma. (Transferor)
- (2) Narayan T. Rai. (Transferee)
- (3) Transferors.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 2nd floor, Shaharnade Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Arthur Bunder Road, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10173/85-86 on 3/3/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
40—386GI/86

Date : 27-11-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR. I/37EE/105691/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 3, Bldg. No. 15, Navjivan CHSI., Bhadkamkar
Marg, Bombay-8,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under Section
269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at
Bombay on 3-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of .—

- (1) I. Shri Madhav Govind Deo and
Smt. Manglabai Mahadeo. (Transferor)
- (2) I. Smt. Sushila Khimjibhai Bhupatkar,
Shri Khimjibhai J. Bhupatkar. (Transferee)
- (3) Transferors. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 3, Building No. 15, Navjivan Co-op. Hsg. Soc.
Ltd., Bhadkamkar Marg, Bombay-400 008

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10174/85-86
on 3/3/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 30-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. B. Jamasji Mistry Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) International Fabrics.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-1/37EE/10570/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 62, 6th floor, White Hall building, 143, A. K.
Marg, Bombay-400 036,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the same is registered under Section
269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at
Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days
from the date of publication of this notice in the
Official Gazette or a period of 30 days from the
service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer
and/or

Office No. 62 on 6th floor, White Hall Bldg. 143, A. K.
Marg, Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10175/85-86
on 3/3/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Dated : 30-10-1986
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. B. Jamasji Mistry Pvt. Ltd. (Transferor)
 (2) M/s Bomanji Jamasji Mistry Pvt. Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10572/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 56, 5th floor, White Hall building, 143, A. K. Marg, Bombay-400 036, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Office No. 56 on 5th floor in the bldg. White Hall, 143, A. K. Marg, Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10176/85-86 on 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 30-10-1986

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) 1. Mr. Munjal B. Kothari,
Mrs. Kalpana M. Kothari.
(Transferor)
- (2) Mr. Gobind M. Merani.
(Transferee)
- (3) Mr. Munjal B. Kothari.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10575/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 22, 2nd floor, Rajat Apartment, Rajat CHSL, Mount Pleasant Road, Bombay-6, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 22 on the 2nd floor, Rajat Co-op. Housing Society Ltd., Mount Pleasant Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10177/85-86 on 3/3/1986.

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated 28-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Jiten Properties Pvt. Ltd. (Transferor)
 (2) M/s. Surya Agroils Limited. (Transferee)
 (3) Transferors. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10578/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Office premises No. 1118, 11th floor, Maker Chambers V,
Nariman Point, Bombay-21,
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under Section
269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at
Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

 (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

Office premises No. 1118 on 11th floor, Maker Chambers
V, Plot No. 221 of Block 3 of Backbay Reclamation Scheme,
Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10178/85-86
on 3/3/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transfer for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bon...

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Dated : 30-10-1986

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chandulal H. Patel.

(Transferor)

(2) Shri Rameshchandra M. Jhaveri,
Smt. Rajul R. Jhaveri.

(Transferee)

**NOTICE UNDFR SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37FE/10581/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 19, New Shriniketan Co-op. Hsg. Soc. 3rd floor, Chowpatty Band Stand, Bombay-6, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 19, New Shriniketan Co-op. Hsg Soc., 3rd floor, Chowpatty Band Stand, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37FE/10179-85-86 on 3/3/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 30-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mittal Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Natvarlal Ambalal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/10585.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing Flat No. 31, 3rd Floor, Aarti Apartment, C.S. No. 380, Tardeo Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 169-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the applicant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd Floor, Aarti Apartments, C.S. No. 380, Tardeo Road, Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under AR-I/37EE/10180 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 27-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Jayshree & Co.

(Transferor)

(2) G. D. Deora Family Trust.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10593/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ground floor premises of Vyas Bhuvan CHSA, Old Hanuman Lane, Bomhay-400 002, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Ground floor premises, Vyas Bhuvan Premises Co-op. Society Ltd., Old Hanuman Lane, Bombay-400 002.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10182/85-86 on 3-3-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
41—386GI/86

Date : 28-10-86

Seal ;

FORM ITNS

(1) Kishore C. Dadbhawala H. U. F.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-1/37EE/10601.—Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 46, 4th Floor, Makani Manor, 16, B.G. Deshmukh Marg, Bombay-400 026 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 46, 4th Floor, Makani Manor 16, B. G. Deshmukh Marg, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10183 on 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Kalpataru Indo-Saigon Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sunita M. Munoi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10603/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 232, 23rd floor, Parking space, Antariksha Bldg. Kakasaheb Gadgil Marg, Prabhadevi, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 232, 23rd floor Antariksha with parking space on Kakasaheb Gadgil Marg, Prabhadevi, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10184/85-86 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-10-1986
Seal :

FORM ITNS

- (1) Kalpataru Indo-Saigon Constructions.
(Transferor)
(2) Mr. Sharad V. Bhansali.
Mrs. Mrudula S. Bhansali.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10604/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 101, 10th floor with parking space, Antariksha bldg. Kakasaheb Gadgil Marg, Prabhadevi, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 10th floor, Antariksha Bldg. Kakasaheb Gadgil Marg, Prabhadevi, Bombay with parking space.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10185/85-86 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date 30-10-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) Kalpataru Indo-Saigon Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Sudha M. Munoi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10605/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 231, 23rd floor, Antariksha building, parking space, Kakasaheb Gadgil Marg, Prabhadevi, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 231, 23rd floor, Antariksha building, parking space, Kakasaheb Gadgil Marg, Prabhadevi, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10186/85-86 on 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date 30-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Raman C. Amin,
Mr. Siddarth R. Amin.

(Transferor)

(2) Mrs. Vimla N. Maheswari,
Aditya V. Maheshwari (Minor).
Anirudh V. Maheshwari, (minor)
through natural guardian.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10608/85-86.—Whereas I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,60,000/- and bearing
Unit No. 509, 5th floor, Dalmal Tower, 211, Nariman
Point, Bombay-21,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under
section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority at
Bombay on 3-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Unit No. 509, 5th floor, Dalmal Tower, 211, Nariman
Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10187/85-86 on
3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date 30-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sarla T. Bhambhani.

(Transferor)

(2) Smt. Rajlaxmi S. Godse,
Shri Suhas B. Godse.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10609/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 2, 13th floor, Shaan Apartments, Kashinath Dhuru Road, Dadar, Bombay-28.
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 13th floor, Shaan Apartments, Kashinath Dhuru Road, Dadar, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10188/85-86 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 30-10-1986
 Seal :

FORM ITNS(1) Shri Yogesh U. Chitalia &
Smt. Usha Y. Chitalia.

(Transferor)

(2) Shri Santoshkumar Kedia,
Smt. Sumitra Devi Kedia,
Smt. Renu Kedia,
Smt. Anju Kedia.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10611/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. C-8, 8th floor, Sett. Minar, Peddar Road, Bombay, with two car parking space.
situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. C-8, 8th floor, Sett. Minar, Peddar Road, Bombay-26, with two car parking space.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10189/85-86 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 30-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.
(Transferor)

(2) Mr. Dhanesh R. Shah.
Mrs. Rekha D. Shah.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10613/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 50, Ground floor, Ashoka Shopping Centre, G.T. Hospital Complex, L.T. Marg, Bombay-400 001, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

THE SCHEDULE

Shop No. 50, Ground floor, Ashoka Shopping Centre, G.T. Hospital Complex, L.T. Marg, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10190/85-86 on 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
42-386 GI/86

Date : 30-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Esmail Yusufali Arsiwalla, Smt. Sakina
E. Arsiwalla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

(2) Prafulbhai A Shah, Smt. Shilpa P Shah.
(Transferee)

(3) Transferors
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10614/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat on 10th floor, Cliff building, Ridge Road Cliff Premises
CHSL, Ridge Road, Bombay-6 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered u/s 269AB
of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent
Authority

at Bombay on 3/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object o. —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons;
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat on 10th floor, Cliff building, Ridge Road Cliff Premises
CHSL, Ridge Rd., Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/10191/85-86 on
3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 or 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 30/10/1986
Seal ;

FORM ITNS—

(1) Puri Const. (Bombay) Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Anju Bhupendra Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10615/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 102, Gr. floor, Ashoka Shopping Centre, G. T. Hospital Complex, L.T. Marg, Bombay-400 001.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3/3/1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 102, Gr. floor, Ashoka Shopping Centre, G. T. Hospital Complex, L.T. Marg, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10192/85-86 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 30/10/1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. (Miss) Alzira Roger Borges.

(Transferor)

(2) Mr. Suresh Mohandas Mirpuri
Mrs. Vandana Suresh Mirpuri.

(Transferee)

(3) Transferor
(Person in occupation of the property)(4) Nil.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. RA-I/37EE/10675.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 16, 1st Floor, Sneh Sadan, Near Post Office, Colaba Bombay-400 005.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 1st Floor, Sneh Sadan, Near Post Office, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10227-A on 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely :—

Date : 28-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shamsuddin Abdul Karim.

(Transferor)

(2) Hanif Usman Kapadia.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-1
BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref No. AR-J/37EE/10717A.—Whereas, I,
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 101, 1st Floor, Shirin Villa, Nair Road, Agripada, Bombay-400 008
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st Floor, Shirin Villa, Nair Road, Agripada, Bombay-400 008.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10195 on 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1986

Seal :

FORM ITNS—

(1) Trustees of Parsi Panchayat Funds & Properties.

(Transferor)

(2) Meher Distilleries Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10730/85-86.—Whereas I,
NISAR AHMED,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 62, 6th floor, on land situated at B. G. Kher Road, (Gibbs Road) C. S. No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 62, 6th floor, on land situated at B. G. Kher Marg, (Gibbs Road) C. S. No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10194/85-86 on 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 30/10/1986
Seal :

FORM ITN

(1) Trustees of Parsi Panchayat Funds & Properties.

(Transferor)

(2) Mr. K. J. Chinoy, Viraf K. Chonoy Mrs. Ketty K. Chinoy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10731/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 64, 6th floor, on land situate B. G. Kher Marg, (Gibbs Road) C. S. No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3/3/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Flat No. 64, 6th floor, on land situated at B. G. Kher Marg, (Gibbs Road) C. S. No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10196/85-86 on 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Trustees of Parsi Panchayat Funds & Properties.
(Transferor)
- (2) Kerman B. Langer Trust
 Mrs. Frony Sam Contractor
 Mr. Sam P. Contractor.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-I
 BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10732/85-86.—Whereas, I,
 NISAR AHMED,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 Flat No. 56, 5th floor, Spenta CHS, B. G. Kher Marg, Gibbs
 Road, Bombay-6 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the same is registered under section
 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
 Competent Authority at
 Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 56, 5th floor, Spenta Co-op. Housing Society, B. G.
 Kher Marg, Gibbs Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10197/85-86 on
 3-3-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 30-10-1986
 Seal :

FORM ITNS

(1) Puri Const. (Bombay) Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Radhikishan M. Bajaj, Dayal M. Bajaj,
Mr. Praful K. Sanghavi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10739/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 34 & 35, 1st floor Ashoka Shopping Centre, G. T.
Hospital Complex, L. T. Marg, Bombay-I situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under Section
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority

Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 34 & 35, 1st floor Ashoka Shopping Centre, G. T.
Hospital Complex, L. T. Marg, Bombay-I.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10198/85-86 on
3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
43—386 GI/86

Date : 30-10-1986

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Zenith Corporation

(Transferor)

(2) M/s. Oriental Fashion Exporters.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

3 Ref. No. AR-I/37EE/107/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 23, Ashoka Shopping Centre, G. T. Hospital Com-
pound, L. T. Marg, Bombay-1 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered u/s 269AB
of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent
Authority at
Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 23, Ashoka Shopping Centre, G. T. Hospital Compound, L.T. Marg, Bombay-1.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10199/85-86 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 30-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Temple Bells Enterprises.

(Transferor)

(2) Bhanwarlal D. Jogani.
Dineshkumar B. Jogani.
ff

(Transferee)

(3) Transferor

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. A.R-I/37EE/10743/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202, 2nd floor, Garage No. 6, Temple Bells, (37. K. M. Munshi Marg, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered u/s 269AB of the said Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 202, 2nd floor, Garage No. 6, Temple Bells, 37. K. M. Munshi Marg, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10200/85-86 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-10-1986
Seal :

FORM ITNS(1) Trustees of the Parsi Panchayat
Funds & Properties.

(Transferor)

(2) Mr. Behli Rustomjee.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**
Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10744/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 24, 2nd floor on land situate at B. G. Kher Marg
(Gibbs Road) C.S. No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn.
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 3-3-1986
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
~~as agreed to between the parties has not been truly stated in~~
the said instrument of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act.
1957 (27 of 1957);

Flat No. 24 on 2nd floor, on land situate at B. G. Kher
Marg, (Gibbs Road), bearing C.S. No. 434 (pt) of Malabar
Hill Division.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10201/85-86 on
3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

**New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—**

Date : 30-10-1986

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Ashrumati Ghanshyam Joshi.

(Transferor)

(2) Smt. Vidhya Kumari,
Dinesh Kumar Kothari.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) N.A.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10745/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 43 in 'A' Bldg. 3rd Floor, Bharat Nagar, 342, Grant
Road, Bombay-7 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority

at Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 43, in 'A' Building on 3rd Floor, Bharat Nagar,
342, Grant Road, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10202/85-86 on
3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 27-10-1986
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

No. AR-I/37EE/10746/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 46, 4th floor 106, Mansarovar, Mount Pleasant Road, Bombay-6 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Trustees of the Parsi Panchayat Funds & Properties.

(Transferor)

(2) Mahiyar D. Contractor,
B. D. Contractor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 46, 4th floor, 106, Mansarovar, Mount Pleasant Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10203/85-86 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-10-1986
Seal :

FORM ITN9**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10747/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat on plot of land situate at B. G. Kher Road (Gibbs Road) bearing C.S. No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Trustees of the Parsi Panchayat Funds & Properties.

(2) Mr. K. J. Limathwalla,
Mrs. Z. K. Limathwalla,
Mr. Jamshed E. Limathwalla.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat on land situated at B. G. Kher Marg (Gibbs Road) bearing C.S. No. 434 (pt) of Malabar Hill Division.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10204/85-86 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Puri Const. (Bombay) Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) A. C. Leo,
D. K. Leo,
Anita D. Narain,
Dr. (Miss) Sarla Sheth,
Sunanda V. Nadkarni,
V. A. Betrabit,
Rajnikant C. Hemani.

(Transferee)

Office of the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10839/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 26 on Ground Floor of Ashoka Shopping Centre, G. T. Hospital Complex, L. T. Marg, Bombay-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 26 on Ground floor of Ashoka Shopping Centre G. T. Hospital Complex, L. T. Marg, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10220/85-86 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-10-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10848 85-86.—Whereas, 1, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202, 2nd Floor, Bldg. Shri Ramakrishna Sadan, Plot No. 63, Schedule No. 52 Worli, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shree Laxmi Const. Co. (Transferor)
- (2) Smt. Lata Raddhi. (Transferee)
- (3) N.A. (Person in occupation of the property.)
- (4) N.A. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 202, 2nd Floor, Bldg. Ramakrishna Sadan, Plot No. 63, Scheme No. 52 of Worli, Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10205/85-86 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
44—386 GI/86

Date : 27-10-1986
Seal ;

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10865/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

(2) Jagdish V. Sahjwani and
Flat No. 1 on 18th floor Building A, with Garage at 'Prithvi
Apartments' Altamount Road, Bombay
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 3-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Jhumarlal Dewaji Dhumavat,
Mrs. Anandi J. Dhumavat.
(Transferor)
- (2) Jagdish V. Sahjwani and
Mrs. Asmita J. Sahjwani.
(Transferee)
- (3) Transferor.
(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1 on the 18th floor of Building A with Garage at
'PRITHVI APARTMENTS' Altamount Road, Bombay.
The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10206/85-86 on
3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 27-10-1986
Seal :

FORM ITNS

- (1) Mrs. Smt. Kashitai Vinayak Shetye. (Transferor)
 (2) Smt. Sunetra D. Saple and Dr. Dattatray G. Saple. (Transferee)
 (3) Transferor. (Person in occupation of the property.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10866/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 7, 3rd floor of A-1 building, Samruddhi CHSL, Baburao Parulekar Marg, Dadar (West), Bombay-400 014 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 3rd floor of A-1 building, Samruddhi Co-op. Housing Society Ltd., Baburao Parulekar Marg, Dadar (W), Bombay-14.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/1207/85-86 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-10-1986

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Kothari Charity Trust.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10867/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office on 2nd floor Maker Bhavan No. II, 18, New Marine Lines, Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Office on second floor of Maker Bhavan No. II, 18, New Marine Lines, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10208/85-86 on 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-10-1986

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10872/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 32 on 8th floor Building No. 17 of Lamington Road Scheme of Navjivan CHSL, Mumbai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Mumbai on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vakharia S. Popatlal,
Smt. Vakharia Narangiben Sevantilal. (Transferor)
- (2) Shri Thakker S. Jamnadas,
Smt. Thakker Kusumben Shantilal. (Transferee)
- (3) Transferees. (Person in occupation of the property)
- (4) Transferees. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32 on 8th floor of Building No. 17 of Lamington Road Scheme of Navjivan Co-op. Housing Society Ltd., Mumbai.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Mumbai, under No. AR-I/37EE/10209/85-86 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Mumbai

Date : 27-10-1986

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

No. AR-I/37EE/10873/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 31 on 8th floor of Building No. 17 of Lamington Road Scheme of Navjivan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Bombay-8, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vakharia Mahendra Sevantil
Shri Vakharia Nitin Sevantil
(Transferor)
- (2) Shri Thakkar Haresh Shantil
Shri Thakkar Mukesh Shantil
(Transferee)
- (3) Transferees
(Person in occupation of the property)
- (4) Transferees
(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31 on 8th floor of Building No. 17 of Lamington Road Scheme of Navjivan Co-op. Housing Society Ltd., Bombay-8.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10209/85-86 on 3/3/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Dated : 27-10-86

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

No. AR-I/37EE/10874/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301 and parking space No. 8, Anand Bhawan, Babulnath 2nd Cross Lane, Chowpatty, Bombay-400 007, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Fombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Anand Housing Company Ltd. (Transferor)
- (2) Tata Sons Ltd. (Transferee)
- (3) N.A. (Person in occupation of the property)
- (4) N.A. (Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 301 and parking space No. 8 Anand Bhawan Babulnath 2nd Cross Lane, Chowpatty, Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10210/85-86 on 3/3/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 27-10-86
Seal:

FORM ITNS

(1) Anand Housing Company Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Tata Industries Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

No. AR-I/37EE/10875/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 302 & Parking space No. 9, Anand Bhawan, Babulnath 2nd Cross Road, Chowpatty, Bombay-7, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 302 and parking space No. 9, Anand Bhawan, Babulnath 2nd Cross Road, Chowpatty, Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10211/85-86 on 3/3/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 27-10-86

Seal:

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

No. AR-1/37EE/10876/85-86.—Whereas, ,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 1, Floor No. 12-A, Building No. 5, C.S. No. 868-1/868 Worli, Bombay, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
45—386 GI/86

(1) B. Y. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Kewaljit Singh
Mrs. Gurvinder Kaur

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Floor No. 12-A, Bldg. No. 5, C.S. No. 868/1/868 Worli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10212/85-86 on 3/3/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Dated : 27-10-86
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Parul V Shah & Dr. Viral C. Shah
(Transferor)
(2) Smt. Sarla C. Shah
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY
Bombay, the 27th October 1986

No. AR-I/37EE/10877/85-86.—Whereas, I,

NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. A, 27th fl. Vikas Towers with Two Garages, Walkeshwar Road, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Flat No. A, 27th floor, Vikas Towers with Two Garages, Walkeshwar Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. ARII/37EE/10213/85-86 on 3/3/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 27-10-86
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Viral C. Shah, Karta of Viral C. Shah, HUF
(Transferor)

(2) Smt. Sarla C. Shah

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the official Gazette.EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

No. AR-1/37EE/10878/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Premises on 28th floor, Vikas Towers, with Two Garages,
Walkeshwar Road, Bombay-6, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at
Bombay on 3-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Premises on 28th floor with Two Garages, Vikas Towers,
Walkeshwar Road, Bombay-6.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/10214/85-86 on
3/3/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Dated : 27-10-86
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) Dr. Viral C. Shah & Smt. Parul V. Shah
(Transferor)
- (2) Smt. Sarla C. Shah
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

No. AR-I/37EE/10879/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. B, 27th fl. Vikas Towers with Two Garages, Walkeshwar Road, Bombay-6, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable Property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. B, 27th floor, Vikas Towers with Two Garages, Walkeshwar Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10215/85-86 on 3/3/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 27-10-86
Seal :

FORM I.T.N.S.

- (1) Motiram Tolaram
(Transferor)
- (2) Shri Adhik Shirodkar & Mrs. Jayshree Adhik Shirodkar
(Transferee)
- (3) Transferor
(Person in occupation of the property)
- (4) Owner of Land
(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 29th October 1986

No. AR-I/37EE/10879-A/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 505, 5th Floor, Vicky Apartment T.P.S. IV, Plot No. 1225, Old Prabhadevi Road, Prabhadevi, Bombay-25, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 505, 5th Floor, Vicky Apartment T.P.S. IV, Plot No. 1225, Old Prabhadevi Road, Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10208-A/85-86 on 3/3/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 29-10-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. T. R. Mulchandani

(Transferor)

(2) Bush India Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

No. AR-1/37EE/10885/85-86.—Whereas, I,

NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Gala No. 1-B on 1st & 2nd floor each, Industry House Premises CSL (proposed) Plot No. 250-B, Worli Estate Scheme No. 52, Bombay-18, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Gala No. 1-B on 1st & 2nd floor each, Industry House Premises Co-op. Soc. Ltd. (Proposed) Plot No. 250-B, Worli Estate Scheme No. 52, Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10216/85-86 on 3/3/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 27-10-86
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Saral Enterprises

(Transferor)

(2) Dr. Viral C Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

No. AR-I/37EE/10895/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. A on 25th fl. One garage & Servant room at Vikas Tower, Walkeshwar Road, Bombay-6, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. A on 25th floor & one garage & Servant room at Vikas Tower, Walkeshwar Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10217/85-86 on 3/3/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 27-10-86
Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) M/s Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Dr. Viral C Shah.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY**

Bombay, the 27th October 1986

No. AR-I/37EE/10896 85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. A on 26th floor & Two Garages at Vikas Tower,
Walkeshwar Road, Bombay-6
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 3-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
~~whichever period expires later;~~

(b) by any other person interested in the said immoveable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULEFlat No. A on 26th floor and Two Garages at Vikas Tower,
Walkeshwar Road, Bombay-400 006.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10218/85-86 on
3/3/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.

Dated : 27/10/86
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Puri Const. (Bombay) Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) A. C. Leo, D. K. Leo, Ania D Narain,

Dr. (Miss) Sarla Sheth, Sunanda V Nadkarni,

Vrinda Betribit, Rajnikant G Hemani, HUF.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 27th October 1986

No. AR-I/37EE/10897/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Basement No. 54 & 54, Ashoka Shopping Centre, G.T. Hospital Complex, L.T. Marg, Bombay-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Basement No. 54 & 54, Ashoka Shopping Centre, G.T. Hospital Complex, L.T. Marg, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10219/85-86 on 3/3/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the said Act or the Wealth-tax (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
46—386 GI/86

Dated : 27/10/86
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Trustees of the Parsi Panchayat
Funds & Properties. (Transferor)
(2) Mr. Boman N Irani
Mrs. Homai B Irani (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

No. AR-I/37EE/10910/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 14, 1st floor, situated at B. G. Kher Marg (Gibbs Road) C. S. No. 484 (pt) of Malabar Hill Divn. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 14, 1st floor, situated at G. G. Kher Marg (Gibbs Road) C.S. No. 434 (pt) of Malabar Hill Divn.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10221/85-86 on 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-section, namely :—

Date : 27-10-86
Seal :

FORM ITNS(J) Mr Madhusudan J Shah &
Mr Devanand J Shah

(Transferor)

(2) Mrs. Pratibha B Shah

(3) Transferors.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

No. AR-I/37EE/10963/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4 on 5th floor and open car parking space on ground floor, Dun Apartment, Jaojee Dadajee Road, Bombay-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of tax liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 5th floor and open car parking space on ground floor, Dun Apartment, Jaojee Dadajee Road, Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37FF/10158/85-86 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-86
Seal :

FORM ITNS

(1) Devikarance Nihalchand Arora

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

No. AR-I/37EE/10965/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 19, 3rd Floor The Worli Bhaveshwar Co op. Hsg. Society 148-B, Dr. A.B. Road, Worli, Bombay-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sharad Janardan Muktidoot
Lakshmi Janardan Muktidoot

(Transferee)

(3) Nil.

(Person in occupation of the property)

(4) Nil

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 19, 3rd Floor, The Worli Bhaveshwar Co-op. Housing Society, 148-B, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10159/85-86 on 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-86
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr Ashok R. Patel

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Nitin A. Patel

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

No. AR-I/37EE/10985/85-86.—Whereas, I, NISAR ARMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 13, Bhaveshwar Kunj Plot No. 158, Sion West, Bombay-22 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bonibay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 13, Bhaveshwar Kunj, Plot No. 158, Sion West, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10160/85-86 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 27-10-86
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

No. AR-I/37EE/10997/85-86.—Whereas, I,
NISAR ARMED,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 16, 5th Floor Kailas Nagar, 658, Tardeo Road, Bombay-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Kantilal Shripatrai Thakore,
 Mrs. Pritima Piush Desai,
 Lina Prakash Desai,
 Chitra Gautam Thakore and
 Gita Jagdish Munshi

(Transferor)

(2) Dhirem Kantilal Shah,
 Jayesh Kantilal Shah
 Chandravati Kantilal Shah and
 Jayshree Dhiren Shah

(Transferee)

(3) Kantilal Shripatrai Thakore
 Mrs. Gita Jagdish Munshi
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 5th Floor Kailas Nagar, 658 Tardeo Road, Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10161/85-86 on 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I,
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-86
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr J. R. Mehta &
Mrs S. R. Mehta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

No. AR-I/37EE/10998/85-86.—Whereas, I,

NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3A/1, 3rd floor Giriraj CHSL, 11, Altamount Road, Bombay-400 026
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Mrs Manju H. Agarwal

(Transferee)

(3) Mr. S. R. Mehta

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3A/1, 3rd floor, Giriraj C.H.S. Ltd., 11, Altamount Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10162/85-86 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the ~~means of this notice under~~ subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-10-86
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) S. Y. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mr. Shoshil Kumar Kastiya &
Mrs Chandrakanta Kastiya

(Transferee)

(3) S. Y. Builders Pvt. Ltd.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11000/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 2, 9th floor Building No. 5, C.S. No. 868 1/868
Worli, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
situated at Bombay
Worli, situated at Bombay
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of . . .

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 9th floor, Building No. 5, C.S. No. 868/1/868
Worli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10163/85-86 on
3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 27-10-86
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) B. Y. Builders Pvt. Ltd.

(fTransferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Mr Vinaychand Hirawat
Mrs Vidya Hirawat

(Transferee)

(3) Transferor
(Person in occupation of the property)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11001/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, 16th floor Building No. 5, C.S. No. 868/1 868 Worli, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 16th floor, Building No. 5, C.S. No. 868/1/868 Worli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10164/85-86 on 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
47—386 GI/86

Date : 27-10-86

Seal :

FORM ITNS

(1) B. Y. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Ratan Devi Hirawat.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**
**ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11004.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 1, 14th Floor, Bldg. No. 5, property bearing C.S.
No. 868/1/868, Worli, Bombay, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 3-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 14th Floor, Bldg. No. 5, Property bearing
C.S. No. 868/1/868, Worli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10165 on
3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 27-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Abhay Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Rajinder Miglani & Others.

(Transferee)

(3) Abhay Properties Pvt. Ltd.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11005/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 3, 3rd fl., C.S. No. 7268 at Rajabally Road, Off. Bhulabhai Desai Road, Bombay-26 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 3rd floor, C.S. No. 768 at Rajabally Road, Off. Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/10166/86-86 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) B. Y. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Maninder Singh
S/o Jagat Singh

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) N.A.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11014/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1, 18th Floor, Bldg. No. 5, Property Bearing C. S.
No. 868/1/868, Worli, Bombay
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 3-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer:
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 18th Floor, Bldg. No. 5, Property bearing
C.S. No. 868/1/868, Worli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10167/85-86 on
3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 27-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) S. Y. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Shri Siddharth Singh
U/g Maninder Singh

(Transferee)

(3) S. Y. Builders Pvt. Ltd.
(Person in occupation of the property)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11016/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 2, 18th floor, Bldg. No. 5, C. S. No. 868 1/868,
Worli, Bombay
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 of the Office of
the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 18th floor, Building No. 5, C.S. No. 868 &
1/868 of Worli Division, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10168/85-86 on
3-3-1986.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section 1) or section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 27-10-1986
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) B. Y. Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
 (2) Simplex Enterprises. (Transferee)
 (3) Transferor. (Person in occupation of the property)
 (4) N.A.

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11017/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, Floor No. 10, Bldg. No. 5, Property bearing C.S. No. 868 & 1/868 Worli, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Floor No. 10, Bldg. No. 5, Property bearing C.S. No. 868 & 1/868 Worli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10169, 85-86 on 3-3-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) B. Y. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Varsha D. Mansukhani,

(Transferee)

(3) Transferor.

(person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11018/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 2, 8th Floor, Bldg. No. 5, Property bearing C.S. 868, 1/868 Worli, Bombay-5

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 8th Floor, Bldg. No. 5, Property bearing C.S. No. 868, 1/868 Worli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/10170/85-86 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 27-10-1986

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bhailal P. Pithha,
Smt. Kanchan B. Pithha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Heerachand M. Jain
alias H. M. Jain
Smt. Madhubala H. Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11021/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 402, 4th floor, Almaj Building, A. K. Marg, Opp. Cumballa Hill Hospital, Bombay-400 036
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Almaj building, A. K. Marg.
Opp. Cumballa Hills Hospital, Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10171/85-86 on 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date : 28-10-1986

Seal :

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Mr. Jadish C. Vora.

(Transferor)

(2) M/s. Manilal & Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY**

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11024/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 33, 3rd Floor Acadia Co-op. Society Ltd., Nariman Point, Bombay-400 021 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 33, 3rd Floor, Acadia Co-op. Society Limited
Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10172/85-86 on 3-3-1986.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
48—386 GI/86

Date : 27-10-1986

Seal ;

FORM ITNS.—

(1) V. & M. Associates,

(Transferor)

(2) Miss. Neeta Moreshwar Kelkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

No. AR-I/37EE/11034/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-2, Cadastral Survey 191 (3), Parel-Sewri Division, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. B-2, Cadastral Survey 191 (3), Parel-Sewri Division, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10222/85-86 on 3-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1986
Scal :

FORM ITNS

(1) Mr. Bharat kamte.

(Transferor)

(2) Dyna Implex Private Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

No. AR-I/37EE/11052/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1st Floor of the Building known as Cecil Court, Colaba, Bombay-400 005 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1st Floor of the Building known as Cecil Court, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10225/85-86 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Seal :

Date : 27-10-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11054/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Residential house property known as Madallion bearing plot No. 174, Municipal Scheme 57, Sewri, Wadala, North Street No. 2054, Matunga Road, Wadala, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Mrs. Olga Gracious & Osborne Dias (Transferor)
- (2) Mr. Anthony Silva (Transferee)
- (3) Miss Sheila Dyer (Person in occupation of the property)
- (4) Transferee (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential house property known as Madallion bearing plot No. 174, Municipal Scheme 57, Sewri, Wadala North Street No. 2054, Matunga Road, Wadala, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10226/85-86 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11059.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office premises No. 305, 3rd Floor, B, Bhagwatsingh Road,
Bombay-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at Bombay on
3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration and the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

- (1) Mr. Deepak Sekhri (Transferor)
- (2) Shri Ram Nathmal Karnamli (Transferee)
- (3) N. A. (Person in occupation of the property)
- (4) N. A. (Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (37 of 1957);

THE SCHEDULE

Office Premises No. 305, 3rd floor, B Bhagwatsingh Road,
Bombay-1.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10227 on 3-3-
1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 27-10-1986
Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE /11093.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 17, 1st floor, Rohit Chambers Choga Street, Fort Bombay-400 001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ameena N Nizami (Transferor)
- (2) Shri Shabeb Rizvi and Shri Yusuf H. Rizvi (Transferee)
- (3) N. A. .. (Person in occupation of the property)
- (4) N. A. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Rm. No. 17, 1st Floor, Rohit Chambers, Ghora Street, Fort Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I/37EE/10232 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 27-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Messers. Appollo Constructions

(Transferor)

(2) Miss. Kavita. U. Hingorani,
Dr. Mrs. Madhu. U. Hingorani and
Mr. Rajan. H. Hingorani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11096.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, 8th Floor Monica, Fazal Road, Shobani Road, Colaba Bombay-400 005 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1968 Gowcarpet (Doc. Nos. 154 and 155/86) on 27th March, 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 8th floor, 'Monica' Fazal Road, Shobani Road, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10233 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1986
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11105.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Bldg. Hormuzd Mansion Ground Floor, 266, 266A, 266D, Jaojee Dadajec Road, Motibai Street, Tardiv Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on

3-3-1968

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Rathashaw Nowroji Contractor, Nariman Maneksha & Cowasji Dhunjibhy Batliwala. (Transferor)
- (2) Manek Pirojshah Shroff, Gai Manek Shroff & Percy Manek Shroff. (Transferee)
- (3) Fully tenanted as per list (Person in occupation of the property)
- (4) None except the Vendor Trustees (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. Known as Hormuzd Mansion, 266, 266-A, 266D, Ground floor, Jaojee Dadajec Road, 264, 264A, 264B Motibai Street, Tardiv Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10234 on 3-3-1986.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

NISAR AHMED
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1986
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11113/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 603, 6th floor, 17 Meghraj Seth Lane, Bage-Rehmat, Agripada Rajput Villa Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Agripada Estate, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1968 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Dr. Mohammed Khail Essa Memon (Transferor)
- (2) Mrs. Khurshid Saeed Shah (Transferee)
- (3) Transferee (Person in occupation of the property)
- (4) None (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 603-B, 6th Floor, 17, Meghraj Seth Lane, Rage-Rehmat, Agripada Rajput Villa Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Agripada Estate, Bombay 400 008.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10238 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1' of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 49—386 GI/86

Date : 27-10-1986
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11123/85-86.—Whereas, 1,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 141, 5th Floor Ashok Samrat III Winter Road.
Bombay-400 006
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on
3-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Mr. Haresh Jayantilal Shah (Transferor)
- (2) Mr. Naresh Jayantilal Shah
Mr. Mukesh Jayantilal Shah (Transferee)
- (3) Transferor (Person in occupation of the property)
- (4) N. A. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 141, 5th floor, Ashok Samrat III, Winter Road.
Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10240 on
3-3-1968

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 27-10-1986
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37ER-11131.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 52, 9th Floor, Sunita Co-op. Hsg. Soc. Cuffe Parade, Bombay-5
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds

the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (1) Dashrathlal Gordhandas Zaveri (Transferor)
- (2) Abbasbhoy Karibhoy Dohadwalla Yusufbhoy Karimbhoy Dohadwalla Zoobhoy Karimbhoy Dohadwalla (Transferee)
- (3) Purchasers (Person in occupation of the property)
- (4) None (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 52, 9th floor, Sunita Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Cuffe Parade, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10241 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Ram Chandra Chaudhry (Transferor)
 (2) M/S A Venues Advertising Pvt. Ltd. (Transferee)
 (3) Transferor (Person in occupation of the property)
 (4) N. A. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11139.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 15, 4th Floor Bldg. Marthanda, Love Grove Premises Co-op. Soc. Ltd., 84, Dr. A. B. Road, Worli, Bombay-18 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the immovable property, within 24 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No.15, 4th Floor, Bldg. Marthanda, Love Grover Premises Co-op. Soc. Ltd., 84, Dr. A. Beasant Road, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I 37EE/10242 on 3-3-1986

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11140.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 52 Maker Tower 1 Cuffe Parade, Bombay-400 005 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Dr. Gangram H. Gidwani (Transferor)
- (2) Forvol Investment & Trading Co. (Transferee)
- (3) Transferee (Person in occupation of the property)
- (4) None (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

52 Maker Tower 1, Cuffe Parade, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10243 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Mrs. Rashmiben H. Thana. (Transferor)
 (2) Mr. Sunil Hansraj Merchant. (Transferee)
 (3) Transference. (Person in occupation of the property)
 (4) N.A. (Person whom the undersigned know to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/1147.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 13, 3rd Floor, Kalpana, 96, Marine Drive, Bombay-400002, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd Floor, Kalpana, 96, Marine Drive, Bombay-400002.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10244 on 3/3/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings refo the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Seal :
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Bharwant Bros. & Co.

(Transferor)

(2) Mr. Vinod C. Gandhi and
Mr. Kala V. Gandhi,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
 BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11150.—Whereas I,
 NISAR AHMED,
 being the Competent Authority under Section 269B
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
 Flat No. 502, Shiv Lila, Alibhai Premji Road, Grant Road, Bombay-7
 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 502, Shiv Lila, Alibhai Premji Road, Grant Road
 The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37/10245 on 3/3/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

Date : 27-10-1986
 Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) The Vaibhav Co-operative Bank Ltd.
(Transferor)
(2) Shri Ganesh Narayan Seboo and
Smt. Sitadevi Saboo.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11153.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shops Nos. 4, 5, 6 situated on the ground floor of Building
'Gokul' of the Society Viz. Modern Bhuleshwar Co-operative
Society, Bhuleshwar, Bombay-2
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 3-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shops Nos. 4, 5, and 6 situated on the ground floor of
Building 'Gokul' of the Society Viz. Modern Bhuleshwar
Co-operative Society, Bhuleshwar, Bombay-2.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10247 on
3/3/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 28-10-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) M/s. Plaza Diamond Properties Pvt. Ltd.
(Transferor)
(2) Shri Laxman K. Popley
Partner of—
M/s. Kewalram Ghashyamdas Popley & Sons.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11161.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 304, 3rd Floor, Diamond Plaza, Dr. D. B. Marg, Bombay-400004 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Unit No. 304, 3rd Floor, Diamond Plaza, Dr. D. B. Marg, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10250, on 3/3/1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
50—386 GI/86

Date : 28-10-1986
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Demuben Jevat. (Transferor)
 (2) Shri Rikhabdas Nammal Shah and Smt. Shanta Rikhabdas Shah. (Transferee)
 (3) Vendor. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11163.—Whereas, I, **NISAR AHMED**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1C, 1st Floor, Happy Home Apartments, N28, Nepean Sea Road, Bombay-26 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269A-B of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1C, 1st Floor, Happy Home Apartments, N28, Nepean Sea Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10251 on 3/3/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Anil Johar and
Neelam Johar Moddie.

(Transferor)

(2) Shri Gautam R. Patel and
Ramabhai H. Patel.

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AR-I/37EE/11164/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 3-B on the 3rd floor of Court Chambers Premises Co-operative Society, 35, New Marine Lines, Bombay-400020 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Office premises No. 3-B on the 3rd floor, Court Chambers Premises Co-operative Society, 55, New Marine Lines, Bombay-20.

This agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10252/85-86 on 3/3/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-10-1986
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Shrichand J. Sadarangani,
Smt. Asha Shrichand Sadarangani.
(Transferor)
- (2) Shri Shankerlal Dipchand Golani,
Smt. Meora Shankerlal Golani,
Master Ravi Shankerlal Golani.
(Transferee)
- (3) Transferees.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11168/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 52, 5th floor Land Mark with Garage No. 6, Highland Mark CHSL, Carmichael Road, Bombay-26 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the Object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 52 on 5th floor, Land Mark, Highland Mark CHSL, Carmichael Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10253/85-86 on 3-3-1968

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following "us", namely :—

Date : 28-10-1986
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Tata Housing Development Co. Ltd.
(Transferor)
(2) M/s. RDI Print & Publishing Pvt. Ltd.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11190/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 61 on the floor in 'FALCON'S CREST', Plot 1/202, G. D. Ambedkar Marg, Parel Tank Road, Bombay-12 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 61 on the 6th floor in 'FALCON'S CREST', Plot No. CTS 1/202, G. D. Ambedkar Marg, Parel Tank Road, Bombay-400012.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10267/85-86 on 3/3/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Dadha,
Smt. Jiya K. Dadha,
Mr. Kanti Kumar Dadha,
Mr. Mahesh Kumar Dadha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION (269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 27th October 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immoveable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/11195/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 3 on 6th floor, Patel Towers, B. G. Kher Road,
Worli, Bombay-18
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 3-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Flat No. 3 on 6th floor, Patel Towers, B. G. Kher Road,
Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10271/85-86 on
24-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 27-10-1986

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Kirkire Associates.

(Transferor)

(2) M/s. Deepal Builders and Land Developers.

(Transferee)

(3) V. R. Limaye and tenants.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 28th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11211/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property at Plot No. 101, 4th Lane, Hindu Colony, Dadar,
Bombay-400014.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 24-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Property at Plot No. 101, 4th Lane, Hindu Colony, Dadar,
Bombay-14.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10278/85-86 on
24-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 28-10-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Vidya Hariram Makhija.

(Transferor)

(2) Mr. V. C. Jhaver and

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 27th October 1986

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-I/37EE/11223.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Flat No. 52, 5th floor, Land Mark with Garage No. 6, exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301, Mansarovar Co-operative Housing Society, Mt. Pleasant Road, Bombay-6 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 301, Mansarovar Co-operative Housing Society, Mt. Pleasant Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10279 on 24-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1986
Seal :